हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

12 जुलाई, 1991

खण्ड 1, अंक 4

अधिकृत विवरण

विशय सूची

भाुक्रवार, 12 जुलाई, 1991

पृश्ठ संख्या

विभिन्न विशयों का उठाया जाना	(4)1
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव– हरियाणा राज्य में मनुश्यों तथा प ाुओं के लिए पीने के पानी की कमी सम्बन्धी	(4)1
वक्तव्य– मुख्यमंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव सम्बन्धी	(4)2
जिला हिसार के गांव बड़ौपल में कुछ हरिजन परिवारों को उनके घरों से निकालने सम्बन्धी मामला	(4)8
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव– राज्य में चारे की कमी सम्बन्धी (अथौरिटी पर अनुमति नहीं दी गई)	(4)9
नियम 15 के अधीन प्रस्ताव	(4)10
नियम 16 के अधीन प्रस्ताव	(4)10

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव– कमेटियों के सदस्यों को नामजद करने के लिए अध्यक्ष महोदय को प्राधिकार देने सम्बन्धी	(4)11
नियम 22 (2) के अधीन प्रस्ताव	(4)12
बिल– दि हरियाणा ऐप्रोप्रिए ान नं0 3 बिल, 1991	(4)12
वक्तव्य– मुख्यमंत्री द्वारा जिला हिसार के गांव बड़ौपल में कुछ हरिजन परिवारों को उनके घरों से निकालने सम्बन्धी	(4)15
दि हरियाणा ऐप्रोप्रिए ान नं0 3 बिल, 1991 (पुनरारम्भ)	(4)17
राज्य पाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)	(4)19
वाक आउट	(4)101
राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ) तथा मतदान	(4)103

हरियाणा विधान सभा

भाुक्रवार, 12 जुलाई, 1991

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री ई वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

विभिन्न विशयों का उठाया जाना

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, कल हमने एक कालिंग अटैं ान मो ान ला एण्ड आर्डर की स्थिति के बारे में आपको दिया था और आपने यह कहा था कि मैं इस पर विचार कर रहा हूं। अब तक तो भाायद आपने उस पर विचार कर लिया होगा। मैंने यह सबमि ान की थी कि मैम्बर ऑफ पार्लियामैंट पर कातिलाना हमले हो रहे हैं। इसी तरह से कई कैंटर गैंग हमले कर रहे हैं। लोगों से मारपीट व लूटपाट कर रहे हैं और सारे राज्य में असुरक्षा की भावना पैदा हो गई है। हरियाणा स्टेट में बहुत ही बुरे हालात पैदा हो गये हैं।

Mr. Speaker: You need not make a speech.

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, यह तो मैंने आपसे सबमि ान की थी।

Mr. Speaker: This is still under consideration. Please be seated.

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव–

हरियाणा राज्य में मनुश्यों तथा प ुओं के पीने के पानी

की कमी संबंधी

Mr. Speaker: Hon. Members, I have received notices of calling attention motion Nos. 2 & 6 (bracketed with No. 2) given notice of by Shrimati Chandravati and Sarvshri Amar Singh & Ram Bhajan, M.L.As, respectively, regarding shortage of drinking water for human-beings and eattle in Haryana State. I admit both the motions. Smt. Chandravati may please read her notice and the concerned Minister may make the statement thereafter.

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, मैं इस महान सदन का ध्यान एक अत्याव यक लौक महत्व के विशय की ओर दिलाना चाहती हूं कि लोहारू हलके में पीने के पानी की भारी कमी है। अतः मैं सरकार से निवेदन करती हूं कि वह इस सम्बन्ध में सदन में एक वक्तव्य दे।

स्पीकर साहब, मैं अपना दूसरा नोटिस भी पढ देती हूं जिसे मैंने सर्वश्री अमर सिंह और राम भजन, एम0एल0एज0 के साथ दिया है।

श्री अध्यक्षः प्रैक्टिस तो नहीं है लेकिन यदि आप जरूर पढना चाहती हैं तो पढ दें। मन्त्री महोदय उसके बाद जवाब दे देंगे।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, हम इस महान सदन का ध्यान एक अत्याव यक लोक महत्व के विशय की ओर दिलाना चाहते हैं कि हरियाणा में वि ोशकर भिवानी जिले में मनुश्यों तथा प ाुओं के लिये पीने के पानी की भारी कमी है। अतः हम सरकार से निवेदन करती हैं कि वह इस सम्बन्ध में सदन में एक वक्तव्य दे।

स्पीकर साहब, प ाुओं के लिये और आदमियों के लिये पीने के पानी की बेहद कमी है। इसलिये मैं चाहती हूं कि स्थाई तौर पर सरकार की ओर से पीने के पानी का प्रबन्ध किया जाए। जोहडों को रिवाईव करना होगा और ऐसा काना हमारे सारे हरियाणा के हित में होगा। मैं तो यह कहूंगी कि बरसात का पानी केवल हरियाणा के लिये ही नहीं बल्कि सारे हिन्दुस्तान के लिये ही आव यक है। हजारों टन पानी जो समुद्र में जाता है, अगर उस पानी को इकटठा कर लिया जाता है तो दे ा में पानी की कमी नहीं रहेगी। पानी की इसलिये कमी है कि जगह जगह या तो मच्छर पैदा होने के लिये बरसात का पानी सडता रहता है या फिर वह पानी समुद्र या नदियों में चला जाता है। तो मैं आपके द्वारा अपनी सरकार से प्रार्थना करूंगी कि प्लानिंग कमी ान को इस बात के लिये रिकमैंड करना चाहिये कि बरसात का पानी इकटठा

होना बहुत जरूरी है। अगर हम पुराने बांधों को दोबारा रिवाईव करेंगे तो सब सायल पानी का स्तर और कुओं में पानी का स्तर जो हरियाणा में नीचे जा रहा है, वह भी ऊपर आ जाएगा।

श्री अध्यक्षः चन्द्रावती जी, आप इस समय स्पीच न करें। मन्त्री जी के वक्तव्य के बाद आप सवाल पूछ सकती हैं। आप कृपया बैठिए। अब मुख्यमंत्री जी जवाब देंगे।

वक्तव्य–

मुख्यमंत्री द्वारा उपरोक्त ध्यानाकर्शण प्रस्ताव संबंधी

मुख्यमंत्री (श्री भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, हरियाणा राज्य में कुल 6745 गांव हैं, जिनमें से 5686 गांव समस्याग्रस्त हैं। 31 मार्च 1991 तक 6354 गांवों में पीने के पानी की सुविधा प्रदान कर दी गई है जिनमें से 5611 गांव समस्याग्रस्त हैं। इस प्रकार मार्च 1992 तक भोश 391 गांवों में पीने के पानी का प्रबन्ध करने का लक्ष्य पूरा कर लिया जाएगा।

जल वितरण योजनाएं, 1954 में राश्ट्रीय जल वितरण व मल निकास कार्यक्रम के अन्तर्गत आरम्भ की गई थीं। जो योजनाएं भाुरू के वर्शों में चालू की गई थीं, उनमें से भी कई गांवों में जनसंख्या की वृद्धि के कारण जल मात्रा में बढौतरी करनी आव यक है। इस समय राज्य में 2723 ऐसे गांव हैं जिनमें जल मात्रा की बढौतरी किए जाने की आव यकता हैं आज के मूल्यों

के अनुसार इस कार्य के लिए लगभग 290 करोड रूपये की आव यकता होगी।

जिला भिवानी में 424 गांव हैं तथा सभी में पीने के स्वच्छ जल की सुविधा उपलब्ध है। इनमें से 275 गांवों में जल वितरण की मात्रा की उचित स्तर पर बढौतरी किए जाने की आव यकता है। फिर भी इस समय इन गांवों में 20 से 30 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के हिसाब से पीने का पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। पीने व खाना बनाने के लिए कम से कम 10 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन पानी की आव यकता होती है जो कि इस समय इन सभी गांवों में उपलब्ध है।

जहां प ुओं के लिए जल की व्यवस्था के लिए ग्रामीण जनता प्राकृतिक तालाबों पर निर्भर है वहां पानी की कुछ समस्या है। जिला भिवानी में कुल 399 ऐसे तालाब हैं जिनमें से 322 तालाब हाल ही में नहरी पानी से भर दिए गए हैं जबकि 60 तालाब 15 तारीख तक भर दिए जाएंगे और भोश 17 को 21 तारीख तक भर दिया जाएगा। प ुओं के लिए पानी की समस्या जटिल इसलिए हुई है कि इस वर्श मानसून आने में देरी हुई है। फिर भी वर्तमान सरकार द्वारा समय पर उठाए गए पगों के कारण इस स्थिति पर काबू पा लिया गया है।

जिन गांवों में जल की मात्रा आव यक स्तर से कम है, वहां इसकी बढौतरी के लिए लगभग 200 गांवों के लिए 21 करोड

रूपये की अनुमानित रा ि ा की 68 योजनाएं स्वीकृत की गई हैं। हम प्रयत्न करेंगे कि इन्हें आगामी तीन वर्शों में पूरा कर लिया जाए। इन योजनाओं के पूर्ण होने पर सभी गांवों में न्यूनतम आव यकतानुसार जल वितरण की व्यवस्था हो जाएगी।

हरियाणा राज्य में कुल 80 नगर हैं और सभी में पाईप्ड जल वितरण की सुविधा उपलब्ध हैं विभिन्न नगरों में जल आपूर्ति का स्तर निर्धारित सीमा का 40 प्रति ात से 100 प्रति ात तक है। हम कोि ा ा करेंगे कि इसे बढाया जाए।

जिला भिवानी में 6 नगर हैं, जिनमें से भिवानी ए श्रेणी, चरखी दादरी बी श्रेणी तथा भोश 4 सी श्रेणी की नगरपालिकाएं हैं। इन सभी नगरों में जल आपूति की दर 45 प्रति ात से 95 प्रति ात तक है। पीने के पानी की न्यूनतम सुविधा इन सभी नगरों में उपलब्ध है।

जिला भिवानी के लोहारू विधान सभा क्षेत्र में कुल 118 गांव व एक सी श्रेणी का नगर है। इस विधान सभा क्षेत्र में केवल 36 ऐसे गांव हैं जहां जल की उपलब्धि की दर लगभग 20 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन है। भोश 82 गांवों में पेयजल की सुविधा उचित दर के अनुसार उपलब्ध है। 1.72 करोड रूपये की अनुमानित रा ि ा की पांच परियोजनाओं पर काम तेजी से चल रहा है जिसे मार्च 1992 तक पूरा किए जाने का लक्ष्य है। इन पांच परियोजनाओं को जिनसे 27 गांव लाभान्वित होंगे, आव यक

धनराि ा उपलब्ध करा दी जाएगी। भोश 9 गांवों में भी अतिरिक्त नलकूप लगाने की योजनाओं को इसी साल क्रियान्वित करने की कोि ा ा करेंगे।

श्री अमर सिंहः स्पीकर साहब, चीफ मिनिस्टर साहब ने हाउस में बहुत खूबसूरती से आंकडे दिए हैं। इससे मालूम होता है कि भिवानी जिले में पीने के पानी की कोई कमी नहीं है और किसी गांव में दो दो और तीन तीन सौ घड़े एक एक नल पर नहीं रहते। इनके आंकडों के मुताबिक पानी सही मिल रहा हैं हम लोग सात तारीख को तो यहां आ गए थे, उससे पहले 24 जून से 29 जून तक मैं बवानी खेड़ा हलके के 72 गांवों में लोगों को धन्यवाद देने के लिए गया था और तो ाम हलके के 102 गांवों में चौधरी बंसी लाल जी के साथ गया था, वहां पानी की कमी है। बाकी के भिवानी जिले में भी करीब हर गांव में जहां वाटर वर्कस है वहां भी पानी की कमी है और जहां वाटर सप्लाई नहीं है वहां तो पानी है ही नहीं। मेरै हलके बवानी खेड़ा में एक भोजराज गांव है वहां के लोग तीन किलोमीटर दूर से दायमा गांव से पानी लाकर पीते रहे हैं और अब भी उनकी स्थिति यही है। नलवा वाटर सप्लाई स्कीम में आठ गांव पड़ते हैं, वे है– नलवा, दायमा, बालावास, कंवारी, धमाना, गुंजार और भोजराज आदि आदि। इन सारे गांवों में पानी की स्थिति ऐसी ही है। मैं मुख्य मंत्री जी के नोटिस में लाना चाहता हूं कि इन गांवों में अगर सुबह 15 मिनट पानी आता है तो भाम को नहीं आता।

श्री अध्यक्षः आप कृपया सवाल पूछें।

श्री अमर सिंह धानकः मैं सवाल ही पूछने जा रहा हूं जी। आप अंदाजा लगा सकते हैं कि 15 मिनट में कितने घड़े पानी के भरे जा सकते हैं। इसके अलावा इन गांवों में यह भी प्रौब्लम है कि यदि एक गांव में 12 नलके हैं तो उन 12 नलकों में से 2 नलकों में पानी आता है 10 में नहीं आता। स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी ने जो स्टेटमैंट पढी है, उसके मुताबिक पीने के पानी की बहुत कम भाार्टेज दिखाई गई हैं लेकिन हकीकत यह है कि इन गांवों में पीने के पानी की बहुत कमी है जिसको पूरा करना बहुत ही जरूरी है। मैं आपके द्वारा मुख्य मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या सरकार कोई टाईम बाउंड प्रोग्राम बनाएगी कि इतने अर्से के अंदर उन गांवों में पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध करा दी जाएगी ?

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इनकी बात में वजन है। आप सभी जानते हैं कि भिवानी जिले में सबसे भयंकर पीने के पानी की समस्या थी। अध्यक्ष महोदय, हरियाणा 1966 में बना था। आज हरियाणा प्रान्त बने 25 साल हो गए हैं। हरियाणा प्रान्त बनने के बाद जब चौधरी बंसी लाल जी मुख्य मंत्री बने थे तो उस समय इन्होंने सबसे पहले भिवानी जिले में पीने के पानी की योजनाएं भाुरू की थीं। भिवानी जिले में 424 गांव हैं उन 424 गांवों में से ऐसा कोई गांव नहीं है जिसमें वाटर सप्लाई स्कीम न पहुंची हो। जब चौधरी बंसी लाल जी की सरकार आई तो इन्होंने इस काम

को करने की कोि ा ा की। यह भी सही बात है कि उस समय गांवों की आबादी बहुत थोडी थी। हरियाणा प्रान्त बनने के बाद 25 साल में गांवों की आबादी बहुत ज्यादा बढ गई है। इसलिये जितना पानी लोगों को मिलना चाहिये उतना नहीं मिल रहा है। भिवानी जिले मैं 424 गांव हैं। इन 424 गांवों में से 275 गांवों में 20 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन के हिसाब से पानी बडी मुि कल से मिलता है।

श्री बंसी लालः कई दफा तो गांवों में पीने का पानी आता ही नहीं है।

श्री भजन लालः हो सकता है कई दफा नहीं भी आता हो। भिवानी जिले में पीने के पानी की सभी योजनाएं आप ही ने भाुरू की थीं, इस बारे में मैं क्या कह सकता हूं। वह सारी आप ही की प्लान थी। आज जो प्लान बनती है वह 100 साल आगे की आबादी के आधार पर बनती है, आपने तो 25 साल आगे की आबादी का भी ध्यान नहीं रखा। यदि आप 25 साल आगे की आबादी का आधार मान कर वह प्लान बना देते तो भी काम चल जाता। लेकिन मैं यह बात कह सकता हूं कि 424 गांवों में से 275 गांवों में पीने के पानी जितना पहुंचना चाहिए उतना नहीं पहुंचता। हम यह कोि ा ा करेंगे कि जहां जहां पर भी बहुत पहले वाटर सप्लाई स्कीम चलाई गई और अब उन गांवों की आबादी बढ गई है, उन गांवों के लोगों को पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध कराने की तरफ हम सबसे पहले ध्यान देंगे और बहुत जल्दी ही

उन गांवों में हम पूरा पीने का पानी उपलब्ध कराने की कोि ा ा करेंगे।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मैं मुख्य मंत्री जी से एक बात कहना चाहती हूं कि एम0आई0टी0सी0 बोरिंग वैल लगाता है और पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट नल देता है। कई बार इन दोनों महकमों का आपस में तालमेल नहीं होता जिसके कारण लोगों को बडी परे ाानी होती है। इनका आपस में तालमेल न होने के कारण कहीं पर आधा कुआं खुदा पडा है और आधा वैसे ही पडा है। जैसे मैंने उदाहरण दिया था कि पाजू गांव में अढाई साल पहले तार चोरी हो गए जिसके कारण उस गांव का कुंआ बीच में ही पडा है। मैं चाहती हूं कि किसी जिम्मेदार और ईमानदार औफिसर से उस बारे में इन्कवारी कराएं। इसके अलावा मैं एक बात यह भी कहना चाहती हूं कि हमारे हरियाणा प्रान्त में खारे पानी को मीठे पानी में परिवर्तित करने के लिए कोई काम नहीं हुआ। मैं जानना चाहती हूं कि क्या सरकार हरियाणा प्रान्त में खारे पानी को मीठे पानी में परिवर्तित करने के बारे में निकट भविश्य में कोई विचार करने का इरादा रखती है ?

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, खारे पानी को इस्तेमाल करने के लिए कई स्टेटस में बहुत बार ट्रीटमैंट हुए हैं। मैं हरियाणा प्रान्त में ऐग्रीकल्चर मिनिस्टर भी रहा और उसके बाद चीफ मिनिस्टर रहा। फिर उसके बाद सैंटर में ऐग्रीकल्चर मिनिस्टर होने के नाते इस बारे में मैंनें बहुत काम करवाने की कोि ा ा

की लेकिन कुछ खारा पानी ऐसा है जो प्रयोग में लाया जा सकता हैं एक दो स्टेट ऐसी हैं जहां पर खारा पानी को इस्तेमाल में लाने के लिए काम किया गया है। मिसाल के तौर पर राजस्थान में एक दो जगह हैं और उडीसा में भी एक दो जगह पर काम हुआ हैं लेकिन हरियाणा प्रान्त में ऐसी कोई योजना चालू नहीं हुई क्योंकि यहां का किसान ऐसे पानी को अपनाता नहीं। हरियाणा का किसान कहता है कि अगर खारी पानी जमीन में चला गया तो उससे जमीन खराब हो जाएगी।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मैं तो मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहती हूं कि क्या सरकार के विचाराधीन हरियाणा प्रान्त में खारी पानी को मीठे पानी में परिवर्तित करने की कोई योजना है ?

श्री अध्यक्षः यह भाब्द रिकार्ड न किया जाए।

श्री भजन लालः बहन जी, यह बडा मु कल है। जितना कडवापन भिवानी जिले के पानी में है उतना कडवापन किसी और एरिया के पानी में नहीं है। वहां के आदमी ही मीठे नहीं होते तो पानी मीठा होना बहुत मु कल है। (हंसी)

श्री बंसी लालः भिवानी जिले के लोगों में कडवापन तो है यह सच्चाई है लेकिन आप तो ..... से भरे पडे हैं। (ाोर)

श्री अध्यक्षः यह भाब्द रिकार्ड न किया जाए।

श्री भजन लालः चौधरी साहब, यूं तो आप कुछ कहें आप उमर में बडे हैं। आप मेरे बडे भाई हो। हम आपकी इज्जत करते हैं वरना आप भी ..... बोलने में किसी से कम नहीं हो।

स्पीकर साहब, बहन जी ने कहा कि दोनों डिपार्टमैंटस का आपस में तालमेल नहीं है। हमारी कोि ा ा होगी कि आगे से एम0आई0टी0सी0 और पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट का तालमेल हो और बाकायदा हम डी0सी0 की अध्यक्षमता में एक कमेटी बनाएंगे जिससे सभी डिपार्टमैंटस का आपस में तालमेल हो। ऐसा होने से जो छोटी छोटी समस्याएं हैं वे तो बहुत जल्दी ही हल हो जाएंगी। आपसी तालमेल न होने के कारण एक डिपार्टमैंट कुछ कहता है और दूसरा डिपार्टमैंट कुछ कहता है। अब इस देरी को खत्म करने के लिए जो रूकावटें आती हैं, वे दूर करेंगे। एक बात यहां पर तारों की चोरी के बारे में कही गई। इस बारे में मेरा बहन जी से निवेदन है कि वे यह बात हमारे नोटिस में लाई। वह तो ठीक है लेकिन अगर ये हमें लिख कर भी भेज दें तो हमें कार्यवाही करने में आसानी होगी।

श्रीमती चन्द्रावतीः डिस्ट्रिक्टस में जो ऐडी ानल डी0सी0 लगते हैं, उनको प्रैक्टिकली कोई काम नहीं होता। मेरा यह सुझाव है कि उनको डिवैल्पमैंट के कुछ काम दे दें तो उनकी जो टेलेन्ट है उसका भी इस्तेमाल हो जाएगा और लोगों के काम भी जल्दी ही पूरे हो जाएंगे।

श्री भजन लालः आपने ठीक कहा है। पिछली सरकार की ऐसी नीति हो सकती हैं अब नई सरकार की यह पालिसी नहीं होगी कि कोई आफिसर खाली बैठकर तनख्वाह लेता रहे। सब आफिसरों की अलग अलग डयूटी लगाएंगे और बाकायदा जिम्मेवारी फिक्स करेंगे और जो अधिकारी अपनी डयूटी पर पूरा नहीं उतरेगा उसके खिलाफ हम कार्यवाही करेंगे।

श्री अमर सिंह धानकः स्पीकर साहब, मैं एक और सवाल पूछना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः ठीक है।

श्री अमर सिंह धानकः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से माननीय आनरेबल चीफ मिनिस्टर साहब से पूछना चाहता हूं कि क्या ड्रिकिंग वाटर की जरूरज पूरी करने के लिए किसी उच्च अधिकारी की या चीफ इन्जीनियर की अध्यक्षता में कोई कमेटी बैठायेंगे जो 15 दिन में अपनी रिपोर्ट दे दे ताकि सारा डैटा प्रैक्टिकली इनके सामने आ जाये।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, 15 दिन में रिपोर्ट मंगाना इसलिए ठीक नहीं रहेगा क्योंकि 15 दिन में न तो कोई लाईन लग सकती है और न ही टूटी ठीक हो सकती है। अगर हम सभी टूटियों को ठीक करने की कोि ा ा करेंगे तो भी वह ठीक नहीं सकेंगी। मैं आपको बताना चाहूंगा कि हम हर महीने उनसे उनकी प्रोग्रैस रिपोर्ट लेंगे कि आया 30 दिन के अन्दर अन्दर

आपने कौन कौन सी लाईन कितने किलोमीटर बिछा दी और वे किस स्थिति में हैं। हमने ऐसा सारे का सारा प्लान पहले से ही बना कर तैयार किया हुआ है। जो प्रदे ा में इस समय टूटियां बिल्कुल बेकार पडी हैं, टूट गई हैं, लाईन ठीक नहीं है, वह हम आने वाले 6 महीने में सारी टूटियां लगाने की कोि ा ा करेंगे और सारी लाईन जो खराब हो गई हैं, उन सबको 6 महीने में कम्पलीट कर देंगे।

श्री राम भजनः अध्यक्ष महोदय, भिवानी में सीवर के पानी और पीने के पानी की लाईन आपस में मिली हुई हैं। इससे भाहर के लोगौं की लाईफ को खतरा है। इससे पीलिया की बीमारी कुछ हद तक हो चुकी हैं और कुछ होने का खतरा है। इस बारे में क्या मुख्य मंत्री जी बताएंगे कि जो सीवर का पानी पीने के पानी के नलों में मिल कर आ रहा है और जिससे भाहर के लोगों के जीवन को खतरा है, उसको कब तक ठीक करवा पाएंगे ?

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने जिकर किया है कि पीने के पानी में गन्दा पानी सीवर लाईन से लीक होकर भाामिल हो गया हैं वैसे आमतौर पर सिस्टम यह है कि सडक के एक साईड में स्वच्छ पानी की लाईन जाती है और दूसरी तरफ गन्दे पानी की लाईन जाती हैं 100 परसैंट में से एक दो परसैंट जहां पर लाईन को आपस में ऊपर से क्रौस करना पडता है वहां वे मिल जायें तो अलग बात है नहीं तो इनके आपस

में मिलने का सवाल ही नहीं हैं इनको दूर इसीलिए रखते हैं ताकि गन्दा पानी और पीने का पानी आपस में न मिलें। पानी आपस में पाईपस के लीक होने से भी मिल जाता है। वैसे तो डिपार्टमैंट इन पाईपस को ठीक करने की कोि ा ा कर रहा है लेकिन फिर भी हमने इस सारी बात को डी0सी0 के जिम्मे लगाया है और उन्होंने बाकायदा इस समस्या के बारे में एक कमेटी भी बना दी है जो कि इस सारी बात को देखेगी और समस्या का समाधान करेगी। हम कोि ा ा करेंगे कि 3 दिन के अन्दर अन्दर गन्दा पानी पीने के पानी के अन्दर न मिले। अध्यक्ष महोदय, हम जानते हैं कि यह इन्सान की जिन्दगी से जुडा हुआ सवाल है और हम इसमें कोई कोताही नहीं बरतेंगे।

(इस समय कई सदस्य बोलने के लिए खडे हुए)

जिला हिसार के गांव बड़ौपल में कुछ हरिजन परिवारों को उनके घरों से निकालने सम्बन्धी मामला

श्री लहरी सिंहः अध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत ही जरूरी मामला सदन के नोटिस में लाना चाहता हूं। हिसार जिले के बड़ौपल गांव में कुछ बि ानोईयों ने हरिजनों के 15 घर उजाड दिए हैं। (विघ्न एवं भाोर) इस बारे में आज अखबार में भी छपा है। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप बैठिए। अभी तो कालिंग अटैं ान मो ांज चल रहे हैं। (विघ्न)

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही जरूरी मसला है। बि ानोईयौं ने हरिजनों के 15 घर उजाड दिए हैं। (विघ्न एवं भाोर)

श्री अमर सिंह धानकः स्पीकर साहब, यह मामला बहुत ही जरूरी है।

श्री अध्यक्षः अभी कालिंग अटैं ान मो ान्ज चल रही हैं। जिन्होंने कालिंग अटैं ान मो ान्ज के नोटिस दे रखे हैं वही सवाल पूछ सकते हैं। आप बैठें। आप यह मामला गवर्नर एड्रेस पर बोलते हुए उठा लेना।

श्री पीर चन्दः स्पीकर साहब, आप केवल एक मिनट हमारी बात तो सुन लीजिए यह बहुत ही जरूरी मामला है।

श्री अध्यक्षः आप अभी बैठिए।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव–

राज्य में चारे की कमी संबंधी

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I have received a notice of Calling attention motion No 9 from Sh. Ram Bilas Sharma, M.L.A. regarding shortage of fodder in the State. I have admitted it but Sh. Ram Bilas Sharma, is not present in the House. He has given in writing authorising Sh. Verinder Singh to raise the matter on his behalf. But it cannot be accepted. It is written in the book 'Practice and Procedure of Parliament' by Kaul and Shakdher-

"..... A member in whose name a calling attention notice appears in the list of Business cannot authorise another member to call attention on his behalf."

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, आपने सही पढा है और यह बात बिल्कुल ठीक है। लेकिन श्री राम बिलास भार्मा जी ने इसलिए रिक्वैस्ट भेजी है क्योंकि उनके साथी विधायक, जो भााहबाद के खैराती लाल जी हैं, उनके पिता जी की अचानक डैथ हो गई है और उनको अचानक वहां पर जाना पड गया है। अध्यक्ष महोदय, एक तो मेरी प्रार्थना है खैराती लाल जी के पिता जी को श्रद्धांजलि अर्पित की जानी चाहिए और दूसरे मैं अर्ज करूंगा कि यह कालिंग अटैं ान मो ान बहुत ही महत्वपूर्ण है। आप रूल में रिलैक्से ान दे सकते हैं। इसके लिए गवर्नमैंट तैयार भी होगी। यह मो ान चारे की कमी के बारे में है। यदि आप इजाजत दें तो मैं इसको पढ देता हूं मेरे विचार से ट्रेजरी बैंचिज को भी इसमें कोई आपत्ति नहीं होगी। उनकी ऐबसैंस डैलिबरेट नहीं हैं। उनके साथी विधायक के साथ चूंकि बहुत दु:खद घटना घट गई, इसलिए उन्हें यहां से जाना पड गया। I will request you, sir, to reconsider your ruling, relax the rules and allow me to read the calling attention motion.

Mr. Speaker: I have already given the ruling. Reference can be made about this matter during discussion on the Governor's Address.

श्रीमती चन्द्रावती: स्पीकर साहब, अन्धी औरतें धरने पर बैठी हैं। मैं सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहती हूं। उनको रोजगार देने का कुछ इन्तजाम किया जाना चाहिए। वे भाायद भूख हडताल पर बैठी हैं। (विघ्न) इस सम्बन्ध में कालिंग अटैं ान मो ान का नोटिस मैंने आज सुबह आपके औफिस में दिया था।

नियम 15 की अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now a Minister will move the motion under Rule 15.

Irrigation and Power Minister (Sh. Shamsher Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule Sittings of the Assembly', indefinitely.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule Sittings of the Assembly', indefinitely.

Mr. Speaker: Question is-

That the proceedings on the items of business fixed for today be exempted at this day's sitting from the provisions of the Rule Sittings of the Assembly', indefinitely.

The motion was carried.

नियम 16 के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now a Minister will move the motion under Rule 16.

Irrigation and Power Minister (Sh. Shamsher Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

Mr. Speaker: Question is-

That the Assembly at its rising this day shall stand adjourned sine-die.

The motion was carried.

नियम 121 के अधीन प्रस्ताव–

कमेटियों के सदस्यों को नामजद करने के लिए अध्यक्ष महोदय को प्राधिकार देने संबंधी

Mr. Speaker: Now a Minister will move the motion under Rule 121 regarding nomination of various Committees.

Irrigation and Power Minister (Sh. Shamsher Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

That the provisions of Rules 228, 230, 230-B and 260A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in

the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the

i) Committee on Public Accounts;

ii) Committee on Estimates;

iii) Committee on Public Undertakings; and

iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes;

for the year 1991-92 be suspended.

Sir, I also beg to move-

That this House authorises the Speaker Haryana Vidhan Sabha to nominate the Members of the aforesaid Committee for the year 1991-92 keeping in view the proportionate strength of various partiesa/groups in the House.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the provisions of Rules 228, 230, 230-B and 260A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the

i) Committee on Public Accounts;

ii) Committee on Estimates;

iii) Committee on Public Undertakings; and

iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes;

for the year 1991-92 be suspended.

Sir, I also beg to move-

That this House authorises the Speaker Haryana Vidhan Sabha to nominate the Members of the aforesaid Committee for the year 1991-92 keeping in view the proportionate strength of various partiesa/groups in the House.

Mr. Speaker: Question is-

That the provisions of Rules 228, 230, 230-B and 260A of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly in-so-far as they relate to the constitution of the

i) Committee on Public Accounts;

ii) Committee on Estimates;

iii) Committee on Public Undertakings; and

iv) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes;

for the year 1991-92 be suspended.

Sir, I also beg to move-

That this House authorises the Speaker Haryana Vidhan Sabha to nominate the Members of the aforesaid Committee for the year 1991-92 keeping in view the

proportionate strength of various partiesa/groups in the House.

The motion was carried.

नियम 22 (2) के अधीन प्रस्ताव

Mr. Speaker: Now a Minister will move the motion under Rule 22.

Irrigation and Power Minister (Sh. Shamsher Singh Surjewala): Sir, I beg to move-

That the discussion on Governor's Address be postponed in favour of the Appropriation Bill, 1991, in respect of excess demands over grants and appropriations for the year 1985-86.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the discussion on Governor's Address be postponed in favour of the Appropriation Bill, 1991, in respect of excess demands over grants and appropriations for the year 1985-86.

Mr. Speaker: Question is-

That the discussion on Governor's Address be postponed in favour of the Appropriation Bill, 1991, in respect of excess demands over grants and appropriations for the year 1985-86.

The motion was carried.

बिल–

दि हरियाणा ऐप्रोप्रिए ान नं0 3 बिल, 1991

Mr. Speaker: Now the Finance Minister will introduce the Haryana Appropriation No. 3 Bill, 1991 and also move the motion for its consideration.

Finance Minister (Sh. Mange Ram Gupta): Sir, I beg to introduce the Haryana Appropriation No. 3 Bill, 1991.

Sir, I also beg to move-

That the Haryana Appropriation No. 3 Bill, be taken into consideration at once.

Mr. Speaker: Motion moved-

That the Haryana Appropriation No. 3 Bill, be taken into consideration at once.

श्री बंसी लाल (तो ाम): स्पीकर महोदय, इस पर मैं कुछ कहना चाहता हूं। इन ऐक्सैस डिमांडज ओवर ग्रांटस में कुछ डिमांडज फाइनैंस और ऐजुके ान के ऊपर भी हैं। राज्यपाल महोदय, के अभिभाशण पर डिस्क ान के दौरान मैं उस रोज इस बारे में कहना भूल गया था। राज्यपाल महोदय के अभिभाशण के पेज सात पैरा 23 में लिखा है।

"..... A State Education Commission would be constituted so that the procedure for providing financial and admistrative assistance to the universities and colleges is streamlined."

10.00 बजे।

तो मेरा सरकार से यह सुझाव है कि ऐसा कमी ान बनाने की कोई आव यकता नहीं है। यह आव यकता इसलिये नहीं है कि पहले ही आपके पास पैसे की कमी है। आप चीफ सैक्रेटरी की चेयरमैनि ाप में, ऐजुके ान सैक्रेटरी और फाईनैंस सैक्रेटरी की एक कमेटी बना दें, वह इसका फैसला कर लेगी। इसके लिये प्रिंसीपल्ज पहले से ही लेड डाउन हैं अगर इस कमेटी को सरकार छोटी कमेटी समझती है तो फिर फाईनैंस मिनिस्टर की अध्यक्षता में एक कमेटी बना दें। नहीं तो ऐसा करना एक सफेद हाथी बांधने वाली बात होगी जिससे स्टेट को काफी नुकसान होगा और इससे स्टेट को कोई फायदा नहीं होगा। मेरे विचार में इस किस्म की कोई बीमारी मोल लेना स्टेट के लिये कोई अच्छी बात नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि जहां तक व्यापारियों का सवाल है, सबसे ज्यादा आमदनी सरकार को सेल्ज टैकस वे ऐक्साईज टैक्स से होती है। सेल्ज टैक्स के लिये व्यापारियों को इंस्पैक्टर्ज, डी0टी0ओज0 व ई0टी0ओज0 तंग करते हैं। 1975 से पहले इस बारे में, मैंने यह किया था कि व्यापारियों की दुकानों पर कोई इंस्पैक्टर न जाए और जब व्यापारी अपनी सेल्ज टैक्स की ऐनुअल रिटर्न भरकर दें तो सरकार उसी को ही सही मान ले। मुझे यह कहते हुए फख्र महसूस होता है कि मेरी इस बात से व्यापारियों ने पहले से ज्यादा सेल्ज टैक्स दिया, कम नहीं दिया। सरकार को घाटा नहीं पडा, सरकार की

आमदनी बढी। अगर यह सरकार भी उसी तरह से व्यापारियों को छूट दे दे तो अच्छी बात है। मैं समझता हूं कि व्यापारी ईमानदार होते हैं और वे किसी तरह से कोई गडबड नहीं करना चाहते। गडबड तो रि वत लेने वाले इंस्पैक्टर्ज व दूसरे अधिकारी करवाना चाहते हैं। व्यापारी बेईमानी नहीं करना चाहते। मेरे इन तीन सुझावों पर, मुझे पूर्ण वि वास है कि सरकार अव य ध्यान देगी और इस किस्म का जो ऐजुके ान कमी ान बनाने वाली बात सरकार के विचाराधीन है, इस बात को तो सरकार को सोचना भी नहीं चाहिये और सरकार को यह ड्रौप कर देनी चाहिये, चाहे चीफ मिनिस्टर इसके स्वयं अध्यक्ष बन जाएं। वैसे तो यू0जी0सी0 से सब प्रिंसीपल लेड डाउन हैं। तो मैं समझता हूं कि चीफ सैक्रेटरी की अध्यक्षता में कंसंर्ड सैक्रेटरीज के साथ इस तरह की एक कमेट ी बनाने से सारी बात हल हो सकती है। अगर इससे उपर जाएं तो फाइनैंस मिनिस्टर इसके चेयरमैन बन जाएं और इससे आगे ऐसी बात नहीं होनी चाहिये। ऐजुके ान कमी ान स्टेट का बहुत भारी नुकसान करेगा। एक नया चौधरी और बैठ जाएगा जो सब यूनिवर्सिटीज को तंग करेगा।

श्रीमती चन्द्रावती (लोहारू): अध्यक्ष महोदय, कल कुछ बातें कहनी रह गई थीं। एक बात तो यह है कि अडल्ट ऐजुके ान में जो बहुत सारे टीचर्ज लगा रखे हैं। उनको पिछली सरकार ने हटा दिया है। किसी को सर्विस तीन साल की है, किसी की 4 साल की हैं जैसी कि हमें जानकारी है कि दूसरे कई स्कूलों

में दो तीन हजार टीचर्ज की जरूरत हैं इसलिये ऐसे लोगों को दूसरे स्कूलों में ऐडजस्ट किया जा सकता है। यह बहुत ही जरूरी मसला है। सरकार के ऐसा करने से बहुत से रोजगार बेकार हो गये हैं। ऐसे निकाले हुए लोग कहां जाएंगे ? अब तो उनकी उमर भी ज्यादा हो गई है। वे और धन्धा भी नहीं कर सकते। वे बेचारे छोटे छोटे गांव और छोटे छोटे कस्बों के रहने वाले लोग हैं। इन लोगों के घरों में दूसरा और कोई कमाने वाला भी नहीं है।

अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात मेरी फौडर से सम्बन्धित है। इसके लिये ध्यानाकर्शण प्रस्ताव तो नहीं आ सकता लेकिन मैं यह कहना चाहती हूं कि इस समय फौडर की बहुत ज्यादा कमी है। एक बात मैं आप द्वारा सरकार से कहना चाहूंगी जिसका सम्बंध ज्यादातर किसानों व जमींदारों से है। आये दिन मेले लगते हैं लेकिन इन मेलों में किसानों व जमींदारों को किसी प्रकार की कोई सुविधा नहीं है। पहले मेले भरने कें लिये बाकायदा जगहें होती थीं ओर वह जगह हमे ाा के लिये मेलों के लिये नियुक्त होती थी। अब सडकों के किनारे या कहीं और मेलें लगते हैं जहां न पानी की सुविधा होती है, न वहां लोग इकटठे होते हैं और न ही स्वास्थ्य सम्बंधी कोई सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। प ा इतने आते हैं कि उनके चारे वगैरह के लिए कोई भी सुविधा नहीं रखी जाती। इसलिए मैं इस बात की तरफ आपका ध्यान दिलाना चाहती हूं।

कल चौधरी बंसी लाल जी ने कहा था कि फरीदाबाद में या और कहीं जो माइन्ज हैं, उनसे ज्यादा रैवेन्यू आ सकता है अगर वे सरकार के कब्जे में हौं। उनकी इस बात से मैं भी सहमत हूं। जहां तक ि ाक्षा का ताल्लुक है, इसमें आमूल चूल परिवर्तन होना चाहिए। इस वक्त बेकारी के बारे में मुख्य जो बातें हैं, वह यह हैं कि ि ाक्षा ठीक से नहीं दी जाती है। नकल का इतना ज्यादा सौदा हो गया है कि बच्चे दसवीं तक मु ि कल से पहुंचते हैं, उसके बाद पहुंचते ही नहीं।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैडम सब से सीनियर मैंबर हैं, इस पर इतनी डिस्क ान हो नहीं सकती वैसे इनकी मर्जी हैं अभी गवर्नर ऐड्रैस चलना है ये उस पर बोल लें और जो कहना चाहें कह दें।

श्रीमती चन्द्रावती: उस पर स्पीकर साहब, मैं कल बोल चुकी हूं।

श्री बंसी लाल: स्पीकर साहब, ऐप्रोप्रिए ान बिल में ऐजुके ान की डिमांड भी भाामिल है and she has every right to speak on education.

Mr. Speaker: Yes, but according to rules.

श्री चन्द्रावती: तो स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा सरकार को कहना चाहती हूं कि ि ाक्षा इस ढंग की हो जिससे बच्चों को

रोजगार मिल सके। उनको मैट्रिक या टैन प्लस टू करके किसी के दरवाजे के आगे नौकरी के लिए न घूमना पडे यानी उनमें इतनी योग्यता होनी चाहिए। मेरे ख्याल में कांग्रेस के मैनीफैस्टों में था भी कि ये दे ा को 21वीं सदी में ले जाना चाहते हैं। तो बच्चों को टैक्नीकल ि ाक्षा देनी चाहिए। कई लोगों का यह विचार होता है कि बच्चे बडे होकर सीख जाएंगे। मैं बताना चाहती हूं कि बच्चों की बचपन में पहली, दूसरी या तीसर जमात में ज्यादा पिकअप होती है। अब लोग पब्लिक स्कूलों में अपने बच्चों को पढाते हैं, उनके पास पैसा होता है। जिनके पास पैसा नहीं है उनके बच्चे सरकारी स्कूलों में पढते हैं। तो परमात्मा के लिए गांव के स्कूलों को और सरकार स्कूलों को अच्छे स्कूल बनाएं ताकि लोग उनमें अपने बच्चों को भेज सकें। आज ऐजूके ान के अधिकारी भी अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में नहीं भेजते हैं। इसलिए मेरी आपसे अर्ज है कि इसमें जो परिवर्तन हो वह प्रैक्टिकल रूप में हो। धन्यवाद।

श्री हरि सिंह नलवाः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ और्डर है। मैं लीडर आफ दी हाउस से रिकवैस्ट करता हूं कि यह जो वाइस चांसलर वगैरह बनाने की बात है, कृपा करके कहीं हरद्वारी लाल जेसे आदमी को न चेप देना जिससे सारे हरियाणा का भटठा गुल हो जाए।

Mr. Speaker: Please take your seat. This is no point of order.

वक्तव्य–

मुख्यमंत्री द्वारा जिला हिसार के गांव बड़ौपल में कुछ हरिजन परिवारों के उनके घरों से निकालने सम्बन्धी

श्री लहरी सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। माननीय भजन लाल जी, जो लीडर आफ दी हाउस हैं, हरिजनों के बडे मददगार हैं। मुझे इस बात की तवक्को नहीं दी थी कि इनके जिले में भी हरिजनों को उनके घरों से निकालने की घटना घट सकती है। मैं मुख्य मंत्री जी से पूछना चाहता हूं–

Mr. Speaker: It is not covered under the Appropriation Bill. Please take your seat.

श्री लहरी सिंहः सर, मेरी बात तो सुन लीजिए–

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, जो सदस्य आपकी परमि ान के बगैर बोलें, वह रिकार्ड नहीं होना चाहिए।

श्री लहरी सिंहः .....

Mr. Speaker: Please be seated. This is the not the occassion to raise this matter. Nothing is to be recorded whatever he is speaking.

मुख्य मंत्री (श्री भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, श्री लहरी सिंह, पीर चन्द और अमर सिंह ने जो मुददा उठाया मैं उसकी कलैरीफिके ान देना चाहूंगा ताकि हाउस गुमराह न हो। हिसार

जिले में एक बड़ौपल गांव है। उस गांव में बि ानोई लोग रहते हैं और उनकी उस गांव में मैजोरिटी है। उस गांव में बि ानोईयों की आपस में पार्टीबाजी भी है। पार्टीबाजी की बिनां पर बि ानोईयों का आपस में झगडा हो गया। दो ग्रुपों में गोली भी चली। वहां एक इंदिरा कालौनी बनाई हुई है जहां पर लगभग 15 हरिजन परिवार जाकर बसे हुए हैं। उन हरिजन परिवारों में से कुछ परिवारों का ताल्लुक, जिन लोगों ने गोली चलाई उनके साथ था और कुछ हरिजन परिवारों का ताल्लुक दूसरी साइड से था। वहां पर गोली चल गई और उसमें दो आदमी जख्मी भी हो गए। उस कालौनी में से पांच हरिजन परिवार डर के कारण उठ कर वापिस गांव में अपने पुराने घरों में आ गए ताकि उनके साथ किसी का कोई झगडा न हो जाए। जो कालौनी है वह गांव से बाहर है। अध्यक्ष महोदय, मैं हाउस को वि वास दिलाता हूं कि इस तरह से किसी हरिजन के साथ कोई ज्यादती नहीं होगी। यदि कोई आदमी उनकी तरफ उंगली उठाने की कोि ा ा करेगा तो उसका हम ईलाज करेंगे। आप सभी लोग मेरे बारे में जानते हैं कि हरिजन जो बहुत दबे हुए लोग हैं, उनके साथ मेरी भी आपसे कम हमदर्दी नहीं है। उन परिवारों को पूरी सुरक्षा प्रदान कर दी गई है। वहां पर बाकायदा पुलिस तैनात कर दी गई है। जो पांच हरिजन परिवार वहां से उठ कर वापिस अपने पुराने घरों में चले गए हैं, उनको हम समझा रहे हैं कि वह वापिस अपने नए घरों में जाएं। हम इस बात की गारंटी लेते हैं कि उनके साथ अब कोई

ऐसी बात नहीं होगी। आज की सरकार में किसी हरिजन के साथ कोई ज्यादती होने का सवाल ही पैदा नहीं होता।

श्री लहरी सिंहः स्पीकर साहब, वहां पर दह ात फैली हुई है। (ाोर)

श्री भजन लालः जहां झगडा होगा वहां दह ात तो होगी ही। (ाोर)

श्री पीर चन्दः अध्यक्ष महोदय, मुख्यमंत्री जी ने बताया कि उस गांव में बि ानोईयों की दो पार्टियों में आपस की लडाई थी। मैं यह जानना चाहता हूं कि उन लोगों ने जहां पर हरिजनों के 15 घर थे वहां पर लडाई का मैदान क्यों बनाया ? (ाोर)

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। यह कोई तरीका नहीं है जिस तरह से माननीय सदस्य भाोर कर रहे हैं। इन्होंने कोई प्वायंट उठाया था उसका मुख्य मंत्री जी ने जवाब दे दिया है। उसके बाद फिर हर सदस्य कोमैंटरी करे यह कोई तरीका नहीं है। (ाोर)

Mr. Speaker: There should be silence in the House, now. No more discussion on this subject, please.

दि हरियाणा ऐप्रोप्रिए ान नं0 3 बिल, 1991 (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Question is-

That the Haryana Appropriation No. 3 Bill be taken into consideration at once.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the House will take up the Bill clause by clause.

Clause 2

Mr. Speaker: Question is-

That clause 2 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Clause 3

Mr. Speaker: Question is-

That clause 3 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Schedule

Mr. Speaker: Question is-

That Schedule be the Schedule of the Bill.

The motion was carried.

Clause 1

Mr. Speaker: Question is-

That clause 1 stand part of the Bill.

The motion was carried.

Enacting Formula

Mr. Speaker: Question is-

That Enacting Formula be the Enacting Formula of the Bill.

The motion was carried.

Title

Mr. Speaker: Question is-

That Title be the Title of the Bill.

The motion was carried.

Mr. Speaker: Now the Finance Minister will move that the Bill be passed.

Finance Minister (Sh. Mange Ram Gupta) Sir I, beg to move-

That the Bill be passed.

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

श्री कर्ण सिंह दलाल (पलवल): स्पीकर साहब, ि ाक्षा के बारे में मैं यह बात सरकार के नोटिस में लाना चाहता हूं कि हरियाणा में कई जिले ऐसे हैं जहां व्यवसायिक ि ाक्षा जेसे बी0एड0, ओ0टी0 या टैकनीकल ि ाक्षा का प्रबंध है जबकि कई

जिले ऐसे हैं जहां पर एक भी बी0एड0 या ओ0टी0 का सैंटर नहीं है। सरकार ने कई जिलों में 10–10 और 12–12 ऐसे सेन्टर खोले हुए हैं जबकि हमारे जैसे जिले में बी0एड0 या ओ0टी0 का कोई केन्द्र नहीं है। आपके माध्यम से सदन के नेता से रिक्वैस्ट है कि ि ाक्षा संस्थाएं जो बनाई जाएं और खासतौर से व्यवसायिक ि ाक्षा संस्थाओं का वितरण इस तरह से हो जिससे हर जिले के लोगों को उसका फायदा पहुंच सके। फरीदाबाद जिला एक ऐसा जिला है जहां पर एक भी व्यावसायिक ि ाक्षा का संस्थान नहीं है। न वहां पर कोई बी0एड0 का प्रबंध है न ओ0टी0 की संस्थान है और न कोई टैकनीकल ऐजूके ान की संस्थान है। इसके साथ साथ मैं आपके माध्यम से चीफ मिनिस्टर साहब से प्रार्थना करना चाहता हूं कि हर जिले का हर काम में बराबर का ध्यान रखा जाये। जैसे आज राम भजन जी को आ वासन दिया है उसी तरह की समस्या हमारे पलवल भाहर में भी हैं पलवल भाहर में भी पीने के पानी की लाईन और सीवरेज लाईन आपस में मिल जाती है। वहां पर भी हैजे और पीलिया जेसे रोगों के फैलने का डर है। मेरी सदन के नेता से प्रार्थना है कि वह पलवल के बारे में सदन में खडे होकर इस समस्या पर कुछ बताएं।

श्री अमर सिंह धानक (बवानी खेडा, अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, इस ऐप्रोप्रिए ान बिल के जरिए 125670707 रूपये इरीगे ान की ग्रान्ट के लिए दिए जा रहे हैं। जो कैपिटल है वह 77283530 रूपये है। स्पीकर साहब, इरीगे ान एण्ड पावर

मिनिस्टर चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला साहब ने कल बहुत ही खूबसूरत आंकडे हाउस में पे ा किए थे।

श्री अध्यक्षः यह पैसा तो खर्च हो चुका है और पी0ए0सी0 पहले ही ऐप्रूव कर चुकी है।

श्री अमर सिंह धानकः सिंचाई तथा बिजली मंत्री कल हाउस में बिजली के बारे में और पानी के बारे में बता रहे थे और कुछ आंकडे भी दिए थे। मैं एम0एल0एज0 होस्टल में ठहरा हुआ हूं। वहां हमारे इलाके के लोग आए हुए थे। वे कह रहे थे कि 3–4 घंटे से ज्यादा बिजली नहीं मिल रही। पानी सुन्दर ब्रान्च में भी और पेटवार डिस्ट्रीब्यूटरी में भी चल रहा है लेकिन किसी माईनर की टेल पर पानी नहीं पहुंच रहा। जब इतनी बडी रकम जिसका पैरा पी0ए0सी0 ने भी पास कर रखा है और अब हाउस भी पास कर रहा है, खर्च हुई हो तो मैं पूछना चाहता हूं कि यह पैसा जाता कहां है और कहां पर खर्च होता है और बिजली तथा पानी किसानों को पूरा क्यों नहीं दिया जा रहा ? यह पैसा जा कहां रहा है, यही मैं इनसे पूछना चाहता हूं। धन्यवाद।

Mr. Speaker: Question is-

That the Bill be passed.

The motion was carried.

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ)

Mr. Speaker: Hon. Members, now the discussion on the Governor's Address will be resumed.

I have received another notice of amendment from Sh. Bansi Lal, Smt. Chandravati, and Sarvshri Pir Chand and Amar Singh Dhanak, M.L.As., which will be deemed to have been read and moved.

That in the motion, the following be added at the end, namely:-

"but regret that no mention has been made of:-

To faciliatate the formation of co-operative Societies of the unemployed educated youth which would be preferred for the allotment of Govt. and private agencies like gas, tractors, four wheelers, cement, petrol pumps. Automobiles etc. and contracts for developmental works like digging/desilting canals, construction of Govt. buildings and roads."

Yestereday, Sh. Om Parkash Beri was on his legs when the House adjourned. He may, please resume his speech.

श्री ओम प्रका ा बेरी (बेरी): अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर जो धन्यवाद प्रस्ताव आया है, उस पर परिचर्चा को आगे बढाते हुए मैं कहना चाहता हूं कि पिछली सरकार जो 4 साल सत्ता में रही, उसने किसानों का ढोल पीट कर किसानों का नारा लगा कर किसानों को उजाडने की कोि ा ा की। डिज्नीलैंड की तर्ज पर भारत जैसे गरीब मुल्क में मनोरंजन पार्क बनाने का प्रस्ताव किसानों के साथ एक बेहूदा

मजाक था और मैं इस सरकार को इस बात के लिए बधाई देना चाहता हूं कि इसने किसानों के हित की बात को समझते हुए, किसानों के भले की बात को समझते हुए डिज्नीलैंड की तर्ज पर जासे मनोरंजन पार्क बनाने की योजना थी, उसको समाप्त कर दिया है। इस सरकार ने किसानों को बसाने का काम किया है। जो आदमी किसानों को उजाड कर किसानों की जरखेज जमीन ऐक्वायर करके अरबपति बनना चाहता था, वह किसानों का हिमायती नहीं हो सकता है चाहे उसका नाम कितना ही बडा क्यों न हो। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यक से सरकार से दरख्वास्त करना चाहूंगा कि पिछली सरकार डिजनीलैंड की तर्ज पर मनोरंजन पार्क बनाने की जिदद क्यों कर रही थी इसकी तह में जा कर पूरी जांच करवाएं ताकि इस बात का पर्दाफा ा हो जाए कि कौन लोग थे जो अरबपति बनना चाहते थे और किसानों को उजाडना चाहते थे। इस बात की पूरी इन्क्वायरी होनी चाहिए ताकि कोई राजनीतिज्ञ करोडपति बनने के लिए आइन्दा आने वाले वक्त में किसानों को उजाडने की योजना न बना सके। स्पीकर सर, पिछली सरकार ने भ्रश्टाचार के सारे रिकार्ड तोड दिए। बडे लोगों की तो बात छोडिये जो राजनैतिक लोगों के नजदीकी लोग थे, जो लोग मंत्रीगण या उनके चहेते थे उन्होंने भी लूट मचा रखी थी। इन लोगों ने भ्रश्टाचार का पूरी तरह से समाजीकरण कर रखा था और ज्यादातर नौकरियां उन लोगों को ही मिलती थी जो अपने आकाओं को पैसा देते थे और एक खास जिले के लोगों को नौकरियां दी गई। चाहे कोई डिपार्टमैंट हो या चाहे

एस0एस0एस0 बोर्ड में चयन का मामला हो या चाहे किसी डिपार्टमैंट की तरफ से सीधे भर्ती करने की बात हो, चाहे पब्लिक अण्डरटेकिंग में भर्ती करने की बात हो, किसी बोर्ड में या कारपोरे ान में भर्ती करने की बात हो वहां किसी खास जिले के लोगों को भर्ती किया गया। हरियाणा के लोगों को इग्नोर करके सीकर जिले के लोगों को अधिक नौकरियां दी गई। यह हरियाणा की जनता के साथ एक मजाक नहीं तो और क्या है ? हमारे हरियाणा प्रदे ा के अन्दर साढे 6 लाख फैमिलीज ऐसी हैं जो बिलो पावर्टी लाईन हैं जो गरीबी की रेखा से नीचे रहती हैं। उन का ध्यान न करते हुए उन्होंने राजस्थान के लोगों को भर्ती करके हरियाणा की जनता के साथ भददा मजाक करने की कोि ा ा की है। आईन्दा इस किस्म की बात नहीं होनी चाहिए क्योंकि हरियाणा के किसी भी व्यक्ति को नौकरी हासिल करने का पूरा मौका है और बराबर का हक है। विकास के कामों में सरकार से अपना पूरा हक मांगने का हर किसी को अधिकार है और सभी जिलों के साथ एक जैसा व्यवहार होना चाहिए। पिछले कुछ सालों के दौरान मैं एक बात साफ तौर से कह सकता हूं कि हमारे जिला रोहतक के साथ खासतौर से मेरे क्षेत्र के साथ बहुत बडा भेदभाव बरता गया है और कहीं पर भी विकास का कोई काम नहीं हुआ है चाहे वह बिल्डिंग की बात हो, चाहे रोडज का मामला हो या कोई दूसरे विकास के कार्य हों। (विघ्न)।

श्री बलवन्त सिंहः स्पीकर सर, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैं इनसे यह जानना चाहता हूं कि जब इनके सगे भतीजे को भर्ती किया गया था तो इन्होंने उसके लिए कितने पैसे दिए थे ?

Mr. Speaker: This is no point of order.

श्री बलवन्त सिंहः हम हमे ाा ही प्रदे ा के भले की बात सोचते हैं।

Mr. Speaker: Please take your seat.

श्री ओम प्रका ा बेरीः हमने भी हमे ाा प्रदे ा के भले की बात सोची है। हम लोग अपने रि तेदारों और परिवार के बारे में नहीं सोचते तथा छोटी छोटी बातों पर भी नहीं जाते। हमें हमे ाा अपने प्रदे ा और अपने हल्के के लोगों की फिक्र रहती है। हम छोटी छोटी बातें पर नहीं जाना चाहते। कौन क्या था, कौन क्या है ये सब व्यर्थ बातें हैं। स्पीकर साहब, एक बात मैं साफ तौर पर कहना चाहूंगा कि सारी बातें मैरिट के आधार पर होनी चाहिए ताकि प्रदे ा की गरीब जनता को भी सरकार की नीतियों का पूरा लाभ मिल सके।

स्पीकर साहब, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि गोहाना काण्ड हुआ, मेहम काण्ड हुआ, दादरी और कोसली काण्ड हुए। हमने धरने दिए, रैलीज की और मांग की कि इनकी पूरी जांच होनी चाहिए। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सदन के नेता से दरख्वास्त करूंगा कि इन चारों काण्डों की न्यायिक जांच होनी

चाहिए और इनके लिए जो भी लोग दोशी हैं चाहे वे कितने भी बडे क्यों न हों, चाहे उनका पोलिटिकल स्टेटस कितना ही बडा क्यों न हो, उन्हें कटहरे में खडा करना चाहिए उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज होने चाहिए। निर्दोश लोग गोली का ि ाकार हुए हैं और कोसली में पुलिस के लोगों ने मां बेटी की इज्जत लूटने की कोि ा ा की। (विघ्न) आज तक जो निर्दोश लोग मारे गए, चाहे वे कोसली के अन्दर मारे गए, गोहाना के अन्दर मारे गए अथवा दादरी में रागनी के बहाने से जिन निर्दोश लोगों को मारा गया, इन सबकी न्यायिक जांच होनी चाहिए और उनके परिवारों को मुआवजा मिलना चाहिए क्योंकि उनको कोई कसूर नहीं था। ये सारे कांड सरकार की बदइंतजामी की वजह से हुए और इस बदइंतजामी की वजह से ही वे लोग मारे गए। इन लोगों को सरकार की तरफ से कंपन्से ान मिलना चाहिए।

स्पीकर साहब, अब मैं भाराब के बारे में कुछ कहना चाहता हूं। स्पीकर साहब, भाराब के ठेकों के पास अहाता खोलने का लाइसैंस देकर प्रोत्साहन देने की बात कही गई है। अहाता खोलने की स्कीम पिछली सरकार ने भाुरू की थी। स्पीकर साहब, मैं तो कहता हूं कि भाराब बन्दी होनी चाहिए और अगर यह बन्द न हो तो इस ढंग से प्रोत्साहन नहीं देना चाहिए वरना हमारा यह समाज तहस नहस हो जाएगा। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि ठेकों के पास जो अहाते खोले गए हैं उनके लाईसैंस रद्द होने चाहिए और जो लोग भाराब पीकर घूमते हैं उनके खिलाफ ऐक ान होना

चाहिए। ..... स्पीकर साहब, मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि लोग एम0एल0एज0 से मिलने के लिए या अपना काम कराने के लिए आते हैं। इसलिए उनके ठहरने के लिए कोई धर्म ाला का या उनके लिए कोई और इन्तजाम होना चाहिए। क्योंकि वे इल्केटोरेटस हैं, इसलिए उनकी तरफ सरकार को ध्यान देना चाहिए और उनको सम्मान मिलना चाहिए।

Mr. Speaker: Beri Sahib, you kindly try to wind up.

श्री ओम प्रका ा बेरी: स्पीकर साहब, हमारे रोहतक जिले के इलाके के अन्दर और खासकर बेरी के इलाके में जवाहर लाल नेहरू कैनाल से सीपेज की प्रौब्लम बडी भारी है। नहर के साथ साथ दस दस एकड जमीन किसान की खराब हो गई है। उस जमीन में अनाज का एक दाना भी पैदा नहीं होता। 1982 से 1987 तक जब मैं एम0एल0ए0 था तो इस बारे में मैंने बार बार सवाल उठाया था और उस वक्त मेरे बार बार आग्रह करने पर सरकार ने जवाहर लाल नेहरू कैनाल के साथ साथ एक डिच ड्रैन बनाकर डिफरैंट प्वायंटस पर जो पानी सीपेज के द्वारा बाहर निकलता है उसको दुबारा नहर में डालकर किसान के लिए आबपा ाी का साधन मुहैया करने की योजना बनाई थी लेकिन पिछली सरकार ने उसको ठप्प कर दिया। मेरी सरकार से प्रार्थना है कि ऐसी योजना बनाई जाए जिससे कि सीपेज की प्रौब्लम पर्मानैन्टली खत्म हो और उस इलाके के लोग जो बेघर हो गए

हैं, भूमिहीन हो गए हैं वे ठीक ढंग से उत्पादन करके अपने परिवार का गुजारा कर सकें।

स्पीकर साहब, मेरे यहां पर पीने के पानी की बडी भारी प्रौब्लम है। बेरी का जो सब डिविजनल हैडक्वार्टर झज्जर है उसकी कमेटी की चूंकि फाइनैंि ायल पोजी ान बहुत खराब है इसलिए झज्जर और बेरी के वाटर वर्क्स की मैंन्टीनैंस के लिए उनके पास पैसा नहीं है। यही नहीं पूरे प्रदे ा के अन्दर जो छोटे भाहर हैं वहां की कमेटीज की फाइनैंि ायल पोजी ान भी बहुत खराब है। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वहां के वाटर वर्क्स सरकार अपने हाथ में ले ले जिससे पीने के पानी की समस्या हल हो सके।

स्पीकर साहब, प्रदे ा के अन्दर और खासतौर से मेरे इलाके में सडकों की हालत बहुत खराब है। सरकार ने कहा है कि वह छः महीने में सभी सडकों की मरम्मत करा देगी, यह अच्छी बात है। मेरे हल्के में भी कुछ लिंक रोडज ऐसी हैं जिनका बनाना बहुत जरूरी हैं अगर ये सडकें बन जाएंगी तो लोगों को आने जाने में काफी सहूलियत होगी और फासला भी कम हो जाएगा। ये सडकें हैं– बराना से इसमाइला, यह डेढ दो किलोमीटर का टुकडा है। सफीपुर से इमलोटा– यह भी डेढ किलोमीटर के लगभग टुकडा है। तीसरी सडक छोछी से मदानाकला है। यह भी छोटा सा टुकडा दो तीन किलो मीटर का है। अगर इसको मिला दिया जाए तो छोछी के लोगों को झज्जर जाने के लिए इस वक्त

जो तीस किलोमीटर का फासला तय करना पडता है। वह दस किलोमीटर कम हो जाएगा। चौथी सडक डीगल से कारोर की है। यह डेढ दो फर्लांग की सडक है इसको भी पूरा किया जाए। पांचवी सडक डीगल से सांपला की है। इस सडक की ठीक ढंग से मरम्मत की जाए क्योंकि इस सडक पर काफी आवागमन है। स्पीकर साहब, मेरे हल्के में ड्रेन नंम्बर 8 के कारण कई बार फलड की सिचुऐ ान हो जाती है। इस नाले के दोनों तरफ खेत हैं जबकि वहां पर केवल एक पुल है। कई जगह एक खेत से दूसरे खेत तक जाने के लिये काफी लम्बा रास्ता तय करना पडता है। इसलिए वहां दूसरा पुल बनाना जरूरी है। मैं समझता हूं कि दूसरे पुल के बीच में कम से कम एक किलोमीटर का फासला अव य होना चाहिये जबकि इन दोनों पुलों के दरम्यान एक किलोमीटर का फासला नहीं बनता है। इसलिये मेरी गुजारि ा है कि चूंकि दूसरे पूल का बनाया जाना लोगों के लिये काफी सुखदायक होगा इसलिये अगर इस पुल को बनाने के लिये रूल्ज को रिलैक्स करेन की आव यकता पडे तो सरकार को रूल्ज भी रिलैक्स कर देने चाहिये और वहां दूसरे पुल का निर्माण अव य करना चाहिये।

स्पीकर साहब, मैं एक और बात यहां सदन के सामने रखना चाहता हूं कि इन लोगों की जो पिछली सरकार थी उसने स्टेट एयर क्राफ्ट का बडा भारी मिसयूज किया था। इसका एक बात के जरिये मैं उदाहरण देना चाहता हूं। दिल्ली के अन्दर जनता पार्टी की मीटिंग थी। श्री बोमई साहब उस समय कर्नाटक

के मुख्य मंत्री थे। मुझे पता चला कि यह मीटिंग कर्नाटक भवन में है। मैं भी वहां पर किसी काम से चला गया था। हमारे उस समय के मुख्यमंत्री चौधरी देवी लाल जी ने बोमई साहब से पूछा कि क्या आपके पास अपनी स्टेट का कोई हवाई जहाज नहीं है ? उन्होंने कहा कि हवाई जहाज तो है लेकिन उससे बंगलौर से दिल्ली आने पर लाखों रूपया खर्च आ जाता है। मेरी स्टेट चूंकि गरीब स्टेट है इसलिए वह इतना बोझा बर्दा त नहीं कर सकती है। वैसे केवल तीन हजार में आना जाना हो जाता है और दिल्ली आकर मेरे पास गवर्नमैंट का व्हीकल है जिसका मैं आराम से यूज कर सकता हूं। एक तरफ तो बोमई साहब की सोच है जो कि जनता पार्टी के प्रधान हैं और दूसरी ओर इन लोगों की सोच है जिसका मैंने अभी जिकर किया है। स्पीकर साहब, इन्होंने तो स्टेट ऐयर क्राफ्ट को रिक ाा की तरह इस्तेमाल किया। पार्टी के लिये यदि कभी इस्तेमाल किया तो पार्टी की तरफ से कभी भी उसकी पेमैन्ट नहीं की गयी। इस तरह की बातें पिछली सरकार अपने वक्त में करती रही लेकिन अब मुझे उम्मीद है कि हमारी यह सरकार इन बातों का वि ोश ध्यान रखेगी। हमारी सरकार इसमें जरूर सुधार लाएगी हमें इस बात की पूरी उम्मीद है। मैं तो यह कहना चाहता हूं कि जो सरकार या लोग अपनी लीडरी चमकाने के लिये स्टेट के रिसोर्सिज को इस्तेमाल करें वे क्या अपनी स्टेट की भलाई कर सकते हैं ?

इसी तरह से मैं आपके माध्यम से एक और बात कहना चाहता हूं कि गांव के लोग बडी मुि कल से चन्दा इकटठा करके, अपने बाल बच्चों का पेट काट कर, अपने बच्चों की भलाई के लिये स्कूलों की बिल्डिंगों को बनवाते हैं। मैं सरकार से दरख्वास्त करूंगा कि जिन बिल्डिंगों का काम पी0डब्ल्यू0डी0 के बुक्स में है उन्हें जल्द से जल्द अपने हाथ में लेकर के गरीब देहाती लोगों के ऊपर इस किस्म का बोझा न डाला जाए। यह सारी सरकार की अपनी जिम्मेवारी होनी चाहिये कि वह स्वयं स्कूलों की बिल्डिंगें बनाकर के दे और पी0डब्ल्यू0डी0 विभाग ही उनकी मैन्टेनैंस का काम करे। यह मेरी रिक्वैस्ट है।

स्पीकर साहब, एक सुझाव मैं किसानों की भलाई के बारे में देना चाहता हूं कि बैंक्स के द्वारा जो किसानों को लोन दिया जाता है, उसमें थर्ड पार्टी पेमैन्ट बिल्कुल बन्द होनी चाहिये चाहे इसके लिये रिजर्व बैंक के औफिसर्ज के साथ मीटिंग क्यों न करनी पडे और चाहे वर्ल्ड बैंक के औफिसर्ज को इसके लिये बुलाना पडे क्योंकि आज किसानों के नाम पर भारी लूट मच रही है। उनके ऊपर आज बडा भारी खर्चा पड रहा है। अगर किसान को 20 हजार कर्जा मिलता है तो बीच में से पांच हजार रूपया रि वत के तौर पर डीलर खा जाते हैं। इसलिये यह थर्ड पार्टी पेमैन्ट सिस्टम बन्द होना चाहिये। चाहे इसके लिये सैन्टर गवर्नमैंट से क्यों ने बात करनी पडे या वर्ल्ड बैंक के औफिसर्ज से बात

क्यों न करनी पडे लेकिन यह गन्दी प्रथा बिल्कुल बन्द होनी चाहिये ताकि गरीब किसानों को राहत मिल सके।

इसके आगे मैं यह बताना चाहता हूं कि हमारी जो पिछली केन्द्र की सरकार थी उसने किसानों को फर्टीलाईजर व पैस्टीसाइड पर सबसिडी खत्म करने की बात की थी जबकि वह अपने आप को किसानों की हिमायती कहती थी। वे बार बार किसानों के साथ हमदर्दी जताते हैं। इसलिये मैं सरकार से यह कहूंगा कि यह सबसिडी खत्म नहीं होनी चाहिये। इसी में ही किसानों का बडा भारी फायदा है।

इसी तरह से मैं एक बात और कहना चाहूंगा कि हमारे रोहतक के अन्दर एक मैडीकल कालेज है लेकिन उस मैडीकल कालेज का जो स्तर होना चाहिये वह आज नहीं है। यह बात तो मैं मानता हूं कि डाक्टर जे0पी0 साहब के आने से वहां का कुछ स्तर तो ऊंचा हुआ है, कुछ सुधार तो हुआ है। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह कहना चाहता हूं कि आज जो उस मैडीकल कालेज का स्तर होना चाहिये वह नहीं है। आज जो स्तर इंडियन मैडीकल इंस्टीच्यूट का है, जो स्तर पी0जी0आई0 चण्डीगढ का है, उन जैसा हमारे मैडीकल कालेज रोहतक का स्तर होना चाहिये ताकि हरियाणा की जनता की भलाई हो सके।

श्री अध्यक्षः बेरी साहब, आपको बोलते हुए काफी देर हो चुकी है, अब आप वाइंड अप करने की कोि ा ा करें।

श्री ओम प्रका ा बेरी: ठीक है जी, मैं वाइंड अप कर रहा हूं। तो इसी ढंग से बच्चों की सेहत का ध्यान रखते हुए स्पोर्टस की दुनिया में हरियाणा प्रदे ा का भी नाम ऊंचा हो इसके लिए मैं एक सुझाव देना चाहूंगा। हर डिस्ट्रिक्ट हैडक्वार्टर पर स्पोर्टस स्कूल खोले जाए, उनमें एथलीटिक्स और दूसरी गेम्ज के ठीक ढंग के कोची हों ताकि हमारे बच्चों को स्पोर्टस के बारे में ठीक ढंग की ि ाक्षा मिल सके, हम भी दुनिया के अन्दर कम्पीट कर सकें और अपने इलाके का नाम पैदा कर सकें। तो अन्त में मैं अपने सभी साथियों से, विपक्ष के साथियों से भी और खास तौर पर जो हमारे एस0जे0पी0 के साथी हैं उनसे अपील करना चाहूंगा कि उनका रवैया कंस्ट्रक्टिव होना चाहिए, क्रिटिसीजम कंस्ट्रक्टिव होना चाहिए। उनको सरकार की अच्छी बातों पर सहयोग देना चाहिए ताकि जो हम प्रदे ा को आगे ले जाने के लिए यहां इकटठे हुए हैं वह काम कर सकें। जैसे विकास पार्टी के लोगों ने, जनता दल के लोगों ने और निर्दलीय सदस्यों ने अच्छे सुझाव दिए इनको भी ऐसे सुझाव देने चाहिएं। इन भाब्दों के साथ मैं प्रार्थना करना चाहूंगा कि जो राज्यपाल महोदय का अभिभाशण है उस पर धन्यवाद का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास होना चाहिए। धन्यवाद।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, मुझे यह अर्ज करनी थी कि चूंकि बोलने वाले ज्यादा हैं और समय कम है इसलिए आप अगर दस दस मिनट मुकर्रर कर दें तो ज्यादा मैम्बर्ज बोल सकते हैं।

(इस समय बोलने के लिए बहुत से सदस्य खडे हुए)

श्री अध्यक्षः श्री सम्पत सिंह।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, दस मिनट का समय तो बहुत कम है।

श्री अध्यक्षः आपको ज्यादा टाईम मिलेगा, आप बोलिए।

श्री सम्पत सिंह (भटटू कलां): स्पीकर साहब, आपका बहुत बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे ज्यादा टाईम देने का आ वासन दिया है। पार्लियामैंटरी अफेयर्ज मिनिस्टर तो चाहते थे कि मुझे दस मिनट ही बोलना चाहिए। खैर आपकी बडी मेहरबानी, आपके होते हुए हमारे अधिकार सुरक्षित हैं स्पीकर साहब, कल और आज कुछ साथियों ने, श्री नेहरा जी ने, अजय सिंह जी ने, बेरी साहब ने और मुलाना साहब ने उठते उठते, चलते चलते हमारे बहुत ही ि ाक्षित साथी भाई लछमन दास अरोडा जी ने कुछ कमैंटस किए थे। नेहरा जी जब बोल रहे थे तो बोलते बोलते कह गए कि सम्पत सिंह, उस वक्त के गृह मंत्री पर 302 का मुकदमा दर्ज हुआ था। सर, कल मैंने औन रिकार्ड कहा था कि 302 का मुकदमा मेरे खिलाफ दर्ज नहीं हुआ। मैं श्रीमान भजन लाल जी का बडा भाुक्रगुजार हूं आज मैंने दो तीन अखबारों में पढा है कि सरकार सोर्सिज ने बताया है कि सम्पत सिंह और अभय सिंह के खिलाफ 302 का सरकार ने कल कोई मुकदमा दर्ज किया है। स्पीकर साहब, सम्पत सिंह और जनता पार्टी की आवाज

को इस तरह से ये लोग दबा नहीं सकते हैं, हमने इनका जोर जो ा बहुत देखा है। कल नेहरा साहब यह भी कह गए थे कि ये तो गीदड हैं। स्पीकर साहब, 1982 से 1987 तक यही नेहरा साहब मंत्री थी और श्री भजन लाल जी मुख्य मंत्री थे। स्पीकर साहब, मैंने पूरे पांच साल तक सरकार के मुंह और आंख में उंगली रखी लेकिन अपनी उंगली पर नि ाान नहीं आने दिया इनके दांत चाहे टूट गए हों या आंख खराब हो गई होगी। मैं फिर चैलेंज करके कहता हूं कि हम हाउस में और हाउस के बाहर बाकायदा इनकी ज्यादतियों का, इनके भाोशण का और आतंक का डट कर मुकाबिला करेंगे। हम केसिज से घबराते नहीं हैं। जो करना चाहें वह करें। चाहे 302 का केस दर्ज करें चाहे कोई और केस दर्ज करें। हम उनमें से नहीं हैं कि केस दर्ज होने पर अंडर ग्रांउड हो जाएं। जब चौधरी बंसी लाल जी हरियाणा प्रान्त के मुख्यमंत्री थे उस समय श्रीमान भजन जी पर केस दर्ज हुआ था। इन पर केस दर्ज होते ही यह श्रीमान अंडर ग्रांउड हो गए थे। कोई कहता था हाउस अरैस्ट हो गए हैं, कोई कहता था बाबू जगजीवन राम की कोठी पर हैं। कोई कहता कहीं है, कोई कहता कहीं है। स्पीकर साहब, हम पब्लिक में रहेंगे। हम अंडर ग्रांउड नहीं होंगे। स्पीकर साहब, वह दूसरी बात है कि चौधरी बंसी लाल जी ने बाद मकें कोई मेहरबानी कर दी और इनका आपस में समझौता हो गया। लेकिन जब इन श्रीमान जी पर मुकदमा दर्ज हुआ तो यह जनाब दिखाई नहीं दिए थे। स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल जी मेरे बुजुर्ग हैं लेकिन मैं तो इनको ही जिम्मेदार ठहराता हूं। क्योंकि ये

श्रीमान जी इनके राज के वक्त इनको छोड कर भागे और हमारे घर में आ गए और अगर ये श्रीमान जी हमारी थाली में छेद नहीं करते तो मुख्य मंत्री नहीं हो सकते थे। ये श्रीमान उधर से भागे और हमारे घर में आ गए, हमारी थाली में छेद किया और मुख्य मंत्री बन गए। चौधरी साहब कुछ दोश जो आपने किए हुए हैं उनको हमें भुगतना ही पडेगा। स्पीकर साहब, मैं क्या जिक्र करूं कैप्टन अजय सिंह का ? पिछली बार जब ये कांग्रेस आई का टिकट ले कर चुनाव लड रहे थे उससे पहले ये कहां थे ? अब यह इन्कार कर दें इनकी मर्जी है।

एक आवाजः उससे पहले ये फौज में थे।

श्री सम्पत सिंहः फौज में नहीं थे मेरी फौज में थे। उस वक्त मैं हरियाणा प्रदे ा युवा लोक दल का अध्यक्ष था। He was my member.

कैप्टन अजय सिंहः स्पीकर साहब, मैं पर्सनल ऐक्सप्लेने ान देना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः आपको बाद में टाईम देंगे।

श्री सम्पत सिंहः ये श्रीमान मेरे मैम्बर थे। when I was President of State Yuva Lok Dal. ये रिवाडी के अन्दर युवा लोक दल के प्रैजीडैंटे थे। ये मेरे से लोक दल की टिकट मांगने आए थे। मैं यह जिक्र नहीं करूंगा कि उस समय इनके साथ और कौन कौन आदमी थे। उस समय हमने इनसे यह कहा था कि नहीं भाई

इस तरह का मामला नहीं है आपको टिकट नहीं मिलेगी। भाई ओम प्रका ा, लछमन दास अरोडा और मुलाना साहब भी हमारे साथ रहे हैं। ये 1982 में हमारे साथ ही आए थे। यह दूसरी बात है कि अब यह मुलक रहे हैं और मुलक इसलिए रहे हैं क्योंकि अब ये मुलकने आदमी के साथ चले गए हैं।

एक आवाजः स्पीकर साहब नहीं समझे कि मुलकना किसको कहते हैं।

श्री सम्पत सिंहः हमारी सारी बातों को समझते हैं। इनकी तरफ से जितने भी वक्ता बोले हैं, उन्होंने केवल एक बात पर जोर दिया है कि पिछली सरकार ने यह नहीं किया वह नहीं किया, उसने यह कर दिया उसने वह कर दिया। यह नहीं कह रहे हैं कि यह सरकार यह करेगी, वह करेगी। हम यह बात मानते हैं कि हम लोग डैमोक्रेसी में वि वास रखने वाले आदमी हैं। पब्लिक ने हमें जो वरडिक्ट दिया है वह हमें स्वीकार है।

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। Can we not say anythinjg against him ? (Interruptions)

श्री अध्यक्षः ये तो अपनी बात कह रहे हैं।

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, यह ठीक है कि वे अपनी बात कह रहे हैं, लेकिन वे गलत कह रहे हैं। इसलिए मैं प्वायंट औफ आर्डर कर रहा हूं।

Mr. Speaker: What is your point of order ?

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर यह है कि ये बिल्कुल ही गलत बोल रहे हैं। (ाोर) क्या मेहम में जो हुआ वह प्रजातंत्र में होता है ? यह खुद मुलजिम हैं। इनके खिलाफ 302 का मुकदमा दर्ज है।

श्री अध्यक्षः नेहरा साहब, आप बैठ जाएं।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं यह कह रहा था कि हम डैमोक्रेसी में वि वास रखने वाले आदमी हैं। हमें पब्लिक ने जो वरडिक्ट दिया है उसको हमने सहर्श स्वीकार किया है। हमें पब्लिक जो वरडिक्ट दे देती है उसको हम स्वीकार करते हैं। इन लोगों को बोलते समय यह बताना चाहिए था कि इनकी सरकार क्या करेगी, क्या नहीं करेगी। यह तो केवल पिछली सरकार का ही जिक्र रखते हैं। स्पीकर साहब, कल उधर से आवाज भी आई थी और चेयर की तरफ से भी इ ाारा हुआ था कि इनको बोलते दो जवाब में आसानी रहेगी। स्पीकर साहब, नेहरा साहब ने 2–4 केसिज का खास करके जिकर किया। बाद मैं प्रैस ने उसको फौलोअप किया था। इन्होंने सबसे पहले सुप्रिया का जिकर किया था कि उसका कैसे कत्ल हुआ, कैसे मृत्यु हुई और फिर कोई कार्यवाही भी नहीं हुई। साथ ही कहा गया कि उसका कोई पोस्ट मौर्टम भी नहीं हुआ। स्पीकर साहब, फैक्ट यह है कि उसका पोस्ट मौर्टम हुआ and I am saying it on record.

Sh. Jagdish Nehra: Speaker, Sir, I am on a point of order as well as on a point of personal explanation. Whatever he is saying, it is totally incorrect (Interruptions) आप यह जो कह रहे हैं कि सुप्रिया काण्ड में पोस्ट मौर्टम किया है, यह आप गलत कह रहे हैं। पोस्ट मौर्टम नहीं हुआ। (विघ्न)

Sh. Sampat Singh: That is on the record.

Sh. Jagdish Nehra: That is also on the record कि पोस्ट मौर्टम नहीं हुआ।

श्री अध्यक्षः नेहरा साहब जो ये बोल रहे हैं, इन्हें बोलने दें। आप बाद में अपनी बात कह लेना।

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, इनकी बातों का हम क्या जवाब देंगे क्योंकि इनकी बातों का कोई जवाब है ही नहीं। अब ये सुप्रिया कांड के बारे में बात करते हैं। ये उस समय क्या थे ? (विघ्न) इनके पास देवी लाल परिवार का सारा मामला था। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः अभी आप बैठिए। बाद में आपकी तरफ से इनकी बातों का जवाब आ जाएगा।

Sh. Jagdish Nehra: Who wa he ? ये तो कुछ थे ही नहीं। सुप्रिया कांड के बारे में how can he say ?

श्री धीरपाल सिंहः औन ए प्वायंट औफ आर्डर, सर।

श्री अध्यक्षः आप बैठिए।

श्री सम्पत सिंहः मि0 नेहरा साहब यह चौधरी देवी लाल के परिवार का मामला है। He is my leader.

श्री धीरपाल सिंहः आन ए प्वायंट औफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि अगर सत्ता पक्ष के साथी हमारे विपक्ष के नेता के साथ और हमारी पार्टी के हाउस के नेता के साथ बार बार टोका टाकी करेंगे तो फिर यह अख्तियार हमें भी होगा। उस अधिकार का हम भी यहां पर प्रयोग करेंगे। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः आप बैठिए।

श्री जगदी I नेहराः स्पीकर साहब, मैं फिर कलियर करना चाहता हूं कि–

श्री अध्यक्षः नेहरा साहब, आप बार बार उठ खडे होते हो। You are from the ruling party. You have more responsibilities. Please take your seat.

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हमें आप पर और आपके स्टाफ पर पूरा वि वास है। जो कुछ कल रिकार्ड किया गया था उसको आप चैक कर लेना। इन्होंने सुप्रिया केस का जिकर किया था। स्पीकर साहब, दफा 174 के तहत उस केस में कार्यवाही हुई है और बाकायदा पोस्ट मौर्टम हुआ है। There is no

F.I.R. pending. There is no investigation pending and there is no case pending regarding Supriya.

श्री जगदी ा नेहराः दफा 174 की रिपोर्ट दर्ज हुई है लेकिन पोस्ट मौर्टम नहीं हुआ और न ही कोई कार्यवाही हुई।

श्री अध्यक्षः आप साथ साथ जवाब क्यों दे रहे हैं ?

श्री सम्पत सिंहः जवाब तो मुख्य मंत्री जी दे देंगे। आप बार बार मेरे बीच में बोल कर मुझे क्यों टोक रहे हैं ?

Sh. Jagdish Nehra: I totally deny that postmorem ws done. On Thursday, I specially said that post mortem was not done. I do agree that दफा 174 की रिपोर्ट दर्ज हुई है। इस बारे में जो ये कह रहे हैं यह बात तो ठीक है लेकिन पोस्ट मौर्टम नहीं हुआ।

Sh. Sampat Singh: Today you agree. स्पीकर साहब, आज गवर्नमैंट का बयान अखबारों में आया है जब मुख्य मंत्री ने यहां जवाब देना था। हाउस के बाहर प्रैस में जाने के बजाय आज गवर्नर ऐड्रैस पर हुई डिबेट का जवाब देते वक्त ही ये इस बात को कह सकते थे। मुख्य मंत्री महोदय को पूरा अधिकार है कि वे सारी बातें हाउस को बता दें। बाहर जाकर अखबारों में कह रहे हैं कि सी0बी0आई0 की इन्क्वायरी के लिए लिख रहे हैं या लिख दिया है। यह इनको ज्यादा पता होगा कि क्या किया है लेकिन आज यह बात अखबारौं में आई है यह मैं आपके नोटिस में लाना चाहता था।

मुख्य मंत्री (श्री भजन लाल): हमने तो एक सप्ताह पहले ही सी0बी0आई0 की जांच के लिए लिख दिया था। आज अखबारों में आये तो हम क्या करें ?

श्री सम्पत सिंह: स्पीकर साहब, मैं आपको बताना चाहता हूं कि इस केस में कोई एफ0आई0आर0 पैंडिंग नहीं है। स्पीकर साहब, इन पब्लिक इन्ट्रैस्ट एक दरख्वास्त सुप्रीम कोर्ट में लगी थी और सुप्रीम कोर्ट ने इसको कांस्टिच्यू ानल बैंच को रैफर कर दिया और that is pending with the Supreme Court for decision कि सी0बी0आई0 इन्क्वायरी करवाई जा सकती है या नहीं करवाई जा सकती। यह जो केस है it is now pending with the Constitutional Bench of the Supreme Court. तो मेरे कहने का मतलब यह है कि यह बिल्कुल स्पश्ट है कि ये जो कुछ कल कह रहे थे वह बिल्कुल गलत था।

श्री जगदी ा नेहरा: स्पीकर साहब, जो कुछ इन्होंने कहा that is wrong. सी0बी0आई0 की इन्क्वायरी के लिए यदि केन्द्र सरकार स्टेट को लिखे और स्टेट डिनाई करे तो उस ऐप्लीके ान का कुछ महत्व होता है। But if the State agree and we do agree तो जो सुप्रीम कोर्ट में ऐप्लीके ान पैंडिंग है, उसका कोई महत्व नहीं रहता। इनकी सरकार को केन्द्र सरकार ने लिखा कि सी0बी0आई0 की इन्कवायरी हो। मेहम काण्ड, सुप्रिया काण्ड में और दूसरे मामलों में इन्क्वायरी हो तो इन्हौंने डिनाई कर दिया और फिर वह पैटी ान सुप्रीम कोर्ट में गई। डिनाई करने के बाद

भी सी0बी0आई0 इन्क्वायरी हो सकती है। यह केस पैंडिंग है। यह गलत बयानी कर रहे हैं।

श्री सम्पत सिंहः कोई गलत बयानी नहीं। स्पीकर साहब, इसी तरह से किसी साथी ने गोहाना का जिक्र किया और किसी साथी ने कोसली का जिक्र किया। मन्त्री पद के उतावले लछमन दास अरोडा भी बैठे बैठे ही कुछ बातें कह गए। भटटू में भी थाने में एक हरिजन मर गया। इसी तरह से तीन चार केसिज का और भी जिक्र आया है। स्पीकर सर, सरकार कोई भी हो केसिज तो हो ही जाते हें मगर सवाल यह है कि उसके बाद सरकार ने क्या कार्यवाही की और क्या ऐक ान लिया। स्पीकर सर, गोहाना में भी और कोसली में भी जो लोग भाामिल थे जिनके नाम एफ0आई0आर0 में दर्ज थे, they were put behind the bars. स्पीकर सर, कुछ लोगों ने पौलिटिकल फायदा उठाने के लिए डैमनस्ट्रे ान वगैरा करके आगजनी, लूटपाट और वायलैन्स की, जिसके रिजल्ट में वहां पर गोली चली। (विघ्न एवं भाोर)

कैप्टन अजय सिंह यादवः स्पीकर साहब, ये हाऊस को मिसलीड कर रहे हैं। कोसली में लोग मारे गए लेकिन सरकार ने कोई ऐक ान नहीं लिया। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः इन सब बातों जवाब बाद में आ जाएगा अभी आप बैठिए।

श्री सम्पत सिंहः ये ख्वाहमखाह बीच में टोक रहे हैं। Their leader, Chief Minister, is sitting in the House and he is to reply to the debate to-day itself when he can clear the position.

श्री किताब सिंह मलिकः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। गोहाना में जो काण्ड हुआ उसमें उन लोगों के खिलाफ एफ0आई0आर0 दर्ज हुई जो उस केस में भाामिल ही नहीं थे।

श्री अध्यक्षः मलिक साहब, जब आपको बोलने के लिए टाईम देंगे उस वक्त आप बोल लेना।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इन दोनों केसों में उस समय सरकार द्वारा कार्यवाही की गई। अरोडा जी ने कहा कि भटटू में भी एक हरिजन की पुलिस थाने में हत्या की गई थी। स्पीकर सर, जब उस हरिजन की थाने में मृत्यु हुई तो उस वक्त थाने का जो इन्चार्ज था उसके ऊपर 302 का मुकदमा दर्ज किया गया। He was arrested and put behind the bars. इन लोगों की तरह से नहीं कि कोई कार्यवाही ही न करें। स्पीकर सर, बाकायदा उसको सस्पैंड किया गया और उसके खिलाफ दफा 302 का मुकदमा दर्ज किया गया। (विघ्न) स्पीकर सर, इसके बाद मेहम का जिक्र आया। मेहम कांड नं0 1 और मेहम कांड नं0 2 के बारे में अखबार के साथियों में भी, लोगों में भी और पिछले सै ान में हाउस में भी बहुत कुछ चर्चा हुई और आज भी उसका जिक्र आया

है। जो रिकार्ड की बात है वह मैं सारे हाउस के सामने रखना चाहता हूं। स्पीकर सर, हमारी सरकार भाायद इस कन्ट्री की पहली सरकार थी, जिसने अपनी सरकार के वक्त, ऐसी बात होने के बाद और लोगों के मारे जाने के बाद सिटिंग हाई कोर्ट के जज की इन्क्वायरी बिठाई। यह इन्कवायरी कमी ान औफ इन्कवायरीज ऐक्ट के तहत बिठाई गई। (विघ्न)

एक आवाजः क्या आप उसके बाद कभी मेहम गए हैं ?

श्री सम्पत सिंहः एक बार नहीं कई बार गया हूं। (विघ्न) It is a fact that I went there many times. अब तो आपका राज है आप चाहें तो हाउस से बाहर ही न जाने दें। अब तो आपकी सरकार है। You may or may not permit me to go even out of the House. (Interruptions) लेकिन मुझे कोई चिन्ता नहीं है। सूरमा इस तरह की बातों की परवाह नहीं किया करते। (विघ्न) राजे ा भार्मा जी आपको भी याद होगा कि कुछ दिन पहले आप कहां आये थे और किससे मिले थे। मैं इसका जिक्र नहीं करूंगा क्योंकि हो सकता है कि आपका नम्बर मिनिस्टरी से कट जाए इसलिए मैं ऐसी बात नहीं कहूंगा। स्पीकर सर, हमने ग्रेवाल कमी ान बिठाया। हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट का रिटायर्ड जज नीं बल्कि सिंटिंग जज बिठाया। स्पीकर सर, हम रिटायर्ड जजों की भी कद्र करते हैं लेकिन सिटिंग जज की अपनी अहमियत होती है। मैं सरकार को चैलेन्ज करता हूं कि अगर उसमें हिम्मत है तो वह उस पर कार्यवाही करे क्योंकि ग्रेवाल रिपोर्ट सरकार को मिल

चुकी है। जो भी कार्यवाही सरकार करना चाहे वह करे मैं उसकी सजा भुगतने के लिए तैयार हूं। I am putting this challenge to the Government स्पीकर साहब, ये ग्रेवाल रिपोर्ट को दबाकर क्यों बैठे हुए हैं ? ये बताएं कि उस कमी ान का जजमैंट क्या था ? हमें भी पता लगना चाहिए कि ग्रेवाल कमी ान ने क्या रिपोर्ट दी थी। वह रिपोर्ट सरकार के पास है।

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, इनकी सांस उखड गई है। ये थोडी देर आराम कर लें। जो ये बात कह रहे हैं वह बिल्कुल गलत बात है।

श्री सम्पत सिंहः मैं यह पूछना चाहता हूं कि सी0एम0 इसका जवाब देंगे या नहीं देंगे ?

श्री जगदी ा नेहराः वे जवाब देंगे।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, जब वे जवाब दैंगे तो फिर ये क्यों बोल रहे हैं ?

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, मेहम के बारे में जैसा मैंने कल कहा था कि इन पर स्पैसीफिकली ऐलीगे ांज लगे हुए हैं। ये बताएं कि उसमें ये मुलजिम हैं या नहीं। ये उस बारे में तो कुछ नहीं कह रहे हैं। आप खुद मुलजिम होते हुए क्या कर सकते थे ? क्या आपने डी0आई0जी0 के खिलाफ कार्यवाही की और क्या आपने एस0पी0 के खिलाफ कार्यवाही की जिन्होंने आठ आदमी मार दिए और डांगी जी के घर जाकर तीन आदमी मार

दिए। आपको इस बारे में क्या कहना है ? जब सुप्रीम कोर्ट का जज लगाने की बात आई तो आपने सुप्रीम कोर्ट के जज को कोई सुविधा क्यों नहीं दी ?

Sh. Sampat Singh: The Government was awaiting the result of the inquiry being conducted by the Grewal Commission. स्पीकर साहब, डैमोक्रेसी में तो कितनी ही बार ऐलीगे ांज लगते हैं। हम तो पब्लिक मैन हैं। पता नहीं कहां कहां ऐलीगे ांज लगेंगे। मैं पिछली बातों का जिक्र नहीं करना चाहता। (ाोर एवं व्यवधान) कैप्टन अजय सिंह ने हमारे साथ सात सैक्टर में आन्दोलन किया था। वे हमारे साथ ही हुआ करते थे।

एक आवाजः उस समय ये लैजिसलेटर नहीं हुआ करते थे।

श्री सम्पत सिंहः उस वक्त तो ये छोटे मोटे कपडे पहना करते थे। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः इस समय से हाउस के सबसे नौजवान मैम्बर हैं।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हाई कोर्ट के जज की रिपोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के सिटिंग जज की रिपोट्र सरकार के पास है। यह सरकार उस रिपोर्ट पर क्या ऐक ान लेती है उसको भााया करना चाहिए और दोशी लोगों के खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए। जो भी कार्यवाही होगी हम उसको फेस करेंगे। स्पीकर

साहब, उसके बाद सैकिण्ड मेहम कांड का जिक्र यहां पर किया गया। हमारी सरकार ने उसकी इंक्वायरी के लिए सुप्रीम कोर्ट का सिंटिग जज बिठाया।

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः आन ए प्वाएंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, इनको पूरी बात का पता है। उस कमी ान का पब्लिक ने, सारी पार्टीज ने और श्री डांगी ने बाईकाट किया था। स्पीकर साहब, कमी ान के सिटिंग जज के सामने जो रिकार्ड आया वह तो उसके बेसिज पर रिपोर्ट देगा। स्पीकर साहब, उस वक्त तो इतना आतंक था कि कोई गवाह और कोई आदमी सामने आने की हिम्मत भी नहीं करता था। ऐसी सूरत में झूठी बातों का जो पुलन्दा था उसको हम गीता कैसे मान लें।

11.00 बजे।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, इससे लगता है कि इन लोगों ने उस रिपोर्ट को पढ लिया है। इनको वह रिपोर्ट भााया करनी चाहिये। हो सकता है कि वह रिपोर्ट इनके ऐडवर्स हो, यह मैं नहीं जानता लेकिन जैसे ये बोल रहे हैं उससे तो ऐसा पता लगता है। इनके मन में जो काला रहता है उससे पता चलात है कि उस रिपोर्ट में कोई ऐसी बात हो। इसी तरह से मेहम कांड से सम्बन्धित बातें भी इन लोगों ने यहां पर कहीं। अमीर सिंह हमारी पार्टी का वर्कर था और मार्किट कमेटी का चेयरमैन भी था।

उन्होंने हमारी पार्टी के कैंडीडेट के रूप में अपना फार्म भी भरा था और वे मौके पर अपना नाम वापिस नहीं ले सके थे। स्पीकर साहब, उनका कत्ल हुआ। जो एफ0आई0आर0 दर्ज हुई, वह एफ0आई0आर0 किसी इधर उधर के व्यक्ति ने दर्ज नहीं करवायी। कोई पुलिस का आदमी यूं ही देख कर कहे कि मैं च मदीद गवाह हूं, उसने नहीं करवाई बल्कि उसके अपने ही सगे भाई ने एफ0आई0आर0 दर्ज करवायी थी और वह भी कोई साधारण आदमी नहीं है। गांव का बाकायदा सरपंच है, उसने एफ0आई0आर0 दर्ज करवाई थी। उसमें जो नाम है वह सब को पता है। एफ0आई0आर0 में श्री आनन्द सिंह डांगी का नाम दर्ज है। उसके बाद ही पुलिस इनको पकडने गई। स्पीकर सर, जब मुकदमें दर्ज होते हैं तो उसके बाद पूरी इनवैस्टीगे ान होती है। अगर ये पोलिटीकल आदमी होते तो अपने आपको खुद औफर करते कि ठीक है मेरा नाम चूंकि इस रिपोट्र में है इसलिए आप मेरे बयान लीजिये। अगर ये सच्चे थे तो उस इनवेस्टीगे ान में उस ि ाकायत को झूठा साबित कर देते और वह एफ0आई0आर0 कैंसिल हो जाती लेकिन बजाये इसके वहां पर वायलैन्स क्रियेट किया गया, आतंक फैलाया गया और तीन निर्दोश लोगों की जानें वहां पर गयीं।

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है कि आप इन्हें बोलने के लिये औरों से ज्यादा समय दें, हमें कोई एतराज नहीं है लेकिन कोई लिमिटलैस

बात नहीं होनी चाहिये। दूसरी बात यह है कि ये फिर दोबारा मिसलीड कर रहे हैं। असल बात यह है कि ये लोग डांगी को मरवा करके अमीर सिंह की ऐवीडैन्स को डिस्ट्राए करना चाहते थे। स्पीकर साहब, आज सारा हरियाणा जानता है कि इनके मन में क्या था। ये लोग डांगी के घर पर उन को कत्ल करने के लिये गये। (ाोर)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मैं कह रहा था कि वहां पर वायलैन्स क्रियेट करवाया गया जिसके कारण से तीन निर्दोश जानें गयीं, जिसके दोशी ये लोग हैं। अगर ये लोग ऐसा वातावरण क्रियेट न करते तो तीन निर्दोश जाने न जातीं। उसके बाद स्पीकर सर, मदान कमी ान का गठन किया गया और सुप्रीम कोर्ट के जज श्री मदान के जिम्मे यह काम सौंपा गया। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अमीर चन्द मक्कड़ः स्पीकर साहब, इनका पहला बयान था एफ0आई0आर0 दर्ज होने के बाद कि अमीर सिंह का कत्ल डांगी ने किया है। एफ0आई0आर0 दर्ज होने के बाद अखबारों में यह भी आया कि अमीर सिंह का कत्ल करने वाले के बारे में बताने वाले को एक लाख रूपये का इनाम दिया जाएगा। जब अखबारों में इन्होंने इनाम का हवाला दे दिया और कत्ल का नाम लोगों से बताने को कहा कि जो बताएगा उसको एक लाख रूपये का इनाम दिया जाएगा तो फिर डांगी का इस कत्ल से क्या सम्बन्ध रह जाता है ?

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मैं बता रहा था कि इस काम की जांच के लिये मदान कमी ान अप्वायंट किया गया। इन्होंने इस सम्बन्ध में कहा कि सरकार द्वारा उस कमी ान को कोई सुविधाएं प्रदान नहीं की गयी।। स्पीकर सर, सुरजेवाला जी बहुत बडे सीनियर वकील हैं, मंत्री भी हैं। हो सकता है कि साथ वाली सीट का प्रभाव उन पर पड गया हो अदरवाइज ये तो भले आदमी हुआ करते थे। इनका यह कहना कि हरियाणा सरकार ने मदान कमी ान को कोई सुविधाएं प्रदान नहीं की निराधार है। मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि यह सारा काम केन्द्र सरकार का होता है। राज्य सरकार का यह काम नहीं है। ये सुविधाएं केन्द्र सरकार द्वारा ही दी जानी होती हैं। ये जानते हैं कि उस समय प्रधानमंत्री कौन थे ?

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, उस वक्त इन्हीं के प्रधानमंत्री केन्द्र में थे।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, जब श्री चन्द्र ोखर जी प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने कमी ान को एक लैटर लिखा कि सरकार आपको पूरी मदद देगी। हम भी कहते हैं कि कोई भी कमी ान ये बैठाएं। हम से जो भी वे मांगेंगे,हम पूरा सहयोग देंगे। हम उस इंक्वायरी को फेस करेंगे। हम उस इंक्वायरी को फेस करने के लिए तैयार हैं। हम कोई डरने वाले या घबराने वाले लोग नहीं हैं, हम उस इन्कवायरी को फेस करने के लिए तैयार हैं। स्पीकर साहब, इसी तरह से बार बार जिक्र आया क्रप ान का।

इन्होंने कहा यह खा गए वह खा गए, भर्तियों में खा गए और फलां चीज में खा गए। स्पीकर साहब, मैं जिक्र नहीं करना चाहूंगा जैसे साथी ओम प्रका ा बेरी जी ने कहा कि हम परिवार और उस मामले में नहीं पडते। अच्छी बात है, नहीं पडना चाहिए ब ार्ते कि श्रीमान भजन लाल की नायब तहसीलदार वाली बात न याद आ जाए तो। एक अपोजी ान के मैंबर ने जब क्रप ान की बात उठाई थी औन रिकार्ड है तो आपने उस मैंबर को कहा कि आपको भी तो भानजा या भतीजा लगा है। 1982 से 1987 के वक्त की यह बात है। तो स्पीकर साहब, और रिकार्ड है, कि वह मैरिट पर था। इनको खुद का अपना भतीजा पुलिस इन्सपैक्टर भरती हुआ, उसमें कितने पैसे लगे ? स्पीकर साहब, यह दूसरी बात है कि उस मैरिट पर सिलैक्ट हुए लडके को तथा उसके बाप को जिसने सारी उमर ईमानदारी से काम किया उन दोनों को सजा मिल चुकी है। लडके तो तो नौकरी से हटा दिया यानी उस इन्सपैक्टर को डिसमिस कर दिया और जो उसका बाप था वह इनका (बेरी जी का) सगा भाई है। वह कोई मामूली इन्सान नहीं है। चौधरी विजय कुमार, आई0ए0एस0 जो हैं वे बहुत ही ईमानदार और काबिल अफसर हैं। स्पीकर साहब, एच0सी0एस0 की ऐसोसिए ान के वे प्रैजीडैंट रहे हैं। वह आदमी हरियाणा का सबसे ज्यादा ईमानदार आदमी है। या तो सरकार कह दे कि कहीं भी उस आदमी ने कोई बेईमानी की है और उसके खिलाफ ये कोई इन्कवायरी करते। स्पीकर साहब, जब चौधरी बंसी लाल जी ने कल आवाज उठाई तो इनका क्या जवाब आया कि हम उसके

खिलाफ कार्यवाही करने के लिए जा रहे हैं। ये कार्यवाही क्या करेंगे ? सरकार के मुंह पर इतना जबरदस्त तमाचा नहीं हो सकता कि एक आई0ए0एस0 अफसर रिजाइन देकर जा रहा है और यह कह कर जा रहा है कि ऐडमिनिस्ट्रे ान क्रिपल हो चुका है, टूट चुका है, समाप्त हो चुका है और कोई मैरिट का लिहाज नहीं है, कोई बात नहीं है। एक ही जाति वि ोश के लोगों के साथ जो ईमानदारी से अपना पेट पालते हैं जो ईमानदारी से अपने बच्चे पालते हैं, जब से यह सरकार आई है तब से यह घोर अन्याय कर रही है। आज सारी ब्यूरोक्रेसी के अन्दर और सारी सिविल सर्विसिज के अन्दर डिमौरलाइजे ान आई है। आज न जाने कौन दूसरा इस्तीफा दे जाए, न जाने कौन तीसरा इस्तीफा दे जाए। अगर स्पीकर साहब, इस तरह से वे इस्तीफ देने लगे तो कोई प्र ांसा वाली बात नहीं। यह मजाक की बात नहीं, यह हंसी में टालने की बात नहीं। आपके कारनामों को इस प्रदे ा के लोग बाकायदा वाच कर रहे हैं। सारे ऐडमिनिस्ट्रे ान के अन्दर डिमौरेलाइजे ान, निरा ाा छाई हुई है। मैं कह रहा हूं कि लोग अगर भागने लग गए और ईमानदार अफसर इस्तीफा देने लग गए तो स्पीकर साहब, इस एडमिनिस्ट्रे ान का, इस प्र ाासन का क्या हाल होगा, यह आप अन्दाजा लगा सकते हैं।

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। इनका यह कहना कि सारे ऐडमिनिस्ट्रे ान में डिमौरेलाइजे ान आई है, यह बिल्कुल गलत है। इनके जाने से

सारे ऐडमिनिस्ट्रे ान में मौरेलाइजे ान आई है। डिमौरलाइजे ान तो इनके राज में थी। हर एक कर्मचारी को इन्होंने गर्दन से पकड रखा था और उनको बुरे ढंग से ट्रीट करते थे। उस समय डिमौरेलाइजे ान थी, आज तो सारे कर्मचारी खु ा हैं कि ये लोग दफा हो गए और उनका कल्याण हो गया। (विघ्न) आप क्या बात करते हैं आज तो सारे कर्मचारी खु ा हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, क्या यह भी लिख दिया कि दफा हो गए। (विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, ये तो मेरी तरफ से डिफैंस की बातें थीं, अब मैं ओफैंस पर आता हूं। जो 15–20 दिनों में इन लोगों ने काम किया है और इनसे पहले प्रैजीडैंट रूल रहा है यानी गवर्नर महोदय का राज रहा है। (विघ्न) स्पीकर साहब, यही दो अढाई महीने का अर्सा है जिसकी हमने डिस्क ान करनी है। स्पीकर साहब, जब चुनाव करवाने की बात आई तो उससे पहले पिछली सरकार के मुख्य मंत्री जी ने जो ट्रांसफर्ज की थीं उनके लिए चीफ इलैक ान कमि नर ने एतराज किया और कहा कि ये बदलियां नहीं करनी चाहिए थी। .....

.....

.....

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवालाः स्पीकर साहब, गवर्नर साहब के बारे में जो कुछ कहा गया है वह ऐक्सपंज कर दिया जाए।

श्री अध्यक्षः गवर्नर साहब के बारे में जो कुछ कहा गया है वह ऐक्सपंज कर दिया जाए।

श्री सम्पत सिंहः .....

.....

.....

..... (ाोर)

श्री अध्यक्षः गवर्नर साहब के बारे में जो कुछ कहा गया है वह सारा ऐक्सपंज कर दिया जाए।

श्री सम्पत सिंहः .....

.....

.....। (ाोर)

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, मैंने इनको कल भी समझाया था कि हम 51 आदमी इलैक्ट होकर आए हैं और सारे चौधरी भजन लाल जी के साथ हैं, आप चिन्ता क्यों कर रहे हैं।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, जब चुनाव हुए थे तो चौधरी निर्मल सिंह, चौधरी भाम ोर सिंह सुरजेवाला, चौधरी बीरेन्द्र सिंह, चौधरी महेन्द्र प्रताप सिंह और दूसरे साथी चाहे

मिस्टर डांगी हो और चाहे छतरपाल हो औ चाहे दूसरे लोग हों किसी ने आज के मान्यवर श्री भजन लाल जी को अगर अपने इलैक ान के दौरान अपने हलके में बुलाया हो तो बतायें ? किसी ने नहीं बुलाया। सारे के सारे डरते थे और कहते थे कि भजन लाल जी आप हमारे हल्कों में मत आना। आज ये इनको अपना मुख्य मंत्री मान रहे हैं। (ाोर)

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, माननीय सदस्य को या तो पता नहीं है या जान बूझ कर ऐसी बात करते हैं। मुझे ऐसा लगता है कि ये अपने दिमाग का सन्तुलन खो चुके हैं। मैं इनको बताना चाहूंगा कि मैं इलैक ान के दौरान 65 हल्को में गया हूं। मैं अपने हल्के में केवल एक दफा गया हूं और वह भी एक गांव में। मैं दूसरे हल्कों के अन्दर रात के दो दो बजे भी गया हूं। सभी हल्कों से मांग थी कि हमारे हल्के में आओ लेकिन जिस हल्के में मैं जा सका वहां गया। आप अपने नेता चौधरी देवी लाल से पूछो उनको क्या हाल है ? क्या वह दोबारा असैम्बली में आए हैं ? मैं 65 हल्कों में गया हूं और 65 में से हमारे 45 आदमी चुनाव जीत कर आए हैं।

श्री निर्मल सिंहः औन ए प्वायंट औफ आर्डर सर। सम्पत सिंह जी मैं आपको एक बात बताना चाहता हूं। अभी आप कह रहे थे कि चौधरी भजन लाल को अपनी कांस्टिचुऐंसी में लेकर हम नहीं गए, हमें इनको ले जाने की जरूरत नहीं थी। अगर जरूरत पडती तो अव य लेकर जाते। अब ले जाएंगे और आगे भी ले

जाएंगे। भाायद आपको पता नहीं कि रैगुलर मीटिंग में और पब्लिक मीटिंग में चौधरी भजन लाल जी दूसरी कांस्टिचुऐंसीज में जाते रहे हैं और विजिट करते रहे हैं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं आपको भी रिक्वैस्ट कर रहा हूं और लीडर औफ दी हाउस को भी कह रहा हूं कि सम्पत सिंह जी जब बोल रहे हैं तो लीडर औफ दी हाउस अपने मैम्बरों को रोकें और टोका टोकी न करने दें। इससे कोई लाभ होने वाला नहीं है। हाउस का टाईम ही वेस्ट हो रहा है। अगर ये न रौकेंगे तो यह ठीक नहीं है। कुछ बिल्कुल नए मैम्बर हैं। छत्रपाल जी अच्छे नौजवान हैं और बहुत बढिया हैं। बहुत ही इनका रिगार्ड मन में हुआ है लेकिन अब तो ये यहां तक आ पहुंचे हैं और अगर इस जवान को रोका न गया तथा ज्यादा छुटटी दे दी गई तो यह यहां तक यानी मुख्य मंत्री की कुस्री तक आ जाएगा। (हंसी)

राजस्व मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह): स्पीकर साहब, सम्पत सिंह जी ने मेरा भी नाम लिया और दूसरे साथियों का भी नाम लिया कि भजन लाल जी इनके हल्के में नहीं गए। अध्यक्ष महोदय, असल में हम यह जानते थे कि जहां जहां चौटाला साहब चले जाएंगे वहां वहां पर और किसी के जाने की जरूरत नहीं रहेगी। (हंसी)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इस सरकार को आए जुमे जुमे 15 दिन ही हुए होंगे। किसी सरकार के आते ही सबसे पहले जहां पर सत्ता का केन्द्र होता है। वह मुख्य मंत्री का हल्का होता है, मुख्य मंत्री का जिला होता है और हर आदमी देखता है कि कौन मुख्यमंत्री बना है और किन हालत में बना है। अब उस जिले के कैसे हालत होंगे और जिले के काम होंगे या नहीं होंगे। हर आदमी की निगाहें नहीं होती हैं। स्पीकर साहब, जब लोग निगाहें लगाने के लिए बैठे थे तो उनकी निगाहों में पहला कत्ल काजला गांव के छबीलदास का आया। यह गांव इनके अपने हल्के में पडता है। दूसरा कत्ल इनके अपने ही हल्के का है वह है सदलपुर गांव के हंसराज का। तीसरा कत्ल जो नजर आया वह भी इनके अपने हल्के के प्रौपर आदमपुर के जगपाल सिंह का। इसी प्रकार से चौथा कत्ल जो नजर आया वह अजमेर सिंह का है। यह कत्ल मेरे माननीय साथी निर्मल सिंह के हल्के का है और यह कत्ल उनके अपने गांव में हुआ है। इससे अगला कत्ल रोडी हल्के के धर्म सिंह का नोटिस में आया। स्पीकर साहब, मैं कह रहा था कि कत्ल हो जाते हैं लोग मर भी जाते हैं लेकिन सवाल है कार्यवाही करने का। खुद रोडी थाने के अन्दर जो नेहरा जी के हल्के में पडता है धर्मसिंह का कत्ल हुआ। वह मत्तड गांव का था। वहां कांग्रेस आई का सरपंच त्रिलोक सिंह है। उन्होंने उसे बुरी तरह से गांव के चौक में पीटा और रही सही कसर जो थी उसके लिए पुलिस को सौंप दिया और कहा कि इसको मारो। वह

27.6.91 को थाने में जाकर मर गया। No action has been taken against the culprits till now.

श्री जगदी ा नेहराः मैंने तो नहीं मरवाया।

श्री सम्पत सिंहः मैं नहीं कह रहा कि आपने मरवाया। मैं तो यह कहना चाहता हूं कि उस पर कोई कार्यवाही करवाओ। वह चूंकि आपका अपना हल्का है इसलिए आप अपने गुड औफिसिज का इस्तेमाल करें।

श्री जगदी ा नेहराः स्पीकर सर, इन्होंने जो नाम लिए हैं उनकी पुरानी दु मनी थी। यह मैं नहीं कह सकता कि वे कांग्रेस पार्टी के थे या किसी दूसरी पार्टी के लोग थे लेकिन उनकी लडाई हुई। उनकी यह लडाई बहुत पीछे से चली आ रही थी। उनके आपस में चालान भी हुए थे या उन्होंने एक दूसरे के चालान करवाए थे। उनका आपस में पहले भी झगडा होता रहा था। उन दोनों में दु मनी चल रही थी। उन्होंने मौका देख कर उसको मार दिया। यह उनमें आपस में दु मनी की बात थी कांग्रेस या किसी दूसरी पार्टी का सवाल ही पैदा नहीं होता।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, थाने में यह मर्डर हुआ है। मैं यह नहीं कह रहा कि अकेले उन्होंने मार दिया। उन्होंने हमला किया बाकी थाने के अन्दर उसकी पिटाई हुई। नेहरा साहब, अगर आपको पूरी बात का पता नहीं है तो आप को हल्के से पता कर लेना चाहिए था। आप अब भी वैरीफाई कर लें। दफा 307 में

अटैम्पट टू मर्डर में सबसे हीनियैस्ट अटैम्पट हुई। हमारी एक मैम्बर औफ पार्लियामैंट श्रीमती विद्या बेनीवाल है। वे विडो हैं और राज्यसभा की मैम्बर हैं। उन पर 7 तारीख को अटैक हुआ लेकिन किसी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं हुई। इससे फालतू भोमफुल बात और क्या हो सकती है ?

श्री मनीराम (ऐलनाबाद): स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। मेरे भाई माननीय श्री सम्पत सिंह जी बडी देर से अपनी रामायण खोले बैठे हैं। इन्होंने दडबा कलां का भी जिक्र किया है। श्रीमती विद्या बेनीवाल उस इलाके की माननीय महिला नेत्री हैं इसमें हमें कोई भाक नहीं है। स्पीकर साहब, इनको भाायद लेटैस्ट स्थिति का पता नहीं है या ये बताना नहीं चाहते हैं। 3–4 दिन से 30–35 हथियार बन्द बदमा ा दडबा कलां के गांव गांव में घूम रहे हैं और कांग्रेस के वर्करों को तंग कर रहे हैं।

एक आवाज: उनको पकडने की जिम्मेदारी सरकार पर ही आती है।

श्री मनीराम ऐलनाबाद: फिर ये उन्हें डिफैंड क्यों कर रहे हैं ? श्रीमती विद्या बेनीवाल का लडका भी उन हथियारबन्द लोगों में है।

श्री लहरी सिंह: स्पीकर सर, मेरा प्वांयट औफ आर्डर है। यह सदन की गरिमा का सवाल है। दोनों तरफ से ही गलत

बात हो रही है। कठवाल साहब धोती चढा कर यहां तक आ गए और प्रोफैसर छतरपाल सिंह जी धोती चढा कर चौधरी भजन लाल जी तक आ गए। हाउस की कार्यवाही बन्द करके दोनों की कु ती करवा ली जाए तो ठीक रहेगा और बाद में हाउस की कार्यवाही की जाए। (विघ्न)

Mr. Speaker: That is not proper. The dcecorum of the House should be main tained.

श्री राम प्रका ः स्पीकर सर, मैं यह जानना चाहूंगा कि क्या माननीय सदस्य उन सदस्यों को समय देना चाहेंगे जो नये हैं या यूं ही समय बरबाद करते रहेंगे। मुझे अभी तक एक बार भी बोलने का समय नहीं मिला है।

श्री अध्यक्षः आपको भी बोलने का टाईम मिलेगा। अभी आप बैठें।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं सरकार की और ला एण्ड आर्डर की बात कर रहा हूं कोई बेकार की बात नहीं कर रहा। मेरे अपने हल्के में चिन्दड गांव है जहां श्री भजन लाल जी के गोत के लोग भी रहते हैं और श्री भजन लाल जल भी उनको जानते हैं। चिन्दड गांव के सरपंच घडसी राम हमारी पार्टी के वर्कर थे और दुर्भाग्य से 4–6 घर ही हमारे साथ थे। उस गांव में अढाई हजार के करीब वोट हैं और मुझे उस गांव से 50–55 वोटें ही मिलीं। वह सरपंच जब गांव में नहीं था अपने घर से बाहर गया हुआ था तो उसके बच्चों पर हमला बोला गया और फायर

किया गया। अग्रोहा थाने के अन्दर 307 का मुकदमा दर्ज है लेकिन उस पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। कार्यवाही करने वाले श्रीमान भजन लाल जी हैं और वह व्यक्ति मांजू बिरादरी का है भाायद ये जानते भी होंगे। अध्यख महोदय, मैं इनके नोटिस में लाना चाहता हूं कि ये इस पर अब कार्यवाही करवा दें। स्पीकर सर, इसी प्रकार से सीसवाल गांव श्रीमान जी के हल्के का ही गांव है। उस गांव के राम कुमार पर अटैक किया गया। उस गांव के राजा राम, भाल सिंह, हनुमान पर दफा 307 का मुकदमा दर्ज है लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई। (विघ्न) आप उन्हें जानते हैं, आपका भतीजा वहां पर ब्याहा हुआ है। ये लोग उसकी ससुराल के लोग हैं और आप उन्हें अच्छी तरह से जानते हैं। स्पीकर साहब, ये हंस भी रहे हैं। स्पीकर साहब, इसी तरह से इनके अपने हल्के में एक चौधरीवास गांव है और वहां पर जगदी ा महाजन नाम का एक आदमी है। He was kidnapped from there and was brutely beaten up. उसे अधमरे को मुकलान गांव में, जो इनके हल्के में पडता है, सडक पर फैंक कर चले गए। and no action has been taken so far. इस तरह के हालत वहां हो रहे हैं। स्पीकर साहब, वहां पर एक नया गैंग खडा हो गया है जिसका नाम कैन्टर गैंग है। इस गैंग में हथियारबन्द लोग हैं। वे लोग फतेहाबाद, मेरे और इनके हल्के भटटू कलां और आदमपुर के हैं। ये वे लोग हैं जो सत्ता में चूर हैं मस्त लोग हैं और जो इनके नजदीक के लोग हैं। ये लोग इकटठे होकर कैन्टर में घूमते हैं। स्पीकर साहब, मैं इल्जाम इसलिए लगा रहा हूं कि सदलपुर गांव

बि नोइयों का सबसे बडा गांव है और इन श्रीमान जी के हल्के में है। उस गांव के जब लोग ऐसे ही एक कैन्टर में पकडे गए तो उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की गई। स्पीकर साहब, वे कया करते हैं, यह मैं बताना चाहता हूं। वे लोग गांव की ढानियों में जाते हैं। मां बहनों की बालियां छीनते हैं और नाक के जेवरात निकालते हैं और अगर वे जेवरात नहीं निकालते तो नाम और कान समेत भी निकाल लेते हैं। स्पीकर साहब, इससे घटिया काम और कोई नहीं हो सकता।

श्री अध्यक्षः आपका टाईम खत्म हो गया है।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, इस तरह का गैंग वहां भाुरू कर रखा है। स्पीकर साहब, यह तो मैं कैन्टर गैंग की बात कर रहा था। अभी तो कच्छा गैंग बाकी है। स्पीकर साहब, रोहतक और सोनीपत के चार लोगों का कत्ल हुआ है। सोनीपत में बडौली गांव में इन चार लोगों का कत्ल हुआ है और तीन लोग सीरयसली जख्मी हुए हैं। जो तीन लोग सीरयसली जख्मी हुए हैं वे आज भी जीवन और मौत की लडाई लड रहे हैं। रोहतक की जो बाहर बस्तियां हैं उन पर भी इसी तरह से हमला किया गया है। स्पीकर साहब, जो हाल ट्रक यूनियन हिसार में मचा रखा है कोई आदमी उसका वर्णन नहीं कर सकता। हमारे माननीय सदस्य चौधरी बंसी लाल जी, मालूम नहीं कोई थोडा बहुत पुराना सहयोग रहा है इस कारण से, कुछ लिहाज कर गए। स्पीकर साहब, श्रीमान ओम प्रका ा जिन्दल इस हाउस के सदस्य हैं। सवाल यह नहीं है

कि आज वे उद्योगपति हैं या क्या हैं, सवाल यह है कि वे आज इस सदन के माननीय सदस्य हैं। इनके सत्तर अस्सी ट्रक फैक्टरी के अन्दर बन्द कर रखे हैं और बाहर ट्रक यूनियन के हथियार बन्द लोग खडे कर रखे हैं ताकि वे ट्रक बाहर न निकल सकें। इनके अपने हल्के के गांव कालवास का सतपाल सिंह बि नोई हिसार ट्रक यूनियन का प्रधान है। उसने ओम प्रका ा जिन्दल का जीना हराम कर रखा है। जिंदल साहब खडे होकर हाउस में बता दें कि वे पिछले पन्द्रह दिन से क्या हिसार जा पाए हैं ? एक मैम्बर अपनी कांस्टियुऐंसी में और अपने घर भी न जा पाए इससे बुरी हालत कानून और व्यवस्था की क्या हो सकती है ?

श्री अध्यक्षः श्री सम्पत सिंह जी आप बैठिए। अब किताब सिंह मलिक बोलेंगे।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर मैं अपोजी ान के लीडर के तौर पर और अपनी पार्टी की तरफ से बोल रहा हूं। सरकार तो इस पर बोलती ही रहेगी।

कैप्टन अजय सिंह यादवः आन ए प्वायंट आफ आर्डर, सर। स्पीकर साहब, रूल्ज औफ प्रोसीलजन एंड कंडक्ट औफ बिजनैस के रूल 72 में लिखा है कि 15 मिनट से ज्यादा कोई मैम्बर नहीं बोलेगा लेकिन ये एक घंटा से बोल रहे हैं।

श्री आनन्द सिंह डांगीः स्पीकर साहब, मुझे भी टाइम मिलना चाहिए।

श्री अध्यक्षः डांगी साहब आपको अव य समय मिलेगा। आप मलिक साहब के बाद बोलेंगे।

श्री राम प्रका ाः स्पीकर साहब, मैं भी बोलना चाहता हूं।

श्री अध्यक्षः राम प्रका ा जी आपका नम्बर भी आएगा।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं अभी वाइंड अप कर रहा हूं।

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी आप एक दो बात कहकर समाप्त कर दें।

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, आप टाईम अलौट करिए। इस तरह से यदि मैम्बर साहिबान बोलते रहेंगे तो बडी मु कल हो जाएगी। इनको एक घंटा बोलते हुए हो गया है। पार्टी के जितने मैम्बर हैं उसके हिसाब से टाईम अलौट करिए। अगर ऐसा नहीं होगा तो जो नए लोग हैं वे कहां जाएंगे। हमारे काफी मैम्बर हैं जो नए हैं उनको भी बोलना है।

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी आप एक दो बात बोलकर खत्म करिए।

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, कल भी इनके कई साथी बोल चुके हैं।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं सिर्फ एक दो बातें ही कहना चाहता हूं। (ाोर एवं व्यवधान) सच्ची बात इनको चुभ रही है। (व्यवधान) आपको तो कीलें लग रही हैं।

श्री अध्यक्षः आप एक दो बात कह कर जल्दी से खत्म करिए।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं तो बोल रहा हूं लेकिन ये लोग टीका टाकी कर रहे हैं और मुझे नहीं बोलने दे रहे हैं।

श्री भजन लालः मैं आपको बताऊंगा और आपको सारी बातों का जवाब दूँगे।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैं ट्रकों के बारे में जिक्र कर रहा था। (ाोर)

एक आवाजः आप इस तरह की बात करने वाले कौन हैं ?

Sh. Sampat Singh: I am leader of Opposition.

स्पीकर सर, यह नियम है कि यूनियन में ट्रक आने चाहिये यह ठीक है लेकिन जिनकी फैक्टरी के अपने प्राईवेट ट्रैक्स हैं, अटैच्ड नहीं हैं उनके साथ इनका यह व्यवहार है। दूसरे एक जाति वि ोश का आदमी जो कि एक यूनियन का प्रधान भी है और इनके हल्के का भी है उनके ट्रक्स को छोड कर बाकी 400

ट्रकों को यूनियन से निकाल दिया और फिर कहते क्या हैं कि 21000–21000 रूपया जमा करवाओ फिर हम ट्रकों की ऐन्ट्री करेंगे। स्पीकर साहब, 30–30 सालों से जिन ट्रकों की यूनियन में ऐन्टरी थी, उनको बाहर निकाल दिया। स्पीकर साहब, एक बात और बताना चाहता हूं कि हिसार के अन्दर एक जलसा किया गया और इस महानुभाव (भजन लाल) का 7 तारीख को भव्य स्वागत भी किया गया और उन्हीं निकाले हुए ट्रकों से 21000–21000 रूपया इकटठा किया गया। इस तरह से 12 लाख रूपया यूनियन ने इकटठा करके इनको भेंट के रूप में दिया। तो आप ही बताएं कि क्या इस तरह से कानून और व्यवस्था बहाल रह सकती है भला ? इसी तरह से बडोपल गांव का भी जिकर आया जो कि मेरे हल्के में पडता है। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः सम्पत सिंह जी, आप बैठिये। श्री किताब सिंह मलिक।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर सर, मुझे अपनी बात कहने तो दीजियेगा। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री अध्यक्षः नहीं, नहीं अब आप बैठिये। (विघ्न) I am on my legs. Please be seated.

श्री किताब सिंह मलिक (गोहाना): अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद, आपका आपने मुझे बोलने का समय दिया। कल से यहां पर गवर्नर साहब के ऐड्रैस पर चर्चा चल रही है। मैं उसके समर्थन

में बोलने के लिए खडा हुआ हूं। मुझे ये कहने में संकोच नहीं है कि हरियाणा की जनता को इस इलैक ान से जो आ ाएं थीं, उसी प्रकार से हुआ। जनता को यह भय भी था कि पता नहीं इलैक ान में होगा लेकिन प्र ाासन ने जिस प्रकार से निश्पक्ष चुनाव करवाए इसके लिये हमारे राज्यपाल महोदय व सारे प्र ाासनिक अधिकारी व कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। अध्यक्ष महोदय, हर गरीब आदमी ने अपनी वोट का प्रयोग किया। अगर पिछली सरकार होती तो पता नहीं क्या होता। मेरे विचार में इसमें कोई दो राय नहीं कि सैंकडों इन्सान आज हमारे बीच में न होते। एक अकेले महम का ही यहां पर जिकर हुआ। आप मेहम में ही देख लीजियेगा कि क्या हालात हो गये थे। मुझे यह कहने में संकोच नहीं है कि 20 मई 1989 से 20 मई 1990 तक हरियाणा पुलिस की गोली से जितने आदमी हताहत हुए भाायद पाकिस्तान और चीन की लडाई में भी उतने नहीं मरे होंगे। मेहम के बारे में सम्पत सिंह जी कुछ कह रहे थे। अध्यक्ष महोदय 27 मई को जो इलैक ान था उस वक्त मैं बैंसी गांव में था। वहां पर एक सरकारी अधिकारी थे। मैं एक आजाद कैन्डीडेट का ऐंजट था। हमें अन्दर जाने नहीं दिया गया लेकिन हम बडी मेहनत से अन्दर चले गये। हमें धक्के तक मारने की कोि ा ा की गयी। जब मैं बैंसी में गया तो 10 मिनट के बाद वहां के अधिकारी ने बूथ कैपचरिंग करवाई। जब हम वापिस सडक पर आए तो वहां हमने क्या देखा ? डी0आई0जी0 और डी0सी0 साहब और उनके साथ 3 गाडियां कमांडोज की। मुझे, भूपिन्द्र सिंह व महेन्द्र सिंह तीनों को

गिरफ्तार करके मेहत थाना में ले जाया गया। जिस समय हमें गिरफ्तार किया गया वहां पर काफी लोग मौजूद थे। अखबार वाले भी थे जिसमें दिल्ली और हरियाणा के लोग थे। उसके बाद हमें रात को गोहाना में ले जाया गया और थाने में पीछे के कमरे में रखा गया। जो ये साहेबान ला एण्ड आर्डर की बात करते हैं, उनको मैं बताना चाहता हूं कि जिस कमरे में हमें बन्द किया गया वहां पर एक वायरलैस सैट भी था। सुबह हमें चाय दी गई और 9–10 बजे के करीब खाना आ गया। जब हम खाना खा रहे थे वायरलैस पर मैसिज आया कि बैंसी गांव के अन्दर दो आदमी मर गये हैं। जो आदमी हमें चाय देने आया था उसने मेरे को पहचान लिया कि किताब सिंह तो यहां हैं। लोगों को पता नहीं था चर्चा हुई, बहुत से ऐडवोकेट मिलने आए, अखबार वाले मिलने आए और लोग टोलियों में आने भुरू हो गए। हम सारी बात वायरलैस पर सुनते रहे। इन्हौंने 12 बजे के करीब दिल्ली मुख्य मंत्री से बात करने के लिए वायरलैस की लेकिन वे दिल्ली से जा चुके थे और चण्डीगढ आ गए थे। वायरलैस इन्होंने इसलिए की कि ये मिल्टरी बुलाना चाहते थे। पुलिस के पास भी 11 बजे ऐमूनि ान खत्म हो गया था और वायरलैस पर यह मैसेज था, कहीं रिकार्ड हो तो दिखवा लेना कि मेहम ओर बैंसी में पुलिस का ऐमूनि ान समाप्त हो गया है और जहां भी फालतू ऐमूनि ान हो या पुलिस हो सब की सब यहां भेज दी जाए क्योंकि कुछ आदमी बैंसी में रूक गए हैं। उन आदमियों को निकालने के लिए एक अधिकारी की डियूटी लगाई गई। हजारी लाल को आदे ा दिए गए कि आप पहुंचो

और उनको बचाने के लिए चाहे कितनी ही जनता पर अंधा धुंध फायररिंग करनी पडे उनको बचाना है। यह वायरलैस पर मैं सुन रहा था। जो लोग बैंसी में घिर गए थे वे कौन थे, वे अभय सिंह थे। अभय सिंह को बचाने के लिए चाहे कितने आदमियों को मरवाना पडे, अंधा धुंध फायरिंग करनी पडे उसको बचाने के लिए सारा जोर लगाना चाहिए। तो उस समय जब हम वायरलैस पर सुन रहे थे तो उसके बाद चण्डीगढ वायरलैस मिलाया गया। फिर होम मिनिस्टर से बात की गई।

श्री लहरी सिंहः सर, मेरा प्वायंट औफ आर्डर है। अभय सिंह का नाम बार बार लिया जा रहा है। यह कौन सा डी0आई0जी0 था या आई0जी0 था ? वह क्या चीज थी, क्या कृपया ये स्पश्ट करेंगे ?

श्री किताब सिंह मलिकः स्पीकर साहब, अभय सिंह ओम प्रका ा चौटाला का पुत्र था। तो ये सारी बातें हम उस वक्त सुन रहे थे। जो एफ0आई0आर0 की कह रहे थे, उसमें मैं, बाबू मूल चन्द जैन, जिन्हें आप जानते हैं कि वे 76 वर्श के हैं, धर्मपाल तथा कई लोग और हैं। मेहम में हमारे पर 302 के मुकदमें बनाए गए। ये ग्रेवाल कमी ान की बात करते हैं। सारी जनता जानती है कि हमें 27 तारीख को गिरफ्तार कर लिया गया। हमें गोहाना में पुलिस कस्टडी में रखा गया। कौन से हमारे पास ऐसे हथियार थे जिससे हम उस पुलिस के सिपाही को मार देते। सम्पत सिंह जी ला एंड आर्डर की बात कह रहे हैं। सम्पत सिंह जी को भी पता है

जो मेहम में हुआ। हम तो देखने वाले नहीं थे बताने वाले हैं। बताते हैं कि सम्पत सिंह जी रैस्ट हाउस में गए और इनको भी लटठ लगे। इन्होंने सिपाहियों को कहा कि भाई मुझे बख्भा दो। ये उस समय होम मिनिस्टर थे। तो यह वहां चला। फिर दोबारा 27 मई को मेहम का इलैक ान आया। मैं और सम्पूर्ण सिंह थे, मैंने एस0पी0 साहब से बात की। वे मुझे कहने लगे कि भाई साहब अगर आप इलैक ान ठीक करवाना चाहते हैं तो एक काम करो कि यह काम आप ही अपने हाथ में ले लो। मैंने कहा कि मैं आपकी बात को समझ गया। यह लगभग 15 तारीख की बात है। मैंने उनसे पूछा कि क्या आप इस इलैक ान को पूर्ण नहीं होने देना चाहते ? तो उन्होंने कहा कि नहीं नहीं ऐसी बात नहीं है। मैंने कहा नहीं नहीं मैं आपकी बात को समझ गया। मैं भााम को मेहम में पहुंचा और डांगी साहब को बताया कि डांगी साहब यह इलैक ान नहीं होगा क्योंकि जिस तरह की बातें एस0पी0 साहब ने की मैं उसको समझ गया। उसके बाद मैं उसी रात कुरूक्षेत्र आ गया और दो दिन के बाद पता लगा कि अमीर सिंह की हत्या हो गई। अमीर सिंह की हत्या होने के बाद डांगी के खिलाफ 302 का मुकदमा दर्ज हो गया। जब डांगी के खिलाफ मुकदमा दर्ज हो गया तो भाई सम्पत सिंह जो उस समय होम मिनिस्टर थे, बयान देते हैं, कितना मजाक है, पता नहीं कैसे दिय कि जो अमीर सिंह के हत्यारे का नाम बताएगा उसको एक लाख रूपए का ईनाम मिलेगा। (विघ्न) खैर उसके बाद अमीर सिंह का दाह संस्कार हुआ। उस समय वहां पर पुलिस के लोग पहुंचे यानी

डी0आई0जी0 समेत बहुत सी फौज पुलिस की वहां पर पहुची। श्री आनन्द सिंह डांगी के मकान पर जो फायरिंग हुई उसके 500–600 गोलियों के नि ाान मैंने खुद वहां जा कर देखें। हो सकता है वे नि ाान आज भी वहां पर मौजूद हों। सम्पत सिंह जी किस मुंह से कानून व्यवस्था की बात करते हैं। यही नहीं जो कोसली काण्ड हुआ, उसमें क्या हुआ और जो गोहाना काण्ड हुआ उसमें क्या हुआ ? मैं गोहाना काण्ड के बारे में बताना चाहूंगा। गोहाना तहसील में बिचपडी गांव की लडकी थी और वह रिढाणा गांव में ब्याही हुई थी। कुछ लोग उसको लेकर गए और उसके साथ बलात्कार किया। गोहाना का जो एम0एल0ए0 था उसने उन लोगों की मदद की। मदद इसलिए की क्योंकि उस काण्ड में उसका भाई भाामिल था। जब उस एम0एल0ए0 ने उन लोगों की मदद की तो वहां के लोगों को गुस्सा आ गया और लोगों ने एम0एल0ए0 के मकान को जलाने की कोि ा ा की। मैंने भी बहुत कोि ा ा की कि किसी तरह से उस एम0एल0ए0 के मकाने को जलाने से बचाया जाए। उस समय वहां का तहसीलदार मेरे साथ था। मैंने उस तहसीलदार को कह दिया था कि मेरे बस की बात नहीं है लेकिन उसने कहा कि आप हिम्मत करो। मैंने हिम्मत की और आखिर में जो लोग उस भीड में थे उनमें से किसी आदमी ने मुझे एक खोद मारी और कहा कि भाई किताब सिंह बहुत हो गया आप यहां से चले जाएं। (**इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए**) आप यहां क्या कर रहे हैं ? आप यहां से चले जाएं वरना गाडी में डाल करके फूंक देंगे। मेरे खिलफ 307 की दो एफ0आई0आर0 दजै हैं।

श्री सतबीर सिंह कादयानः उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य फरमा रहे थे कि गोहाना के अन्दर कोई बलात्कार हुआ। मैं बताना चाहूंगा कि वहां पर जिस आदमी ने रेप किया वह आदमी इलैक ान के दौरान इनके साथ कनवैंसिंग कर रहा था। जो गोहाना काण्ड था वह एक साजि ा थी। माननीय सदस्य वहां पर मकान जलाने के लिए खुद तेल लेकर आए थे। यह एक बडी भारी मैनुप्ले ान थी। (ाोर)

श्री किताब सिंह मलिकः उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य को सदन में कोई गैर जिम्मेदाराना बात कहते हुए थोडी ... . आनी चाहिए। सदन में वही बात कहनी चाहिए जिसमें कोई वास्तविकता हो। इस बारे में सी0बी0आई0 से जांच करवाई जाए कि मैं वहां पर तेल लाया था या नहीं लाया था। इन लोगों को ऐसी गैर जिम्मेदाराना बात कहते हुए ..... आनी चाहिए कि मैं वहां पर तेल लाया था। मैंने कभी भी कोई गुण्डागर्दी नहीं की। आप इतनी ..... करके हाउस में अपना मुंह भी दिखाना चाहते हो। इस तरह की ..... करने का आपको फै ान बन गया था। (ाोर) उपाध्यक्ष महोदय, मैं कहना चाहूंगा कि सदन की कुछ गरिमा होती है। लोग बहुत तरह तरह की बात कहते हैं। हाउस में किसी आदमी को कोई गैर जिम्मेदाराना बात नहीं कहनी चाहिए। मैं भी विधायक हूं। आप गोहाना कांड की सी0बी0आई0 की इन्कवायरी करवा दें, मैं तैयार हूं। इसमें कौन दोशी है कौन नहीं

है पता लग जाएगा। (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, मैं कानून व्यवस्था की चर्चा कर रहा था।

श्री उपाध्यक्षः किताब सिंह जी, आप वाईड अप कीजिए।

श्री किताब सिंह मलिकः उपाध्यक्ष महोदय, मैं कानून व्यवस्था की चर्चा कर रहा था। इनके समय मैं कौलोनाइजर कांड हुआ। भाई सम्पत सिंह जी को सब कुछ मालूम है। इनके समय में भैंसा टिब्बा कौलोनाइजर कांड हुआ। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहूंगा कि भैंसा टिब्बा एक छोटा सा गांव है।

श्री धीरपाल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मैं आपकी अनुमति से प्वायंट औफ आर्डर पर बोलते हुए भाई किताब सिंह जी को बताना चाहूंगा कि ये 1982–87 के दौरान हमारे साथ हमारी ही पार्टी के सदस्य थें उस समय चौधरी भजन लाल चीफ मिनिस्टर थे। इनको याद होगा कि गोहाना और यमुना नगर में इनको किस बेहरमी से पीटा गया था और इनकी पीठ पर नि ाान पडे थे। इनकी पीठ पर जो कोडे मारे गए थे या लाठियां बरसाई गई थी उनके नि ाान इन्होंने यहां पर सदन में दिखाए थे। मेरा ख्याल है कि वे नि ाान अभी भी इनकी पीठ पर होंगे। मैं चाहूंगा कि इस बारे में भी वे कम से कम जानकारी तो दे ही दें।

श्री उपाध्यक्षः यह कोई प्वायंट आफ आर्डर नहीं है।

श्री किताब सिंह मलिकः उपाध्यक्ष महोदय, जो चौधरी धीरपाल सिंह जी कह रहे हैं उसके बारे में मैं अच्छी तरह से

जानता हूं। मैंने कल भी यह बताया था। (विघ्न) मैं आपको कह रहा था कि भैंसा टिब्बा गांव में कौलोनाइजर कांड हुआ। इस बारे में मैं सदन की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि वहां पर 18 एकड जमीन ऐक्वायर की गई थी और बाद में वह एक कौलोनाइजर को दे दी गई थी कि यहां पर रिहाइ ाी क्वार्टर बनाए जाएं। लेकिन बाद में वहा ंपर रिहाय ाी मकान न बना करके भाो रूम बनाये जा सकते हैं, ऐसी भी अनुमति दे दी गई। जब भाई सम्पत सिंह जी सरकार में आये तो इन्होंने वह फाईल अपने पास मंगवाई और इन्होंने फैसला ले लिया कि इस 18 एकड जमीन को सरकार ऐक्वायर करेगी। लेकिर ज्यों ही फाईल मंगवा कर फैसला लिया त्यों ही चौधरी राज सिंह और उनके साथ जो कौलोनाइजर थे, चौधरी देवी लाल से मिले जो उस समय मुख्य मंत्री थे। बाद में चौधरी देवी लाल जी ने वह फाईल अपने पास मंगवा ली और 6 महीने तक यह पता नहीं चला कि उसमें क्या गुपचुप बातचीत हुई।

श्री उपाध्यक्षः किताब सिंह जी, आप कृपया वाइंड अप करें।

श्री किताब सिंह मलिकः डिप्टी स्पीकर साहब, अभी तो मुझे बोलते हुए 5 मिनट ही हुए हैं। अभी तक तो मैंने एक ही बात कही है। दूसरे साथी भी काफी बोले हैं। अभी तो संपत सिंह जी की बातों का भी जवाब देना है। उपाध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि चौधरी देवी लाल जी ने वह फाईल अपने पास मंगवा ली। बाद

में आरोप लगाया कि वह फाईल चौधरी देवी लाल जी के पास नहीं गई। मैं चाहूंगा कि इस बात की जांच करवाई जाये कि अगर वह फाईल चौधरी देवी लाल जी के पास नहीं थी तो किस अधिकारी के पास वह फाईल इतने दिनों तक पडी रही। अगर इसमें किसी औफिसर का कसूर हो तो उसके खिलाफ ऐक ान लिया जाना चाहिए।

उपाध्यक्ष महोदय, अब मैं प्रदे ा की बिजली समस्या के बारे में कहना चाहता हूं। बिजली समस्या के बारे में पता नहीं क्या बात हो जाती है कि जब भी चौधरी भाम ोर सिंह जी बिजली मंत्री बनते हैं यह समस्या उठ खडी होती है। जब ये पहले भी बिजली मंत्री हुआ करते थे उस समय भी यही दिक्कत होती थी और आज भी बिजली की स्थिति बहुत खराब है। आज सूखा पडा हुआ है और ऊपर से मौनसून नहीं पहुंची है। अब मैं इनकी बात बताऊंगा। चौधरी देवी लाल जी 24 घंटे बिजली देने की बात करते हैं। इनकी सरकार 1987 में बनी थी। जो ये नारा बिजली देने का लगा रहे हैं वह ठीक नहीं है क्योंकि इनके समय में भी 6–7 घंटे से ज्यादा बिजली नहीं मिलती थी। मेरे इलाके में गन्ना बहुत पैदा होता है और यह एरिया पैडी ऐरिया है। पूरी बिजली के बिना लोगों का भला नहीं हो सकता है। मैं आपके माध्यम से हाउस के नेता से अपील करूंगा कि अम्बाला, कुरूक्षेत्र और करनाल जिलों को दादुपुर नलवी कैनाल बना कर दी जाए। हमारे इलाके में पानी की बहुत समस्या है। गोहाना हलके में बहुत सी

डिस्ट्रीब्यूटरीज हैं जैसे भैंसवाल डिस्ट्रीब्यूटरी, लाठ माईनर, बुढडा माईनर तथा इसी तरह की 10–12 माईनर्ज के हैडज वहां हैं। पिछली सरकार पता नहीं क्या करती रही। कुछ माईनर्ज तो ऐसी हैं जिन की टेल पर आज तक पानी नहीं पहुंचा है। ऐसी ही एक टेन नं0 9 है जिस पर 4 साल से पानी बिल्कुल नहीं पहुंचा है। इसी टेल के नजदीक गांव गामडी पडता हैं गामडी गांव के लोगों ने फैसला किया है कि हम नहरी पानी की उगाही नहीं देंगे। जब पानी ही नहीं पहुंचा तो फिर नहरी उगाही कैसी। उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन के नेता तो कहना चाहता हूं कि गामडी गांव के लोगों की नहरी उगाही माफ की जाए। सरकार चाहे तो किसी अफसर को भेज कर वहां की पूरी इन्कवायरी करवा ले और यदि वहां पर पानी नहीं पहुंचा तो उनकी उगाही माफ कर दी जाए। यदि पानी वहां नहीं पहुंचा तो उगाही माफ करना वैसे भी सरकार का फर्ज बनता है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे सुरजेवाला जो ने बडी बडी स्टेटमैंटस दी हैं। आपके माध्यम से मैं उनसे कहना चाहता हूं कि वे इस बात को देखें कि हर टेल पर पानी पहुंच रहा है या नहीं। सारे माईनर्ज रेत से भरे पडे हैं। किसी प्रकार से उनकी सफाई करवाएं ताकि वहां पर पानी पहुंच जाए। जिस गांव में भी मैं गया हूं वहां पर पीने के पानी की बडी दिक्कत है और पीने के पानी का प्रबन्ध ठीक तरह से नहीं है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरी तो समझ में नहीं आया कि पिछली सरकार क्या करती रही ? (विघ्न) उपाध्यक्ष महोदय, कृशि को प्राथमिकता देने की बात सरकार ने कही है। परन्तु मैं यह कहना चाइता हूं

कि कृशि की बात तो हर सरकार करती है लेकिन एक बात समझ में नहीं आती है कि वह किसानों के लिए कुछ करती क्यों नहीं ? मुझे याद है कि 1963–64 में लगभग 400 मन गेहूं के बदले में एक ट्रैक्टर मिल जाता था और आज वहीं ट्रैक्टर 1100–1200 मन गेहूं के बदले में मिलता है। कृशि और खेती बाडी के काम में आने वाली जो चीजें हैं उनके रेटस तो बहुत ज्यादा बढे हैं लेकिन जो खेती की पैदावार है उसके रेटस बहुत ही कम बढे हैं। मैं सरकार का ध्यान इस ओर दिलाना चाहता हूं। (घण्टी) उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने के लिए जो समय दिया है उसके लिए मैं आपका धन्यवाद करते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री राम प्रका ा (थानेसर): उपाध्यक्ष महोदय, महामहिम राज्यपाल महोदय ने इस सदन में जो अभिभाशण दिया है मैं उसके पैरा नम्बर 2, 3, 16, 19, 20, 22 और 23 के बारे में परिचर्चा करना चाहूंगा। अभिभाशण में श्री राजीव गांधी की हत्या की चर्चा की गई थी। 21–22 मई का वह दुर्भाग्यपूर्ण दिन था जिस दिन भारत के आका ा पर दो सूर्य अस्त हुए थे। यह वह समय था जब बिन बरसात के ओले पडे थे, जब 20वीं और 21वीं सदी के बीच का सेतु टूटा था, जब गरीब, हरिजन, पिछडे वर्ग का और अन्तर्राश्ट्रीय निर्गुट दे ाों को जो एक मजबूत नेता था वह हम से छिना था। उपाध्यक्ष महोदय, समय बहुत से घाव भर देता है। लेकिन घावों के नि ाान बाकी रह जाते हैं। मैं ऐसा सोचता हूं कि चाहे कुछ भी हो जाए लेकिन जो चमक हिन्दुस्तान के

अन्दर राजीव गांधी के माध्यम से थी वह दोबारा नहीं आ सकती। मुझे ऐसा लगता है जैसे किसी कवि ने ये भाब्द मात्र राजी गांधी जी के लिए ही कह हों :

"जिसे रौनक तेरे कदमों ने दे की छीन ली रौनक,

वो लाख आबाद हो उस घर की वीरानी नहीं जाती।"

आज जो यह दुर्घटना घटी है उसका सबसे बडा कारण हिन्दुस्तान की राजनीति का अपराधीकरण है। चाहे वह मेहम की घटना हो जिस बीच में से श्री आनन्द सिंह डांगी जैसा व्यक्ति उभर कर आया हो, पर जब तक इस दे ा में राजनैतिक अपराधीकरण को नहीं रोका जाएगा तब तक इस दे ा में भाान्ति नहीं होगी। न जाने कल इस धरती की मिटटी में किस आदमी की ला ा पडी हुई दिखाई दे। किसी भी राजनैतिक दल को दूसरे राजनैतिक दल के ऊपर हमला करके सन्तोश नहीं समझाना चाहिए। इस स्थिति पर काबू करने का प्रयत्न करना चाहिए। हमारे यहां भाास्त्रकारों ने राजा के निरंकु ा होने पर पाबन्दी लगाई है। वैसे तो विदे ाी लोगों ने भी इस तरह की बात कही हैं कि power corrupts and absolute power corrupt absolutely. उपाध्यक्ष महोदय, इसी तरह से देव दयानन्द ने सत्यार्थ प्रका ा में भातपथ ब्राह्मण के हवाले से एक बात कही थी जो हरियाणा की राजनीति पर पूरी उतरती है। ऋशिवर लिखते हैं "अकेला राजा स्वाधीन और उन्मत्त होकर प्रजा का ना ाक होता है।" हरियाणा में भी यही बात हुई। जिन लोगों के हाथ में राज पाट आया वे

इतने उन्मत्त हो गए, इतने सत्ता के अधिकारों को लेकर पगला गए कि उसकी वजह से न केवल जनता का विना ा हुआ बल्कि उनका अपना राज पाट भी चौपट हो गया। इस सारी स्थिति को सामने रख कर जब हरियाणा के लोग चिन्ता प्रकट करते थे तो मैं समझता हूं कि राज्यपाल महोदय और हरियाणा के कर्मचारियों ने उस वक्त यहां पर ऐसे चुनाव कराए जिससे गरीब आदमी, हरिजन भाई, बैकवर्ड क्लास का साथी वोट डाल पाया। इसके लिए महामहिम राज्यपाल के प्रति आज ही नहीं बल्कि वर्शों तक गरीब आदमी मन से आभार प्रकट करता रहेगा। हम आभारी हैं उसके लिए जो उन्होंने किया। मैं तो एक बात कहना चाहता हूं कि आज हमें सत्ता का विकेन्द्रीकरण करने की जरूरत है। यह राजीव जी का स्वप्न था जिसको पूरा करने की हम लोगों के ऊपर जिम्मेदारी पडती है। चन्द हाथों में सत्ता एक ऐसी स्थिति पैदा कर देती है जिसमें सत्ताधारियों को भी बाद में दिक्कत पडती है। चौधरी देवी लाल ने अपने समय में अपने परिवार के लोगौं को विधान सभा और लोक सभा में भेजा। वे लोग जो आज गरीब की बात करते हैं जो किसान का नाम लेना चाहते हैं, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि जब राज्यसभा की सीट खाली हुई तो उस समय चौधरी साहब को अपने भाई का दामाद ही क्यों दिखाई पडा ? राज्य सभा की दूसरी सीट खाली हुई तो उन्होंने चौटाला साहब को राज्य सभा का मैम्बर बनाया। तीसरी सीट खाली हुई तो उन्हें कोई किसान के घर में पैदा हुआ बेटा दिखाई नहीं दिया और कोई बैकवर्ड क्लास का भाई तो कैसे दिखाई देता। तब दूसरे बेटे रणजीत को

भेज दिया। श्री वीरेन्द्र सिंह स्पीकर साहब, परसो मुख्यमंत्री जी ने यह फरमाया था कि पजांब की समस्या का सबसे बढिया हम महा पजांब बनाना है। चण्डीगढ, पजांब, हिमाचल और हरियाणा को फिर से मिलाकर महा पजाब बना दिया जाएं। कल पार्लियामैंट मे मिनिस्टर आफ स्टेट, श्रीमती राम दुलारी सिन्हा की स्टेटमैंट आई है। उन्होने यह कहा है कि महा पजांब का कोई प्रस्ताव जेरेगीरी नही है कुछ व्यक्ति इसकी वकालत जरूर कर रहे है। उन्होने यह स्पश्ट कर दिया है कि यह प्रस्ताव जेरेगीर नही है। मै मुख्यमंत्री जी ने पूछना चाहता हूं कि क्या वे अब भी उग स्टैड पर कायम है जबकि हरियाणा प्रान्त की सारी जनता इस स्टैड के खिलाफ है। इनके बाकी मे मत्रिगण भी खिलाफ है। यह पर खडे होकर सुरजेवाला जी ने यह कहा है कि यह उनकी जाति राय है खुद की राय है बाकी मंत्री और काग्रेस पार्टी के लैजिस्लेटर्ज बगैरा से जब हमारी प्राइवेसी मे बात होती है। तो ये यह कहते है कि हम इसके खिलाफ है कि महा पजाब का फार्मूला एडाप्ट किया जाये। मेरी गुजारि ा यह है कि सारे हरियाणा प्रान्त की जनता इसके खिलाफ हो और इसके अलावा यह फार्मूला सैटर के भी जेरेगौर न हो, फिर वह बेसुरा राग क्यो अलाप रहे है ? Has he changed his stand since yesterday?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, आज 12 बजे जब मै गवर्नर एड्रेस पर जवाब दूगा उस समय मै तफसील के साथ इनकी पूरी इनकी तसल्ली करा दूगा। (व्यवधान एवम भाोर)

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, हमारा एक ध्यानाकर्शण प्रस्ताव उचाना, टोहाना तथा नूह के वाई इलैक ानो के बारे मे था जिस के ऊपर चौधरी तैय्बब हुसैन और चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी के भी दस्तखत थे। वह हमने कल दिया था।

श्री अध्यक्षः मैडम, वह मैने डिस अलाऊ कर दिया है। इलैक ान रिजल्ट डिक्लेयर हो चुके है।

श्रीमती चन्द्रावतीः जनाब, वहा पर अनियमिताए बहुत की गयी है पिछली दफा भी इतनी ज्यादती की गई थी जिसकी वजह से हाई कोर्ट ने अजमत खा की इलैक ान को वायड कर दिया था। उसी तरह से अब की बार भी यह केवल 113 वोटो से जीता है। (व्यवधान एवम भाोर)

श्री अध्यक्षः जो मैने आपसे कहा है, वह ठीक ही कहा है। मैने तो उसका फैसला कर दिया है। अब इलैक ान का रिजल्ट डिक्लेयर हो जाता है उसके बाद तो इलैक ान पैटी ान फाइल करने के अलावा और कोई रैमडी नही है।

चौधरी तेय्यब हुसैनः सर, ला एण्ड आर्डर के मुताबिक जो पो र्ान है वह तो हम डिस्कस कर सकते है।(व्यवधान एवम भाोर)

श्री अध्यक्षः आप बैठिए।

प्रो0 सम्पत सिहः स्पीकर साहब, रो ान लाल आर्य जी जब गवर्नर एड्रैस पर बोल रह थे तो हमे ऐसा लगा कि मौरल एजूके ान ओर योगा की एजूके ान स्कूलो और कालेजो मे होनी चाहिए। हमने सोचा कि बहुत बढिया बात होगी। ऐसी बात होनी भी चाहिए। स्पीकर सर, बडे ही दुर्भाग्य की बात है कि पिछले दिनो ही एक इन्सपैक्टर, एक्साईज एण्ड टैक्से ान, जब सिनेमा मे गया तो उसने जाकर 14 आदमियों को बिना टिकट के पकड लिया। उसमे पर चांस एम0एल0ए0 भी वहा पर थे। स्पीकर साहब, पकडने के बाद, उसको हयूमिलियेट किया गया और धक्के देकर बाहर निकाल दिया तो उसने उस सिनेमा का बाकायदा चालान काट दिया। उस रात को वही एम0एल0ए0 साहेबान अपने साथियों को लेकर उस टैक्सें ान इन्सपैक्टर के घर पर गये। वहा से उसको किडनैप करके दूसरी जगह ले जाकर बुरी तरह से पीटा गया। उसके बाद गवर्नमैंट तक सारी बाते आयी। प्राईम मिनिस्टर, चीफ मिनिस्टर और ई0टी0सी0 साहब की उसने टैलीग्राम दी। उसके बावजूद आज तक कोई कार्यवाही नही हुई। अभी तक उसको बराबर डराया धमकाया जा रहा है।

श्री अध्यक्षः आपका वह काल अटै ान मो ान तो अभी मुझे मिला नही है।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, मै आपकी मार्फत सरकार के ध्यान मे एक बात लाना चाहता हूं। कल सर्वोडीनेट सर्विसिज फैडरे ान ने धरना दिया था। उनकी मांगे

थी, एल0टी0सी0 की थी, ज्वायंट कन्सल्टेटिव कमेटी की थी, 1500 रूपया व्हीट लोन की थी और दफतरो मे जो 6 दिन का सप्ताह कर दिया गया है इनके बारे मे उनकी बात थी। (व्यवधान एवम भाोर)

श्री अध्यक्षः वह मेरे पास भी आये थे। मैने उन्हे सी0एस. साहब को मिलने के लिए भेजा था।

डाक्टर भीम ंसिंह दहियाः मेरी सबमि ान यह है कि मैम्बरान को आप यह कहे कि वे आपकी एड्रेंस करके बात करे। सीधे कोई बात न कहे। डायरैक्टर बात कहना अच्छी बात नही है (व्यवधान एवम भाोर)

श्री अध्यक्षः ठीक है। आप बैठिये।

श्री किताब सिंहः स्पीकर साहब, यह जो इन्होने कहा कि अपौजी ान के लोग यहा पर बैठे कर बेकार की बात करते है यह कार्यवाही मे से एक्सपंज होना चाहिय।

श्री अध्यक्षः यह तो छोटी सी बात है।

प्रो0 सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मैने आपको एक काल अटै ान मौ ान दिया था कि 23.11.1989 को गवर्नर साहब ने आई0टी0आई0 हथीन का उदघाटन किया था। मेवात डिवैल्पमैंट एजैसी ने वह आई0टी0आई0 बनाया है। उसके खर्चे का झमेला पडा हुआ है।

श्री अध्यक्षः मेरे पास अभी वह आया नही है। जब मेरे पास आयेगा तो मै उसे कसीडर करूगां।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः स्पीकर साहब, मै आपके नोटिस मे एक बात लाना चाहता हू । एग्रीकल्चर डिपर्टमैंट मे वर्ल्ड बैक स्कीम के तहत एक काटन डिवैल्पमैंट प्रौजेक्ट थां। उसमे 7–8 सौ मुलजिम थे। उनमे कुछ ग्रेडर और ग्रेडिग सहायक थे, जिनको निकाल दिया गया था। फिर उन मे से कुछ तो लगा लिये लेकिन 16 आदमी ऐसे है जो किसी पार्टिकुलर कम्यूनिटी के है और उनकी 2–3 साल की सर्विस है उनको सर्विस मे नही लगाया जा रहा है। (व्यवधान एवम भाोर)

Mr. Speaker: You can give a notice about it.

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

चौधरी रो ान लाल आर्य द्वाराः स्पीकर साहब, अभी प्रो0 सम्पत सिंह जी ने मेरी तरफ इ ारा करते हुए कुछ कहा है। उसके बारे मे मै पर्सनल एकस्पलेने ान देना चाहता हू। अध्यक्ष महोदय, प्रो0 सम्पत सिंह की जैसे बहुत ज्यादा बेसलैस बाते करने की आदत है, उसी के अनुसार इन्होने यह बात कही है। जब मे चौधरी देवी लाल के पी0ए0 बने उस समय इनके पास पौना किल्ला जमीन थी लेकिन आज करोडो रूपयो की प्रोपर्टी है। इन्होने करोडो रूपयो की जयादाद बना ली है। इसकी जांच करके दखे पता लगा जाएगा। इन्होने पचकूला मे मकान बनाया और

हिसार मे कोठी बनाई। इस आदमी के पास पहले केवल पौना किल्ला जमीन थी लेकिन आज इसक पास करोडो रूपए की प्रोपर्टी है। इसकी जांच होनी चहिए।

श्री अध्यक्षः आप अपनी बात कहे।

चौधरी रो ान लाल आर्य द्धाराः स्पीकर साहब, जो बात प्रो0 सम्पत सिंह जी ने मेरे बारे मे कही है यह बहुत गलत और निराधार है यह कहना कि मैने किसी को उठा कर पीटा, ये सारी बाते इन्होने इसलिये कही है कि हमारे इधर आने के बाद लगातार इनकी लोक सभा चुनाव मे पिटाई हुई और अब इस उप चुनाव मे पिटाई हुई है। ऐसी बात कह कर इन्होने अपना गुस्सा उतारने की कोि ा ा की है। अगर इनमे कोई दम है तो इसकी इन्कवायरी करा के देख ले। ये ऐसी बात कह कर यहा पर उल्टा आरोप लगाना चाहते है। इनके पास और कोई काम नही है। ये 24 घटे खडे हो कर बेकार की बाते करते है। अगर कोई ठोस बात हो तो ये कह सकते है मै इनक आरोपो का प्रतिवाद करता हूं और यह कहता हू कि जा इन्होने गलत बाते कही है। उनको कार्यवाही से निकाला जाना चाहिए।

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव–

भिवानी और महेन्द्रगढ जिलो मे पीने के पानी की भारी कमी संबधी।

श्री अध्यक्षः आनरेबल, मैम्बर्ज, मुझे श्री हीरा नन्द आर्य की और से डिस्ट्रिक्ट भिवानी और महेन्द्रगढ मे ग्रेट सकेयररिसिटी आफ ड्रिकिग वाटर के बारे मे एक काल अटै ान मो ान का नोटिस मिला है। मै उसको एडमिट करता हू। श्री हीरा नन्द आर्य अपना नोटिस पढ दे। मत्री महोदय अगर इसका जवाब देना चाहे तो दे दे।

श्री हीरा नन्द आर्यः मै इस महान सदन का ध्यान एक अत्याव क लोक महत्व के विशय की और दिलाना चाहता हू कि जिला भिवानी के मोहला, खरकडी, ढाणी , सालेवाली, लिलस, सैणीवास, मिटठी, मोरका, कातवार, तलवाणी सूरपूरा खुर्द व कलां, पातवान, सुधीवास, कलाली, बीधवान, मन्ढोली, सिवाच, बुधसेली, कालीद गुढा, घघाल, मोतीपुर, मतानी, गुरेरा, सडवा आदि गावों मे पीने के पानी की बहुत कमी के कारण लोगो की बेहद परे ाानी उठानी पड रही है। इसी प्रकार महेन्द्रगढ जिले के धालनवास, बारडा नांव आदि गांवो के ग्रामवासी भी कठिनाई का सामाना कर रहे है। अत सरकार इस सबध मे कार्यवाही करने के बाद तथा कठिनाई दूर करके सदन मे सूचित करे।

लोक स्वास्थय मंत्री (श्रीमती प्रसन्नी देवी): मै इसका जवाब 21 तारीख को दे दूगी।

श्री अध्यक्षः अब गवर्नर एड्रेस पर डिस्क ान रिज्यूम होगी। चौधरी सरेन्द्र सिंह।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर चर्चा करते हुए सदन मे दोनो तरफ से काफी कुछ कह गया है।

श्री अध्यक्षः चौधरी सुरेन्द्र सिंह आप केवल दस मिनट बोलेगे।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः ठीक है जी अध्यक्ष महोदय, लोक सभा के चुनाव के बाद हिन्दुस्तान मे और खासतौर पर हरियाणा प्रान्त मे जो आस्था और जो वि ावास प्रधान मंत्री मे दिखाया गया है उससे जाहिर होता है कि काग्रेस पार्टी की सरकार वह काम करेगी अभी तक नही हुए है। हमारे विरोधी दल के नेता और डा0 मंगल सैन अगर यहा होते तो मै उनसे एक बात पूछता कि हरियाणा मे कौन सा ऐसा गावंऔर भाहर है जिसने राजीव गांधी को अपना नेता न माना हो। वे बडे कटाक्ष से बात करते थे और बडी टिप्पणी करते थे कि बार बार प्रधान मंत्री का नाम क्यो लिया जाता है। भूतपूर्व प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दरा गाधी की मृत्यु के प चात जब श्री राजीव गाधंी ने प्रधान मंत्री के पद की भापथ ली तो इनके नेता ने बडा एतराज किया। वे राश्ट्रपति से मिले और कहा कि जिस प्रकार से राजीव गाधी को प्रधान मंत्री बनाया गया है वह गलत है। स्पीकर साहब, इलैक ान के बाद ये भाई भूल गए कि इनका कोई राजनैतिक दल है। काग्रेस ने चार सौ सीट लेकर एक रिकार्ड काया किया और श्रीमति चन्द्रावती जी को पता होगा कि इनकी केवल एक सीट थी। अध्यक्ष महोदय, प्रधान मंत्री ने

चुनाव मे जो वायदा किया था कि हिन्दुस्तान मे साफ सुथरे एडमिनिस्ट्रे ान दूगा और राजनैतिक भ्रश्टाचार को खत्म करूगा इन वायदो को पूरा करने के लिए उन्होने फौरन ही एन्टी डिफैक ान बिल पास किया और इस बारे मे सब विरोधी पार्टियो को वि वास मे लिया।

स्पीकर साहब, इस बिल के पास होने का सब से बडा नुकसान अपौजी ान को हुआ है।

चौधरी कुलबीर सिंह मलिकः आन ए प्वायट आफ आर्डर। स्पीकर साहब हरियाणा मे जो गवर्नमैंट बनी हुई है वह डिफैक ान पर बनी हुई है।

श्री अध्यक्षः यह कोई प्वायट आफ आर्डर नही है।

चौधरी सुरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मै आपके जरिए चौधरी कुलवीर सिंह को बताना चाहता हू कि जब लोक सभा के चुनाव हो रहे थे तो इनके नेता बडे बडे भाशण दे रहे थे और एलान किया जा रहा था कि हरियाणा म कर्जे माफ किए जाएगे। स्पीकर साहब, अगर इनके नेता तो ाम मे भाशण देते थे तो वहा पर कहते थे कि केन्द्रीय सरकार ने बिरला का 54 करोड 53 लाख 60 हजार रूपए का कर्जा माफ कर दिया और अगले दिन जब किसी दूसरी जगह भाशण देते थे तो कहते थे कि केन्द्रीय सरकार ने बिरला का 54 करोड 45 लाख 25 हजार रूपए का कर्जा माफ कर दिया है । इनकी नेताओ को अपनी तरकरी की फिगर्ज ही

याद नही रहती थी इस समय श्री उपाध्यक्ष पदासीन हुए। उपाध्यक्ष महोदय, इनको खु ाी होनी चाहिए कि हिन्दुसतन मे और हरियाणा मे एडमिनिस्ट्रे ान अच्छा होने जा रहा है मै डा0 मंगल सैन से पूछना चाहता हू कि राजीव गाधी की रहनुमाई मे जो हिन्दुस्तान मे चुनाव हुए क्या दिल से इन्होने उनकी मुखालफित की है ? उपाध्यक्ष महोदय 38 हजार वोटो से रोहतक की सीट काग्रेस पार्टी ने जीती है।

डिप्टी स्पीकर साहब, यह बात ठीक है कि हरियाणा प्रान्त मे बिजली की काफी कमी रही है। और चौधरी भजन लाल और चौधरी भाम ोर सिंह यह पर बैठे है यह ठीक है कि हरियाणा प्रान्त मे बिजली बोर्ड मे सुधार करने के बाद बिजली का भी सुधार हुआ है लेकिन मै व्यक्तिगत रूप से महसूस करता हू कि हरियाणा प्रान्त का बिजली बोर्ड और चौधरी भाम ोर सिंह एक बात अच्छी तरह से नही कर पाये। सैन्ट्रल गवर्नमैट के पावर प्रोजैक्टस जैसे सगरौली और बदरपुर से जो हिस्सा हमे मिलाना चाहिए था हम उसका आधा हिस्सा भी नही ले पाय। उतर प्रदे ा सरकार जिसको कि 35 लाख यूनिट बिजली मिलनी चाहए थी वह सत्तर लाख यूनिट बिजली ले जाते रहे और दिल्ली अपने हिस्से से ज्यादा कज्यूम करता रहा। मै सरकार को बताना चाहता हू कि बिजली की कमी की वजह से हरियाणा का ग्राम किसान काफी परे ाान है। डिप्टी स्पीकर साहब, कई बार आप ने देखा होगा कि हरियाणा मे जो 20 लाख यूनिट की असेनि ायल सप्लाई है।

उसमे से भी दस लाख या पन्द्रह लाख यूनिट से ज्यादा सप्लाई बिजली बोर्ड नही दे पाता। हमारे यह भी सुनने मे आया है कि अस्पताल मे पे ाेन्ट आप्रे ज्ञन टेबल पर है और एक दो बार बिजली चली गई। छोटे अस्पताल जहा पर कोई जनरेटर नही है वहा पर बडी मु ि कल का सामना करना पडता है डिप्टी स्पीकर साहब, इस बिजली की कमी वजह से हरियाणा प्रान्त को सौ करोड रूपए का नुकसान हुआ है। अगर बिजली बोर्ड की सप्लाई ठीक तरह से होती तो हरियाणा के कारखानेदार जो सैण्ट्रल गवर्नमैंट की एक्साइज डयूटी देते है और उसमे से हरियाणा प्रान्त को हिस्सा मिलता है उसका नुकसान हमारे प्रान्त को न होत और हम उस सौ करोड रूपए का ठीक इस्तेमाल कर पाते। उपाध्यक्ष महोदय, एक बात बडे अचम्भे की देखने को मिली है राज्य पाल के अभिभाशण क `पैरा नम्बर 14 मे वह जिक्र किया गया है कि हरियाणा प्रान्त की छठी पचवर्शीय योजना के लिए प्लानिग कमी ान ने अठारह सौ करोड रूपए का प्रावधान किया था। डिप्टी स्पीकर साहब चौधरी भाम ेर सिह जी ने अभी तीन रेाज पहले बता रहे थे कि पानीपत थर्मल प्लाट को इसलिए पूरा नही कर पाए, इसलिए उसको प्लान रिवाइज करनी पडी कि हमारे पास पैसे की कमी थी। उपाध्यक्ष महोदय यह सरकार उस 1800 करोड रूपए मे से 31 मार्च तक केवल 1603.77 करेाड रूपए खर्च कर पायेगी।

डिप्टी स्पीकर साहब, आपको पता है कि हरियाणा सरकार ने खरीब और रबी का जो टारगेट फिक्स किया है, उसको पूरा करने जा रही है। अनाज की पैदावार अलग ज्यादा होने लगे तो वह काबिले तारीफ बात है लेकिन इसके साथ साथ सरकार ने खुद माना है कि हिसार ,भिवानी, और महेन्द्रगढ के इलाको मे भाील लहर आने की वजह से फसलो को काफी नुकसान हुआ है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै यह बताना चाहता हू कि जहा नहरो का पानी बिल्कुल नही जाता है। वहा बिजली के ऊपर सारी खेती निर्भर करती है। महेन्द्रगढ और भिवानी मे लिफट इरीगे ान की स्कीमज है लेकिन वहा पर पानी बिल्कुल नही जाता है। अगर 8 माइनर्ज है तो उनकम से हफते के बाद तीन या चार माईनर्ज मे पानी चल पाता हैं इसलिए मेरी सरकार से रिक्वैस्ट है कि सरकार जा पर नहर का पानी नही दे सकती वहा पर बिजली ज्यादा सप्लाई की जानी चाहिए ताकि लोगो की फसलो को नुकसान न हो। सरकार कहती है कि कुरूक्षेत्र और करनाल पैडी का इलाका है इसलिए वहा पर नहरी पानी होते हुए बिजली भी ज्यादा सप्लाई की जाती है। यह कहा का इन्साफ है डिप्टी स्पीकर साहब, कि एक तरफ तो किसान दोनो फसलो ने और दूसरी तरफ एक भी फसल न हो। इसलिए इस तरह की ज्यादती नही होनी चाहिए। जहा नहर का पानी नही पहुच पाता उन इलाको मे सरकार को बिजली की सप्लाई ज्यादा और तेजी से करनी चाहिये।

इसके साथ डिप्टी स्पीकर साहब, मै टयूबबैल कनैक ानज के बारे मे भी कुछ जिक्र करना चाहूगां। लोगो ने चार चार सालो से टयबबैल कनैक ाज के लिए दरखास्ते दे रखी है टैस्ट रिपोर्टस भी आई हुई है लेकिन लोगो को कनैक ानज नही मिलते है। इस तरफ सरकार को खास ध्यान रखना चाहिए दूसरी बात मै यह कहना चाहता हू कि एक बार आई0पी0एम0 साहब से भिवानी गये थे और वह पर मै भी था किसानो को भी बुलाया गया था। उस वक्त किसानो की ि ाकायते सुनने के बाद किसाने को बुलाया गया था। उसक वक्त किसानो की ि ाकायते सुनने के बाद पता चला था अगर किसी का ट्रासफारमर जल जाता था तो एक एक महीने तक उस को देखने के लिए कोई नही आता था। आफिसर्ज से भी इस बारे मे पूछा गया था और यह बात उनके सामने तसदीक की गयी थी कि जब कभी ट्रास्फारमर्ज जलते है तो उसको बदला नही जाता है जिससे किसानो को बडी ही परे ाानी का सामना करना पडता है। इसलिए किसानो को ऐसी दिक्कतो को दूर करने के लिए आफिसर्ज गावं गाव का दौरा हर 15 दिनो के बाद किया करे। आई0पी0एम0 साहब इस बात की तरफ ध्यान दे और कम से कम अपने आफिसर्ज को इस तरह की हिदायते जारी करे कि उनके आफिसर्ज गांव गाव मे जाकर लोगो की दिक्कतो को जल्दी जल्दी दूर करे। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा इलाका ऐसा है जहा पर बिजली और पानी दोनेा चाहिये और वहा के एम0एल0ए0 को भी बोलने के लिए ज्यादा टाईम चाहिये क्योकि हमारे इलाके की समस्या भी ज्यादा है।

डिप्टी स्पीकर साहब, एक बात मै लिफट इरीगे ान की और बताना चाहता हू कि अगर बिजली फेल हो जाए तो पम्प हाउस पानी लिफट नही कर पाता और जो गांव उसके नजदीक होते है वहा बडे बडे ऐस्केपस बने हुए होते है उससे गावो की काबिले का त सारी की सारी जमीन डूब जाती है। एक लुहानी गांव जो जुई कैनाल के ऊपर लगता है और एक भााहडवा गावं है जो कि सिवानी कैनाल के ऊपर लगता है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै सरकार से यह प्रार्थना करूगा कि या तो वहा पर जैनरेटर्ज लगाए जाए और जब नहर चलती हो तो तब लोगो को राउण्ड दि क्लोक सप्लाई दी जाए। अगर जैनरेटर्ज न लग पाते हो तो उस गांव की 20—25 एकड जमीन को एक्वायर करके वहा पर एक बहुत बडी झील बनाई जाए, रैजवायर बनाया जाए ताकि उस पानी को बिजली आने पर ऊपर उठाया जा सके। डिप्टी स्पीकर साहब, इस किस्म के कामो के लिए हमने बार बार सरकार से रिप्रेजैन्ट भी किया और बार बार कहा भी। इसलिए मै यह महसूस करता हू कि यह काम सरकार को जल्दी से जल्दी करना चाहिए।

इसी तरह से जैनरेटर के बारे मे भी मै यह प्रार्थना करूगा कि चौधरी साहब जाकर देखे। चीफ मिनिस्टर जब उस इलाके मे जाएगे तो खुद यह महसूस करेगे कि सरकार पब्लिक हैल्थ विभाग को जैनरेटर खरीद कर दे। उनके पास जैनरेटर्ज नही है वहा आज न तो डोल है और न भरी है आपके इलाके मे भाायद डिप्टी स्पीकर साहब, हो तै नही कह सकता। हमारे इलाके

मे पीने का पानी नलको से जाता हैं कूओ पर डोल भरी न होने की वजह से और कुआ पर लगी मोटरो को बिजली न मिलने की वजह से लोगो को पानी नही मिल पाता ।

Mr. Deputy Speaker: Now Please resume your seat.

Chaudhri Surender Singh: In a minute or two I am winding up Sir.

डिप्टी स्पीकर साहब, आज हमारे जो भाहर है उन भाहरो के मास्टर प्लानज बनु हुए है उन मास्टर प्लानज के अनुसार कोई भी भाहर की कस्ट्रक ान नही कर पाता। एस0डी0एम और डी0सी0 के पस दूसरे गावो की मससरूफित है वह दफा चार और 6 की नोटीफिके ान होने के बाद भी जमीन को बराबर बेचा जा रहा है और बगैरा नक ो पास करवाये कलोनीज की कालोनीज बनायी जा रही है। जिन आदमीयो को कालोनीज बनाकर बेचते है, वे दो दिन बाद सिविक अमैनीटीज चाहते है और सरकार उनको दे नही पाती। इसलिए या तो सरकार उस जमीन को एक्वायर करे या फिर हुडडा ये दूसरे किसी एजेन्सी से प्लाटस लेकर कालीनीज बनाकर बेचे जिससे सरकार को अच्छा पैसा भी मिले और उसी पैसे से सिविक अमैनीटीज भी लोगो को दी जाए। इसके इलावा कोआप्रे ान के बारे मे भी डिप्टी स्पीकर साहब, मै कुछ कहूगा। जो लोन कोआप्रेटिव अदायरो के जरिये किसानो और वीकर सैक ानज को दिया जाता है वह इस साल 181 करोड रूपए के करीब दिया और अलगे साल 200 करोड रूपए के लगभग देने

का प्रावधान किया जा रहा है लेकिन मै आपको यह कहना चाहता हू कि जो पैसा वीकर सैक ान या किसानो को लोन की भाक्ल मे देना होता है वह लोनी तक नही पहुचता। जब रिकवरी आती है तब कही जाकर गरीब किसानो को पता चलता है कि उसके नाम इतने पैसे सरकार के है। डिप्टी स्पीकर साहब, टयूबबैल के लिए किसानो को लोन लेता है, उनकी कि त की अदायगी के वारन्ट टयूबवैल चलने से पहले ही किसान के पास जाते है। इसलिए मेरी सरकार से प्रार्थना है कि सरकार इस पर गौर करे जब तक किसान बिजली मिलने के बाद एक फसल अपने खते से न ले ले तब तक उससे कोई लोन वापिस नही लिया जाएगा और न ही इट्रैस्ट हाी लगेगा। धन्यवाद ।

12.00 बजे

श्रीमती बसन्ती देवी (हसनगढ): डिप्टी स्पीकर साहब, मै गवर्नर एड्रेस का विरोध करने के लिए खडी हुई हू। मै यह कहना चाहती हू कि यह सरकार भाहर मे बसने वाले केवल 20 प्रति त अमीर लोगो की है। जो 80 प्रति ात जमीदार और मजदूर गावो मे रहते है उनके साथ इसका रि ता केवल वोटो तक ही सीमित है। ये उनसे वोट लेकर एम0एल0ए0 और एम0पी0 बन जाते है और उसके बाद ये उनको भूल जाते है। मै जिस दिन से एम0एल0ए0 बनी हू मैने तब से एक ही बात इस हाउस मे बार बार कही कि गावों मे रहने वाली औरतो के लिए टट्टी जगल जाने के लिए जगह नही है। डिप्टी स्पीकर साहब, आज हालत यह

है कि हमारी बहिने सडको के किनारे टट्टी बैठती है हमारी काग्रेसी भाई काग्रेस पार्टी और सरकार की तो बहुत तारीफ करते है लेकिन मै उनसे जानती हू कि क्या उन्हे अपने गाव मे रहने वाली बहिन और बेटियो की इज्जत का कोई ख्याल है ? वे भी बार बार टूर पर जाते है और जब कोई ट्रक या बस आती है तो वे बेचारी खडी हो जाती है और फिर बैठ जाती है जिनके बलबूते पर यहा पर आकर ये लोग मिनिस्टर बन जाते है उनका इनको बिल्कुल भी ख्याल नही है दूसरी तरफ मिनिस्टर बनने के बाद जब इनको कोठिया मिलती है तो ये इतने फै ानेबल बन जाते है और चाहते है कि हम कमरे के साथ बाथरूम अटैच हो। लेकिन गावो मे रहने वाली बहिनो की तरफ इनका कोई ध्यान नही है इसलिए मै दावे के साथ कहती हू कि यह सरकार भाहरो मे रहने वाल 20 प्रति ात लोगो की है न कि गावो मे रहने वाले 80 प्रति ात लोगो की है। साम्पला मे एक प्राईवेट स्कूल है। मैने वाटर वर्कस डिपार्टमैंट से यह रिकवैस्ट की कि उस स्कूल मे एक नल लगा दिया जाए लेकिन मेरे पास जवाब आया कि यह हमारी पालिसी नही है कि गांव मे किसी प्राईवेट स्कूल मे नल लगाए। मै इन लोगो से पूछना चाहती हू कि पालिसी बनाने वाले कौन हैं या तो बताए कि स्कूल के बच्चे दूसरी स्टेट के रहने वाले है या उन बच्चो को प्यास नही लगती । जब उनके साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है तो यह कहना नाजायज नही है। कि यह सरकार गांव मे रहने वाले लोगो को नही है बल्कि भाहरो मे रहने वालो लोगो की है। भाहर मे रहने वाले लोग कितनी भी

जायदाद बना सकते है फैक्टरी पर फैक्टरी बना सकते है, कोठी पर कोठी बना सकते है और दुकानो पर दुकान बना सकते है, उनका कुछ सरपल्स नही होता लेकिन किसान की जमीन 18 एकड या 19 एकड हो जाए तो वह सरपल्स हो जाती है टूरिज्म डिपार्टमैंट जगह जगह टूरिस्ट कम्पलैक्स खोल रहे है और दिन प्रतिदिन इनकी तादाद बढती जा रही । इनका मतलब यही है कि अमीर आदमियो को सबसिडाइज्ड रेट पर रहने की सहूलियता देना। अभी चन्द रेाज पहले सी.एम.साहब. कह रहे थे कि हम धर्म ाला बनाने के लिए जमीने देने के लिए तैयार है ताकि गरीब लोग धर्म ाला मे रहे सके। ऐसा लगता है जैसे वे लागे भिखारी है। क्या सरकार की उनके लिए कोई जिम्मेदारी नही है अगर वह सही मायनो मे सरकार है तो वह किसानो को उनकी उपज का ठीक भाव दे और आगे सबसिडाइण्ड रेट पर गरीब लोगो को बाटे। लेकिन ऐसी बात नही हो रही है। इसलिए मै कह सकती हू कि यह सरकार भाहर मे बसने वाले लोागो की है। जहा पर पब्लिक हैल्थ का सबंध है इसकी हालत यह है कि या तो गांव मे कही पानी नही है और अगर है तो वह गाव नरक बन गया है क्योकि वहा घुटने तक गांव मे कीचड हो गया है। वाटर वर्कस से पानी देने से पहले यह बन्दोबस्त किया जाए कि पानी कहा से निकलेगा। लेकिन किसी भी गांव मे पानी देने से पहले ऐसा नही सोचा जाता । इन्टरटैनमैंट का जा तक ताल्लुक है क्या गांव मे रहने वाले लोगो की इसकी जरूरत नही है। हर इन्सान एक ही तरह से बना हुआ है इसलिए गांव के लोग भी चाहते है कि उनकी

इन्टरेनमैट हो। मै दावे के साथ कह सकती हू कि गावो मे जितने झगडे होते है उतने भाहरो मे नही होते। इसका कारण यही है कि गावं के लोग एक तरह से जिन्दगी से तंग हो जाते है। उनके पास इन्टरटेनमैंट का कोई साधन नही होता। पब्लिक हैल्थ रिले ाज डिपार्टमैंट एक ड्रामा पार्टी तैयार करके गांव के लोगो को ि ाक्षा दे। इसके साथ साथ उन्हे फैमिली प्लानिंग की भी ि ाक्षा दी जाए। इस मामले मे उनकी सफाई की ि ाक्षा भी दे तथा मौरल ि ाक्षा भी दे । इससे उनका मन बहलाव भी हो जाएगा और ि ाक्षा भी मिलेगी। डिप्टी स्पीकर साहब, गावों मे कही भी कोई सडक बनती है या वाटर वर्क्स बनता है तो उसमे पूरी चीज नही लगाई जाती। अटाल गावं मे वाटर वर्क्स बन रहा है वहा सीमैट खुले आम बिक रहा है झज्जर मे एक सडक बनी थी उसके बनने के तीसरे दिन बाद वह टूट गई। अगर विजीलैस को केस दे दिया जाता है तो वे लोग उनसे पैसा देकर केस रफा दफा कर देते है यह एक ऐसा डिपार्टमैंट है जिसके ऊपर एक सुपर विजीलैस डिपार्टमैंट खोलाना जरूरी है क्योकि आज अगर इस महकमे के अफसरो को देखा जाए तो किसी की वाईफ के नाम होटल चल रहा है किसी ने दिल्ली और चण्डीगढ मे मकान बनाया हुआ है और किसी का ही पर फार्म है तो विजिलैस डिपार्टमैट भी ऐसा है जिसके ऊपर एक सुपर विजीलैस डिपार्टमैट की जरूरत है फारैस्ट डिपर्टमैट मै अगस्त 1989 से लेबर की तनखाह नही मिली है । मै पूछना चाहती हूं कि क्या उस महकमे के चेररमैंन और स्टाफ को भी तनखाह नही मिली है। लेबर के वे लोग होते है जो

सुबह से भाम तक काम करते है और रात को उसी पैसे से खाना खाते है। अगर 6–7 महीनो तक लेबर को तनखाह न दी जाए तो क्या वह जीन्दा रह सकता है ? इन्ही बातो से मै यह कह सकती हू कि यह सरकार भाहर वालो की है न कि गांव वालो की । इन भाब्दो के साथ मै इस अभिभाशण का विरोध करते हुए अपना स्थान लेती हू।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंह (मेवाल महराजपुर): माननीय डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी ई ावर सिह जी ने जो राज्य पाल महोदय के अभिभाशण पर धन्यवाद प्रस्ताव पे ा किया था मै उसका समर्थन करने के लिए खडा हुआ हू । आदरणीय डिप्टी स्पीकर साहब, राज्य पाल महोदय से अपने अभिभाशण मे राज्य की प्रगति, सरकार के कार्यकलाप और नेतियो का वि ोश तौर पर उल्लेख किया है। इसके साथ साथ जहा सरकार की उपलब्धियो और नीतियो के वर्णन या उल्लेख का ताल्लुक है सबसे पहले मै राज्यपाल महोदय का अत्यन्त ही ही धन्यवादी हू कि उन्होने जनता की आवाज और उसकी भावना की कदर को समझते हुए सन 89 का साल जो दे ा के लिए बहुत ही भयानक ओर दुखदाई रहा है। और उस सारे साल मे जो भयानक घटनाए या मुसीबते दे ा के सामने आई का जिक्र किया है। इस दे ा की महान प्रधान मंत्री, राश्ट्रीयता की प्रतीक, समाजवाद और समतावाद का एक नमूना जिसने दे ा की प्रतिश्ठा और इज्जत की केबल हिन्दूस्तान मे ही नही बल्कि दुनिया के नक ो मे एक खास जगह पर स्थित

किया। उस महान प्रधान मंत्री जी की निर्मम हत्या की गई। राज्यपाल महोदय ने इसका इस अभिभाशण मे जिक्र करके अपने दे ा की जनता की भवानाओ की कदर की है। मै जनता की भावनाओ की कदर इसलिए कह रहा हू क्योकि मेरे विरोधी पक्ष के भाई जो सही बात होगी उसका विरोध नही करेगे। उपाध्यक्ष महोदय जो सही बात हो उसका विरोध इनको करना भी नही चाहिए। हम तो जो गलत बात होती है उसको गलत कहते है और जो सही बात होगी उसको सही कहेगे। मेरे विरोधी पक्ष के भाईयो मे से कुछ माननीय सदस्यो ने यह कहा था कि राज्य पाल महोदय के अभिभाशण मे प्रधानमंत्री की हत्या के बारे मे जिक्र नही आना चाहिए था। उपाध्यक्ष महोदय, मै जनता की भावनाओ का उल्लेख इसलिए कर रहा हू क्योकि सम्पूर्ण दे ा मे उनकी हत्या के बाद जो हालात पैदा हुए वह जनता की भावनाओ का एक नमूना था। इसलिए इसको जनता की भावना कहना कोई गलत बात नही है। उपाध्यक्ष महोदय, हमारो हाथो से समय ने एक महान प्रधानमंत्री को छीन लिया और एक महान युग जिसको भारत वर्श का बहुत बडा युग कहा जा सकता है उसका अन्त हो गया। उसके साथ ही दें ा भाोक के सागर मे डुब गया। जिस समय सारा दे ा भाोक के सागर मे डुब गया। जिस समय सारा दे ा भाोक के सामगर मे डूबा हुआ था उस समय यहा की महान जनता ने खास करके कुदरत ने एक ऐसा प्रधानमंत्री भारतवर्श को दिया जो अपने आप मे एक मिसाल है। इसमे कोई दो राय नही है। अगर मै उनको भाान्ति का दूत कहू तेा कोई गलत नही होगा। जिस वक्त श्रीमती

इदिरा जी की हत्या की गई और उसके बाद हमारे दे ा मे जो रीएक ान हुआ उस वक्त हमारे मौजूदा प्रधान मंत्री जी दिल्ली की गलियों मे जा करके लोगो को ऐसा कोई काम करने मे लताड रहे थे जिससे किसी का कोई नुकसान हो यह आप सब माननीय सदस्यो को मालूम होगा। उपाध्यक्ष महोदय आप एक काबिल आदमी है आप यह जानते है कि यदि एक आम आदमी के साथ ऐसा हादसा हो जाए तेा वह अपने हो ाोहबास भूल जाता है और अपना मनोबल खो बैठता है। आप यह भी जानते है कि उस वक्त क्या हालता पैदा हो सकते थे। इसके बावजूद भी हमारे मौजूदा प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी जी ने जनता मे जो रीएक ान हुआ उसको न करने के लिए रोका। यह एक महान पुरूश की नि ाानी है। आप सबको याद होगा कि स्वामी दयानन्द जी को उनके रसोइए ने जहर दे दिया थां। जिस वक्त उनको जहर दिया गया उन्होने स्वय रसोइए को अपने पास बुला कर यह कहा कि यै पैसे ले जाओ और यहा से भाग जाओ नही तो तुम्हे यहा की जनता मार देगी। ऐसा काम कम छोआ आदमी नही कर सकता। यह एक महान पुरूश की नि ाानी है। जिस समय उस महान प्रधान मंत्री जी की हत्या हुई उस समय इस दे ा मे एक बहुत बडा पहाड टूट गया और कुदरत ने इस दे ा पर एक एहसान किया किया कि एक बहुत ही नेक आदमी इस दे ा को प्रधान मंत्री दिया। उपाध्यक्ष महोदय, इससे पहले कि मै प्रदे ा के विकास कार्यो पर रो ानी डालू मुझे श्री बेरी जी के बारे मे कुछ बाते याद आ रही है जो उन्होने राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर धन्यवादो के

प्रस्ताव पर बोलते हुए कही थी। उन्होने कहा कि राज्यपाल के अभिभाशण मे किसानो और गरीब मजदूरो के लिए कोई खास बात है ही नही। मै एक बात जरूर कहूगा कि उनके सोचने का नजरिया ऐसा हो सकता है। मै उनके बारे मे कोई ऐसी बात नही कहना चाहता लेकिन पिछले चार साल मे हरियाणा प्रदेश के किसानो पर जो विपदाए आ रही है उनसे कोई भी माननीय सदस्य नावाकिफ नही है। इस साल तो हरियाणा मे काफी सुखा आया और दो बार भाखडा नहर के टुटने से किसानों को काफी नुकसान हुआ। किसानो को विपदाओ का सामना करना पड रहा है। इसके बावजूद भी सरकार की अच्छी नीतियो के कारण हमारे हरियाणा के किसानो की पैदावार का इस साल का रिकार्ड 71 लाख टन तक पहुच गया है । मै समझता हू कि अगर सरकार ने किसानो क लिए कुछ न किया होता और उनके बारे मे कुछ न सोचा होता तो भाायद इतना अनाज पैदा न होता। जहा तक राज्य पाल महोदय के अभिभाशण का ताल्लुक है इस अभिभाशण मे बताया गया है कि सातवी पचवर्शीय योजना के लिए 3200 करोड रूपए का प्रावधान किया गया है

चौधरी तैययव हुसैनः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरा प्वायट आफ आर्डर कि सदन के अन्दर इस समय कोई भी वजीर हाजिर नही है।(ाोर एवम विघन)

Mr. Deputy Speaker: Quorum is there Why are you worrying ?

श्री भागी रामः उपाध्यक्ष महोदय, मुख्यय मंत्री और दूसरे मंत्रियो को हमारी बातो का जवाब देना है अगर वे हमारी बातो को नही सुनेगे तो जवाब कैसे देगे ?

Chaudhri Tayyab Hussain: Deputy Speaker Sir at least one Minister must be there.

चौधरी धीरपाल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, इस सरकार के मंत्री सदन मे बैठने की आव यकता ही नही समझते है।

इस समय कुछ माननीय मंत्रीगण सदन मे आगए

श्री उपाध्यक्षः माननीय सदस्य अपनी स्पीच जारी रखे।

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, इस अभिभाशण मे कहा गया है कि जो आने वाले साल है इसके लिए 520 करोड रूपए के प्लान का प्रावधान किया गया है। मै समझता हू कि यह पैसा पिछले बजट मे जो पैसा था उससे काफी ज्यादा है, यह पैसा केवल एक साल के लिए रखा गया है। इससे प्रदे ा का काफी विकास होगा। इससे साफ जाहिर होता है कि प्रदे ा के लिए जो विकास ील नीतिया और विकास ील काम होने चाहिए सरकार उनकी पूरी ध्यान देना चाहती है। उपाध्यक्ष महोदय मै किसानो की बात कर रहा था। इस अभिभाशण मे वि ोश तौर पर प्रदे ा की विकास नीतियो के बारे मे उल्लेख किया गया है। उपाध्यक्ष महोदय हमारी सरकार ने 20 सुत्रो कार्यक्रम की इस प्रदे ा की खु ाहाल नीतियो के कार्यक्रमो का आधार स्तम्भ माना

है और 20 सुत्रो कार्यक्रम के लिए अगलें साल मे 380 करोड रूपए रखे गए है। मै अपने विरोधी पक्ष के भाईयो को बताना चाहता हू कि अगर गौरो से देखा जाये तो 20 सुत्रो मे तकरीबन सभी सुत्र किसानो व मजदूरो के लिए ही है। इस तरह तरकीबन 2/3 पैसा किसानो की बहबूदी के लिए रखा गया है। किसानो के लिए अगर 380 करोड रूपए का प्रावधान किया गया है तो मै समझता हू यह किसानो के लिए बहुत कुछ है। मै यह भी नही कहता कि यह पैसा किसानो के लिए काफी है। यदि इससे ज्यादा पैसे का भी प्रावधान यिका जाए तो वह किसानो के लिए अच्छा होगा। लेकिन फिर भी मै यह कहूगा कि यह काफी पैसा है। उपाध्यक्ष महोदय, किसान और मजदूर दे ा की रीढ की हडडी है और दे ा की आर्थिक व्यवस्था की धूरी भी है। इसमे कोई दो राय नही है। मै समझता हू कि मेरे विरोधी पक्ष के भाई सिर्फ कहने के लिए कर रहे है कि इसमे किसानो के लिए कुछ नही है इसके सिवाय कहने के लिए इनके पास कुछ नही है ये कहेगे भी क्या। उपाध्यक्ष महोदय, जा तक सिचाई ताल्लुक है उस बारे मे भी राज्यपाल महोदय के अभिभाशण मे जिक्र किया गया है इस समय 23.56 लाख हैक्टेयर जमीन की सिचाई होती है इसके अलावा मै यह भी कहना चाहूगा कि नहरो को पक्का किया जा रहा है। जिस समय सातवी पंचवर्शीय योजना मुकम्मल होगी साढे तीन लाख हैक्टेयर से ज्यादा अतिरिक्त भूमि सिचाई मे आ जाएगी तो मै समझता हू कि जो हरित क्राति हमारे प्रदे ा मे आई थी सातवी

पंचवर्शीय योजना के बाद वह हरित क्राति रजत क्राति मे बदल जाएगी। इससे कोई सन्देह नही।

Mr. Deputy Speker: Now please wind up

श्री महेन्द्र प्रताप सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मै केवल 2 मिनट मे ही खतक कर देता हू । अब मै हाउसिंग बोर्ड और हुडडा के बारे मे जिक्र करना चाहता हू। हाउसिंग बोर्ड ने भाहरो मे और देहातो मे गरीब आदमियो के लिए काफी मकान बनाए है। और उनको लाभन्वित करने की कोि ा ा की है। हाउसिंग बोर्ड ने तकरीबन 19 हजार से ज्यादा मकान बनाए है। इस समय श्री अध्यक्ष पदासीन हुए। स्पीकर साहब, इस बारे मै अपना थोडा सा सज ान देना चाहता हू मै अपनी भाहर फरीदाबाद को झुग्गी झोपडी का भाहर कहू तो गलत नही होगा। मेरे कहने का मतलब है कि फरीदाबाद के अन्दर हजारो झुग्गी झोपडी है इससे भाहर बदसूरत व स्लम बन रहा है। मेरी आपके जरिए सरकार से प्रार्थना है कि हाउसिंग बोर्ड वहा पर उन गरीबो के लिए मकान बनाए ताकि उन गरीब मजदूरो को रहने के लिए जगह मिल सके।

चौधरी तैय्यब हुसैनः मोहतरिम स्पीकर साहब, मोहररिम गवर्नर साहब ने यहा पर जो एड्रेंस पे ा किया है उसकी भुखल्फित करने के लिए खडा हुआ हूं । इस गवर्नर एड्रेस मे कुछ ऐसी बाते लिख दी गई है जो नही लिखी जानी चाहिए थी। इन्होने इस गवर्नर एड्रेस मे एक जगह पर लिख है giving a crushing bolw to the forces of parochialism separatism and

disrpution. इसमे इस तरह की बाते कही गई है जैसे दूसरी पार्टियो को चुनाव लडने का अख्तियार नही है। क्या रूलिग पार्टी ही इस तरह की बात गवर्नर साहब के जरिए कहलवा सकती है ? क्या मुल्फ से मोहब्बत करने का हक केवल इनको ही है ? मुल्क सब का है और सब का रहेगा ? प्रजातंत्र मे चुनाव लडने की आजादी सब को है। चुनाव के दौरान कोई हारता है और कोइ जीतता है। इनको इस तरह की बेकार गलत और बे बुनियाद बाते इस गवर्नर एड्रेस मे नही लिखनी चाहिए थी। क्या रूलिग पार्टी को ही चुनाव लडने का अख्तियार है ? इस तरह की बाते इन द्वारा कहना मुनासिब नही है। हिन्दुस्तान के सब लोग एक है। हिन्दुस्तान सब का है और हमे ाा रहेगा। यह पर जिक्र हो कि चुनाव पीसफूल हुए है। मै इन्हे बताना चाहता हू कि अभी पार्लियामैंट के चुनाव के समय नूह के अन्दर दो आदमी मारे गए है। दूसरी पार्टियो के लोगो को झुठे मुकदमो मे फसाया जा रहा है उन्होने हथीन और नूह के अन्दर बहुत सारे गलत काम किए है। इन्होन चुनाव के समय सरकारी म ाीनरी का खुल कर दुरूपयोग किया है। वहा पर अभी विधान सभा के उप चुनाव के समय बूथ कैपचर कराये गए और सरकारी म ीनरी को प्रयोग मे लाया गया। स्पीकर साहब, नूह कास्टिच्यूएंसी के अन्दर कम से कम दो दर्जन मुलाजिमो को सरकार ने परे ाान किया। उनको नूह से गुडगाव हैड आफिस मे बुला लिया गया और उनकी वहा पर दिन मे 6–6 दफा हाजरी ली जाती थी । इस एम्पलाइज को टैरोराइज करने की कोि ा ा की गई। मेरे कहने का मतलब यह

है कि इन्होने वहा पर सरकारी मुलाजिमो तक को परे ाना किया। जो कर्मचारी इनको ठीक नही लगते थे उनको डरना और धमकाना भाुरू कर दिया। (ाोर)

चौधरी अजमत खाः स्पीकर साहब, ये मेरे बारे मे कह रहे है मै इन द्धारा कही गई बातो का जवाब देना चाहता हू।

श्री अध्यक्षः आप बैठ जाए। आपको भी मौका मिलेगा।

चौधरी तैययब हुसैनः स्पीकर साहब, मै कह रहा था कि इस तरह की बाते इन'होने कही है, वह नही कहनी चाहिए थी मै जो बात कह रहा हू वह फैक्टस के साथ कह रहा हूं । चुनाव के समय बूथ कैपचरिग हुई। इन्होने चुनाव के दिन एक पोलिटिकल पार्टी के लिए कम से कम 5–6 बार एक पोलिग स्टे ान के लिए जगह बदली इन्होने दूसरी पार्टी के लोगो को वोट डालने का मौका ही नही दिया। इन्होने एक पार्टी के हथियारो को वापिस ले लिया जब कि दूसरी पार्टी के लोगो को हथियार दिए गए। अपोजी ान पार्टी के लिए लोगो के पास जो बन्दूके आदि थी उनको इन्होने रखवा लिया और उन लोगो की पुलिस स्टे ान मे परे ाान किया गया। इस प्रकार से इन्होने चुनाव के समय दुरूपयोग किया है। स्पीकर साहब, इन्होने बूथ कैपचर किए। जब वोटो की गिनती हो चुकी तो कई लोगो ने रि–काऊटिग के लिए एप्लीकेन ाज दी। ये एप्लीके ंज सी0पी0 आई 0 और काग्रेस की तरफ से भी दी गई थी लेकिन वे सारी की सारी डिसअलाऊ

कर दी गई। मै इस सिलसिले मे ज्यादा नही कहना चाहता क्याकि फिर आप कहेगे कि यह तो इलैक ान पैटी ान से सम्बन्धित है स्पीकर साहब, मै हाउस को बताना चाहूगा कि 1989 के चुनाव मे दीन मुहम्मद लोकदल के टिकट पर चुनाव लडा था। उसको भी इस सरकार ने अपनी तरफ करके लैण्ड मारगेज बैक का चेयरमैन लगा दिया। पहले इस बैक के चैयरमैन श्री अजमत खा हुआ करते थे। इससे पता लगता है कि सरकार चुनाव जीतने के लिए क्या कुछ कर सकती है इस प्रकार इन्होने कई मामलो मे रियासत ओर कश्ट तरीके अपनाकर चुनाव लडे है। चुनाव के समय इन्होने कही पी0डब्लयू0डी0 मे भरती की और कही दूसरे डिपार्टमैंट मे भरती की । स्पीकर साहब ये गलत तरीके से चुनाव जीते है। ऐसे गलत तरीके से चुनाव परिणाम पर ये फख महसूस करते है।

सिचाई तथा बिजली मंत्री(चौधरी भाम ोर सिह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, अभी तक तो चुनाव पैटी ान पर ही बोले है गवर्नर एड्रेस पर भी तो बोले।

चौधर तेययब हुसैनः स्पीकर साहब, इस अभिभाशण के पैरा 6 मे क्रप ान के बारे मे कहा गया है। अब मै इस प्वायट पर जिक्र करूगा। जब प्राईम मिनिस्टर ने क्रप ान हटाने की बात कही तो हमारे चीफ मिनिस्टर साहब ने भी क्रप ान हटाने की बात कही, क्रप ान हटनी चाहिए, अच्छी बात हैं अध्यक्ष महोदय जिस दिन हमने अखबार मे पढा कि चौधरी भजन लाल जी भी क्रप ान हटाने की बात कर रहे है तो उस दिन सारा दिन लोगो मे यह

मजाक का विशय बना रहा कि भजन लाल जी भी क्रप ान हटाने की बात कर रहे है।(ाोर)

Smt. Chandravati: Devi was quoting scriptures.

चौधर तेययब हुसैनः स्पीकर साहब, इसी प्रकार से इन्होने पैरा 7 मे एक बात कही है कि My Government is determined to maintain the traditional communaly harmony.ये कहते है हमारे प्रदे ा मे भाान्ति बनी रही। श्री महेन्द्र प्रताप सिंह प्रधान मंत्री की प्र ासा कर रहे थे कि उन्होने वह काम किया जो एक महान पुरूश करता है। स्पीकर साहब, मै इनको याद दिलाना चाहता हू कि जब श्रीमत इन्दिरा गांधी जी का कत्ल हुआ और उसके बाद जो हालात हुए उसकी कोई मिसाल हिस्ट्री मे नही मिलती। श्रीमती इन्दिरा गांधी के समय जब कही ऐसी घटनाए घटती थी तो ये ऐसे मोको पर खुद जाया करती थी। महेन्द्र प्रताव सिंह जो ने कहा कि जब उस दिन दिल्ली मे यह घटना घटी तो हमारे प्राईम मिनिस्टर रात को दिल्ली की गलियो मे घूमते रहे और जो लोग गलत काम कर रहे थे उनको लताडा। स्पीकर साहब, इसके विपरीत हमारे चीफ मिनिस्टर महोदय उस दिन दिल्ली मे ही थे जब फरीदाबाद ओर गुडगाव मे आग लग रही थीं। वे उस दिन फरीदाबाद ओर गुडगाव मे जाने की बजाये चण्डीगढ वापिस आगए। इस बात का कई बार जिक्र आया है कि यह हसार काम एडमिनिस्ट्रटिव लैवल पर हुआ है। स्पीकर साहब, उस दिन जब यह घटना घट रही थी तो मै गुडगाव मे ही थ।

गुडगाव मे मैने अपनी आखो से देखा कि पुलिस वहा पर खडी है और पुलिस के सामने ही कत्ल हो रहे है और गाडियो को जलाया जा रहा है। उस दिन पुलिस के सामने ही कत्ल हो रहे है। और गाडियो को जलाया जा रहा है। उस दिन लुट पाट का सारा काम पुलिस को ही देख रेख मे हो रहा था। इस तरह की जो घटना उस दिन हो रही थी वह हमने पहले कभी नही देखी थी। स्पीकर साहब, अब मै चीफ मिनिस्टर की कही हुई बात का जिक्र करूगा कि हरियाणा मे कम्युनल हारमनी है।

श्री अध्यक्षः मेरे पास 8 सदस्यो की लिस्ट है उन्होने भी बोलना है। आप जल्दी खत्म करे।

चौधर तेययब हुसैनः बस दो मिनट और दे दीजिए। स्पीकर साहब, मै कह रहा था कि अगर और कुछ नही कर सकते तो कम से कम हरियाणा मे जो वाकियात हुए है। उनकी जुडि ियल इन्कवायरी की करवा ले ताकि यह पता लग जाए कि असलियल क्या है। (विघन) ये किस तरह से कहते है कि एडमिनिस्ट्रे ान का दखल नही है। इस मे कोई बुराई नही है जुडि ियल इन्कवायरी करवा ले, सारी पोजी ान आपके सामने आ जाएगी। ये कहते है कि स्टेट मे कम्यूनल हारमनी है मै आपको एक मिसाल देता हू कम्यूनल हारमीन की। मेरे हल्के मे एक संगेर गांव है। वहा पर एक मस्जिद बननी थी लेकिन ये 1990 से उस मस्जिद को नही बनने दे रहे। उस मस्जिद मे लोगो नमाज पढते है । उस मस्जिद पर छत नही पड सकती और मौजूदा गवर्नमैंट

ने 1990 से वहा पुलिस बैठा रखी है। जब लोगो ने बनानी भाुरू की तो पुलिस भेज दी गई मना करने के लिए इस तरह से सरकार कम्पुनलिजम फैला रही है। इस तरह के कारनामे कर रही है। यह सरकार। (घंटी)

श्री अध्यक्षः आप जल्दी वाईड अप करे । अभी 8 मैम्बरो ने बोलना हैं।

चौधर तेययब हुसैनः मै सारे प्वायंट ब्रीफली कर रहा हूं। थोडा सा ट्रास्फार्मर्ज के सिलसिले मे अर्ज करना चाहता हू। जो ट्रास्फार्मर्ज जल जाते है वे रिप्लेस होने चाहिए ताकि लोगो की परे ाानी कम हो सके। मेवात बोर्ड के बारे मै इस वक्त नही बोलूगा, मै बजट पर बोलने की इजाजत लूगा, तब बोलूग। जहा तक पचायंत समितियों के इलैक ान का ताल्लतु है इलैक ान करवाने के लिए कई बार नोटिफिकेए ान किया गया लेकिन इलैक ान नही करवाये गये। अभी तक हथीन कास्टीच्यूएंसी के इलाके मे इलैक ान करवाना इनको सूट नही करता था क्योकि जब तक सरकारी दबाव से मैजोरिटी अपने हक मे न कर ली जाए तब तक चुनाव नही होगे। हथीन और नह मे चुनाव करवाने के लिए 12–13 तारीख मुकरर्र की थी लेकिन नही हुए, भाायद कुछ मैम्बरो चुनाव नही करवाते, इसलिए चुनाव मुल्तवी कर दिया। ये लोगो की मन् ाा के मुताबिक चुनाव नही करवाते, अपनी मन् ाा के मुताबिक करवाते है मै ड्रिकिग वाटर की प्रोब्लम पर भी बोलना चाहता था लेकिन वक्त कम है इसलिए बजट पर

डिस्क ान के टाईम बोलूगा। it is written in the Governor's Address at page -21

The State government is paying special attention to the problems of minority commuities.

स्पीकर साहब, सरकार कहती है कि हम लोगो को बहुत नौकरिया देगे। जनाबेवाला, मै आपकी मारफत एक मिसाल देना चाहता हू। हमारे यहा जे.बी.टी. के लिए एक स्कूल खोला गया था। इस स्कूल को चलाने की बजाये सरकार ने इसकी बन्द कर दिया। एक तरफ कहते है कि नौकरिया देगे और दूसरी तरफ स्कूल बन्द कर रहे है। सरकार ने हिदायत दी हुई है कि जा 40 बच्चे उर्दू पढने वाले हो जाएगे वहा उर्दू पढायेगे। हमारे यह उर्दू पढने के वाले 40 से ज्यादा है लेकिन इन्होने फर्जी रिपोर्ट हासिल कर ली कि यहा कोई बच्चा उर्दू पढने वाल नही है इस तरह बच्चो को उर्दू पढने से महरूम रखा जा रहा है गुडगांव जिले के कई गावो मे बच्चे उर्दू पढाना चाहते है लेकिन सरकार इस तरफ कोई ध्यान नही दे रही । जो इन्स्ट्रक ान उर्दू पढने के लिए दी हुई है वह किताबो मे ही रह गयी है। सरकार सही मायनो मे इम्पलीमेंट करने को तैयार नही। एजूके ान डिपार्टमैंट को चाहिए कि या तो उन इन्स्ट्रक ान्ज को विदड्रा कर ले या उनको इम्पलीमैट करे। ये कहते कि लोगो को नोकरिया देने के लिए स्पै ाल अटैन्ा ान देगे। जहा यह हाल हो बच्चो को उर्दू पढने से महरूम रखा जा वहां नौकरियो देने की तरफ स्पै ान अटैन्ा ा क्या देगे। इन्होने एम्पलाएमैंट एक्सचेजिज मे लोगो के फर्जी नाम दर्ज

करवा रखे है। यह बहुत ही बेइन्साफी की बात है। इन चन्द अल्फाज के साथ मै आपका धन्यवाद करता हूं।

श्री हीरानन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, राज्य पाल महोदय के अभिभाशण मे श्रीमती इन्दिरा गाधी की हत्या जिक्र किया गया है।

श्री अध्यक्षः आप 5 मिनट मे खत्म करे ।

श्री हीरानन्द आर्यः अच्छा जी। अध्यक्ष महोदय, राज्य पाल के अभिभाशण मे आतकवादियो की चर्चा की गई है और मै सताधारी पक्ष से यह जानना चाहता हू कि आताकवादियो ने श्रीमती गाधी की हत्या किसा प्रकार की है। हमारे पडोसी राज्य के भिडरावाला के साथ हमारी सताधारी पार्टी किसा प्रकार से पे ा आई यह मै सदन को बताना चाहता हू। जब श्री भिडरवाला को गिरफतार किया था इसका प्रद र्ान सारे हिन्दुस्तान मे किया। उन दिना पजाब के बहुत से लोग अन लाइसैसड स्टेन गन्ज लेकन दिल्ली मे घूमते फिरते रह। जब उसको गिरफतार किया गया तो बडी भारी पब्लिसिटी की गई। रेडियो पर यह खबर प्रसारण की, अखबारो मे छपी कि श्री भिडरवाला अपने आपको गिरफतार के लिए पे ा करेगे। फिर उसको गिरफतार करते है और रेस्ट हाउस मे बडी ठाठ बाट से रखते है । इसन सारी बातो का मतलब क्या था ? इनका मतलब क्या था ? इतना प्रद र्ान क्यो किया गया ? यह केवल एक दूसरे को नीचा दिखाने के लिए किया गया और

साम्प्रदायिकता फैलाने के लिए किया गया। सताधारी पार्टी क इस नीति के परिणामस्वरूप ही श्रीमती इन्दिरा गांधी की हत्या हुई और इस नीती का परिणाम यही हो सकता था क्योकि इनकी नीति ही ऐसी थी, इसमे कोई दो राय नही है। हमारी पार्टी और विरोधी पक्ष सारे का सारा इस नीति के विरूद्ध रहा । श्रीमती इन्दिरा गांधी की हत्या का दुख अगर किसी को हो सकता है तो वह हमे हो सकता है। सताधारी पार्टी ने तो इस मौत की खु ाी मनाई थी।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरेजवालाः अध्यक्ष महोदय, यह कहना कि हमे खु ाी हुई यह गलत बात है।

श्री हीरानन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, जब लोक सभा के चुनाव हुए तो कहने लगे कि काग्रेस पार्टी की बडी भारी विजय हुई

श्री अध्यक्षः आर्य साहब, जो कुछ गवर्नर एड्रैस मे लिखा है आप उसको रैफर करे।

श्री हीरानन्द आर्यः उसी मे से रेफर कर रहा हूं उस वक्त यह कहते है कि बडी भारी विजय हुई। गहराई से अगर सोचे तो यही समझ मे आता है कि यह परिणाम उनकी गलत नीति के कारण है। काग्रेस पार्टी के लोग चुनाव के दिनो मे और चुनाव के बाद यही कहते थे कि सारे दे ा मे इन्दिरा गाधी लहर चल रही है और ये लोग यह कह कर खु ा होते थे। इसका मतलब

यही है कि श्रीमती इन्दिरा गांधी की मौत पर खु ा होते थे, इन्होने हिन्दूवाद का नारा लगाया और बारी सारा दे ा विपक्ष मे खडा कर दिया। मै दावे के साथ कह सकता हू कि अगर आतकवाद के खिलाफ ये कार्यवाही करते तो श्रीमती इन्दिरा गांधी की हत्या न होती और नवम्बर के महीने मे जो कुछ हुआ वह न होता। अध्यक्ष महोदय, गवर्नर एड्रैस मे कहा हे कि हरियाणा सरकार ने कार्यवाही की है ओर उनके खिलाफ केसिज दर्ज किये है। मै कहना चाहता हू कि केसिज दर्ज करने से क्या होता है। आप सब जानते हे कि कितने लोगो को करोडो रूपए की जायदाद बरबाद हो गई, जिन लोगो ने यह घृणित काम किया, उनको आपने गिरफतार क्यो नही किया ? उनको गिरफातर इसलिए नही किया क्योंकि ये लोग साम्प्रदायिक विचारधारा के थे और काग्रेस पार्टी के थे। उलटा हमे कहते है कि ये लोग विरोधी पार्टियो के थे। अगर यह बात सही है तो आप इसकी न्यायिक जांच क्यो नही करवा लेते। अगर अपोजी ान पार्टीज कसूरवार पाई गई तो जो सजा देना चाहे दे देना। अध्यक्ष महोदय, समय बहुत थोडा है इसलिए मै इस विशय पर ज्यादा नही कहूगा। केवल यही कहूगा कि साम्प्रदायिक्ता का प्रचार करना सताधारी पार्टी का आधार है और यह आपसी सदभावना, भाईचारे को मिटाने की नीति है। यह हमारे लिए बडा दुर्भाग्यपूर्ण है। इसका परिणाम आपके सामने है कि किस प्रकार श्रीमती इन्दिरा गांधी की मौत हुई। इस साम्प्रदायिक विचारधारा का परिणाम इन्दिरा गाधंी की मौत है। अध्यक्ष महोदय मुख्य मंत्री जी ने तीनो राज्यो को मर्ज करने के

बारे मे ब्यान दिया और बाद मे यह कहा कि यह उनकी व्यक्तिगत राया क्या होती ? मै इनसे पूछना चाहता हूं कि अगर वे मुख्य मंत्री न होते तो उनकी व्यक्तिगत राय होती ? ये तो बहावलपुर से हरियाणा मे चले आये। ये हरियाणा मे आ गये, यह हरियाणा का दुर्भाग्य है। यह हरियाणा इन्होने नही बनाया जिसको मर्ज करने के लिए ब्यान देते है। इस मे किसी एक व्यक्ति का हाथ नही है। 1929 मे काग्रेस ने एक प्रस्ताव पास किया था और वह प्रस्ताव महात्मा गांधी की सहमति से पास हुआ था कि हिन्दुस्तान के प्रान्त भाशा के आधार पर बनाये जाए। 1935 के इस पर्पज के लिए कमी ान बना था जिसने यह रिपोर्ट दी थी कि भाशा के आधार पर प्रान्त बनाये जाए। उसी रिपोर्ट के आधार पर उडीसा, तमिलनाडू जैसी कुछ जगहो ऐसी थी जिनको भाशा के आधार पर अलग किया गया।

अध्यक्ष महोदय, इनको हरियाणा से किसी प्रकार का लगावा नही है। पडित नेकी राम भार्मा, श्री राम भार्मा, दे ा बन्धु गुप्ता और चौधरी देवी लाल जैसे व्यक्तियो ने हरियाणा को बनाने मे बडी कुर्बानी की है। स्पीकर साहब, धमीजा साहब बोलते हुए कह रहे थे कि पहले या साढे चार हजार इडस्ट्रीज थी लेकिन आज 50 हजार इडस्ट्रीज है। मै कहता हू कि ये इडस्ट्रीज केवल इसलिए लग पाई क्योकि हरियाणा अलग से अस्तित्व मे आया। चौधरी भजन लाल जी आप जिस प्रकार बेरोजगारी दूर करने के लिए यहा आए थे उसी प्रकार रोजगार के सिलसिले मे

ही वहा गए हो। आपको काग्रेस से कोई लगाव नही है। अध्यक्ष महोदय, मै एक बात और कहना चाहता हू कि हरियाणा के मर्जर की बात हरियाणा के लोगो की भावनाओ के साथ खिलावाड करने की बात है। इसको अगर मै वि वासघात भी कह दू तो कोई बुरी बात नही होगी। हमारी पार्टी हरियाणा के अस्तित्व को खत्म नही करना चाहती और आज जो इसे खत्म करना चाहता है वह हरियाणा का नही हो सकता ।(घंटी) अध्यक्ष महोदय, एक बात मै भिवानी जिले के बारे मे कहना चाहूगा।

श्री अध्यक्षः आपको फिर समय दे देगे । अब आप बैठिए।

श्री हीरानन्द आर्यः सिर्फ एक मिनट लूगा।

श्री अध्यक्षः मै अभी आपके लीडर से बात करके आया हूं । वे पांच पांच मिनट के लिए सभी को बुलवाना चाहते है ताकि किसी को मिला न रहे। आप बैठिए, आपको बजट पर बोलने का समय दे देगे।

श्री हीरानन्द आर्यः अध्यक्ष महोदय, 1989 से लेकर अब तक भिवानी जिला डिवैल्पमैंट के कामो मे पिछडा हुआ रहा है। ये वहा आज तक कोई इडस्ट्री भी स्थापित नही कर सके है। मेरी इनसे प्रार्थना है कि ज्यादा नही तो कम भानू इडस्ट्री को ही कोई भााखा वहा खोल दे ताकि लोगो को रोजगार मिल सके। (विघ्न)

श्री भले राम(ऐलनाबाद अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, 6 मार्च को इस विधान सभा मे गवर्नर साहब से सरकारी अफसरो द्धारा लिखी हुई एक किताब पढावाई गई। गवर्नर सहाब जब हाउस की तरफ आ रहे थे तो वे आहिस्ता आहिस्ता आ रहे थे और यू लग रहा था कि इस किताब को पढने के लिए उनका मन नही मान रहा था। उनसे जबरदस्ती ही यह ऐड्रन पढवाया गयां। अध्यक्ष महोदय, मै इस बारे मे और ज्यादा न कहते हुए सिरसा जिले के बारे मे खास कर अपने हल्के के सम्ब्न्ध मे कुछ बाते कहना चाहूगा। सिरसा जिले मे एक औटू हैड है। घग्गर नदी का सारा पानी सिरसा मे होकर राजस्थान को जाता है राजस्थान मे जाते हुए वह वहा की जमीन को खराब करता है। अगर उस पानी को सिरसा मे एक झील मे इकटठा कर लिया जाए तो सिरसा जिले की सारी जमीने को पानी दिया जा सकता है चौधरी देवी लाल जी के समय मे इस जिले के लिए कुछ स्कीमें तैयार की गई थी लेकिन अफसोस की बात है कि उनमे से किसी पर भी कोई काम नही हुआ। वे स्कीमे थी ओटू मे झील बनाने की स्कीम, टुरिस्ट कप्लैक्स बनाने की स्कीम। अध्यक्ष महोदय, जैसा मैने पहले कहा वहा एक झील बनाकर के यदि बरसात का पानी इकटठा किया जाए तो सारे सिरसा जिले की बारानी जमीने और नहरी जमीन को पानी इकटठा किया जाए तो सारे सिरसा जिले की बारानी जमीन और नहरी जमीन को पानी की कमी नही रहेगी। इस बात को पता नही क्यो ये अनदेखी कर रहे है? आई0पी0एस0 साहब से हमने कई बार यह बात कही है। ठाकुर बहादुर सिंह जी

ने भी इस बारे मे काफी कोि ा ा की लेकिन पता नही किस मजबूरी के कारण आई0पी0एस0 साहब चुप बैठ है। अध्यक्ष महोदय पता नही क्यो मुख्य मंत्री जी ने सिरसा जिले के साथ खास तौर पर भेदभाव का तरीका अपना रखा हैं ? पिछले सै ान मे भी मैने मुख्यमंत्री के ऊपर यह आरोप लगाया था। सिरसा जिले के डिपो सन 1988 मे मजूर हुआ था लेकिन आज तक उसकी बिल्डिग तैयार नही हुई । मिल्क प्लाट भी सन 1988 मे मजूर हुआ था लेकिन सन 1988 से लेकर अब तक मिल्क प्लाट की सारी की सारी म ाीनरी खराब पडी है और उसमे जंग लग रहा है। न जाने कितने पैसे उस पर लगे हुए है लेकिन मुख्यमंत्री अपनी जिद्द पर अडा हुआ है।

श्री अध्यक्षः चौधरी भागी राम जी अगर आप अडा हुआ की बजाए अडे हुए कह दे तो कोई फर्क नही पडता । Please be respectful.

श्री भागी रामः स्पीकर साहब, ये बदले की भावना से ऐसा कर रहे है। हस्पताल का काम कई सालो से लटका पडा है ऐलनाबाद वाटर वर्कस का काम सन 1988 मे भाुरू हुआ था। 30 हजार आबादी का वह कस्बा है। ज्यो ही चौधरी भजन लाल जी मुख्यमंत्री बने उसका कमा बंद हो गया। 7–8 लाख रूपया उस पर लगा हुआ है लेकिन मुख्य मंत्री बने उसका काम बद हो गया । इसी तरह से मैने पिछले सै ान मे भी कहा था मौजू ,खेडा सडक इन्होने बद करवा दी। उसके ऊपर से तो सरकार ने इेटे तक

उठवा ली और उसके बाद 6–7 साल के अर्से मे उस पर कोई काम नही हुआ। ऐसी ही एक ओर सडक हैं मनमेरा से ऐलनाबाद। उसके कई बार ऐस्टिमेटस बन चुके है मजूर भी होते है लेकिन वहा कोई काम नही करवाया जाता। पता नही उस पैसे को कौन हजम कर जाता है ठेकेदार कौन होते है। इसका भी मुझे कोई पता नही। यह बात सरकार ही जानती होगी। अध्यक्ष महोदय, आप खुद जाकर उसे चैक कर ले, आप को केवल कीचड भरा हुआ मिलेगा। लोग बडे परे ाान है।

अध्यक्ष महोदय, एक बात मै फौरेस्ट डिपार्टमैंट के बारे मे कहना चाहूगा। हमारा बरानी एरिया है। वहा नहरो, सडको और माइनर्ज के दोनो किनारो पर कीकर के दरख्त लगाए जाते है। आप भी जमीदार परिवार से है और आप जानते है कि जहा कीकर का दरख्त हो वहा दे दो किल्ले तक, यानि जहा तक उसकी छाया जाती है चने की फसल नही होती। इस तरफ भी सरकार को ध्यान देना चाहिए।

स्पीकर साहब, गवर्नर ऐड्रैस मे हरिजनो की बडी दुहाई पीटी गई है। कहा गया कि हरिजनो के लिए यह कर रहे है और वह कर रहे है अध्यक्ष महोदय आप यदि ऐड्रैस को ध्यान से पढे तो आप भी महूसस करेगे ओर अब भी कर रहे है कि ऐसी कोई बात नही है। जब से भारत आजाद हुआ है तब से लेकर आज तक, दो साल अर्से को छोडकर काग्रेस सरकार का राज रहा है। इतने लम्बे अर्से से इन्होने हरिजनों की गरीबी दूर नही की, उन्हे

कोई प्लाट नही दिया जमीन नही दी, कर्जा नही दिया, ओर न ही काइ और बात की। अध्यक्ष महोदय आपको याद होगा कि सम्पत सिंह जी के क्वै चन के जवाब मे इन्होने हाउस मे बताया था कि 23 फैक्टरियो को कितना कर्जा दिया गया है। एक हरिजन यदि किसी बैक से 500 रूपया कर्जा लेने चाहे तो उसे वह नही मिलता लेकिन मुख्यमंत्री जी के दामाद को 23–23 फैक्टरियो के लिए करोडो रूपया कर्जा मिला है। अध्यक्ष महोदय बेचारा हरिजन अगर 500 रूपया वापस न दे पाए तो बैक का सैक्रटरी या कोई और अधिकारी उसे जेल मे भिजवा देता है लेकिन इन बडे बडे मगरमच्छो को जो सारे हरियाणा की पूजी खा गए है कोई नही पूछता। (विघ्न)

श्री अध्यक्षः अब आप बैठिए।

श्री भागी रामः अध्यक्ष महोदय, केवल एक मिनट लूगा। स्पीकर साहब, जबसे सिरसा जिले से तीन मिनिस्टर बने है तब से न तो पानी है न बरसात है और न ही कोई चीज है। लोग महसूस कर रहे है कि तीन का नाम मनहूस होता है या तो इन तीनो मे से एक को हटा दिया जाए या ठाकुर बहादुर सिंह जी को भी मिनिस्टर बना दिया जाये। इन्होने क्या बुर कर रखा है ? स्पीकर साहब, यह सारे सिरसा जिले की डिमाड है।

श्री राम बिलास भार्मा महेन्द्रगढः स्पीकर साहब, छ तारीख को गवर्नर साहब ने जो अभिभाशण दिया है मै उसका

विरोध करने के लिए खडा हुआ हूं । पेज एक पर पैराग्राफ तीन पर कहा है कि सन 1990 का वर्श दे ा के लिए तरस का वर्श था। यह बात उनकी सही है परन्तु उन्होने इसके यह भी कहा है कि स्वर्गीय इदिरा गाधी भाहीर हुई। स्वर्गीय इदिरा गांधी भाहीद नही हुई बल्कि वह इनकी नालायकी का ि ाकार हुई। हिन्दुस्तान की 72 करोड जनता की दुनिया के सामने गर्दन काट करके रख दी है कि हिन्दुस्तान की जनता अपना प्रधान मंत्री को सेव नही कर सकी। यह सरकार के मुह पर चपल है। पहली बार हिन्दुस्तान मे इस तरह की बात हुई और स्वीर्गीय इदिरा गाधंी जी के बाद हिन्दुस्तान मे जिस तरह के हालात पैदा हुए वे हिन्दुस्तान को तोडने वाले हुए । जिस दल के हाथ मे हिन्दुस्तान की सता है उन मित्रो ने बडा गलत रवैया अपनाया। रेडियो पर एलान हुआ नाम आया की एक केसधारी गार्ड ने प्रधान मंत्री की हत्या कर दी। कितने दुख की बात है कि रेडियो पर एक बिरादरी का नाम आता है कि फलां बिरादरी के लोगो ने इन्दिरा गाधी की हत्या कर दी। इससे साफ जाहिर है कि सरकार की क्या नीयत थी और काग्रेस पार्टी इदिरा गांधी जी की हत्या के बाद काग्रेस के मित्रो के कारण पांच हजार लोगो को अपनी जान से हाथ धोना पडा । बेगुनाह इन्सान उनकी हत्या के बाद अपनी जान से हाथ धौ बैइे । काग्रेस कार्यकर्ताओ ने मिटटी का तेल सप्लाई किया। दिल्ली के आसपास ज्यादा दगे हुए और दिल्ली के चारो तरफ मरने वालो की तादाद ज्यादा थी। दिल्ली के चारो तरफ मकानो के खास पते लेकर इन

लोगो के दस्ते चलते गए और पीछे पीछे पैट्रोल और जलाने का सामान चलता गया।

श्री किताब सिंहः स्पीकर साहब, हमे जो रिप्लाई मिली है उसके अनैक ाचर इंगलि ा मे मिले है उनका अनुवाद हिन्दी मे क्यो नही किया गया ?

श्री अध्यक्षः मै आपकी डिफिकल्टी समझ रहा हूं कि अनैक चर हिन्दी मे आने चाहिए थे लेकिन एनेलेसिज रिपोर्ट सारी इंगलि ा मे होगी इसलिए इन्होने वह इंगलि ा मे लगा दी।

डा0 भीम सिंह दहियाः स्पीकर साहब, हमारी अफि ियल लैगवेज हिन्दी है यदि एनेलेसिज की रिपोर्ट इंगलि ा मे है तो उसका अनुवाद हिन्दी मे होना चाहिए था। हमारा चह तजुर्बा रहा है कि जितनी कमेटीज की मीटिग्ंज होती है उनके अन्दर डिपार्टमैंट की तरफ से कवै चनेयर का जो जवाब आता है, वह सारा इंगलि ा मे आता है जो कि ज्यादातर मैम्बरान को समझ मे नही आता। हमारी आफि ियल लैगवैज हिन्दी है इसलिए जो अग्रेजी मे जवाब होता है उसका अनुवाद हिन्दी मे भी होना चाहिए। हिन्दी के साथ सौतेली मा जैसा व्यवहार क्यो किया जा रहा है ?

श्री अध्यक्षः ठीक है।

श्री किताब सिंहः स्पीकर साहब, हिमाचल ड्रग फार्मा का जो करपूर रस है उसका लैबौरेबटरी मे टैस्ट किया गया उसकी

क्या रिपोर्ट है ? वह सब स्टैण्डर्ड पाया गया या नही। जो इसके किट्स खरीद गए वह कितने पैसे के खरीदे गये, वह पैसा कब बैक से निकलवाया गया और उसकी पेमैट कब की गई?

श्रीमती भाकुन्तला भगवडियाः स्पीकर साहब, ऐसा है कि आयुर्वेदिक की जो दवाईयो खरीदी जाती है वह किटस मे खरीदी जाती है। अलग अलग दवाई नही खरीदते। एक किट मे 24 दवाईया होती है ंसारा किट बाकायदा टैस्ट होता है। टैस्ट होने के बाद किट खरीदते है। इन दवाईयो को चख कर, स्प र्ा करके और उनकी गंध से टैस्ट किया जाता है। भांग और अफीम टैस्टिंग के लिए लैबोरेटरी मे भेजते है। जिस फर्म ने इसका टैडर दिया था वह ठीक पाया गया था। जो 44293 किटस खरीद गए वे 27. 17 लाख रूपए के खरीद गए। सारे किटस टैस्ट करने के बाद खरीदे गएं। इसके अलावा इस समय मे यह नही बता पांऊगी कि बैक से कब पैसा निकलवाया गया और उसकी पेमैन्ट कब हुई।

डा0 भीम सिंह दहियाः स्पीकर साहब, आयुर्वेदिक दवाईयो जिन फर्मो से खरीदी गई है वे है मैसर्ज हिमाचल ड्रग फार्मा, अमृतसर एवम मैसर्ज का मीर आयुर्वेदीक वर्क्स, अमृतसर । मै आपके द्धारा मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि क्या हरियाणा मे आयुर्वेदिक दवाईयो की कोई फर्म नही है यदि है तो बाहर की फर्मो से क्यो खरीदी गई ?

श्रीमती भाकुन्तला भगवडिया: स्पीकर साहब, हरियाणा मे एक सजीवनी लैबोरेटरी गोहाना मे हैं। माननीय सदस्य यह कहेगे कि इस फर्म से दवाई क्यो नही खरीदी गई है। मै यह बताना चाहूगी और पिछले सै ान से भी मैने इस बारे मे बताया था कि एक किट मे 24 दवाईया होती है और टैस्ट करने के बाद यदि किट मे एक दवाई खराब हो ता फिर भी हम उस किट को नही खरीदते। गोहाना वाली फर्म के किट मे 16 दवाईयो ठीक नही पाई गई, इसलिए उसको रिजैक्ट कर दिया गयां । वाकायदा उसके किट की टैस्टिग करवाई गई थी और दवाईयो ठीक नही मिली ।

चौधरी भाम ोर सिंह सुरनेवाला: अध्यक्ष महोदय, छपरा ड्रेन की कपैसिटी 527 क्यूसिक पानी की है। कथूरा गांव के पास छपरा ड्रेन पर आलरेडी एक ब्रिज बना हुआ है जो महम गावों को पक्की सडक से मिलाता है जिस ब्रिज को ये बनवाना चाहते है वह इस ब्रिज से सिर्फ आधा किलोमीटर के डिस्टैस पर है यह चाहते है कि गांव का जो कच्चा पाथ खेतो मे जाता है उसको कनैक्ट करने के लिए पुलस बनाया जाए। यह नही बनाा जा सकता लेकिन महकमा इस बात के लिए तैयार है कि पक्के ब्रिज से ड्रैन के साथ साथ जो पटडी आती है और खेत तक आती है उसको परमानैंट कर देगे ताकि ट्रैक्टर वगैरा चल सके। जो कच्चा ब्रिज बना हुआ होता है, जब कभी फ्लड आता है तो वह पानी को रोक लेता है जिससे ज्यादा नुकासान होता हैं। महकमे ने फैसला किया है जो

ड्रेन्ज पर हयूम पाईप के जो कच्चे ब्रिज है। वे सारे के सारे रिमूब कर दिए जाए। इसलिए सरकार ने फैसला किया है कि ड्रैन्ज पर 1.5 किलोमीटर के फासले पर पक्के ब्रिज बनायेगी और जो डिस्ट्रिब्यूट्रीज है या माईनर्ज है उन पर एक एक किलोमीटर के फासले पर ब्रिज बनाएगी। जहा तक छपरा ड्रेन का ताल्लुक है इस पर डेढ किलोमीटर पर तो नही अढाई किलोमीटर के डिस्टैस पर पहले ही पुल बना हुआ है मुख्यमंत्री जी ने जो आ वासन दिया था उसको महकमे ने एग्जामिन किया था। मुख्यमंत्री जी ने महकमे का कहा था कि इनकी दिक्कतो को देखा जाए और एग्जामिन किया जाए। अगर कोई मदद हो सकती है तो जरूर की जाए। जब हमने इस केस को एग्जामिन किया जो यही तथ्य सामने आये जो मैने अभी बताये है। हम इसी नतीजे पर पहुचे है लेकिन फिर भी अगर चौधर भले राम जी अपने गांव के बारे मे कोई और दिक्कत बतायेगे तो सरकार जो मुनासिब मदद कर सकेगी, जरूर करेगी।

श्री फतेह चन्द विजः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हू कि आयुर्वेदिक दवाईयो के जो किटस खरीदे गए इनके लिए कौन कौन से अखबारो मे टैडर्ज के लिए एडवर्टाइजमैट की गई?

श्रीमती भाकुन्तला भगवडियाः स्पीकर साहब आयुर्वेदिक दवाई खरीदने के लिए बडे बडे अखबारो मे विज्ञापन दिया गया था और 14 फर्मो ने हमे टैडर भेजे थे।

श्री किताब सिंहः स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा मंत्री महोदय से यह जानना चाहूगा कि मैसर्ज हिमाचल ड्रग फर्मो अमृतसर से जो करपूर रस खरीदा गया उसकी लैबोरेटरी मे टैस्टिग की गई उसकी क्या रिपोर्ट है वह सब स्टैण्र्ड पाया गया या नही । मै यह भी जानना चाहूगा कि इस दवाई को खरीदने मे कितने पैसे खर्च किए गए और जितने पैसे खर्च हुए वे बैक से कब निकलवाए गए और उसकी पेमैट कब हुई ?

श्रीमती भाकुन्तला भगवडियाः स्पीकर साहब करपूर रस यदि टैस्ट करने के बाद खराब पाया जाता है तो हम उसे क्यो खरीदते? जहा तक इन्होने बैक से पैसा निकलवाने और पेमैट करने के बार मे पूछा है वह इस समय मै नही बता सकती।

श्रीमती चन्द्रावतीः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने जो सवाल के जवाब मे लिखा है उसको पढने से ऐस प्रतीत होता है कि सब स्टैण्डर्ड दवाई खरीदी गई है। हम यह कहते है कि एनेलेसिज रिपोट है उसमे यह कही नही लिख हुआ कि सैम्पल अप टू दि मार्क हैं। मै आपके द्वारा मंत्री महोदय से यह जानना चाहती हू कि भाग और अफीम खरीदी गई क्या उसकी मात्रा ही दवाईयो मे बताई है तथा और इनप्रडिएन्टस नही बताये ? क्या ये दवाइया स्टैण्डर्ड की है?

श्रीमती भाकुन्तला भगवडियाः स्पीकर साहब जो कमेटी बनी हुई है वह आयुर्वेदिक दवाई खरीदने से पहले उसको

वाकायदा टैस्ट करती है। इन दवाईयो को टैस्ट करने के लिए उस कमेटी की मीटिग मे 10 सदस्य बैठे थे। मैने आपको थोडी देर पहले भी बताया था कि दवाई, खरीदने से पहले तीन चार तरीको से टैस्ट की जाती है जैसे दवाई को चख कर गंध से और स्प र्ा करके टैस्ट करते है। अफीम और भांग की टैस्टिग, बाकायदा हरियाणा सरकार की चण्डीगढ मे जो लैबोरेटरी है उसमे हुई है जिन फर्मो से हमने दवाई खरीदी है उनके बारे मे गोहाना वाली फर्मा ने मुख्य मंत्री जी को ि ाकायत की थी कि उनकी दवाई ठीक तरह से टैस्ट नही की गई इसलिए इसकी इन्कवायरी की जाए। हमने इस बारे मे डा0 दयालू ने जोकि आयुर्वेदा के डायरैक्टर होते थे, इसकी इन्कवायरी करवाई। उस फर्म को 10 सदस्यो की कमेटी पर वि वास नही था लेकिन इन्कवायरी करने के बाद भी ये दवाईयां ठीक पाई गई।

सेठ राम दाय धमीजाः स्पीकर साहब, इन्होने बताया है कि हमारे पास केवल 14 फर्मो के टैण्डर आए थे। इन 14 टैण्डर मे से एक टैण्डर हरियाणा का है और बाकी टैण्डर हरियाणा से बाहर के है। स्पीकर साहब पिछले दो तीन सालो से एक ही अमृतसर की फर्म लगातार दवाई सप्लाई करती आ रही है यानि दो तीन सालो मे उसी का टैण्डर मन्जूर होता जा रहा है मेरे कहने का मतलब है कि हरियाणा के अन्दर भी यह दवाईयो बनाने की अच्छी अच्छी फर्मे है। इसलिए मै चाहता हू कि इनकी दवाईयो

भी खरीदनी चाहिए ताकि इनको भी और अच्छी दवाईया बनने का मौका मिल सके।

श्री अध्यक्षः धमीजा साहब, इन्होने बताया है कि 10 आदमियो की एक कमेटी मे दवाईयो खरीदते समय बैठाई गई थी। उन्होने सारी चीजो की वैरीफाई करके ही ये दवाईयो खरीदी है। इसके अलावा इन्होने यह भी बताया है कि डाक्टर दयालू से भी इन दवाईयो की खरीद करते समय सलाह ली गई थीं।

श्री किताब सिंहः स्पकीर साहब, हरियाणा गवर्नमैट की जो लैबोरेटरी है उसकी रिपोर्ट के मुताबिक हिमाचल ड्रग फर्मा की करपूर रस की एन0आई0टी0 की रिकावयमैंट 125 ग्राम है लेकिन हिमाचल गवर्नमैंट एनेलिस्ट की जो रिपोर्ट है वह 55 ग्राम है स्पीकर साहब इससे साफ जाहिर होता है कि ये दवाईयो कितने सब स्टैण्र्ड की है क्योकि 125 ग्राम मे और 55 ग्राम मे बहुत बडा फर्म है।

मुख्य मंत्री चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, चौधरी किताब सिह ने इस बारे मे पिछले सै ान मे भी जिक्र किया था और इस बारे भी जिक्र आया है स्पीकर साहब गोहाना मे एक सजीवनी रिसर्च लैबोरेटरी है। वे मेरे से मिले थे कि हमारी दवाइया नही ली जाती । उनकी मिलने के बाद मैने उस केस का खुद देख है। जिस समय ये दवाइया खरीदी गई तो टैण्डर मंगवाए गए थे उनमे इनका भी टैण्डर था । इनके टैण्डर का रेट

58.80 रूपए था और जिस फर्म की दवाई ली गई है उसका रेट 61.65 रूपए था। जब मैने इस केस को देखा तो उसमे यहा पाया गया कि इनके 24 नमूने मे से 16 नमूने फेल हो गए थे। अब आप अदांज लगाए कि जिस फर्म के इतने नमूने फले हो जाए उसकी दवाईया कैसे ली जा सकती है। इन दवाइयो को बाकायद लैबोरेटरी के अन्दर टैस्टर किया जाता हैं एक दवाई का नाम जती फलादी घूटी है इसके भांग होती है एक दवाई का नाम करपूर रस है इसके अन्दर अफीम होती है। जब इन दवाइयो के सैम्पल टैस्ट किए गए तो इस फर्म की ये दवाइया भी ठीक नही पाई गई। स्पीकर साहब, दवादयां खरीदने के मामले मे छूट नही दी जा सकती । क्योकि हर आदमी अच्छी से अच्छी दवाई लेना चाहता है और अच्छे डाक्टर से अपना इलाज करवाना चाहता है आपको पता है कि लोग अच्छे डाक्टर से इलाज करनो के लिए बाहर भी जाते है। मै हाउस की जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि दवाइया खरीदने के मामले मे किसी के साथ कोई भेदभाव या ज्यादती नही हुई है। यदि ऐसी कोई बात हो तो आप हमारे नोटिस मे लाए। हम उनकी जांच कराएगे। अगर किसी के साथ ज्यादती हुई है तेा बे ाक उसकी इन्कवायरी आप कर ले। इतना ही नही यदि आप समझते है कि ज्यादती हुई है तो मै आपके सामने ही अधिकारियो को बुलाकर सारी बाते स्पश्ट करवा दूंगा। किसी के साथ कोई ज्यादती बिल्कुल बर्दा त नही की जाएगी।

श्री हरिचन्द्र हुड्डाः स्पीकर साहब, मेरे सवाल के ए और बी भाग का जववा तो ठीक है जिसमे यह बताया गया है कि 50 आदमियो का पैनल बनाया गया था लेकिन सी भाग का जवाब ठीक नही लगता। इसमे इन्होने बताया है कि 50 आदमियों मे से 27 आदमी लगा लिए गए है और बाकी के बारे मे बताया है कि appointment of remaining candidate would depend upon future vacancies and as such no time can be fixed for the adjustment of all the remaining candidates. मेरे पुछने का मकसद सिर्फ इतना है कि जो 23 आदमी लगने रहते है उनको कब तक लगा दिया जाएगा?

चौधरी चन्दा सिंहः स्पीकर साहब, मै इन्हे बता देना चाहता हू कि जो 27 आदमी लगाए गए है ये भी टैम्पारेरी ही है। 50 आदमियों की लिस्ट इसलिए बनाई गई थी, क्योकि परिवहन विभाग की बसे 24 घण्टे लगातार चलती रहती है। यदि फलाइग सक्वैड या जी0एस0 द्वारा कोई कन्डकटर चैकिग के समय हटाया जाता है तो उसकी जगह फौरन दूसरे आदमी को लगा दिया जाए ताकि काम मे किसी प्रकार की कोई रूकावट न आए। रोडवेज विभाग एक ऐसा विभाग है जिसमे किसी एक आदमी के हटाने पर गाडी खडी नही की जा सकतीं। इसलिए यह प्रबध रखा जाता है कि कोई बिमार हो जाए, सस्पैड हो जाए, या कोई छुटटी पर चला जाए तो काम लगातार चलता रहे।

श्री हरिचन्द्र हुड्डाः स्पीकर साहब, मै यह जानना चाहता हू कि क्या मै पोस्टे एम्पलाएमेट एक्चेज के जरिए भरी गई है ?

चौधरी चंदा सिंहः यह सारी रिकूटमैंट एम्पलाएमेंट एक्सचेंज के जरिए ही की गई है। बगैर एम्पलाएमेंट एक्सचेज के जरिए कोई भरती नही की गई है।

चौधरी फूल चन्दः अध्यक्ष महोदय, अभी मंत्री जी ने बताया है कि 50 कैन्डीडेटस की लिस्ट बनाई गई थी। उनमे से 27 कैन्डीडेटस तो लगा लिए गए है लेकिन बाकी जो 23 कैन्डीडेटस बचे है उनकी लिस्ट कब तक वैलिड रहेगी क्योकि कायदे के मुताबिक ऐसी लिस्ट 6 महीने तक ही वैलिड रहती है। मै यह भी जानना चाहता हू कि इस लिस्ट के बनने से 6 महीने के बाद कोई व्यक्ति आउट आफ सीनियोरिटी रखा गया है या नही ?

चौधरी चन्दा सिहः स्पीकर साहब, आउट आफ सीनियोरिटी कोई नही रखा गया। इनकी यह बात ठीक है किसी लिस्ट का वैलिड समय 6 महीने का होता है। स्पीकर साहब, मै जानकारी के लिए बताना चाहूगा कि जब इस लिस्ट को 6 महीने हो गए तो वहा के जी0एम. ने एम्पलाएमैट एक्सचेज का एक्सटै ान के लिए लिखा लेकिन जब उन्होने माानने सम इकार कर दिया तो फिर जी0एम0 ने परिवहन कमी ानर को लिखा।

परिवहन कमी ानर ने फिर इस लिस्ट को 6 महीने तक का और समय दे दिया है

श्री निहाल सिंहः इन्होने बताया है कि ये टैम्परेरी पोस्टे एम्पलाएमैंट एक्सचेज के जरिए भरी गई है। मै जानना चाहता हू कि परमानैंट पोस्टे कैसे भरी जाती है ?

चौधरी चन्दा सिहः अध्यक्ष महोदय, वैसे तो सभी परमानैट पोस्टे एस0एस0एस0 बोर्ड से ही भरी जाती है हम इन पोस्टे को भरने के लिए एस0एस0एस0 बोर्ड को लिखते है । बोर्ड अपनी कई औपरचारिकताओ पूरी करता है जिसके कारण काफी समय इन पोस्टो को भरने मे लग जाता है। वैसे आजकल बोर्ड भी नही है। जब बोर्ड से कैन्डीडेट आने मे देरी हो जाती है तो खाली पडी पोस्टो को एम्पलाएमैंट एक्चेज के जरिए भर लेते है स्पीकर साहब, मै इनकी जानकारी के लिए बताना चाहूगा कि हमने एक बार एस0एस0एस0 बोर्ड को 150 पोस्टो के आस पास भरने के लिए लिखा था। लेकिन साढे तीन साल बाद बोर्ड ने हमारे पास 450 कैन्डीडेटस की लिस्ट भेज दी जबकी हमारी मांग सिर्फ 150 के आसपास ही थी। परमानैट पोस्टे बोर्ड से ही भरी जाती है दूसरे यदि किसी कैन्डीडेट को एम्पलाएमैट एक्चेज के द्वारा लगे हुए दी अढाई साल हो जाए तो उसको भी रैगुलर कर दिया जाता है।

श्री भागी रामः स्पीकर साहब, जब जी0एस0 बगैरा कोई पोस्टे भरते है तो वे खुद इन्टरव्यू लेने की बजाये किसी और की डयूटी लगा देते है इन्टरव्यू लेने के बाद सिलैक ान यहा चण्डीगढ मे आकर होती है। जब कि यहा के आफिसर्ज को कैन्डीडेटस के बारे मे कुछ पता नही होता जिनके लिए चीफ मिनिस्टर कहते हो उनके लगा लिया जता है।(विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, इनको पूछ कर देखो यह सही बात है और मंत्री जी इसका जवाब भी देगे। दूसरी बात मै यह जानना चाहता हू कि इस मे ि ाडयूल्ड कास्टस की रिजर्वे ान का कोटा पूरा है या नही ? स्पीकर साहब होता यह है कि जी0एम इन्टरव्यू लेकर लिस्ट बनाते है और मंत्री या मुख्य मंत्री सिफारि ा के आधार पर एम्वायटमैंट करते है।

चौधरी चंदा सिंहः स्पीकर साहब, जी0एम0 और वर्क्स मैनेजर जो महकमे के डिपोलैवल पर बडे अधिकारी है, वहा मौजूद होते है, ये कायदे कानून के आधार पर , पूरा न्याय देकर सिलैक ान करते है। यह बिल्कुल गलत बात है कि सिफारिस के आधार पर एप्वायटमैंट होती है।

श्री भागी रामः क्या मुख्य मंत्री सिलैक ान नही करते ?

चौधरी चन्दा सिंहः अध्यक्ष महोदय, जी0एम0 डिपो का अधिकारी है वही एप्वाईटिग अथोरिटी हैं जंहा तक ि ाडयूल्ड कास्टस की रिजर्वे ान की बात है यह बिल्कुल पूर है। अगर कोई

माननीय सदस्य यह साबित करेगे कि फला डिपो मे रिजर्वे ान पूरी नही है तो हम उसको पूरा करने की कोि ा ा करेगे।

मास्टर राम सिंहः स्पीकर साहब, कैडीडैटस को कडक्टर्ज की ट्रेनिग दी जाती है लेकिन ट्रेनिग के बाद उनके सामने यह दिक्कत आती है कि बहुत देर तक उनकी नियुक्ति नही होती और वे नौकरी की इन्तजार के रहते है क्या ट्रेड कडक्टर्ज की जल्दी नौकरी देने की कोई व्यवस्था करेगे?

चौधरी चन्दा सिंहः उनको सर्विस देना तो रिक्त स्थानो पर निर्भर करता है।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, इन्होने 50 उम्मीदवार कडक्टर्ज की एम्वायटमैंट के लिए सिलैक्ट किये है। क्या मंत्री महोदय बतायेगे कि इनके काडैज एम्पलायमैट एक्सचेजिज से आये थे या अखबारो मे विज्ञापन देकर दरखास्ते मांगी थी सरकार ने कौन सा प्रोसीजर अपनाया था ?

श्री अध्यक्षः इस सवाल का जवाब आ चुका है।

श्री नेकी रामः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने अभी बताया कि रिजर्वे ान पूरी कर दी जाती है । क्या मंत्री महोदय बतायेगे कि हरियाणा रोडवेज मे कुल कितने ड्राईवर है और इन ड्राईवर्ज मे क्या ि ाडल्ड कास्टस की रिजर्वे ान पूरी है ?

श्री अध्यक्षः यह कोई सवाल नही है।

चौधरी फूल चन्दः अध्यक्ष महोदय, मेरे अनुपूरक प्र ान के उतर मे मंत्री महोदय ने बताया था कि जो लिस्ट कडक्टर्ज की सिलैक ान की बनाई जाती है यह 6 महीने से ज्यादा देर नही रखी जाती । मेरे नोटिस मे एक ऐसा किस्सा है जिस यह लिस्ट 6 महीने से ज्यादा रखी गई है 1991 मे अम्बाला और जमनानगर डिपोज मे इस प्रकार की दो लिस्टे बनी थी। इन मे से कुछ लडके रख लिये थे और कुछ रहे गये थे। जो रहे गये थे उन को उन्ही लिस्टो मे से बिना सीनियोरिटी से रख लिया गया था। क्या यह कानून के मुताबिक है ? जिस अधिकारी ने एक साल के बाद कडक्टर्ज रखे, क्या सरकार उसके खिलाफ कोई कार्यवाही करेगी ?

चौधरी चन्दा सिंहः ऐसी बात मेरे नोटिस मे नही है। अगर माननीय सदस्य लिख कर सेप्रैट नोटिस देगे तो बाकायदा इन्कवायरी करवायेगे और जो दोशी पाया जाएगा सजा दैगे।

चौधरी कुलवीर सिंह मालिकः स्पीकर साहब, ये जो कडक्टर्ज होते है, कई बार इनका कडक्ट ठीक नही होता। इनके कडक्ट को ठीक करने के लिए क्या सरकार कोई रिफै ार कोर्स भ्रारू करने पर विचार करेगी

श्री अध्यक्षः यह कोई सवाल नही है।

श्री धीरपाल सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। श्री आनन्द सिंह डांगी ने सदन में चर्चा करते हुए भार्म

नाम की चीज को 5–6 बार दोहराया है। इन्होंने बार बार कहा है कि इधर जो लोग बैठे हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, 1985 के बाई इलैक ान की चर्चा मैं यहां पर करना चाहता हूं। आदरणीय आई0पी0एम0 साहब बैठे हुए हैं लेकिन सदन के नेता चले गये हैं। उस समय से भी प्रदे ा के मुख्य मंत्री थे और श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला जी आई0पी0एम0 हुआ करते थे। मेहम का बाई इलैक ान था और इस बाई इलैक ान में सदन के इस सम्मानित साथी के साथ क्या किया गया था, करने वाले कौन थे, लोकतन्त्र तब जिन्दा था या मर गया था, इस बात को कोई नहीं जानता। आज ये कांग्रेस के साथ हैं। कांग्रेस रूपी गंगा में गोता मारने के बाद वे भाुद्ध हो गए हैं। केवल वही लोग जानते हैं और उन्हें याद भी होगा कि तब मेहम में क्या हुआ था। भाई नेहरा जी जानते हैं। और आई0पी0एम0 साहब भी जानते हैं कि इन सम्मानित सदस्य के साथ वहां पर क्या हुआ था ? (विघ्न) आज इन्होंने कांग्रेस रूपी गंगा में गोता मार लिया तो ये बढिया हो गए। आनन्द सिंह डांगी ने मेहम के उस बाई इलैक ान में जो कुछ किया, वह चीजें क्या ठीक थीं लेकिन आज वे आपकी तरफ आ गए हैं और आपके साथी बन गए हैं। अध्यक्ष महोदय, दूसरी बात मैं आपके माध्यम से कहूंगा कि महम के चुनाव में बैंसी गांव में जिन लोगों की हत्या हुई उस बारे में मैंने आज तक किसी का नाम नहीं लिया और न ही अब लूंगा। मेरे माननीय साथी को याद होगा कि उस समय ये बैठे हुए थे और मेरे साथ ही कृश्णमूर्ति हुडडा जी भी बैठे हुए थे। मैं वहां जाना चाहता था लेकिन इन

लोगों ने मुझे रोकने की कोि ा ा की और कहा कि वहां पर खतरा है इसलिये मत जाओ। मैंने इनसे यही कहा था कि अगर मैंने कोई दोश किया है या कहीं दोश में मिला हुआ हूं तो गांव के लोग जो सजा मुझे देंगे मैं वह सजा भुगतने के लिये तैयार हूं। उस दुख के समय में हम उन लोगों के पास गये मृतकों के परिवार के सदस्यों के साथ उनके दुख में सांझी हुए। मैंने उनसे यही कहा कि जो कुछ हुआ है उसमें किस का दोश है यह तो इन्कवायरी के बाद मालूम हो जाएगा लेकिन यहां पर सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने के लिये आनन्द सिंह डांगी जी ने कहा कि सम्पत सिंह जो वहां गए ही नहीं। सरकार के प्रतिनिधि होने के नाते, जिले के नागरिक के नाते, प्रदे ा के नागरिक के नाते किस के दुख में कौन जाता है या कौन नहीं जाता है यह उसका अपना व्यक्तिगत मामला है। इस बारे में यहां पर चर्चा करके सस्ती लोकप्रियता प्राप्त करने की कोि ा ा के अलावा यह कुछ नहीं है।

श्री आनन्द सिंह डांगीः स्पीकर साहब, मैं पर्सनल ऐक्सप्लेने ान देना चाहता हूं। एक बात की मुझे खु ाी हुई है कि मेरे इस भाई ने कांग्रेस पार्टी को गंगा तो माना है। स्पीकर सर, गंगा एक पवित्र दरिया है, एक पवित्र नदी है जिसमें करोडों लोग स्नान करके भाुद्ध होते हैं। जिन लोगों के साथ हमने लगातार 15 साल बिताए, जिन लोगों के लिए सब कुछ कुर्बान किया, उन लोगों ने सिवाय लाठियां और गोलियों के हमें कुछ

नहीं दिया। जिन लोगों को हम लगातार गालियां देते रहे, जिनको हमने कभी हलके में घुसने नहीं दिया, बुरा वक्त आने पर उन्हीं लोगों ने हमें सम्भाला है तो यह गंगा नहीं तो और क्या है ? इस गंगा में गोता मारने की बात बहुत ही अच्छी है। स्पीकर साहब, इन्होंने खुद कांग्रेस को गंगा माना है और उम्मीद है कि जल्दी ही ये भी इस गंगा में गोता मारेंगे।

श्री अमर सिंह धानक (बवानी खेडा– अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, गवर्नर महोदय के अभिभाशण पर चर्चा चल रही है और कल हरियाणा विकास पार्टी के नेता चौधरी बंसी लाल ने गवर्नर ऐड्रैस पर बोलते हुए बहुत बेहतरीन सुझाव दिये थे। मैं उन सुझावों का समर्थन करता हूं। मैं आपके माध्यम से सदन के नेता से यह प्रार्थना करता हूं कि जो सुझाव उन्होंने दिए थे, उनको गवर्नर ऐड्रैस में भाामिल कर के साथ जोड लिया जाए क्योंकि वे हरियाणा के फायदे की बातें हैं और हरियाणा के इंट्रैस्ट की बातें हैं। स्पीकर साहब, मैं दो तीन बातों पर ज्यादा जोर दूंगा। सबसे पहली बात तो पैन् ान की है। इसके बारे में मैं अव य निवेदन करूंगा। स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी सदन को वि वास में लेकर इस बात का निर्णय लें कि कौन सी तारीख को हर महीने पैन् ान बांट दी जाएगी। स्पीकर साहब, इस वक्त आठ दस महीने की पेन् ान पीछे चल रही है। बुढे लोग राम राम करने की बजाए पैन् ान पैन् ान करते रहते हें और कोई कोई तो लुडक भी जाता है। मैं मुख्य मंत्री जी से कहूंगा कि वे दिन मुकर्रर कर दें कि इस

दिन तक महीने की पैन ान मिल जाएगी। स्पीकर साहब, इस सरकार ने पैन ान की उमर पैंसठ की बजाय साठ की है जबकि इनके मैनिफैस्टों में पचपन साल उमर रखी गई है। मुख्य मंत्री जी स्पश्ट करें कि पचपन में साठ करने का क्या कारण है।

स्पीकर साहब, आप तो हरिजनों के मसलों को बहुत सुलझाते रहे हैं और आपको यह भी पता होगा कि हरिजनों की रिजर्वे ान पूरी नहीं है। उसमें काफी बैकलौग है। स्पीकर साहब, ज्वायंट पंजाब में 1963 में ि ाडयूल्ड कारस्टस की रिजर्वे ान बहुत कम थी। उस वक्त सरदार प्रताप सिंह कैरों चीफ मिनिस्टर होते थे। उन्होंने इस बात का निर्णय लेकर भाडयूल्ड कास्टस की पचास परसैन्ट रिजर्वे ान टाईम बाउन्ड करके पूरी कर दी थी। मेरा सरकार को सुझाव है कि टाईम बाउन्ड प्रोग्राम बनाकर रिजर्वे ान का जो बैकलौग है उसको पूरा किया जाए। स्पीकर साहब, मैंने बहुत जगहों से आंकडे लिए हैं और उनसे पता लगता है कि कहीं पर पांच परसैन्ट और कहीं पर सात परसैन्ट रिजर्वे ान है। मेक्सीमम ग्यारह परसैन्ट एट दि टाईम औफ रिक्रूटमैंट है और कहीं पर 12 प्रति ात हुई है इससे ज्यादा कहीं पर भी रिजर्वे ान पूरी नहीं है। केवल नगरपालिकाओं/म्यूनिसिपल कमेटीज मैं जो स्वीपर्ज की पोस्टस हैं वे तो पूरी हैं क्योंकि इन पोस्टस पर और कोई नहीं आता। बाकी सभी जगहों पर और डिपार्टमैंटस में ग्यारह परसैन्ट से ज्यादा रिजर्वे ान नहीं है। स्पीकर साहब, आपके द्वारा मेरा सरकार से निवेदन है कि बैकलौग

को पूरा करवाया जाए और टाईम बाउन्ड प्रोग्राम बना कर इस 20 परसैन्ट रिजर्वे ान को पूरा करना चाहिये।

स्पीकर साहब, अब मैं ने ानेलाइजे ान औफ मिनरल्ज के बारे में कहना चाहता हूं। स्पीकर साहब, आपने कल का अखबार पढा होगा और सदन के नेता ने भी कल का अखबार पढा होगा। मैं उसकी कटिंग सदन के पटल पर रखूंगा। उसका हैडिंग है– Quarries workers denied minimum wages.

स्पीकर साहब, हरियाणा सरकार ने जहां बेजिज ऐक्ट के तहत वर्कर्ज को 33.45 रूपए देने का फैसला किया है वहां एक वर्कर को दस या बीस रूपये मिलते हैं और माइन्ज में 18–20 रूपए की रे ाो से वेजिज दिए जाते हैं। एक ट्रक जिसमें दो सौ क्युबिक फीट बजरी लोड की जाती है उसको रेट 133 रूपया है लेकिन उसको 75 रूपया मिलता है। 133 रूपए के बजाए। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से हरियाणा सरकार को और मुख्य मंत्री जी को खास तौर पर बताना चाहता हूं कि यूनियन टैरेटरी दिल्ली में पांच माईन्ज जो दिल्ली स्टेट मिनरल्ज डिवैलपमैंट कारपोरे ान को दी हुई है। उनमें बाकायदा 33.45 रूपये लेबर को दिए जाते हैं। ड्रिकिंग वाटर की फैसीलिटिज और मैडीकल फैसीलिटीज उनको दी जाती है। लेकिन हरियाणा मिनरल्ज कारपोरे ान में किसी लेबर की सिक्योरिटी नहीं है और किसी लेबर को मैडीकल फैसीलिटीज तथा ड्रिकिंग वाटर की फैसीलिटीज नहीं है। स्पीकर साहब, इन माइन्ज को ने ानेलाईज करने से और कारपोरे ान

को देने से ही समस्या हल हो सकती है। ऐसा करने से टैक्स की चोरी नहीं होगी और करोडों रूपये की इन्कम हरियाणा सरकार को मिनरल्ज से हो सकती है जबकि इस समय चन्द आदमी ही इसका फायदा उठा रहे हैं। मिनरल्ज को नै ानेलाईज करने से व कारपोरे ान को देने से सरकार को मैक्सीमम लाभ होगा और सरकार के ऐक्सचैकर पर भी इसका काफी असर पडेगा। इसके साथ साथ वेजिज ऐक्ट जो हैं, जिसकी आज उल्लंघना हो रही है उसको भी ठीक तरीके से लागू करने की आव यकता है। मुख्य मंत्री महोदय आज सदन में मौजूद हैं मैं आपके द्वारा उनके नोटिस में यह बात लाना चाहता हूं कि यह बहुत फायदे की बात है। इसलिये मिनरल्ज को ने ानेलाईज किया जाए और लेबर को तभी फैसीलिटीज मिल सकती है जबकि ने ानेलाईज होगी। इसलिये सरकार इस ओर वि ोश ध्यान दे।

इसके इलावा मैं दुबारा हरिजन बैकलोग के बारे में भी कहना चाहूंगा। इसके लिये रोस्टर सिस्टम कायम था जिसको चौधरी बंसी लाल जी ने भाुय किया था और चौधरी भजन लाल जी के वक्त में वह कायम भी रहा लेकिन पिछली सरकार के चार सालों के समय में पता नहीं क्यों इस सिस्टम को उडा दिया गया ? उनके रजिस्टर वगैरह भी साफ कर दिये गये। वे रजिस्टर पता नहीं कहां गए ? अब न तो उन रोस्टर रजिस्टर्ज को कोई मेनटेन ही कर रहा है और न ही उस पर कोई अमल ही हो रहा है। यह बैकलौग तभी पूरा हो सकता है जबकि सरकार की व सरकार के

अफसरों की नीयत साफ हो। इस बारे में मैं आपको बताना चाहता हूं कि ज्वायंट पंजाब में एक इवैल्यूएं ान कमेटी बनी थी। मैं भी उसका मैम्बर था। उस समय देखने की बात यह थी कि जब किसी बडे अफसर को या किसी ऐम्पलाई को यह पता लग जाता था कि कोई हरिजन मेरा अफसर बनने वाला है तो उस के रिकार्ड में रैड ऐन्ट्री हो जाती थी। ऐसा ज्वायंट पंजाब में हमने देखा है। इसलिये मैं यह कहना चाहता हूं कि सदन के नेता व औफिसर्ज की नीयत साफ होने से ही हरिजनों का बैक लोग समाप्त हो सकता है अदरवाइज यह सिलसिला कागजों पर ही चलता रहेगा। मैं सरकार को यह बात दावे के साथ कहना चाहता हूं कि अगर हरिजनों का बैकलौग ही सरकार पूरा कर दे तो हरिजनों के लिये कोई दूसरे बैनीफिट देने की आव यकता ही नहीं पडेगी। अगर सरकार हरिजनों का बैकलोग ही पूरा कर दे तो कोई भी हरिजन व बैकवर्ड क्लासिज का लडका रोजगार से वंचित नहीं रहेगा। सभी ऐजूकेटिड लडकों को रोजगार अपने आप ही मिल जाएगा लेकिन गवर्नर साहब ने जो अपने ऐड्रैस में इस बारे में कहा है वह ठीक ही कहा है। बडे सुन्दर लफजों में इसका वर्णन भी किया है। इसलिये इस बारे में हमें इस सदन के नेता के ऊपर किसी प्रकार का कोई भाक नहीं है लेकिन अगर वे इस बैक लोग को पूरा करवाएंगे तो हम मानेंगे अदरवाईज हम नहीं मानेंगे कि सरकार हरिजनों के लिये कुछ कर रही है।

अध्यक्ष महोदय, इसके इलावा बहुत सारी बातें और भी कहने वाली हैं। अब मैं प्राईवेट कोलोनाईजे ान का जो बखेडा सरकार ने भाुरू कर रखा है उस बोर में कहना चाहूंगा। पिछले दिनों हांसी की जमीन कौडियों के भाव की जिसको लोग लेने के लिये तैयार नहीं थे, 7—7 लाख रूपये पर एकड के हिसाब से बिकी। उस पर प्राईवेट कालोनाइजर्ज ने कोलोनीज बनानी भाुरू कर दी। अगर इस तरह से किसानों की जमीनें हडपने की कोि ा ा की गयी तो फिर अनाज कहां पर पैदा होगा अनाज तो फिर छतों पर पैदा होगा। जमीन नहीं मिलेगी। अगर इस पर रोक लगेगी तो इससे किसानों की इन्कम भी बढेगी। इसलिये मेरा एक सुझाव है, जैसा कि चौधरी बंसी लाल जी ने कहा कि यह काम सरकार को हुडडा और हाऊसिंग बोर्ड जैसे सरकारी विभागों द्वारा करवाना चाहिये ताकि उन पर हर प्रकार से चैक एण्ड बेलैसिंज भी रहे। हर तरह से उनके ऊपर निगरानी भी रहे। गलत काम करने पर उनकी जवाबदेही भी की जा सके अगर निगरानी नहीं होगी तो जो कोलोनाइजर हैं वह पैसा देकर के बच जाएगा। चाहे वह पांच हजार रूपये गज या 10 हजार रूपये गज के हिसाब से जमीन बेचे उसको कोई पूछने वाला नहीं। इसलिये सरकार को यह काम अपने लैवल पर हुडडा व हाऊसिंग बोर्ड की ही होनी चाहिये। प्राईवेट कोलोनाइजर्ज से यह काम सरकार को अपने हाथ में ले लेना चाहिये।

स्पीकर साहब, हर घर से एक आदमी को नौकरी देने की बात कही गई है। बात बहुत खूबसूरत लगती है। मैं चाहता हूं कि इसके लिये कोई टाईम मुकरर करें कि इस स्कीम को पूरा करने में एक साल लगेगा या कितना समय लगेगा। मेरे ख्याल में हमारे यहां एक करोड साठ लाख की आबादी है। अगर तीन पर तकसीम किया जाए तो लगभग 54 लाख फैमिलीज बनती हैं हरियाणा में साढे तीन लाख सरकार के ऐम्पलाइज हैं। तो कहां से हर घर के एक सदस्य को ऐम्पलाएमैंट मिलेगा। हम तो खु ी मनाएंगे अगर इस बात को ये पूरा कर दें।

स्पीकर साहब, पिछले दिनों हरियाणा के ग्रीन ब्रिगेड ने बहुत आतंकवाद फैलाया और ग्रीन ब्रिगेड के नाम का काफी चर्चा रहा। काफी गडबड प्लाटस गवैरह की होती रही। आज वही सुर्खी मुख्य मंत्री जी अखबारेां में आपकी बनने लगी है। हम चाहते हैं कि यह सुर्खी न बने अब ग्रीन ब्रिगेड की बजाय भजन ब्रिगेड तैयार हो रहा है, इस तरह की अखबारों में सुर्खी नहीं आनी चाहिए। आप मधुरभाशी हैं और नर्म स्वभाव के हैं लेकिन आपके और आपके नाम के पीछे ये जो गडबड करने वाले हैं उनको कन्ट्रोल करना पडेगा। आप ही देखें कि ताऊ को ग्रीन ब्रिगेड आज एक कोने में सिकुड कर बैठी है। इसलिये मैं गुंडे तो नहीं कहूंगा लेकिन जो अच्दे लोग नहीं हैं, अनसिविलाइज्ड हैं और जो कानून की परवाह नहीं करते, अगर उन लोगों को न रोका गया तो आपको भी बदनामी का सामना करना पडेगा। कुछ दिनों में

फिर आपकी भी ताऊ की तरह चर्चा होने लगेगी। इसलिये मैं यह चाहता हूं कि आपके बारे में कोई इस तरक की सुर्खी नहीं आनी चाहिये। अब आजकल हिसार का बडा भारी चर्चा है। स्पीकर साहब, जनता जनार्दन है और जनता जम्हूरियत में सब कुछ कर सकती है। कोई आदमी कितना भी ताकतवर हो वह जनता के सामने कुछ भी नहीं कर सकता। जम्हूरियत में जिसका समर्थन जनता करती है, वही आदमी पावर में आता है। देवगति से जिन्दल साहब इस हाउस के जनता की कृपा से मैम्बर हैं। वे जीत कर आए हैं कोई खींचा तानी करके नहीं आए। सुरजेवाला साहब को भी परे ाानी है। जब हम जिन्दल साहब का नाम लेते हैं तो वे चीफ मिनिस्टर से बात करने लग जाते हैं। मैं कहता हूं कि जिन्दल साहब ऐसे आदमी हैं जो सबसे ज्यादा गरीब आदमियों की मदद करते हैं। इन्हौंने जिन्दल हस्पताल हिसार में खोल रखा है, स्कूल खोल रखे हैं और कालेज खोल रखा है इन्होंने दो जनरेटर दस मैगावाट के काफी मुददत से लगा रखे हैं। वे दो लाख यूनिट बिजली डेली पैदा करते हैं। उसमें इन्हौंने यह कन्ट्रैक्ट एच0एस0ई0बी0 से कर रखा है कि 90 हजार यूनिट अगर मैं लूंगा तो एक लाख यूनिट मैं बोर्ड को दूंगा। तो यह कितना भाानदार ऐग्रीमैंट है। इस ऐग्रीमैंट से किसान को लाभ होता है और उसकी बिजली नहीं कटती। आपको बडे बडे इंडस्ट्रियलिस्टस को ऐनकरेज करना चाहिए। अगर वे अपने जनरेटर लगाकर आपकी बिजली की बचत करते हैं और किसानों की तरफ उसको मुंह खोल देते हैं तो आपको उन लोगों को प्रोत्साहन देना चाहिए न

कि उन लोगों की बिजली काट कर उनको नुकसान पहुंचाना चाहिए। अब तीन चार दिन से जिन्दल स्ट्रिपस की बिजली काटी हुई है। इन्होंने 11 करोड रूपये से अपने दो जनरेटर दस मैगावाट के लगा रखे हैं इनकी बिजली काटने से केवल जिन्दल को कोई नुकसान नहीं है बल्कि हजारों लोग जो गरीब हैं, जो वर्कर हैं, वे बेरोजगार बैठे हैं। सुरजेवाल साहब, अपने को कोई ऐपरिसिए ान न मिले, अपने को कोई बैनिफिट न हो और हमें नुकसान होता हो तो ऐसा काम नहीं करना चाहिए। तो इसलिये हजारों की संख्या में जो कार्यकर्ता हैं, वे आज बेरोजगार और बिना रोटी के बेठे हैं। इसके अलावा जो लाखों रूपए का टैक्स सेल्ज टैक्स की भाकल में या इन्कम टैक्स की भाकल में सरकार को मिलता है, उससे सरकार वंचित है। तो स्पीकर साहब, ये सारी बातें मैं सदन के नेता के नोटिस में इसलिए लाना चाहता हूं कि हम कुछ दिन पहले ताऊ के बारे में कहा करते थे कि ताऊ संभाल अपनी फौज ने नहीं तो गडबड होगी और वह गडबड हुई। एम0एल0ए0 और एम0पी0 के दोनों चुनावें में ताऊ हारा। चौधरी भजन ला जी बहुत सयाने हैं और मुझे उम्मीद है कि वे ऐसे लोगों को लगाम डालेंगे और जो अखबारों सुर्खी बनती जा रही है उसको जल्दी रोकेंगे। जिन्दल गरीबों का एक सोर्स औफ इन्कम बना हुआ है उनके बिजली के कनैक्ा ान को आप अपने तौर पर देखें और आप खुद उस बारे में जानकारी हासिल करें कि वह क्या बात है। हर सरकार के समय में इनके दो जनरेटर चलते रहे तो अब क्यों नहीं चलते ? अब क्या आफत आ गई ? एक आफत तो हो सकती है

कि अब जिन्दल इस हाउस के आनरेबल मैम्बर बन गए हैं। और तो कोई बात नहीं हो सकती। मुख्य मंत्री को इतना महसूस नहीं करना चाहिए। जनता जनार्दन है कि जिसको चाहे उसको मेम्बर बना सकती है।

इसके अलावा स्पीकर साहब मैं अपने हलके के बारे में एक बात सुरजेवाला साहब से कहना चाहूंगा। मेरा हल्का टेल का हल्का है। यदि इनकी मेहरबानी होगी तो हमारे गांवों को पानी मिलेगा। मेरे हलके में एक तालू माईनर है। तालू एक ऐसा गांव है जिसका देवगति से एक एम0एल0ए0 बन गया। उस एम0एल0ए0 ने तालू से आगै वाले गांवौं को पानी नहीं जाने दिया। पुर, मंढाणा, सिवाडा और लोहारी जाटू इन चार गांवों का पानी उस एम0एल0ए0 और तालू के खेतों में लगता है। उस एम0एल0ए0 ने इन चार गांवों को पीने का पानी भी नहीं जाने दिया। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सदन के नेता से प्रार्थना करूंगा कि पहले तो उस गांव का आदमी एम0एल0ए0 था, वजीर था लेकिन अब तो नहीं है। अब तो तालू माईनर की टेल पर पानी जाना चाहिए और उन चार गांवों को पानी मिलना चाहिए। स्पकर साहब, आप यकीन मानो लोहारी जाटू में तो पीने का पानी भी नहीं जाता। उस माईनर में कोई सुंडिया डाल लेता है या कोई कट कर लेता है जिसके कारण टेल पर पानी नहीं जाता। इस बारे में कभी कोई पुलिस ऐक ान नहीं हुआ। मैं सदन के नेता से प्रार्थना करूंगा कि वे इस बारे में गौर करें। जो टेल पर किसान हैं, वे

आबियाना तो पूरा दे रहे हैं लेकिन उनकी आबपा ाी पूरी नहीं हो रही है। इसलिए सरकार की यह जिम्मेदारी है कि हर नहर की टेल पर पानी पहुंचना चाहिए। बवानी खेडा माईनर, दुरजनपुर माईनर, धमाना माईनर, सिवानी माईनर, नलवा माईनर, सिवाडा माईनर और नलोई माईनर इन 8 माईनर्ज की टेल तक पानी नहीं जाता। ये आठों माईनर्ज मेरे हलके में हैं। ये माईनर्ज मुख्यमंत्री जी आपने स्वयं देखी हुई हैं और सुरजेवाला साहब हाउस में बतौर आई0पी0एम0 मौजूद हैं। इन्होंने मई 1987 में सिवाडा माईनर, नलवा माईनर की ऐक्सटैं ान और 5–6 माईनर्ज का अपने करकमलों से पत्थर रखा था लेकिन 1987 में हम सब की छुटटी हो गई। उसके बाद ऐसी विकास नीति की सरकार आई जिसने आते ही वे सारे पत्थर तोड कर नहर में डाल दिए। उन माईनर्ज पर कोई काम नहीं हुआ। स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से आई0पी0एम0 साहब से जो कि मेरे पुराने साथी रहे हैं, निवेदन करूंगा कि आपने मेरे हल्के में जिन माईनर्ज पर अपने कर कमलों से पत्थर रखे थे उन पर काम भाुरू करवा दें ताकि उन गांवों की आबपा ाी बढे और पैदावार बढे।

इसके अलावा मैं एक बात यह भी कहना चाहूंगा कि सडकों का बहुत बुरा हाल है। एक सडक जो हांसी से तो ाम जाती है उसको पेटवाड डिस्ट्रीब्यूटरी पर जो पुल बना हुआ है वह 2.5 साल से बिल्कुल टूटा हुआ हैं उस पुल को बनाने की तरफ न पी0डब्ल्यू0डी0 वाले ध्यान दे रहे हैं और न इरीगे ान डिपार्टमैंट

वाले ध्यान दे रहे हैं उस पुल के न बनने से लोगों को दूसरी तरफ से होकर जाना पडता है जिसके कारण लोगों का पांच हजार रूपए तक का डीजल और पैट्रोल अधिक खर्च होता है। इसलिए मैं सदन के नेता चौधरी भजन लाल जी से प्रार्थना करूंगा कि वे उस पुल को बनाने के लिए काम भ्ाुय करवा दें ताकि लोगों को कोई दिक्कत न हो। अन्त में मैं एक बात यह कहना चाहूंगा कि पिछले तीन चार साल से जो सडकें सैंक ांड हैं और जिनका आधे से ज्यादा काम हो चुका है यानी जिनका अर्थ वर्क हो गया है, जिनका सोलिंग का काम हो गया है, उन सडकों के काम को कम्पलीट किया जाना चाहिए। अगर उन सडकों को कम्पलीट नहीं किया गया तो उन पर जो पैसा खर्च हो चुका है वह बरबाद हो जाएगा।

अब मैं एक बात ऐजुके ान के बारे में कहना चाहूंगा। मेरे हलके में पीछे 5–6 स्कूल अपग्रेड हुए थे जिनमें धमाना का प्राईमरी स्कूल मिडिल स्कूल अपग्रेड हुआ था और कुवारी का 10+2 तक का स्कूल अपग्रेड हुआ था। वहां पर अभी तक स्टाफ नहीं है। जब हम इस बारे में पता करते हैं तो बताया जाता है कि अभी इनको अपग्रेड नहीं किया गया है बल्कि विचार हो रहा है। पिछली सरकार इनको अपग्रेड करके गई है। न वहां पर टीचर हैं और न ही बच्चों के दाखिले हो रहे हैं। इस बारे में भी मेरी सी0एम0 साहब से प्रार्थना है कि इस बात का फैसला करें और बयान दें कि पिछली सरकार ने जो स्कूल अपग्रेडे ान के लिए

सैंक ान किए थे उनको माना जायेगा या नहीं। इस बारे में फील्ड मैं बहुत भारी बेचैनी है क्योंकि न तो वहां पर स्टाफ है और न ही बच्चों के दाखिले हो रहे हैं। इस बारे में मेरी सरकार से फिर प्रार्थना है कि इस बात का निर्णय जल्दी से जल्दी लिया जाना चाहिए कि जो स्कूल पहले अपग्रेडे ान की लिस्ट में आ चुके हैं उनको मानना है या नहीं। अगर मानना है तो वहां पर जल्दी से जल्दी स्टाफ भेजा जाना चाहिए अगर नहीं मानना है तो नए सिरे से उनका फैसला करना चाहिए। यह मेरा निवेदन है। स्पीकर साहब, बातें तो बहुत सारी कहनी थीं लेकिन समय के अभाव के कारण मैं आपको धन्यवाद करते हुए अपना स्थान लेता हूं।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला): स्पीकर साहब, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जो यहां पर मौजूद हैं। मेरे साथी ने बोलते हुए एक चर्चा की कि कांग्रेस पार्टी जो जीत करके आई है उनको न तो संघर्श करना पडा और न ही हमारा कोई श्रेय है। हम तो इनके साथियों के काले कारनामों की वजह से नैगेटिव वोटस से आए हैं। इनकी कुछ बात तो सच है लेकिन वह पूरी सच नहीं है। हाफट्रूथ है। सच्ची बात यह है कि कांग्रेस पार्टी के हजारों कार्यकर्त्ताओं ने जो जेलौं में भी गए हैं इन चार सालों के अर्से में बहुत संघर्श किया है। अगर मैं उनकी चर्चा नहीं करूंगा तो यह उनके साथ अपमान की बात होगी। अध्यक्ष महोदय, सच बात तो यह है कि दिसम्बर, 1987 में मई 1989 और सितम्बर 1989 में तीन बार हरियाणा प्रदे ा कांग्रेस के

हजारों कार्यकर्ता जेल में गए। सबसे पहले असैम्बली के चौराहे के सामने कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्त्ताओं ने गिरफ्तारी दी थी। उस वक्त चौधरी निर्मल सिंह जी यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष थे। दूसरी और तीसरी दफा उस समय कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्त्ताओं ने गिरफ्तारी दी थी जब मैं हरियाणा कांग्रेस पार्टी का प्रधान था। पहली गिरफ्तारी के समय 10 हजार कार्यकर्ता थे और दूसरी गिरफ्तारी के समय 6–7 हजार कार्यकर्ता हमारे साथ थे। हम मई के महीने में पद यात्रा करके असैम्बली तक आए थे। उस समय कोई 25–30 हजार कार्यकर्ता थे। ट्रिब्यून चौक पर आकर हमाररी गिरफ्तारी हुई थी लेकिन फिर भी हमारी पार्टी के कार्यकर्त्ताओं के हौंसल नहीं टूटे और फिर बाद में विधान सभा के आगे जाकर गिरफ्तारी दी। उन सारी गिरफ्तारियों के पीछे एक ही बात थी और प्रजातंत्र का जो हनन हुआ था, वोट का जो अधिकार था, गरीब लोगों पर जो अत्याचार थे या प्रैस के विरूद्ध जो जबान बन्दी की हुई थी उसकी चर्चा यहां पर बहुत विस्तार से हो चुकी है। इस विशय पर मुझे ज्यादा कुछ नहीं कहना है। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि मेहम कांड में कांग्रेस पार्टी के ही कार्यकर्त्ताओं ने और नेताओं ने बढ चढ के हिस्सा लिया। बैंसी में फायरिंग के खिलाफ अगले दिन सुबह सबसे पहले कांग्रेस के लोग ही वहां गए और उन सब मृतक परिवारौं को सदस्यों के प्रंति सात्वंना दी गई और हमारे ही कार्यकर्त्ताऔं ने इस कांड के खिलाफ पार्लियामैंट के सामने प्रद र्न किया। मेरा कहना यह है कि इन पिछले चार सालों में राजीव गांधी से लेकर, भजन लाल

जी तक और दूसरे तमाम कार्यकर्त्ताओं ने बडा भारी संघर्श किया है और लोगों को जागृत किया है कि पूरे प्रान्त में क्या जुल्म और अत्याचार हो रहे हैं। पिछली सरकार ने चंगेज खां और हलाकू को भी जुल्मों के मामले में भुला दिया था। हमारी ही पार्टी ने लोगों के खिलाफ हो रहे अत्याचारों के बारे खडे होने का साहस किया, जुबान खोलने का साहस किया और यह सब हमारे कार्यकर्ताओं के संघर्श की वजह से ही संभव हो पाया था। यह बात अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से स्पश्ट करना चाहता था।

अध्यक्ष महोदय, दो मिनट मुझे दो और बातों की चर्चा करनी है। यहां बोलते हुए हमारे साथी ने अभी यह कहा कि ओम प्रका ा जिन्दल की फैक्टरी की बिजली काट दी गई है। उन्होंने हाउस को ऐसे बताने की कोि ा ा की कि जैसे हमने इस फैक्टरी की बिजली वैसे ही काट दी है जैसे कि इनके राज में थाम्पसन प्रैस की बिजली बदले की भावना से काट दी गई थी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चौधरी अमर सिंह जी को बताना चाहूंगा तथा हाउस को भी बताना चाहूंगा कि श्री ओम प्रका ा जिन्दल या किसी और से इस सरकार को किसी प्रकार की कोई तकलीफ नहीं है और सरकार ने बदले की भावना से कुछ नहीं किया है। बिजली की वोल्टेज की समस्या का जिक्र पहले भी करते हुए मैंने बताया था कि पूरे प्रान्त में वोल्टेज कण्ट्रोल करने के लिए हमने सारे हरियाणा में इस्पात के जो कारखाने हैं, इस्पात की जो भटिठयां हैं जिनमें मिनि स्टील प्लांट

भी भाामिल हैं, उनकी हमने थोडे अर्से के लिए बिजली बन्द कर दी है। अगर एक हफते में बारि ा न हुई तो इस बाद में देखा जाएगा कि क्या किया जाए और यदि बारि ा हो गई तो फिर बिजली जारी करेंगे। जैसे कि मैंने पहले बताया था कि सरकार की प्राथमिकता किसान की फसलों को और घरों को बिजली देने की है। यदि और ज्यादा दिक्कत आई तो हमें अफसोस है कि यह कट लम्बे अर्से तक जारी रखना होगा और इन कारखानों को इस बात की समस्या रहेगी। वोल्टेज की समस्या को हम सुधारने की कोि ा ा करेंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको यह भी बताना चाहूंगा कि इस्पात की भटिठयों और स्टील के कारखानों को बिजली बन्द करने से तथा जो दूसरे उपाय किये गये हैं उनका नतीजा यह हुआ है कि हरियाणा में पिछले 3 दिन से बिजली का कट नहीं है। इस बारे में 10 तारीख और 11 तारीख के आंकडे यहां पर बताना चाहूंगा। 10 तारीख को जो पूरी बिजली हरियाणा में उपलब्ध थी वह 2 करोड 95 लाख यूनिट थी जब कि पिछले साल इसी तारीख को 2 करोड 42 लाख यूनिट बिजली उपलब्ध थी। 10 तारीख को खेतीबाडी के लिए जो बिजली दी गई थी वह 1 करोड 81 लाख यूनिट थी जबकि पिछले साल 1 करोड 28 लाख यूनिट थी। अध्यक्ष महोदय, 11 तारीख को कुल 3 करोड 12 लाख यूनिट के करीब बिजली दी गई थी जबकि पिछले साल 11 तारीख को 2 करोड 41 लाख यूनिट बिजली दी गई थी और इसी दिन कुल उत्पादन में से ऐग्रीकल्चर के लिए 1 करोड 91 लाख यूनिट बिजली दी गई जबकि पिछले वर्श 1 करोड 21 लाख यूनिट

कृशि के लिए दी गई। पिछले 3 दिन से 10 और 11 तारीख को हरियाणा में बिजली में कोई भी कट नहीं था। यह सब सरकार द्वारा की गई कार्यवाही के कारण हुआ।

अध्यक्ष महोदय, अब मुझे केवल खालों के बारे में कहना है जिसकी चर्चा चौधरी बंसी लाल जी ने की थी। जो खालें टूट चुकी हैं हमारे महकमें ने अभी तक 1155 ऐसी खालों को आईडैंटिफाई किया है। ये ऐसी खाले हैं जो बनी हुई तो हैं लेकिन टूट चुकी हैं। इस सरकार ने बनते ही यह निर्णय लिया है कि जो खालें टूट चुकी हैं उन्हें दोबारा से मुरम्मत करवाया जाए। इस रिपेयर वर्क के लिए 3 करोड रूपया पहले ही महकमे को हम दे चुके हैं। मैं यह बात हाऊस को बताना चाहता हूं कि सारी खालों की मुरम्मत की कार्यवाही की जाएगी। अध्यक्ष महोदय, यहां पर डिसिल्टिंग के बारे में भी चर्चा की गई है। इस बारे में मैं कहना चाहूंगा कि यमुना कैनाल में से रैग और रेत निकालने के लिए 1 करोड 35 लाख रूपये दिए गए हैं और अब जल्दी ही अगले कुछ महीनों में हम उम्मीद करते हैं कि यह रूपया खर्च करके हम डिसिल्टिंग करेंगे। इसी प्रकार से सरकार ने लिफट कैनाल के लिए 61 लाख रूपया दिया है। जो रेत उड कर नहरें और रजवाहें भर जाते थे, उनको साफ कराने के लिए खर्च किया जाएगा। अध्यक्ष महोदय, बाकी की जो बातें हैं उनको मुख्य मंत्री जी विस्तार से जवाब देंगे। धन्यवाद।

श्री राम बिलास भार्माः स्पीकर सर, मैं आपकी सेवा में अर्ज करना चाहता हूं कि इस सदन को तीन दिन से आपने बहुत अच्छी तरह से कंडक्ट किया है। ऐसा लगा कि आप इस हाउस को वर्शों से चला रहे हैं और आज आपने जिमाया भी है। उसके लिए आपका बहुत धन्यवाद। स्पीकर साहब, मेरा एक काल अटैं ान मो ान था। Your good office had admitted it and it was circulated in this August House also. Unfortunately due to some unavoidable circumstances I could not be present at that time. Moreover, Sir, the Government was very much prepared to give reply to that motion. स्पीकर साहब, वह मसला ऐसी बातों से ताल्लुक रखता है जो प्रदे ा के लोगों और वि ोशकर मेरे इलाके के लोगों से सम्बन्धित है। स्पीकर साहब, महेन्द्रगढ, बावल, अटेली और नारनौल का सारा इलाका बारानी इलाका है। इस इलाके में किसान की प ु पंजी बरबाद हो रही है। उनके लिए चारा नहीं है। वर्शा वहां नहीं हुई है। खासतौर से खेतीहर मजदूर की और छोटे किसान की हालत बहुत खराब है। वहां पर चारा पचास रूपए के भाव बिक रहा है। इस सम्बन्ध में ही मेरा काल अटैन ान मो ान था। It is, therefore, my humble submission to you to give me a chance to read it and after that the Government can reply to that. गवर्नमैंट अपनी स्थिति स्पश्ट कर सकती है कि उन इलाकों में वह पैसा भेज रही है या कोई और कार्यवाही कर रही है ?

Mr. Speaker: Sharma Ji, the ruling has been given. You were not present. You had authorised Shri Verender Singh

Ji, but he could not be allowed to read it and raise the matter under the rules.

Sh. Ram Bilas Sharma: Sir, I want to submit that there is a provision in rule 121 that you can suspend any rule. Sir, you have got all powers in this House. You can suspend any rule for the time being and this motion can be taken up. Moreover, Sir, when the Session is going on and the Government is prepared to give answer it is my humble submission that my calling attention motion can be taken up.

Mr. Speaker: Sharma Ji, it is not the proper time for that.

Sh. Ram Bilas Sharma: Sir, I may again submit you that you can suspend any rule. You are all powerful in this House. I had requested you earlier also in this regard.

Mr. Speaker: But it is not the proper time, Sharma Ji. When the Chief Minister will reply to the debate on the Governor's Address, he can make a mention about your calling attention motion. You kindly take your seat. Shri Surjit Kumar, the only member from B.S.P., will now speak.

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, मेरे एक साथी ने आपसे निवेदन किया और मैंने लिखकर भी दिया। यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसलिए या सरकार इसका जवाब दे दे या मुख्य मंत्री जी इसका जवाब दे दें तो बेहतर रहेगा।

श्री भजन लाल: हम आपको इस बारे में बता देंगे।

श्री सुरजीत कुमार (नारायणगढ): स्पीकर साहब, मैंने हरियाणा विधान सभा में बहुजन समाज पार्टी के माध्यम से खाता खोला है। मैं समझाता हूं कि हमारा जो दलित समाज है अव्वल तो उसमें कोई ऊपर उठ नहीं सकता क्योंकि इस समाज में लोग नहीं मिलते और अगर लोग मिलते भी हैं तो हमारे रास्ते में बहुत सारी रूकावटें आती हैं। स्पीकर साहब, इलैक ान में मेरे पास दो कंवेन्स थे। एक स्कूटर नं0 1949 और दूसरा एक कार थी। इन दो व्हिकल्ज से मैंने इलैक ान जीता और बडे बडे दिग्गजों की जमानत जब्त करा दी। स्पीकर साहब, मेरे सामने कुछ प्रौब्लम हैं। मुख्य मंत्री जी से आप सिफारि ा करें कि इन प्रौब्लम का हल निकालें। स्पीकर साहब, मेरे हल्के में गांव के गरीब आदमियों को दबाया जा रहा है और उनको परे ाान किया जा रहा है। जो जमींदार हैं, जाट लोग हैं और राणा लोग हैं वे दलित समाज के लोगों पर बहुत बुरी तरह से अत्याचार कर रहे हैं। वे यह कहते हैं तुमने हाथी पर क्यों मुहर लगाई। मैं आपसे प्रार्थना करूंगा कि आप मुख्य मंत्री जी को सिफारि ा करें कि वे ऐसे लोगों का इलाज करें जो लोग दलित समाज को दबाते हैं। इन भाब्दों के साथ मैं अपना स्थान लेता हूं।

वाक आउट

(At this stage, many members rose to speak)

15.00 बजे।

Mr. Speaker: No more member will speak now. All please be seated.

Sh. Hari Singh Nalwa: Speaker, Sir, I am on a point of order.

Mr. Speaker: What is your point of order ?

Sh. Hari Singh Nalwa: Sir, my point of order is that I have been requesting since yesterday to this Hon'ble Chair to give me time to speak. But I have not been given time to speak. Sir, I am the oldest member of this house. I have been a member of Parliament. I am an experienced hand. Moreover, as a Member of this House now, I have the privilege to speak but you have not bothered to look after and safeguard my interests. Sir, my humble submission to you is to kindly give me only 5 minutes to me to speak. Nothing is going to happen in 5 minutes.

श्री राम प्रका ा: स्पीकर साहब, मेरा एक निवेदन है कि इस हाउस में कल से बडी भारी चर्चा चल रही है कि इस हाउस में सबसे पुराना कौन है ? सबसे पहले तो श्री हरपाल सिंह जी का नाम आया फिर बंसी लाल जी का और बहन चन्द्रावती जी का नाम आया। अब नलवा साहब भी यही कह रहे हैं। तो आप इस के बारे में अपनी रूलिंग दें।

श्री हरि सिंह नलवा: स्पीकर साहब, पुराने मैम्बर तो एक नहीं, कई हो सकते हैं। स्पीकर साहब, मेरा निवेदन है .....

Mr. Speaker: Mr. Nalwa, please take your seat as I have not permitted you to speak. Now the Chief Minister will speak.

Sh. Hari Singh Nalwa: You have permitted me, Sir.

Mr. Speaker: No, I have not given you time to speak. You have been an old parliamentarian. You know the rules of procedure in the House. Please take your seat.

Sh. Hari Singh Nalwa: Sir, my humble submission is that you please give me time. I will not take more than 5 minutes.

Mr. Speaker: No Please, You please take your seat as I have called the Leader of the House. Now he will speak.

Sh. Hari Singh Nalwa: Sir, you had given me an assurance that I will be given time to speak. If you are not giving me time even after your assurance, how will you safeguard my interests ?

Mr. Speaker: You need not insist so much. I have not given any assurance.

Sh. Hari Singh Nalwa: If you are not giving me time, as a protest against it, I am walking out.

(At this stage, Sh. Hari Singh Nalwa a member of the Janata Dal, staged a walk out)

राज्यपाल के अभिभाशण पर चर्चा (पुनरारम्भ) तथा मतदान

मुख्य मंत्री (श्री भजन लाल): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय ने इस सदन में 10 तारीख को जो अपना अभिभाशण दिया, उसके लिये हम उनके बहुत ही आभारी हैं। उन्होंने सरकार की नीति, सरकार की पोलिसी और प्रोग्राम के बारे में सारे सदन को जो अवगत करवाया है, उसके लिये हम किन लफ्जों से उनका धन्यवाद करें ऐसे भाब्द तो ढूंढने से भी नहीं मिलते। लेकिन एक बात अव य ही कहनी पडती है कि अपोजी ान के इन भाइयों ने जिनको इस सदन में सबसे बडी पार्टी कहते हैं और है भी, राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर जिस प्रकार का प्रद र्ान किया वह बडी ही खेदजनक बात है। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय साल में एक बार ही इस सदन में आते हैं और फिर ये लोग उनका आदर व सम्मान न करें तो कोई अच्छी बात नहीं है। प्रदे ा की जनता, दे ा की जनता, हमारी इन सारी बातों की तरफ देखती हैं स्पीकर साहब, अपोजी ान का भी कोई रोल होता है। उस रोल के तहत वह अपना कोई प्वायंट उठाए तो समझ में आ सकता है, सरकार का क्रिटिसिज्म करें समझ में आ सकता है। अध्यक्ष महोदय, राज्यपाल महोदय एक बहुत नेक आदमी हैं वे गांधी वादी हैं और लोहिया के वे चेले और भगत हैं। ये इन्हीं के नेता यानी चौधरी देवी लाल के लगाए हुए हैं और यही लोग उनके खिलाफ प्रद र्ान करें तो बात जमती नहीं। इसीलिए हमें इस बात का दुख है।

अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले तो मैं राज्यपाल महोदय का इस बात के लिए धन्यवाद करना चाहूंगा कि उन्होंने सारे प्रदे ा में बहुत ही निश्पक्ष चुनाव करवाए, किसी जगह भी गुंडा गर्दी बूथ कैपचरिंग नहीं होने दी। मैं सारे प्र ाासन को भी बधाई देना चाहता हूं। जो इलैक ान से जुडे हुए लोग थे उन सभी अधिकारियों ने बहुत ही निश्ठा, ईमानदारी और लगन के साथ काम करके जो प्रदे ा पर बहुत बडा कलंक लग गया था उस कलंक को धोने की कोि ा ा की है। उसके लिए मैं उनको बधाई देना चाहता हूं। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि प्रजातन्त्र में अगर हम प्रजा को वोट न डालने दें तो प्रजातन्त्र का कोई अर्थ नहीं रहता, क्योंकि इसी वोट के लिए कितनी ही माताओं के सपूतों ने और बहिनों के भाइयों ने फांसी के फंदे को चूमा। प्रदे ा में पिछले चार सालों में किस तरह से प्रजातन्त्र की हत्या की गई थी, इसकी मिसाल इतिहास में आपको कहीं भी देखने को नहीं मिलेगी। जैसे कि अभी हमारे माननीय साथी आनन्द सिंह डांगी ने मेहम की बहुत विस्तार से चर्चा की, मैं उतने विस्तार में नहीं जाऊंगा क्योंकि जो बातें कही गई हैं उनको दोहराने का फायदा नहीं है। लेकिन जिस तरह की हालत जिस तरह का माहौल इन्होंने बनाया वह बडा भारी दुखदाई है। चौधरी देवी लाल जी प्रजातन्त्र की बडी दुहाई दिया करते थे। किस तरह से प्रजातन्त्र की धज्जियां उन्होंने उडाई इसकी मिसाल नहीं मिलती। प्रजातन्त्र ही नहीं उम्मीदवार की हत्या कर दी गई। अमीर सिंह के बारे में बडी भारी चर्चा है, लोगों में बडा भाक और भ्रुबह है कि

उनकी हत्या किस तरह से की गई। आज मैं कोई बात कहूं जरा अच्छी नहीं लगेगी, ये भाई कहेंगे कि अभी इन्कवायरी पैंडिंग है और चीफ मिनिस्टर साहब ऐसी बातें कहते हैं। लेकिन रात को 12 बजे पहले साथ साथ खाना खाएं, उसके बाद गैस्ट हाउस से अपनी गाडी में बिठा कर ले जाएं और दो बजे अध्यक्ष महोदय मुंढाल में उसको मार कर डाल दें। क्या और कोई आदमी उसको मार सकता है ? फिर एक ऐसे व्यक्ति के खिलाफ जो चुनाव लड रहा हो यह कह देना कि यह कत्ल इन्होंने किया है यह बात जमती नहीं। आखिर आप जानते हैं कि जो इस संसार में पैदा हुआ है उसने एक दिन मरना भी है लेकिन इन्सान को इन्सानियत से तो नहीं गिरना चाहिए। जो सरकार इन्सानियत से गिर जाती है वह सरकार बहुत लम्बे अरसे तक चल नहीं सकती और न ही इन्सान बहुत ज्यादा अरसे तक जी सकता है उसके लिए भी पाप का घडा बहुत जल्द भर जाता है। सरकार ने एक जगह नहीं जितने भी पिछले चार साल में चुनाव हुए, चाहे वे मयूनिसिपल कमेटी के थे और चाहे पंचायत के थे गडबड की। आप जानते हैं कि हांसी का कांड किसी से छिपा हुआ नहीं है। किस तरह से कि ान खंडेलवाल की हत्या की गई, किस तरह से दूसरी जगह बूथ कैप्चर किए गए और किस तरह से भिवानी के इलैक ान में हुआ। अध्यक्ष महोदय जब 1989 में लोक सभा के इलैक ान हुए तो क्या माहौल इन्होंने बना कर रखा हुआ था। ग्रीन ब्रिगेड के नाम से बडे फख्र से कहते हैं ये लोग कि हमारा ग्रीन ब्रिगेड तो इलाहाबाद तक गया आप इस बात का अन्दाजा लगाएं कि चौधरी

देवी लाल जी लोक सभा में खडे होकर यह कहें कि वी0पी0 सिंह तो कुछ था ही नहीं, जीरो था उसको तो ग्रीन ब्रिगेड ने बना दिया। यह कितनी गलत बात है। उनको ऐसी बात कहना भाोभा नहीं देता। अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि इन्होंने प्रदे ा के अन्दर किस तरह का माहौल पैदा किया और किस तरह से प्रजातंत्र की हत्या की आप सभी अच्छी तरह से जानते हैं। यदि दे ा में और प्रदे ा में प्रजातंत्र कायम नहीं होता तो क्या चौधरी देवी लाल और वी0पी0 सिंह दे ा के उप प्रधान मंत्री और प्रधानमंत्री बन सकते थे? क्या मोरार जी भाई और चरण सिंह इस दे ा के प्रधानमंत्री बन सकते थे ? कांग्रेस पार्टी ने कभी भी ऐसी कोई बात नहीं की। यदि कांग्रेस पार्टी चाहती तो सब कुछ कर सकती थी क्योंकि उसके हाथ में ताकत थी लेकिन कांग्रेस पार्टी ने कभी ऐसा सोचा तक भी नहीं। जनता जिसको वोट देने का अधिकार है, वह जिसको चाहे अपना वोट दे कर गददी पर बैठा सकती है लेकिन लोगों को उनका वोट न डालने दिया जाए और गरीब लोगों को उनके घरों से न निकलने दिया जाए तो इससे बुरी बात और कोई नहीं हो सकती। अध्यक्ष महोदय, मेरे सामने जो लोग बैठे हैं इन्होंने दे ा में और प्रदे ा में ऐसा माहौल पेदा किया कि लोगों को वोट तक नहीं डालने दिया। लेकिन इस दे ा के और प्रदे ा के लोग बडे समझदार हैं जनता ने इनको सबक सिखा ही दिया। इन्साफ में देरी तो हो सकती है, समय तो लगता है, परमात्मा के घर में देर तो हो सकती है, अंधेर नहीं हो सकती, न्याय जरूर मिलता है। जनता ने इन लोगों को सबक तो सिखा

ही दिया। मैं हरियाणा प्रदे ा की जनता का आभार प्रकट करता हूं कि प्रदे ा की जनता ने बहुत भाानदार निर्णय किया है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जो समुद्र की तीन चुल्लु करते थे, जिसको ये मेरे सामने बैठे भाई अपना लीडर मानते हैं उस चौधरी देवी लाल को हरियाणा प्रदे ा की जनता ने असैम्बली का मुंह नहीं देखने दिया। अध्यक्ष महोदय, मैं यह बात भी दावे के साथ कह सकता हूं कि अगर चौधरी देवी लाल गांव में सरपंच का चुनाव लडें तो वह सरपंच का चुनाव भी नहीं जीत सकते। अगर वह सरपंच का चुनाव जीत जाए तो कहना भजन लाल क्या कह रहा है। चौधरी देवी लाल के गांव से हमारे सामने बहन सांगवान बैठी हैं, चुनाव जीत कर आई हैं। आप सभी जानते हैं कि जब अन्याय और जुल्म होता है तो उसका मुकाबला जनता करती है। इन लोगों ने प्रदे ा के अन्दर बहुत खराब वातावरण पैदा कर दिया था। मैं कहता हूं कि बडा आदमी बनने के बाद इन्सान को ठीक चलना चाहिए और अपने परिवार को अपनी मुटठी में रखना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, चोधरी देवी लाल कहा करते थे कि नेहरू फैमिली इस दे ा में अपने परिवार का भाासन बना करके घर का राज बनाना चाहती थी। अध्यक्ष़ा महोदय, मैं कहता हूं कि नेहरू परिवार की इस दे ा के लिए बहुत बडी कुर्बानियां हैं। इस दे ा का इतिहास आपके सामने है। मोती लाल नेहरू, जवाहर लाल नेहरू, इन्दिरा गांधी, संजय गांधी और राजीव गांधी इनके किसी के राज में इनके परिवार के किसी आदमी ने कोई दखल नहीं दिया लेकिन चौधरी देवी लाल जिनके बेटे, जिनके पोते और

पडपोते तक राज में इतना दखल दें जिसका कोई हिसाब नहीं और लोगों के साथ बहुत ज्यादतियां और जुल्म करें इससे बुरी बात और क्या हो सकती है। अध्यक्ष महोदय, आप जाकर देखें गुडगांव जिले में, आप जाकर देखें फरीदाबाद जिले में आप जाकर देखें खुद के जिले सिरसा में और आप जाकर देखें हिसार जिले में, सारे प्रदे ा मके लोगों के साथ उन लोगों ने बडे जुल्म और ज्यादतियां की हैं। इतनी ज्यादतियां और जुल्म किए हैं उसका अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। उन लोगों ने बहुत सारी जमीनों पर नाजायज कब्जे किए हैं। जो मु तरका मालिकान जमीन होती है उस पर सारे गांव के लोगों का हक होता है लेकिन चौधरी देवी लाल के परिवार ने प्रदे ा के अन्दर मु तरका मालिका की जमीन को पंचायत के नाम ट्रांसफर करवा करके और पंचायतों से प्रस्ताव पास करवा करके बहुत सस्ते दामों पर फर्जी बोली दिखा करके 15–15 और 20–20 हजार रूपए एकड के हिसाब से हजारों एकड जमीन अपने रि तेदारों के नाम और दूसरे लोगों के नाम बेनामी करवा करके 5–5 और 6–6 लाख रूपए एकड के हिसाब से बेच दी। ऐसा जुल्म और अन्याय आपको कहीं पर भी देखने को नहीं मिलेगा। यह नहीं प्रदे ा के अन्दर कोई मकान, कोई जगह, कोई जमीन ऐसी नहीं जिस पर उस परिवार ने नाजायज कब्जा न किया हो और एक जगह नहीं कई जगह पर तो उन्होंने स्कूलों और अस्पतालों पर भी नाजायज कब्जे कर लिए। यही नहीं यदि कोई भाई अपने मकारन को ताला बंद करके 15–20 दिन के लिए गांव से बाहर चला गया या भाहर से बाहर चला गया तो उसका

ताला तोड करके उसमें बैठ गए। इतना जुल्म और अन्याय इन लोगों ने प्रदे ा की जनता के साथ किया है। इन्होंने प्रदे ा के अन्दर किसी भी बहन बेटी की इज्जत सुरक्षित नहीं रखी। इनके समय में प्रदे ा के अन्दर किसी भी बहन बेटी की इज्जत सुरक्षित नहीं थी। प्रदे ा में कोई भी बहन बेटी दिन छिपने के बाद अपने घर से बाहर नहीं निकल सकती थी। इन्होंने इस तरह का माहौल पैदा किया हुआ था। इन लोगों ने ग्रीन ब्रिगेड के गुण्डों को बाकायदा कार्ड दिए हुए थे और उन गुण्डों को यह कह रखा था कि अगर कोई अफसर आपसे पूछे तो यह कार्ड दिखा देना। इन लोगों ने इस तरह का माहौल पैदा कर रखा था। हमने यह फैसला किया है और प्रदे ा के अन्दर हम कानून व्यवस्था ऐसी बनाने जा रहे हैं कि कोई भी बदमा ा आदमी किसी भी बहन बेटी की तरफ आंख उठा कर नहीं देख सकेगा। अगर कोई बहन बेटी रात के 12.00 बजे भी अपने घर से बाहर जाएगी तो कोई भी बदमार ा आदमी उसकी तरफ आंख उठा कर नहीं देख सकेगा। यदि कोई बदमा ा कुछ कहेगा तो उसकी जगह जेल में होगी उसकी जगह किसी भाहर में या गांव में नहीं होगी। ऐसे बदमा ा लोगों की अगर कहीं पर जगह है तो वह जेल मे है। अध्यक्ष महोदय, हम ऐसा इन्तजाम करेंगे ताकि हर बहन बेटी की इज्जत बने। हम ऐसा इन्तजाम करेंगे जिससे बहन बेटी की भाान बने। ये कहते हैं कि अब भी कोई गैंग बनी फिरती है। मैं कहता हूं कि दिन में तो लोग ग्रीन ब्रिगेड के लोगों को पहचान लेते हैं इसलिए वही लोग अब किसी और गैंग के नाम से बन गए हैं।

कहीं कच्छा गैंग बन गई है, कहीं कहते हैं कैंटर गैंग बन गई है। वही ग्रीन ब्रिगेड के लोग दूसरे लोगों को बदनाम करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। अध्यक्ष महोदय अब 15 दिन के अन्दर अन्दर हम उनका इलाज कर देंगे। यदि 15 दिन के बाद हरियाणा प्रदे ा के अन्दर कोई गैंग, कोई गुण्डा, कोई बदमा ा बदमा ाी करता हुआ मिल जाए तो कहना भजन लाल क्या कह रहा था। ऐसा इलाज कर देंगे कि पूरे प्रदे ा के अन्दर अमन हो जाएगा। हमारी पूरी कोि ा ा है कि हमारे प्रदे ा के अन्दर अमन और भाांति हो। यदि कोई सरकार किसी बहू बेटी की इज्जत सुरक्षित नहीं रख सकती तो वह कोईग सरकार नहीं है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी ओम प्रका ा चौटाला कहते थे कि वह मुख्य मंत्री क्या है जिसका नाम रात को यदि सोये हुए व्यक्ति के सपने में आ जाए और वह बहक करके और चमक चमक करके चारपाई से नीचे न पडे। उनकी यह बडी भारी बात है और बडा नाम कमाया चौटाला साहब ने। अध्यक्ष महोदय, प्रदे ा का मुख्य मंत्री वह होना चाहिए जिसका नाम याद आने पर आराम से नींद आ जाए और वह यह समझे कि तेरी जान माल को कोई खतरा नहीं है। तेरी इज्जत महफूज है। तेरे सामने कोई देखने वाला नहीं है। अध्यक्ष महोदय, आप सभी रोजाना अखबारों में पढते थे, रोजाना पब्लिक मीटिंग में चौटाला ने यह बात कहीं कि वह आदमी ही क्या जिसके नाम से हजारों चौंक न पडें। ऐसा मुख्यमंत्री होना चाहिए जिसके नाम से हजारों आदमी चौंक जाएं। क्या ऐसा राज ज्यादा दिन चलेगा ? अध्यक्ष महोदय, हम लोगों के चुने हुए सेवक हैं इसलिए हमारा यह कर्त्तव्य बनता

है कि हम लोगों की सेवा करें हमारा कर्त्तव्य यह नहीं है कि हम लोगों के साथ ज्यादती जुल्म और अन्याय करें और लोगों के साथ लूट खसूट करें। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि जब चौधरी सम्पत सिंह हाउस में बोल रहे थे तो कह रहे थे कि आप कोई सबूत बताएं। मैं कहता हूं कि अगर कोई एक सबूत हो तो बताएं, पूरे महाभारत की पोथी आपकी बनने वाली है। आपने जो कारनामे किए हैं उनकी महाभारत से भी बडी पोथी आप लोगों की बनेगी। हम किस किस का गुनाह बताएं ? यदि आपने प्रदे ा के अन्दर कोई एक गुनाह किया हो तो बताएं। इस प्रदे ा में सिपाही से छोटी नौकरी और क्या हो सकती है ? मेरे पास 20 लोगों के ऐफिडैविट आए हैं कि साहब पिछली सरकार ने हमारे से 30—30 हजार रूपए ले लिए और नौकरी लगाए नहीं मेहरबानी करके वह पैसे तो आप हमारे उल्टे दिलवा दें। मेरे पास ऐफिडैविट आए पडे हैं। मैं यह बात सच कह रहा हूं। हम आप लोगों को बताएंगे कि आप लोगों ने प्रदे ा की जनता के साथ क्या क्या बेइन्साफी की है। सिपाही की भर्ती हुई, क्लर्कों की भर्ती हुई, कंडक्टर्ज की भर्ती हुई सभी से पिछली सरकार ने पैसे लिए। केवल यही बात नहीं औफिसर्ज को भी आप लोगों ने प्रदे ा के अन्दर इतना जलील करके रख दिया जिसका कोई अंत नहीं है। आप लोगों ने प्रदे ा के अन्दर अपने हिसाब के औफिसर्ज लगा दिए और उन औफिसर्ज के जिम्मे यह लगा दिया कि आप लोगों ने इतने पैसे इकटठे करके हमें देने हैं। डी0सी0 को कह दिया कि पांच लाख रूपए महीने के इकटठे करके हमें देने हैं। कुछ डी0सीज0 के नाम लोगों

ने प्रौपर्टी डीलर रखे हुए थे जो जमीनों की लेन देन का काम करते थे। ऐसे कई डी0सी0 हैं जिन्होंने पंचायतों से प्रस्ताव पास करवाया और पंचायतों से प्रस्ताव पास करवा करके इन लोगों के नाम जमीन की बिक्री दिखा करके इन लोगों के नाम कर दी। ऐसे एक नहीं बल्कि कई डी0सी0 हैं, फरीदाबाद में था गुडगांव में था रोहतक में था। यहीं नहीं कुछ औफिसर्ज तो यह भी कहते थे कि चौधरी देवी लाल जी के चार बेटे हैं लेकिन पांचवां बेटा मैं हूं। कोई औफिसर्ज अपने आपको छटा बेटा बता देता और कोई औफिसर सातवां बेटा बता देता। अब हमें चौधरी देवी लाल जी से पूछना पडेगा कि उनके कितने बेटे हैं। हम तो मु कल में फंसे पडे हैं। कभी चौधरी देवी लाल कहते हैं कि यह ओम प्रका ा मेरा बेटा को नी। प्रताप सिंह हमारा भाई लागै है, गैलरी में बैठा है, यो कहते हैं मैं देवी लाल का बेटा नहीं। यदि मैं एक मिनट बाद में पैदा होता तो भाायद अमरीका में पैदा होता। (विघ्न) स्पीकर साहब, अगर इनके पैदा होने में एक मिनट का फर्क रह जाता तो पता नहीं ये कहां पैदा होते। खैर, मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि किस तरह से इन लोगों ने इस प्रदे ा को तथा प्र ाासन को बदनाम करने की को ि ा ा की। अध्यक्ष महोदय, जिस कर्मचारी या अधिकारी की जिम्मेदारी लगा दी जाए कि उसे 5 लाख रूपया इकटठा करना चाहिए तो क्या वह सिफ 5 लाख रूपये ही इकटठा करेगा ? वह तो 10 लाख रूपये इकटठे करेगा और 5 लाख रूपये के बारे में आगे बताएगा। सिर्फ यही नहीं सेल्ज टैक्स वालों का क्या, फूड सप्लाई वालों का क्या डी0सी0

और तहसीलदार क्या अलग अलग पदों के रेट थे और स्टे ान्ज बिकते थे। इस स्टे ान पर लगने के लिए इतने रूपए दो, कहीं तहसीलदार लगना है या एस0डी0एम0 लगना है तो इतना पैसा देना पडेगा। आपको कोई जगह ऐसी नहीं मिलेगी जहां क्र ान की बू न आती हो। पता नहीं कैसे ये लोग सीना तान कर बोलते हैं। इन लोगों को तो लज्जा आनी चाहिए कि इनका किरदार क्या रहा है और इस प्रदे ा के लोगों ने इन्हें क्या फतवा दिया है। जो इनके नेता थे वे आज कहां हैं? कहां है इनका ओम प्रका ा . ..... ? मैं इनसे यह पूछना चाहता हूं कि कहां है इनके चौधरी देवी लाल ? (विघ्न)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। जो सी0एम0 ने अभी बात कही है, यह अनपार्लियामैंटरी है।

Mr. Speaker: It is not in good taste. It should not be recorded.

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, मैं कोई गलत बात तो नहीं कह रहा हूं। जो सही बात है वही कह रहा हूं। स्पीकर सर, इन लोगों ने प्रदे ा में इस तरह का वातावरण बना दिया जैसे भाखडी में बान्दर चालै सै। इन्होंने ऐसा वातावरण प्रदे ा के अन्दर बनाया कि सारे प्रदे ा का सत्याना ा कर दिया। आज ये कहते हैं कि अफसरों की बदली कर दी। क्या हम ऐसे अफसरों की बदली नहीं करेंगे जिन्हें आपने इतना कर ान में डुबो दिया जिसका कोई अन्त नहीं है। ये अफसर क्या करेंगे ? अध्यक्ष

महोदय, जिले के सब अधिकारी करप्ट कर दिए। फरीदाबाद और गुडगांव इण्डस्ट्रियल एरियाज में जाते थे और कहते थे कि टर्न ओवर पर एक परसैंट हमें मिलना चाहिए। स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि बडी बडी फैक्टरीज की टर्न ओवर करोडों और अरबों रूपयों में होती है लेकिन इसमें घाटा भी हो सकता है। लेकिन इन्हें घाटे से कोई मतलब नीं इन्हें तो टर्न ओवर का एक परसैंट चाहिए। स्पीकर साहब, मेरी जानकारी में है कि एक आदमी बेचारा 10 लाख रूपये लेकर आया और कहा कि मेरे पास तो 10 लाख ही बने हैं तो उसे कहा गया कि यह 10 लाख तो यहां रख दे बाकी कल लेकर आना। उससे दस लाख रूपये भी वहीं रखवा लिए कि कहीं ये भी वापिस न ले जाए। मैं इस बात को साबित कर सकता हूं। उस आदमी ने मुझे खुद आकर बताया था। मुझे यह तो पता नहीं है कि वह आदमी बयान दे सकेगा या नहीं क्योंकि पता नहीं उसके पास पक्का अकाउंट है या नहीं, इस बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता लेकिन मैं यह बात औन ओथ कह रहा हूं। स्पीकर साहब, उस आदमी ने कहा साहब मैं गया और उसने कहा कि 50 लाख रूपये चाहिएं। मैं बडी मु कल से 10 लाख रूपये का प्रबन्ध कर पाया था। उन्होंने यह नहीं कहा कि ये 10 लाख रूपये वापिस ले जाओ। वह 10 लाख रूपये तो वहां रखवा लिए और कहा कि 40 लाख रूपये कल लेकर आना। उन्हें भाायद यह अन्दे ाा था कि कहीं 10 लाख रूपये ले जाए और फिर वापिस ही न आए। (विघ्न) स्पीकर सर, मैं इन्हें यह बताना चाहता हूं कि अगर मुझ में कोई कमी होती तो मैं दोबारा यहां नहीं आ

सकता था। 4 साल इनका राज रहा है लेकिन इन्हें हमे ाा यही डर लगा रहा कि अगर इनका कोई सियासी दु मन है तो वह चौधरी भजन लाल ही है। मेरे खिलाफ इन्हें जो नहीं करना चाहिए था वह भी कर के देख लिया जो कोई भी जांच करनी थी वह भी कर के देख ली। दरियापुर में 36 लोग उग्रवादियों द्वारा मौत के घाट उतार दिए गए। यह काण्ड इनका राज बनते ही हुआ था। श्रीमान चौधरी देवी लाल जी यहां पर खडे होकर क्या कहते हैं ? उन दिनों बनारसी दास गुप्ता जी डिप्टी चीफ मिनिस्टर हुआ करते थे, आजकल वे हमारी पार्टी में हैं। सच्चाई कहने में मुझे कोई ऐतराज नहीं है। उन्होंने यहां पर खडे होकर कहा कि यह चौधरी भजन लाल का काम है, इन 36 लोगों के मरवाने में चौधरी भजन लाल का हाथ है। श्रीमान सम्पत सिंह जी ने कहा कि जब हमें पता नहीं चला तो चौधरी भजन लाल को कैसे पता चला और वे सबसे पहले वहां पर कैसे पहुंचे। अरे भाई, मेरा वह जिला है, मेरा गांव है, मेरा घर है तो मुझे कैसे पता नहीं चलेगा ? स्पीकर साहब, मेर गांव का सरपंच बेचारा उस बस में था। फतेहाबाद से मेरे भाई के लडके का टेलीफोन आया कि महमूदपुर गांव का सरपंच उन 36 आदमियों में है जो मारे गए हैं। आप जानते हैं कि दरियापुर फतेहाबाद के पास है। केवल दस किलोमीटर दूर है। ज्यों ही कोई आदमी बस को चलाकर अस्पताल में लाया, सारा भाहर वहां इकटठा हो गया। मेरे पास साढे दस बजे या दस बजे रात को टेलीफान आया। मैंने राजीव गांधी को टेलीफोन किया और कहा कि ऐसा वाक्या हो गया है। छत्तीस आदमी मारे गए

और बहुत से जख्मी हो गए हैं। राजीव गांधी ने मुझे आदे ा दिया कि भजन लाल फौरन मौके पर जाओ। मैं वहां से साढे दस ग्यारह बजे चला और डेढ दो बजे के करीब फतेहाबाद पहुंचा। ये श्रीमान जी कहते हैं कि भजन लाल को कैसे पता लग गया। भजन ला ने उनको मरवाया है इसलिए वह पहुंच गया। स्पीकर साहब, क्या मरवाने वाला सबसे पहले कहीं पहुंचता है ? यह कोई कायदे की बात है ? स्पीकर साहब, आगे ये कहते हैं कि उनको छडियों, दे ाी रिवाल्वरों से मारा गया। मैंने कहा कि खुदा के वास्ते कुछ तो अकल की बात करो। कल को अगर वे असली मुलजिम पकडे जाएं, वे उग्रवादी पकडे जाएं तो उनकी कैद कौन करेगा। स्पीकर साहब, जब प्रदे ा का मुख्य मंत्री यह कहे और प्रदे ा का होम मिनिस्टर यह कहे कि दे ाी पिस्तौल और छडियों तथा लाठियों से लोग मारे गए थे तो क्या कोई मुलजिमों की कैद कर देगा ? इनकी अकल का तो ऐसा दिवाला निकला हुआ है।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हमने कभी यह नहीं कहा कि छडियों या कटटों (दे ाी पिस्तौल) से उनको मारा गया था। बाकायदा यह कहा गया था कि आधुनिक आर्म्ज इस्तेमाल किए गए थे। स्पीकर साहब, यह जो कुछ कह रहे हैं यह सच नहीं कह रहे हैं।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, यह सब कुछ हाउस के रिकार्ड पर है। मेरे पास कापी है उसकी। कोई कच्ची बात नहीं है। यह सदन है। सदन में जो कहूंगा बिल्कुल ईमानदारी से और

सच्चाई से कहूंगा। नहीं तो मेरे खिलाफ प्रिविलिज मो ान ला सकते हैं कोई दिक्कत नहीं है। स्पीकर साहब, मैं तो रिकार्ड की बात कह रहा हूं। दे ा और प्रदे ा की जनता को पता है। मेरे पास कापी हैं मैं उसको लाकर दिखा दूंगा। वह रिकार्ड में है। स्पीकर साहब, उस रिकार्ड को निकलवाकर देख लेंगे। यह आप लोगों की स्पीच है। स्पीकर साहब, इस तरह का वातावरण बनाने की कोि ा ा की कि कानून नाम की चीज इस प्रदे ा में कोई नहीं रही। रात को किसी की बहू, बहन और बेटी निकल नहीं सकती थी। फिर मण्डल कमी ान पर किस तरह का वातावरण सरकार ने बनाने की कोि ाश की और बसें जलाई गईं। राम बिलास भार्मा ने कल बिल्कुल ठीक कहा। कई इल्जाम उन्होंने सही लगाए। उन्होंने जो कुछ कहा वह ठीक कहा, कोई गलत नहीं कहा। स्पीकर साहब, एस0पी0, डी0सी0 को कहने लगा कि तेरे को पता नहीं कि मैं सरकार का आदमी सूं। वह कहने लगा कि सरकार का आदे ा यही है। स्पीकर साहब, बनारसी दास पर हमला हुआ। मैं मिलने गया, मेरी गाडी जला दी। स्पीकर साहब, मुझे कोई दुख नहीं आया क्योंकि यह काम सरकार करवा रही थी। कितनी बसें जलाई गईं, कितनी बिल्डिंग्ज जलाई गईं और कितने सरकार मकान जलाए गए कि गिनती नहीं की जा सकती। सरकारी प्रौपर्टी और दूसरे लोगों का बहुत नुकसान हुआ और जो नुक्सान हुआ वह आपके सामने है। जब रक्षक ही भक्षक हो जाए तो वह दे ा और प्रदे ा कैसे चलेगा ? स्पीकर साहब, इस तरह का वातावरण इन लोगों ने बनाकर खडा किया। इन लोगों ने इस

प्रदे ा का माहौल इतना बिगाडा कि कुछ कहा नहीं जा सकता। स्पीकर साहब, इस प्रदे ा का नाम सारे संसार में ऊंचा था। हरियाणा प्रदे ा की लोग मिसाल देते थे। इन्होंने इस प्रदे ा का नाम इतना बदनाम करके रख दिया जिसका कोई अन्त नहीं और इसका नतीजा इस प्रदे ा के लोगों ने इनको दे दिया। स्पीकर साहब, मैंने प्रैस में इनका बयान पढा। सम्पत सिंह कहते हैं कि नि ाान बदल दिया पता नहीं कि क्या हो गया। हलधर का नि ाान पता नहीं कुछ और हो गया। पता नहीं कि हमारा क्या हो गया क्या नहीं हो गया। इतने जीत कर ये गलती से आ गए। स्पीकर साहब, इनकी पार्टी में दस तो सिर्फ एक हजार वोट से कम से कम जीतकर आए हैं, केवल दस लोग (ाोर एवं व्यवधान) हमारे दो उम्मीदवारों में से एक बेचारा तो अठतीस वोट से हारा है और एक छियासट वोट से हारा है। (विघ्न) एक 77 से भी हारा है। मैं कहता हूं कि एक जिले में तो 180 से हारना बताया है। (ाोर एवं व्यवधान) इनके जो गलत कारनामें हैं वे हम जनता के सामने लाएंगे। हम लोगों की भलाई के काम करेंगे। आपकी तरह से लूट खसूट नहीं करेंगे। हम विकास के काम करेंगे और लोगों को बता देंगे कि इस सरकार ने बहुत अच्छे काम किए हैं। प्रदे ा के अन्दर हम लोग अमन और भाांति लाएंगे। स्पीकर साहब, हरियाणा प्रदे ा जो विकास में नम्बर एक पर था जिसकी लोग मिसाल देते थे उसको इन्होंने चार साल में दसवें नम्बर पर लाकर खडा कर दिया। (ाोर एवं व्यवधान) अगली बार तो तुम्हारे में से किसी की जमानत भी नहीं बचेगी। हम प्रदे ा के अन्दर विकास

का काम करके दिखाएंगे और लोगों को बता देंगे कि सरकार ने बहुत भाानदार काम किया है। चार सालों में कोई विकास का काम किया आपने ? कहीं पर कोई तरक्की की ? इस प्रदे ा के हर गांव को पक्की सडकों से मैंने मिलाया था। चौधरी बंसी लाल जी ने हर गांव को बिजली से जोडा था लेकिन आज बिजली की क्या हालत है, सबको पता हैं आज ये लोग कहते हैं कि बिजली चौधरी देवी लाल के राज में ही मिली। इस तरह का गलत प्रचार ये लोग करते हैं। क्या यह बिजली आपकी पैदा की हुई है। मैं इनको यह बताना चाहता हूं कि बिजली पैदा करने के लिये साढे पांच साल से सात साल का समय लगता है। एक थर्मल प्लांट की आधारि ाला आज हम रखेंगे तो साढे पांच साल से पहले यदि कोई बिजली पैदा करके दिखा दे तो मैं इस्तीफा दे करके घर चला जाऊंगा। जो बिजली आज मिल रही है, जो आपके राज में मिल रही थी वह सारी की सारी बिजली चौधरी भजन लाल की ही देन है। क्यों देन है, क्योंकि हमने पानीपत में 220 मैगावाट का थर्मल प्लांट चालू किया, यमुनानगर में हाईडल प्रोजैक्ट, जिससे 1200 मैगावाट बिजली पैदा होनी थी, की आधारि ाला रखी थी। उनमें से किसी को एक साल में, किसी को 6 महीने में और किसी को डेढ साल में पूरा होना था। हुआ क्या कि उस समय हमको जाना पड गया और इन महानुभावों को आना पड गया। उस समय सारे थर्मल प्लांट चालू हो गये और इनका नाम हो गया। स्पीकर साहब, गंगा ने आना था, नाम भागीरथ का हो गया। लेकिन मैं इन्हें यह कहता हूं कि ये गीता पर हाथ रखकर कह दें कि इन

थर्मल प्लांटस की आधारि ाला रख कर चौधरी देवी लाल ने इस प्रदे ा को बिजली दी है तो आपका जूता और सिर मेरा। (विघ्न) श्रीमान जी बिजली साढे पांच साल से पहले बन ही नहीं सकती। चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी के पास यह विभाग रहा है वे बता दें कि एक थर्मल प्लांट को बनने में कितना समय लगता है ? अगर एक थर्मल प्लांट पर दिन रात भी काम चले तो भी वह थर्मल प्लांट साढे पांच साल से पहले चालू नहीं हो सकता। स्पीकर साहब, इनका राज पूरे चार साल भी नहीं रहा। क्या यह बिजली इन्होंने चालू की है ? यह बिजली तो हमारी देन है।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, वैसे यह सारे प्रोजैक्ट मेरे ही बनाये हुए हैं। ये धक्के से क्रैडिट ले रहे हैं। (हंसी)

श्री भजन लालः चलो आपने ही बनाये। हम मान लेते हैं पर इन्होंने तो नहीं बनाये यह तो कह दो खडे होकर। (हंसी)

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर सर, यह फैसला तो ये दोनों ही करेंगे कि किस ने बनाये किसने नहीं बनाये लेकिन अब भी ये बनाएंगे और चलाएंगे हम।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, आप भी जानते हैं कि साढे सात साल मैं मुख्यमंत्री रहा और बंसी लाल जी आपके जमाने में एक या दो चालू हुए होंगे बाकी तो मैंने ही चालू किये हैं।

श्री बंसी लालः स्पीकर सर, कंसैप ान आफ प्रोजैक्टस सारे के सारे मेरे ही चालू किये हुए हैं।

श्री भजन लालः यह हरियाणा भी आपने ही बनवाया था, यह भी कह दो।

श्री बंसी लालः यह बात भी आपकी सही है कि मैंने ही बनवाया क्योंकि उस कमेटी के 20 सदस्य थे जिसके चेयरमैन सरदार हुकम सिंह जी थे और उन 20 सदस्यों में से एक मैं भी था। यह बात भी सही है कि हरियाणा बनाने में मैं 20 आदमियों में से एक था।

श्री भजन लालः मैं तो यह भी कहता हूं कि ताजमहल भी आपने ही बनावाया। (हंसी) चौधरी बंसी लाल जी मेरा तो कहने का मतलब यह था कि इन्होंने नहीं बनवाये या मैंने बनवाये या आपने बनवाये थे। ये कांग्रेस ने बनवाए थे। आपने बनवाये या मैंने बनवाए। आपने बनवाये तो भी कांग्रेस ने बनवाए और मैंने बनवाए तो भी कांग्रेस ने बनवाए।

(श्री राम बिलास भार्मा की ओर से विघ्न)

श्री भजन लालः आपने भी इनका दो साल साथ देकर इस प्रदे ा का बडा ना ा किया और आपने भी दो साल मौज कर ली।

श्री वीरेन्द्र सिंहः 1979 में आप 37 लोगों को तो ले गए और इनको छोड गए।

श्री भजन लालः ये भी हमारे साथ थे, इनका आ ीर्वाद हमारे साथ था। आज डा0 मंगल सैन जी नहीं हैं, मैंने तो उनसे कह दिया था कि अब हमारा असली घर कांग्रेस है। हम कांग्रेस में जाएंगे और आपको भी चलना हो तो स्वागत के साथ लेकर चलता हूं। यह बात मैं ईमानदारी से कहता हूं।

श्री वीरेन्द्र सिंहः उन्होंने तो हाउस में कहा था कि मुझे सी0एम0 सूट में बिठा गए और खुद राजीव गांधी के पास चले गए।

श्री भजन लालः नहीं, मैं कह कर गया था। मैंने उनको कहा था कि हम राजीव गांधी जी के पास जा रहे हैं, अगर आपको चलना हो तो चलिए। सुबह वे मेरे पास थे, मैं ईमानदारी से कहता हूं और औन ओथ कहता हूं कि यह गलत बात नहीं है। हमने किसी से कोई धोखा नहीं किया। अध्यक्ष महोदय, एक बात यहां सुबह सम्पत सिंह जी ने कही कि हमारे साथ बहुत धोखा किया, हमारी थाली में छेद करके मुख्य मंत्री बन गए। क्या हमने थाली में छेद किया था ? हमने देवी लाल जी को चैलेंज किया था कि चौधरी देवी लाल जी आपके बेटे राज चला रहे हैं यह बात हम बर्दा त नहीं कर सकते। इस राज में चूंकि बडी ज्यादती और जुल्म लोगों के साथ हो रहा है। इसलिए हम आपके साथ भागीदार नहीं रह सकते। बाकायदा चार मन्त्रियों ने मेरे साथ इस्तीफा दिया जिनमें भोर सिंह जी भी थे जो आज भी इस सदन में मैम्बर हैं। हमने चौधरी देवी लाल को चैलेंज किया कि तीस

दिन के अन्दर अन्दर आपकी सरकार बदलेंगे। हमने तीस दिन नहीं होने दिए बल्कि 29वें दिन इनका बिस्तरा गोल करके घर भेज दिया। ऐसा नहीं कि हम कोई फर्जी बात कर रहे हों, हम चैलेंज देकर लडे और साथ ही सभी एम0एल0एज0 ने भारत द र्शन कर लिया। क्या बुरी बात है जिसने कोई जगह नहीं देखी थी वह देख ली। मेरे कहने का मतलब है कि हमने चैलेंज करके उनको गददी से उतारा। ये श्रीमान जी लैक्चर दे रहे थे उस समय बरवाला में और चारपाई पर बैठ कर हुक्का पी रहे थे। (हंसी) तो मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि हमने धोखा नहीं दिया बाकायदा ज्यादती और जुल्म के खिलाफ पूरी बगावत करके चैलेंज दे करके बाद में मैं मुख्य मंत्री बना। लेकिन जिस तरह का वातावरण इस प्रदे ा में बना है उस वातावरण को हमने ठीक करना है और ठीक करने के लिए आप सबके सहयोग की आव यकता है। हम आपसे कोई फर्जी बात नहीं करते, अगर सरकार में कोई कमी है तो आप हमें जोर से क्रिटिसाइज करें हमें उस बात की खु ाी होगी। लेकिन सही बात को तो कम से कम सही बात कह कर हमारा साथ दें ताकि हम सब मिल कर इस प्रदे ा का जो बुरा माहौल उन्होंने बना दिया था चाहे वह प्रजातन्त्र का माहौल है, चाहे प्रदे ा में क्रप ान की बात है, चाहे प्रदे ा में भाई भतीजावाद की बात है और चाहे प्रदे ा में लोगों की जमीन हडप करने की बात है, उसको ठीक कर सकें। हमने फैसला किया है कि तीस दिन के अन्दर अन्दर इस प्रदे ा में जो नाजायज कब्जे हें, जो बदमा ा लोगों ने किए हैं उनको खाली करवा कर दिखाएंगे।

स्पीकर साहब, बहुत से महानुभावों ने यहां पर चर्चाएं की। मैं उन चर्चाओं के विशय के बारे में तफसील से आपको बताना चाहूंगा जरा मेहरबानी करके सुनने की कृपा करें।

एक आवाजः भोंडसी फार्म वाली बात भी बता दें।

श्री भजन लालः वह तो आप अपने नेता से पूछना। आप चौधरी देवी लाल और ओम प्रका ा चौटाला या सम्पत सिंह से पूछ लेना वे बताएंग आपको। जहां तक हमारे जमीन देने का ताल्लुक है मैंने उनको भ्ारू में 25–26 एकड जमीन दी थी। वे एक आश्रम बनाने जा रहे थे। संस्था के लिए कोई ऐसे महानुभाव जमीन मांगे जो दे ा में जनता पार्टी के अध्यक्ष भी रहे हों और एम0पी0 भी रहे हों तो कैसे इन्कार किया जा सकता है। वे बहुत अच्छे इन्सान हैं देवी लाल की तरह से घटिया नहीं हैं और न वे ओम प्रका ा चौटाला की तरह घटिया हैं। मैं उनकी इस बात के लिए तारीफ करता हूं कि उनमें कुछ सिद्धांत हैं, इखलाक हैं। उन्होंने अपनी मां के नाम से आश्रम बनाने के लिए जमीन मांगी थी। मां के नाम से कोई आश्रम बनाए, संस्था के लिए बनाए, और मुख्य मंत्री उसको जगह न दे तो यह अच्छी बात नहीं है।

श्रीमती चन्द्रावतीः औन ए प्वांयट आफ और्डर। स्पीकर साहब, मुख्य मंत्री जी इस बात पर प्रका ा डालें कि क्या वहां पर बी0एस0सफ0 की बैरैक्स नहीं थीं और वहां आना जाना भी बी0एस0एफ0 की बैरैक्स के अन्दर से होता है। उस वक्त यह ध्यान

रखा जाना चाहिए था कि बी0एस0एफ0 की बैरैक्स के अन्दर से ट्रैस पार्सिंग न हो। आज सारे बी0एस0एफ0 के अन्दर से ट्रैस पार्सिंग ही नहीं हुई है बल्कि जंगलात की जमीन कुछ तो भोंडसी फार्म ने और कुछ एक वहां कंसल है या क्या नाम है उन्होंने भी उसको दबाया है। इस बात की आप इन्क्वायरी करवाएं। (विघ्न) किसके राज में जमीन दबाई है वह बात दूसरी है, पर दबाई है, इसकी मुख्य मंत्री जी इन्क्वायरी जरूर करवाएं।

श्री भजन लालः मेरे राज में तो कोई जमीन दबी नहीं इनके राज में दबी हो तो मुझे कुछ पता नहीं लेकिन जहां तक मैं समझता हूं बी0एस0एफ0 का दूसरा रास्ता है और उनका दूसरा रास्ता है।

श्रीमती चन्द्रावतीः लेकिन अब तो मैं भी कई सालों से उनसे मिलने जुलने के लिए जाती रही हूं। बी0एस0एफ0 के अन्दर से ही रास्ता जाता है। प्रधान मंत्री बनने के बाद भाायद उन्होंने दुरूपयोग किया हो। मैं चाहती हूं कि बी0एस0एफ0 के अन्दर से उस फार्म तक रास्ता नहीं जाना चाहिए।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इस बात को हम जरूर देख लेंगे अगर बी0एस0एफ0 को कोई आपत्ति होगी तो हम उसको ठीक कर सकते हैं। और यदि चन्द्र ोखर जी को कोई आपत्ति होगी तो उसको भी ठीक कर सकते हैं। बी0एस0एफ0 को इतने साल में जब कोई रूकावट नहीं आई तो मैं समझता हूं कि

आगे भी नहीं आनी चाहिए। अगर फिर भी कोई ऐसी बात है तो उसको दिखा लेंगे।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर कई मुददे उठे। सबसे पहले मैं महम के बारे में जिकर करना चाहता हूं। जिन अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज हैं उनको सस्पैंड किया है। सस्पैंड ही नहीं उनके खिलाफ कानूनी कार्यवाही भाुरू की है। चाहे वह भिवानी का इलैक ान कांड है, चाहे वह मेहम का कांड है, जिन अधिकारियों के खिलाफ किसी दफा के तहत केस दर्ज हुआ है, सबके खिलाफ पूरी जांच करके कानूनी कार्यवाही की जायेगी, उन सबके खिलाफ कानून के मुताबिक कार्यवाही होगी। किसी को माफ करने का कोई सवाल ही नहीं। जहां तक सरकारी अधिकारियों के खिलाफ कार्यवाही करने की बात है वह तो करेंगे ही लेकिन सियासी आदमियों को यदि छोड देंगे तो यह बात कोई अच्छी बात नहीं होगी। अध्यक्ष महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूं कि किन किन के खिलाफ एफ0आई0आर0 दर्ज हैं। ये एफ0आई0आर0 हमारे समय की नहीं, इनके समय की हैं। भिवानी में एफ0आई0आर0 दर्ज हुई, डी0आई0जी0 खान के खिलाफ। मुकदमा नं0 147 दिनांक 22–11–89 – 307 आई0पी0सी0। इसमें धर्मवीर के खिलाफ भी है। लाला के खिलाफ भी है। एस0ए0 खान के खिलाफ भी है। (विघ्न) दूसरा मुकदमा नं0 492 है। यह दिनांक 22–11–89 का है। इसमें धर्मवीर है, उसका भाई राजवीर है और डी0आई0जी0 खान है। एक मुकदमा नं0 493 है। दिनांक 22–11–89 का 302 का है।

यह धारा 148, 149 का है। इसमें चौधरी बंसी लाल जी और सुरेन्द्र सिंह जी हैं। मुकदमा नं0 108–48 दिनांक 12–11–89। इसमें चौधरी बंसी लाल जी, महेन्द्र सिंह और सुरेन्द्र सिंह जी का नाम हैं। इसके अलावा मेहम कांड में मुकदमा नं0 75 दिनांक 1–3–90 है धारा 436, 342, 148, 149 और 427 आई0पी0सी0। इसमें दोशी हैं महेन्द्र सिंह लाठर, सम्पत सिंह, जयप्रका ा और श्री सुखदेव राज डी0एस0पी0। जिनके नाम एफ0आई0आर0 में दर्ज हैं। ये एफ0आई0आर0 उस समय की है जब ये गृह मंत्री थे। मेरे टाईम की नहीं है। फिर मुकदमा नं0 76 दिनांक 3–1–90 है जो जेरे दफा 302, 307, 149 और 148 है। इसमें अभय सिंह पुत्र ओम प्रका ा चौटाला, भाम ोर सिंह, डी0आई0जी0, सुखदेव राज डी0एस0पी0। मुकदमा नं0 164 दिनांक 8–7–90 जेरे दफा 302, 307 और 120बी के तहत है। इसमें ओम प्रका ा चौटाला, वाई0एस0नकई, करतार सिंह तोमर, जिले सिंह, बीर सिंह डी0एस0पी0 और ओम प्रका ा इन्सपैक्टर तथा प्रेम सिंह सब इन्सपैक्टर हैं। अध्यक्ष महोदय, इन लोगों के खिलाफ मुकदमें दर्ज हैं। अध्यक्ष महोदय, हम सरकारी औफिसर को तो एक मिनट में सस्पैंड कर दें और उनके खिलाफ कार्यवाही कर दें और सियासी आदमियों को यदि छोड दें क्योंकि वह सियासी आदमी हैं तो ठीक नहीं है। जहां तक कानून इजाजत देगा हम उनके खिलाफ भी कार्यवाही करेंगे और बदले की भावना से कोई काम नहीं करेंगे लेकिन जो लोग कानून की गिरफत में आएंगे चाहे वह कितना ही बडा व्यक्ति हो उसको माफ करने का सवाल ही पैदा नहीं होता।

राजस्व मंत्री (श्री बीरेन्द्र सिंह): स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि 22 तारीख को जो मुकदमा दर्ज हुआ है वहां पर ग्रीन ब्रिगेड वालों की गोलियों से लोग मरे थे और घायल हुए थे। वह भी इन मुकदमों के साथ भाामिल करने की कृपा करें। उसमें सम्पत सिंह, जयप्रका ा और श्री तोमर भाामिल हैं। पुलिस ने हमारी रिपिटिड रिक्वैस्ट के बाद भी वहां के एस0पी0, श्री तोमर ने इन सबके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने से इंकार कर दिया था और उल्टा मेरे खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

श्री भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, चौधरी बीरेन्द्र सिंह जी ने जो बात कही है इस बारे में मैंने सुना तो है क्योंकि हिसार मेरा अपना जिला है। वहां पर गोलियां चलने से आदमी मारे गए। उसके बारे में भी हम जरूर दुबारा जांच करवाएंगे और जो भी दोशी होगा उसके खिलाफ पूरी कार्यवाही सरकार करेगी।

अध्यक्ष महोदय, यहां पर सुप्रिया कांड का भी जिक्र आया है। यह एक ऐसा कांड है जो इंसान का दिल दहलाता है। एक पुत्रवधु की जबकि स्टेट के चीफ मिनिस्टर चौधरी देवी लाल खुद हों और वे मौके पर भी हाजिर हों यदि हत्या हो जाये तो उसके बारे में क्या कहा जा सकता है ? मैं आपको बताता हूं कि जब चौधरी देवी लाल जी अबूब भाहर में काला तीतर में ठहरे हुए थे तो उनको इस घटना की जानकारी दी गई। जहां पर वे ठहरे हुए थे वहीं पर उनको बताया गया कि आपके पोते ने आपकी बहू

को मार दिया है तो वहां से चौधरी देवी लाल जी काफी गुस्से में चले और जब वे कार से उतरे तो 20 आदमी मौके पर खडे थे और कहने लगे कि कडै है वह हरामजादा अभय सिंह, उसने हमारी बहू ने मार दियो बोल्यो (जिसने अपनी बहु को मार दिया है)। उस समय उनको पकड कर दूसरे आदमी अन्दर ले गए कि बाहर आदमी सुन रहे हैं, घर का मामला है, मु कल हो जाएगी इसको पर्दे में रखो। फिर लोग अन्दर गए और जिन लोगों ने वहां देखा उन्होंने कहा कि साहब एक नहीं तीन तीन गोलियां चली हैं। एक गोली भी ो में लगी है दूसरी गोली कुछ उसको लगी और कुछ चारपाई में लगी। तीसरी गोली उसको लगी। फिर कहते हैं कि खुदक ी कर ली। मरने वाला कभी भी 3–3 गोलियां नहीं चला सकता। एक गोली माथे में मारेगा और उसके साथ ही उसका काम पूरा हो जायेगा। वहां पर तीन तीन गोलियां चली हैं और फिर कहते हैं कि पोस्ट मार्टम हमने करवाया है। उसके मां बाप को रात के तीन बजे लाया गया और फिर सुबह 7.00 बजे ही दाह संस्कार कर दिया। उसका पोस्ट मौर्टम कतई नहीं हुआ। मैं उसी के जनदीक इलाके का रहने वाला हूं। मेरी सैकडों रि तेदारी उस इलाके में है। जगदी ा नेहरा जी वहां से आते हैं। एक मेरे भाई लछमन दास अरोडा जी भी वहां के रहने वाले हैं पोस्ट मौर्टम हुआ नहीं। हम इनसे पूछना चाहते हैं कि क्या उस केस में कुछ हुआ। मैं बताना चाहूंगा कि खुदक ी अगर कोई करता है तो उसके खिलाफ भी एफ0आई0आर0 दर्ज की जाती है और जांच की जाती है कि किन हालात में खुदक ी हुई है और

इसमें कौन दोशी है। ये उसकी जांच करवाते और बताते कि उसका कोई दोश था या नहीं। जब किसी का दोश नहीं पाया जाता तो एफ0आई0आर0 कैंसिल भी हो सकती है। एफ0आई0आर0 भी दर्ज न करें और पोस्टमौर्टम भी न करें और फिर बूढे मां बाप को बुला करके और उनको डरा धमका करके अपनी बात मनवा लें। अभय सिंह का ससुर जो 80 साल का है, वह क्या करता ? उसने कहा कि कोई बात नहीं जो परमात्मा की होनी थी वह हो गई। वह देहाती आदमी है उसने कहा कि ठीक है। फिर इन्होंने कहा कि हमारी इज्जत बचाने के लिए अपनी दूसरी बेटी भी दे, नहीं तो लोग कहेंगे कि जरूर मार दी ? दूसरी बेटी के साथ भी इन्होंने रि ता कर लिया। लडकी की मां अभी तक कहती है कि मेरी बेटी पर बडा जुल्म हुआ है। एक आदमी के पास इसका टेप है। मैं दावे के साथ तो इस सदन में नहीं कह सकता। उस आदमी ने मुझे बताया कि उसने इसे टेप करने की कोि ा ा की। अभय सिंह की सास ने कहा कि मैं तो इस घर में डांगर भी कोना बैचूं। यह हमारी मारवाडी भाशा है। इसका मतलब यह है कि मैं तो इसके घर में प ाु भी नहीं बेचूं बेटी देने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता। इस घर में तो मेरी बेटी की इस तरह से हत्या हुई है। स्पीकर सर, अगर ये बेईमान नहीं थे या बिल्कुल दूध के धोये थे तो इन्हौंने जांच क्यों नहीं करवाई। इनका फर्ज बनता था कि सी0बी0आई0 से जांच करवाते। इन्हें अहसास होना चाहिए था कि ''मैं प्रदे ा का चीफ मिनिस्टर हूं, कल को लोग मेरे ऊपर उंगली उठाएंगे इसलिए इसकी जांच सी0बी0आई0 से

करवाई जाए।'' मेरे खिलाफ लोगों ने मेंमोरेन्डम दिया। मैंने खुद प्रधान मंत्री जी से कहा कि मेरे खिलाफ कमी ान बिठाईये ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए नहीं तो लोग भाोर मचाते रहेंगे। मैंने खुद कह कर कमी ान बिठवाया था और कमी ान ने मुझे निर्दोश ठहराया। अगर इनमें हिम्मत थी तो ये कमी ान बिठाते तथा इस बात को लोगों में साबित करके दिखाते कि चौधरी देवी लाल बिल्कुल बेकसूर हैं और हम भी मान जाते। कमी ान न बिठाते, सी0बी0आई0 से ही इन्कवायरी करवा लेते फिर भी हम इन्हें निर्दोश मान लेते। इनके खिलाफ करप ान के और कई दूसरे सीरियस चार्जिज हैं क्या इन्होंने कहा है कि ''मेरे खिलाफ कमी ान बिठाईये।'' अगर आज भी ये कमी ान बिठाना मान लें तो फिर भी हम मान लेंगे कि ये बडे ईमानदार हैं। स्पीकर साहब, हम साबित करके दिखाएंगे इन्होंने अपने 4 साल के भाासन में किस तरह से और किस प्रकार के अन्याय और जुल्म लोगों के साथ किये हैं और किस तरीके से इन्होंने नाजायज सम्पत्ति बनाई है। सारे प्रदे ा के लोग जानते हैं कि किस तरह का माहौल और किस तरह के हालात इन लोगों ने प्रदे ा में पैदा किये। अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ किस तरह से इन के छोटे बेटे जगदी ा ने खेत में रहने वाले एक गरीब आदमी की बीबी के साथ बलात्कार किया। इस बात को सारा दे ा जानता है। अध्यक्ष महोदय, इस समय सारा सदन बैठा हुआ है, जगदी ा के बारे में पता करवा लें कि वह 24 घण्टे भाराब के न ो में रहता है। रात को पीकर सोता है और सवेरे बची हुई बोतल से ना ता करता

है। यह बात मैं आप को औन औथ कहता हूं क्योंकि वह मेरे पडौस में रहता है। सवेरे ना ता भाराब से करता है, फिर दोपहर को पी लेता है और भााम से फिर पीना भुरू हो जाता है। उसने उस गरीब औरत के साथ बलात्कार किया, उनको घर से नहीं निकलने दिया और फिर पुलिस वहां बैठी रही। बडी मु कल से रात को छुप कर वह वहां से निकला और जगदी ा नेहरा उसको साथ लेकर मेरे पास दिल्ली आए। उस गरीब आदमी ने मुझे बताया कि उसके साथ यह बुरा हाल हुआ है। हम लोग राश्ट्रपति से मिले। राश्ट्रपति जी को हमने पूरा ज्ञापन बना कर भी दिया। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि राश्ट्रपति की कितनी मर्यादा होती है और कहां तक वह किसी मामले में कार्यवाही कर सकते हैं। उन्होंने मामला नीचे गवर्नमैंट को भेजा और गवर्नमैंट ने उठा कर उसे ठण्डे बस्ते में डाल दिया या फाड कर फैंक दिया होगा।

अध्यक्ष महोदय, सिरसा जिला चौधरी देवी लाल का खुद का जिला है लेकिन सिरसा के कितने ही पत्रकारों के खिलाफ झूठे मुकदमें दर्ज किए गए और अनेक पत्रकारों को जेल में डाल दिया गया। ये इन लोगों के कारनामें हैं जो कहा करते थे "सारे पत्रकारों ने ही दे ा आजाद करायो है" आज ये कैसी भाशा का इस्तेमाल करते हैं। पत्रकारों का तो सम्मान होना चाहिए लेकिन इन लोगों ने पत्रकारों का यह सम्मान किया कि उनके खिलाफ झूठे मुकदमें बना कर उन्हें जेलों में बन्द किया।

अध्यक्ष महोदय, पुलिस भर्ती की बात भी आई। पुलिस के बारे में एक बात चौधरी बंसी लाल जी ने कही कि पुलिस की ऐसोसिये ान होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं सर्टिफिके ान आफ राईटस ऐक्ट, 1966 के अधीन पुलिस यूनियन के गठन पर पाबन्दी लगी हुई है। अध्यक्ष महोदय, हमारी पुलिस बहुत बहादुर है और उनके कारनामें बहुत अच्छे हैं। सिपाही से लेकर ऊपर तक हम उनको बडा भारी सम्मान करते हैं। अध्यक्ष महोदय, पुलिस और फौज दो ऐसे महकमें हैं जहां अगर यूनियन बनाने की प्रथा चल पडी तो मुल्क में अमन नहीं रह सकेगा और बडी मु ि कल खडी हो जाएगी। हमें जितने भी पुलिस के कर्मचारी या अधिकारी हैं उन सबसे पूरी हमदर्दी है। अगर उनकी कोई ऐनोमली है चाहे वह वेतन में है, चाहे प्रमो ान में है या और किसी किस्म की ज्यादती है तो हम उसको ठीक करेंगे और पुलिस कर्मचारियों को कोई गिला नहीं रहने देंगे कि उनके साथ कोई अन्याय हो गया है। अध्यक्ष महोदय, इस मामले पर हम चाहेंगे कि बहुत गहराई से विचार करना होगा। पुलिस और फौज का मामला दूसरे तरीके का है। हम इस पर जरूर गौर करेंगे और जो ठीक बात होगी वह करेंगे। इसलिए मेरा आपसे निवेदन है और खासतौर से इस हाउस के सभी महानुभावों से कि फौज और पुलिस के मामले में हमें स्वायतता की बात नहीं करनी चाहिये ताकि वातावरण और अमन में कोई बाधा बडे। ऐसा माहौल हमें नहीं बनाना चाहिये।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, फौज का तो हमें न अधिकार है और न वह स्टेट के मातहत है। पुलिस की ऐसोसिए ान की बात मैंने कही है। इस सम्बन्ध में श्री धर्मवीर, जो इस प्रदे ा के गवर्नर रह चुके हैं, रिटायर्ड आई0सी0एस0 हैं, गवर्नमैंट आफ इंडिया में कैबिनेट सैकेट्ररी रह चुके हैं, की चेयरमैनि ाप में गवर्नमैंट आफ इंडिया ने एक कमी ान बनाया था और उस कमी ान ने यह सिफारि ा की थी कि पुलिस को ऐसोसिए ान बनाने की इजाजत दी जाए और चौदह प्रदे ाों ने ऐसोसिए ान बनाने की इजाजत दे रखी है। भजन लाल जी इस चीज की जांच कर लें।

श्री भजन लालः चौधरी साहब, मैंने कहा है कि इसको देख लेंगे। मैंने कोई आउट राइट इसको रिजैक्ट नहीं किया। लेकिन इस मामले में बहुत गहराई से विचार करने की जरूरत है क्योंकि यह मामला बडा सैंसटिव है। एक मिनट में कोई बात ऐसी कह देंगे तो बडी मुि कल हो जाएगी हमारे लिए। चाहे फौज हमारे अण्डर न हो लेकिन यह बात सारे मुल्क की है। जब मुल्क में पुलिस की ऐसोसिए ान बना देंगे तो क्या फौज आपसे ऐसोसिए ान बनाने की मांग नहीं करेगी ? स्पीकर साहब, इस मामले में बहुत सोचने की जरूरत है।

श्री बंसी लालः फौज नहीं मांगेगी।

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, फौज क्यों नहीं मांग करेगी ? उनको भी अधिकार है। उनको भी राइट है। स्पीकर साहब, आज आप एक महकमें में ऐसोसिए ान बना दो .....

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं रक्षा मंत्री भी रहा हूं। फौज के कायदे कानून दूसरे हैं और पुलिस के कायदे कानून दूसरे हैं।

श्री भजन लालः पुलिस के कायदे कानून की बात मैंने आपको बता दी। 1966 का ऐक्ट बना हुआ है। उसके मुताबिक ऐसोसिए ान नहीं बनाई जा सकती। चौधरी साहब, आप काफी अर्से मुख्यमंत्री भी रहे हैं, सैंटर में मंत्री भी रहे हैं। आपकी इज्जत है, सम्मान है लेकिन हमें वही बात करनी चाहिए और वही कहना चाहिए जिससे वातावरण और अमन में कोई गडबड न हो। अमन का सवाल है और कोई बात नहीं है।

स्पीकर साहब, एक बात चौधरी बंसी लाल जी ने यह कही कि हिसार में लोडिड ट्रकों की हवा निकाल दी और उनके नम्बर भी दिए हैं। स्पीकर साहब, इस बारे में मैं क्लीयर कहना चाहता हूं कि प्रदे ा में कुछ फैक्टरीज के मालिक हैं। उन्होंने सेल्ज टैक्स की चोरी करने के लिए प्राईवेट ट्रक ले रखे हैं। कुछ ट्रैक्स ऐसे हैं जो इनके खुद के नहीं हैं और उनके बारे में कहते हैं कि ये हमारे ऐसोि ाएट ट्रक हैं। हमारे साथ जुडे हुए ये ट्रक हैं। ट्रक यूनियन से ट्रक नहीं निकलवाते। सीधे फैक्टरी से माल

लादा और दिल्ली ले गए। रिकार्ड में उनको दिखाओ या न दिखाओ। हम ऐसे ट्रकों को बिल्कुल नहीं जाने देंगे। सैल्ज टैक्स की चोरी को बचाना है जिससे कि प्रदे ा की जो इनकम है उसको नुकसान न हो। टैक्स का सवाल है उसमें हेराफेरी करने की किसी आदमी को इजाजत नहीं देंगे।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, मैं कहता हूं कि टैक्स की चोरी करने की बिल्कुल किसी करे इजाजत न दी जाए मगर क्या मुख्य मंत्री ने हिसार की ट्रक ऐसोसिए ान को अधिकार दे रखा है कि टैक्स की चोरी वे बताएं और क्या ट्रक ऐसोसिए ान कानून के तहत किसी को मजबूर कर सकती है कि कोई व्यक्ति ट्रक लाद नहीं सकता ?

श्री भजन लालः चौधरी साहब, आप जानते हैं कि कानून नहीं होता है। ट्रक यूनियन बनी होती है। हर भाहर में और हर जगह पर और वह यूनियन क्या है .....

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, फिर तो वह भजन लाल की ब्रिगेड हो गई।

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, यूनियन में सब को नम्बर दिखाना पडता है और बारी से जिसका नम्बर आ जाए वह ट्रक लोड करता है। स्पीकर साहब, इसमें भाई चारे की बात है। इसमें क्या है कि जब कोई ट्रक जाता है तो बाकायदा बिल्टी कटती है जिसको टी0आर0 कहते हैं यानि ट्रक रिसीट और उस

ट्रक रिसीट को बाकायदा सैल्ज टैक्स वाले जब वह खत्म हो जाती है तो अपने साथ ले जाते हैं। इससे यह पता लगता है कि कौन कौन सा ट्रक लदा, किसका माल लोड हुआ और आगे किस फर्म में जाकर उतरा। उसकी चैंकिंग करते हैं कि माल यहां से गया और आगे माल उतरा या नहीं उतरा। अगर रिकार्ड ही नहीं होगा तो कारखानेदार अपना माल सीधा ही लोड करके फैक्टरी से सीधा ले जाएगा। टैक्स उसका टैक्स किससे लेंगे ? (व्यवधान)

श्री बंसी लालः आपने बैरियर किसलिए बना रखे हैं ?

श्री भजन लालः चौधरी साहब, बैरियर पर भी अपने ही भाई भतीजे बैठे हैं, बैरियर और किसी के थोडे ही हैं, वे भी अपने ही हैं। जो आदमी ऐसे ट्रक लोड कर सकता है तो क्या बैरियर वालों को कुछ दे लेकर उसे टपा नहीं सकता। लेकिन हम उसको भी चैक करेंगे।

श्रीमती चन्द्रावतीः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी जो कह रहे हैं उसके बारे में मैं यह समझती हूं कि जहां से ट्रक में माल लदता है और जहां उतरता है वहां पर ट्रक को चैक होना चाहिए। बाकी की जगह पर तो देखिए कि रि वत ली जाती है और बिना काम के हैरासमैंट होती है, चीजें महंगी होती हैं, टाईम लगता है और रोड ब्लौक होती है। स्पीकर साहब, मैं यह समझती हूं कि ट्रक वाले जो ड्राइवर्ज हैं वे भी तो हमारे ही हैं। यह हो सकता है कि किसी के पास ज्यादा ट्रक हों। ट्रक ओनर बेचारे

कुछ ऐसे भी हो सकते हैं जो खुद ट्रक चलाते हैं। वे खुद ट्रक ओनर हैं और खुद ड्राईवर हैं और उनकी भी हैरासमैंट इतनी ही होती है क्योंकि जगह जगह विदे ाों की तरह बैरियर बने हुए हैं। स्पीकर साहब, मैं मुख्य मंत्री जी से यह कहना चाहती हूं कि जो बैरियर हैं ये नहीं होने चाहिये। मैं इस बारे में बहुत सही विचार रखती हूं।

16.00 बजे।

श्री रामपाल सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। अध्यक्ष महोदय, मुझे पीछे भी बोलने का मौका नहीं मिला लेकिन एक बहुत ही जरूरी प्वायंट की तरफ मैं मुख्य मंत्री जी का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि हरियाण स्टेट में राजस्थान से ड्राइवर्ज और पटवारियों की भर्ती हुई है और उन सब लोगों ने गलत डोमीसाइल सर्टीफिकेट देकर ये नौकरियां ली हैं। मेरा मुख्य मंत्री महोदय से यह कहना है कि जिन्होंने ऐसे गलत सर्टीफिकेट देकर नौकरियां ली हैं क्या मुख्य मंत्री महोदय उनके खिलाफ कार्यवाही करके उनके खिलाफ ऐक ान लेंगे और इस प्रकार जिन्होंने गलत डोमीसाईल सर्टीफिकेटस देकर के नौकरियां ली हैं, क्या उनको नौकरियों से बाहर करेंगे या नहीं करेंगे ?त्र

श्री पीर चन्दः स्पीकर साहब, मेरा भी एक प्वायंट आफ आर्डर है जो कि बहुत ही जरूरी है। कम से कम सरकार ट्रक यूनियन वालों के रेटस तो फिक्स करे। ऐसा न करने से गरीब

आदमी को नुक्सान होता है और वे यूनियन वाले मनमाने पैसे लेते हैं जिससे गरीब लोगों पर बोझ पडता है। इसलिये मुख्य मंत्री महोदय इसका कुछ इलाज करें।

श्री भजन लालः चौधरी साहब, रेटस के बारे में अर्ज यह है कि व्यापारियों के नुमाइंदे तथा यूनियन के नुमाइंदे बैठ कर आपस में रेट तय किया करेंगे ताकि किसी को नुक्सान न हो और महंगाई भी न बढे लेकिन चोरी को रोकने के लिये तो हम उपाय करेंगे ही, वह तो हमें करने ही पडेंगे। स्पीकर साहब, नारनौल के अन्दर पत्रकारों की पिटाई हुई, यह एक निन्दनीय बात है। स्पीकर साहब, इस सदन के अन्दर बुढापा पैन्ान का भी जिकर किया गया। अध्यक्ष महोदय, पहली सरकार ने वोट लेने के लिए 65 साल से वृद्धावस्था पैन्ान भ्ाुरू की लेकिन पैन्ान पाने के लिये जो सही हकदार थे उनको पैन्ान नहीं मिली। 55–55 साल के जो इनके चहेते थे, उनको तो पैन्ान मिली लेकिन गरीब और सही आदमियों को पैन्ान नहीं मिली। 50–55 साल के पैन्ान तो ले रहे हैं लेकिन 60–70 साल के जो बूढे हैं उनको पैन्ान नहीं मिल रही है। यमुनानगर जिले के छछरौली का एक मामला हमारे नोटिस में आया है। एक गांव में उन आदमियों को मरे कम से कम 12–12 व 15–15 साल हो गये और ये लोग उनके नाम की पैन्ान बांट रहे हैं। कौन ले रहा है, कौन अंगूठा लगाकर के ले रहा है, इसको कुछ पता नहीं है ? उस गांव के लोगों ने ि ाकायत की कि वहां के डी0सी0 से इसकी रिपोर्ट लें। स्पीकर

साहब, इस सरकार के वक्त के डी0सी0 ने नहीं बल्कि इनकी पिछली सरकार के डी0सी0 ने इस बारे में रिपोर्ट दी। गांव के लोगों ने ि ाकायत की कि साहब गलत पैन् ानें बांटी जा रही हैं और वे अफसर गलत अंगूठा लगवा करके पैसे अपने जेबों में डाल रहे हैं। डी0सी0 की रिपोर्ट पर उस अफसर को हमने सैस्पैन्ड किया है। इस तरह के बहुत से केसिज लोगों ने हमें बताये हैं।

श्री लहरी सिंहः मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। एक बुजुर्ग हमारे पास आये और उन्होंने कहा कि मुझे पैन् ान नहीं मिल रही है। मैं और चौधरी भोर सिंह उस वक्त दोनों साथ थे। हमने कह कि तेरी उम्र क्या होगी तो उसने कहा कि मुझे पैन् ान नहीं मिल रही, मेरा बेटा ले रहा है। इसी तरह से चौधरी बंसी लाल जी ने इन्कम टैक्स की लिमिट के बारे में जो 22 हजार से बढाकर 60 हजार करवाने की बात कही है उसको भी केन्द्र सरकार के साथ अव य टेक अप करें, यह मेरी रिकवैस्ट है।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ और्डर है। मुख्य मंत्री जी ठीक कह रहे हैं। ऐसी बातें हो जाती हैं कि कम उम्र वालों को पैन् ान मिली है। स्पीकर साहब जहां आठ लाख लोगों को पैन् ान मिल रही हो, जहां इतने लोगों की संख्या इनवौल्व हो, वहां तो आप खुद जानते हैं कि अगर एक परसैंट भी ऐरर मानेंगे तो उसमें भी कितने आदमी आ जाते हैं लेकिन सरकार बाकायदा हर साल उसकी इन्कवारी करवाती थी और जब ऐसे नामों का सबूत मिल जाता था तो उनका नाम डिलीट भी

किया जाता था। ऐसी कोई बात नहीं कि हम कोई नई बात कर रहे हैं, इतने लाखों लोगों में गल्तियां रह जाती हैं। यदि कोई अफसर गलती कर देता था या कोई दूसरा कर्मचारी गलती कर देता था तो नोटिस में आने के बाद गलत आदमी का नाम डिलीट कर देते थे।

Mr. Speaker: There is difference between the error and the intention.

श्री सम्पत सिंहः सर, नीयत वाली कोई बात नहीं थी।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सवाल तो नीयत का है, गलती तो हो सकती है। मेरे से भी हो सकती है और आपसे भी हो सकती है। सवात तो यह है कि इनकी नीयत कैसी थी, मरे हुए लोगों की पैन् ान लेते रहे हैं। गलती से तो एक बार कोई दूसरा आदमी ले जा सकता है लेकिन तीन साल लगातार लेते रहे।

अध्यक्ष महोदय, यह तो मरे हुए की बात बता कर मैंने एक जगह की मिसाल दी है। इसके अलावा कितने कम उमर के लोग पैन् ान ले रहे हैं और जो सही पात्र हैं उनको मिलती नहीं है। हम भाानदार तरीके से एक सही सिस्टम बनाएंगे जिससे कि पैन् ान के हकदार को ही पैन् ान मिलें। अब मैं भी साल साल से ऊपर हो गया और 6 अक्तूबर को 61 साल का हो जाऊंगा। क्या सम्पत सिंह जी मुझे भी मिलनी चाहिए ? (विघ्न) मैं आपसे पूछता हूं। उधर चौधरी बंसी लाल जी भाायद 70 साल से ऊपर के हो गए होंगे या होने वाले हैं। क्या उनको भी पैन् ान मिलनी चाहिए

? मैं आपसे सवाल कर रहा हूं ? आपने उमर के हिसाब से कहा कि हमने सब को पैन् ान दे दी। तो क्या उनको मिलनी चाहिए ? मेरे कहने का मतलब यह है कि क्या हमको पैन् ान मिलनी चाहिए ? पैन् ान गरीब आदमियों को मिलनी चाहिए जिनके पास साधन नहीं हैं जो जरूरत मन्द हैं और जिनका कोई हीला नहीं है। गरीब आदमी हरिजन हैं, बैकवर्ड हैं और दूसरे भाई छोटे छोटे जमींदार हैं। गरीब आदमी को पैन् ान मिलनी चाहिए। क्या बडे आदमी उस पैन् ान को लेंगे ? हम दोबारा से ऐप्लीके ांज इनवाइट करेंगे और लोगों के घरों पर फार्म पहुंचाएंगे। कोई प्रौबलम नहीं होने देंगे और पिछली की हम जांच करेंगे। जिस अधिकारी ने गलत पैन् ान दी है उसके खिलाफ कार्यवाही करेंगे। गलत पैं ान को काट कर सही आदमी को देंगे। उसकी एक पौलिसी और नौर्म बनाएंगे। जिनको यह मिलनी चाहिये उनको देंगे ताकि आम आदमी और गरीब आदमी की पैन् ान मिल सके।

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। क्या मुख्य मंत्री जी बुढापा पैन् ान का आधार आर्थिक करने जा रहे हैं ?

श्री भजन लालः हां हमारा मकसद यही है, आर्थिक ही होना चाहिए। (तालियां)

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, इसमें एक बात तय कर दें कि पैन् ान का फैसला कितने दिन में हो जाएगा। जो आठ

महीने की पैन ान बाकी है वह कब तक दे देंगे और जो ऐलीजीबल होंगे उनको पैन ान देने की महीने की तारीख निि चत कर दें कि हर महीने इस तारीख तक मिल जाया करेगी।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, इसका मतलब तो यह है कि गवर्नमैंट की पैन ान देने की जो पहले स्कीम थी उसको स्क्रैप किया जा रहा है और आर्थिक आधार पर कोई नई स्कीम भाुरू की जा रही है। क्या इसका यही मतलब है ?

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, हाउस के लीडर कह रहे हैं कि हम आर्थिक आधार पर पेन ान करने जा रहे हैं। स्पीकर साहब, एक आदमी जो 60, 65 या 70 साल का हो चुका है और कहीं अगर ये उसकी पैन ान को उसके परिवार का आर्थिक आधार करेंगे तो यह उसके साथ ना इन्साफी होगी। (विघ्न) उसकी अपनी इंडिविजुअल इंकम को यदि आधार मानोगे तब तो ठीक है वरना चाहे कोई आई0ए0एस0 क्यों न हो, कोई इंडस्ट्रियलिस्ट क्यों ने हो उसका बाप भी अगर अपने तौर पर ऐलीजीबल है तो उसको पैन ान देनी चाहिए। स्पीकर साहब, सवाल सम्मान देने का है। आज कल ऐसी फैमिलीज भी हैं जिनके पेरैंटस अलग हैं। तो उन बूढों का इंडिविजुअल आधार मानना चाहिए न कि उसके परिवार वालों का।

श्री बंसी लालः जो पैन ान चालू कर दी उसको बन्द नहीं करना चाहिए।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जो गलत पैं ान भुरू कर दी उसको तो बंद करना ही पडेगा। हम उसी आदमी को पैं ान देंगे जो पैं ान लेने का हकदार होगा।

श्री बीरेन्द्र सिंहः आप 60 वर्श की आयु वाले बुजुर्ग को पैं ान देंगे या नहीं देंगे ?

श्री भजन लालः हम 60 साल की आयु के बुजुर्ग को पैं ान देंगे और उसको तब तक पैं ान देंगे जब तक वह बुजुर्ग जिन्दा रहेगा। हम 100 रूपया महीना देंगे और चौधरी देवी लाल की तरह 10 परसैंट वापिस नहीं लेंगे। क्या ऐसा भी हो सकता है कि कोई सरकार आम आदमी को दी गई पैं ान का 10 परसैंट सरकारी खजाने का पैसा वापिस ले ले ? चौधरी देवी लाल कहते थे कि मैं आपके पास 100 रूपये भेज रहा हूं इसमें से 10 रूपए आप मेरे पास भेज देना। यह बात आपके सामने है कोई गलत बात तो है नहीं। क्या सरकारी खजाने से कोई आदमी इस तरह से पैसा ले सकता है ? कोई आदमी पार्टी का पैसा दे करके तो कह सकता है भाई यह पार्टी का पैसा है पार्टी को वापिस करना है।

श्रीमती चन्द्रावतीः आप बूढों की पैं ान को रैगुलेराइज करिए हमें इसमें कोई ऐतराज नहीं है लेकिन आप यह बता दें कि जो पैं ान बाकी पडी है वह कब तक दे देंगे ? आप जो पैं ान देंगे वह महीने की किस तारीख को देंगे ? आप कृपा करके महीने

की वह तारीख बता दें जिस तारीख को आप बुजुर्गों को पैं ान देंगे।

श्री भजन लालः बहन जी, यदि यह इतना आसान काम होता तो इन्होंने 8 महीने क्यों गुजारे ? हम इसको दोबारा से देखेंगे और हर महीने की 7 तारीख को पैं ान देंगे। जो आदमी पैं ान का हकदार है, पात्र है उसी को देंगे। अगर पिछली पैं ान बकाया रहती है तो वह भी देंगे लेकिन हम सही तरीके से जांच करेंगे कि जो आदमी पैं ान ले रहा है वह जिन्दा है या नहीं है या 60 साल की आयु का है या नहीं है। यह जांच तो हम करेंगे कि वह 55 साल का तो नहीं है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, इन्होंने अपने मैनीफैस्टों में यह कहा था कि हम 55 साल की आयु के लोगों की पैं ान भ्ारू कर देंगे। अब ये उससे डिपारचर कैसे कर रहे हैं ?

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं उसी बात पर आता हूं। हमारी पार्टी के प्रधान जी ने 55 साल के बारे में जो बात कही थी वह इस बिना पर कही थी कि जो आदमी बिल्कुल ही अंगहीन हो, जिसके पांव नहीं हैं या हाथ नहीं हैं और यदि उनकी 55 साल की आयु हो गई है तो उनको पैं ान देंगे। उनका मं ाा इस बात से था।

श्री बंसी लालः चौधरी साहब, आपके मैनीफैस्टों में ये भाब्द लिखे हुए हैं कि हम 65 साल से घटा कर पैं ान के लिए

55 साल की आयु कर देंगे। आपके प्रधान भी हाउस में बैठे हैं आप इनसे यह बात पूछ लो।

श्री बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैनीफैस्टो कमेटी के चेयरमैन सुरजेवाला साहब थे। (हंसी)

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, बात यह है कि हमारे इलैक ान मनीफैस्टों का चौधरी बंसी लाल जी को इतना फिक्र क्यों हो गया है ? क्या यह कांग्रेस पार्टी में आने की सोच रहे हैं ? यह तो हमारा काम है और हमें देखना है कि हमें क्या करना है।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, मैं तो कांग्रेस पार्टी को 47 साल के बाद विदा कर गया। आप तो कई बार कांग्रेस पार्टी में आ चुके और कई बार जा चुके। यह ट्रैफिक तो मेरे से चलता नहीं। (हंसी)

श्री भजन लालः आपकी मेहरबानी से एक बार मैंने कांग्रेस पार्टी छोडी थी और एक बार आप छोड गए। हम दोनों बराबर हो गए, कोई ज्यादा फर्क नहीं है। (हंसी)

श्री बंसी लालः मैं कांग्रेस पार्टी को छोड कर नहीं गया। मुझे तो निकाला गया था। आपने मुख्यमंत्री पद पर होते हुए यह कहा था कि यह कांग्रेस का नि ाान खूनी पंजा है।

श्री भजन लालः आपको दो दफा निकाला गया था आपको याद होगा। निकालने में और रिवोल्ट करने में काफी अन्तर है।

श्री बंसी लालः जो निकाला जाए वह डिफैक्टर नहीं होता जो निकल जाए वह डिफैक्टर कहलाता है।

श्री धर्मपाल सिंहः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि इन्होंने 60 साल की आयु के बुजुर्गों को पैं ान देने के लिए कहा है यह कैसे पता लग पाएगा कि जिसको पैं ान दी जा रही है वह 60 साल का ही है ? हरियाणा प्रदे ा या हिन्दुस्तान के पास ऐसा कोई रिकार्ड तो है नहीं। यह कैसे पता चल पाएगा कि जिसको पैं ान दी जाएगी उसकी आयु 60 साल की है ?

श्री हरि सिंह नलवाः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। गांवों के अन्दर बैल और बछडों को दांतों से देख लेते हैं जिससे उनकी आयु का पता लग जाता है। तो जिनको पैं ान दी जानी है उनको भी दांतों से देख लेंगे कि उनकी आयु 60 साल की है या नहीं है। (हंसी)

श्री राम बिलास भार्माः अध्यक्ष महोदय, चौधरी भजन लाल जी ने चौधरी बंसी लाल जी के बारे में यह भाक जाहिर किया है कि वह कांग्रेस पार्टी में वापिस आ रहे हैं। मैं कहता हूं

कि आप दोनों अपनी अपनी जगह बने रहो इसी में हरियाणा का हित है। (हंसी)

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला: औन ए प्वायंट आफ आर्डर। अध्यक्ष महोदय, यह तो क्वै चन आवर सै ान हो गया। मुख्य मंत्री जी जवाब दे रहे हैं और मैम्बर्ज क्वै चन आनसर करने लग गए।

श्री अध्यक्ष: मुख्य मंत्री भी तो इसके लिए ऐग्री कर रहे हैं।

श्री भाम ोर सिंह सुरजेवाला: मुख्य मंत्री जी तो मैम्बर्ज को ऐकमोडेट करने की कोि ा ा कर रहे हैं लेकिन मैम्बर्ज साहेबान को भी तो सोचना चाहिए।

श्री भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, हमने औल्ड एज पैं ान की एज 60 साल इसलिए रखी है क्योंकि एक सरकारी कर्मचारी 58 साल की आयु में रिटायर होता है। यदि पैं ान लेने की आयु 55 साल कर दी जारये तो यह ठीक नहीं रहेगा। 60 साल के जो सही पात्र लोग होंगे उनको यह पैं ान दी जायेगी। जैसे सरकारी कर्मचारियों को ठीक समय पर पे मिलती है इसी तरह से हमारी कोि ा ा होगी कि हर व्यक्ति को 7 तारीख तक पैं ान मिल जाये। मेरै कहने का मतलब यह है कि हर महीने की 7 तारीख को 100 रूपये का नोट ताऊओं की चारपाई पर पहुंच जायेगा।

अध्यक्ष महोदय, इस प्रदे ा के साथ बडा भारी धोखा वोट लेने के लिए पिछली सरकार ने लोगों के साथ किया। उस समय कहा गया कि लोगों के सारे के सारे कर्जे माफ कर देंगे। पहले इन्होंने कहा कि 1200 करोड रूपये के कर्जे माफ करेंगे। फिर कहने लगे कि 450 करोड रूपये के माफ किए हैं और बाद में 250 करोड रूपये आ गए। आज चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी ने बोलते हुए बताया कि 32 करोड के और 8 करोड रूपये के कर्जे यानी कुल 40 करोड रूपये के कर्जे माफ हुए हैं। ये आंकडे मैं वह बता रहा हूं जो चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने दिए हैं और जो उनकी सरकार के समय माफ हुए हैं। अध्यक्ष महोदय, कोई प्रदे ा ऐसा नहीं है जिस प्रदे ा में 10 करोड रूपये से लेकर 20 करोड रूपये तक कर्जे राईट आफ नहीं होते। कोई मर गया या कोई देने वाला नहीं रहा या किसी और ढंग से किसी के पास देने के लिए कुछ न रहे उस सूरत में भी 15–20 करोड रूपये के कर्जे राईट आफ होते हैं। अगर ये 40 करोड रूपये कहते हैं तो इसमें से 20 करोड रूपये तो वैसे भी राईट आफ होने थे और 20 करोड रूपये इन्होंने माफ कर दिये और वे भी 4 सालों में यानि एक साल में 5 करोड रूपये ही माफ किए।

श्री सम्पत सिंहः औन ए प्वायंट आफ और्डर। सर, ये ठीक नहीं कह रहे। टोटल कर्जे 262 करोड रूपये के माफ किए हैं और जो 40 करोड रूपये की बात है ये तो पहले साल के हैं। मैं मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या आप इस बारे में व्हाइट

पेपर जारी करेंगे कि कुल कितनी रा ि ा के कर्जे माफ हुए और कितने लोगों के कर्जे माफ हुए ? क्या इन दोनों बातों के बारे में व्हाइट पेपर इ ू करेंगे।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, ये कर्जे इन्होंने माफ किए जबकि लोगों से देवी लाल ने वायदा किया था कि लोगों तुम मुझे चीफ मिनिस्टर बनाओ। चीफ मिनिस्टर की कुर्सी पर बैठते ही मैं बुलवाऊंगा फाईनैंस मिनिस्टर को और सबसे पहले कर्जे माफ करने की फाईल पर दस्तख्त करूंगा। बी0डी0 गुप्ता फाईनैंस मिनिस्टर बनेगा। मैं गुप्ता को फाईल लाने के लिए कहूंगा। वह फाईल लाएगा और मैं लिख दूंगा कि सारे प्रदे ा के कर्जे माफ कर दिए हैं– देवी लाल बकलम खुद। ये वायदे इन्होंने लोगों से इलैक ान में किए थे। अगर इन्होंने ये वायदे न किए हों तो ये बता दें। अपने आप लोगों के प्रतिनिधि बने बैठे हैं। यहां पर प्रदे ा की जनता भी बैठी है। ये अब कहते हैं कि एक साल में इतने कर्जे माफ हुए और कुल इतने कर्जे माफ हुए। तुमने तो पहले ही साल में कलम चलानी थी। पहले दूसरे सालों का क्या हिसाब लगाते हो। अध्यक्ष महोदय, बडा भारी धोखा उस समय इन्होंने लोगों के साथ किया। लोगों के साथ बहुत अधिक जुल्म किया। इलैक ान से तीन साल पहले कहने लगे कि कोई कर्जे का एक पैसा मत देना। मैं आया और माफ कर दूंगा। लोगों ने बिना जरूरत के और कर्जा ले लिया और ब्याज चढ कर के बहुत ज्यादा हो गया। आप जानते हैं कि बैंक वाले हर छठे महीने असली रकम

में ब्याज वाली रकम डाल कर एक रकम कर देते हैं। लोगों पर ब्याज चढ चढ करके इतनी रकम हो गई जिसका कोई अन्दाजा नहीं। बाद में किसान ताऊ के झूठे झांसे में आकर कहने लगे कि 'ताऊ तेरे राज में धरती जाएगी ब्याज में'। ऐसे नारे सडकों पर लोगौं ने इनके खिलाफ लगाने भाुय कर दिए कि यह "ताऊ" नहीं "भकाऊ" है। यहां तक लोगों ने कहना भाुरू कर दिया। लोग यह भी कहने लगे कि "अपने कर्ज आप भरो और ताऊ को माफ करो।" लोगों ने बडे बडे नारे दिए। अध्यक्ष महोदय, किसान भोला है इसलिए किसान को बहका लिया गया। किसान की कुछ सहायता करनी चाहिए इसलिए हमने यह फैसला किया कि तीन साल पीछे के और 4 साल इनका राज रहा है, इस 7 साल के अर्से में किसान के कर्जे पर जो बयाज लगा था, जो ब्याज किसान के सर पर चढ गया था वह इस सरकार ने सारे का सारा ब्याज माफ कर दिया है। (तालियां) किसी किसान से कोई ब्याज नहीं लिया जायेगा।

श्री बंसी लालः छोटे दस्तकारों, छोटे दुकानदारों, रिक ाा वालों और अन्यों के ब्याज का क्या होगा ?

श्री भजन लालः उन सभी लोगों का ब्याज माफ कर दिया गया है जिन्होंने को आप्रेटिव बैंक से कर्जा ले रखा था। जिस किसी ने भी को आप्रेटिव बैंक से लोन ले रखा है चाहे वह रिक ाा वाला है, चाहे तांगेवाला है वे सब भाामिल है। (विघ्न) लैंड मौर्गेज बैंक और कोआप्रेटिव बैंकस की मैं बात कर रहा हूं।

श्री लहरी सिंहः मेरा प्वायंट आफ आर्डर है।

एक आवाजः कमर्ि ायल बैंकों से जिन लोगों ने ऋण लिये हैं क्या उनका ब्याज भी माफ होगा ?

श्री भजन लालः कमर्ि ायल बैंकस का ब्याज माफ करना हमारे बस का नहीं है। हम देवी लाल की तरह झूठ नहीं बोलते, हम ठीक बात कहेंगे। कमर्ि ायल बैंकस हमारे अण्डर नहीं हैं हम उसका माफ नहीं कर सकते। हम कोआप्रेटिव बैंक्स का ब्याज माफ करेंगे और कोआप्रेटिव बैंकों के ब्याज माफ करने बारे पहली ही मीटिंग में हमने फैसला कर दिया है। (विघ्न) इस तरह तो कल को लोग प्राईवेट कर्जे को माफ करने की बात कहने लगेंगे।

श्री लहरी सिंहः हरिजन कल्याण निगम और हरियाणा वीकर सैक ांज निगम से जो लोगों ने 10–10 हजार या 5–5 हजार का कर्ज ले रखा है क्या इसमें वह भी भाामिल हैं ?

श्री भजन लालः हमने जो बात कही है हम उतना ही करेंगे उससे ज्यादा नहीं।

श्री सतबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि प्रदे ा में किस का ब्याज 7 साल पुराना है ? बैंक ब्याज पहले वसूल करता है और मूल बाद में। यह माफ क्या करेंगे ? यह तो महज एक धोखा होगा।

श्री भजन लालः कौन कहता है कि बैंक मूल से पहले ब्याज वसूल करता है ? आपने यह बात कैसे कह दी ? ऐसा नहीं है। हमने किसानों का 7 साल का ब्याज माफ कर दिया है और उनसे असली रकम ही लेंगे। दूसरे एक बात हमने और भी की है। जो किसान डिफाल्टर हो जाता है उसको नया लोन नहीं मिलता। हमने यह फैसला भी कर दिया है और डिफाल्टर की कण्डी ान उसके ऊपर से हटा दी है। अब नया लोन भी उन सब लोगों को मिल सकेगा और डिफाल्टर की अडचन बीच में नहीं आएगी।

श्री धर्मपालः स्पीकर सर, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से एक बात जानना चाहूंगा। कोआप्रेटिव बैंक के जो कर्जे हैं वे हर छः महीने के बाद रिन्यू हो जाते हैं और लेने वाले को पता नहीं लगता कि तेरा कर्जा दोबारा रिन्यू हो रहा है। उससे अंगूठा लगवा लेते हैं और ब्याज उसमें ऐड कर देते हैं। क्या मुख्य मंत्री जी उस रिन्यू हुए को कर्जा मानेंगे या कि पुराने वाले को मानेंगे तथा कौन सा ब्याज माफ होगा ?

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जब ब्याज माफ हो गया फिर तो फ्रै ा ही हो गया, पुराने की तो बात ही नहीं रही। (विघ्न) ब्याज अगर रखें तो अलग बात है लेकिन ब्याज तो माफ कर दिया है। आप इसे अलग से समझ लेना, हम आपको समझा देंगे।

श्री अध्यक्षः रिन्यूअल तो किसान दूसरा कर्जा लेने के लिए खुद करवाता है।

श्री भजन लालः दूसरे अध्यक्ष महोदय, हमने फैसला किया है कि एक परिवार में से एक व्यक्ति को रोजगार देंगे। गुरनाम सिंह कमी ान ने 1 लाख 85 हजार ऐसे परिवारों को आईडैंटीफाई किया है लेकिन हमने पहली ही मीटिंग में एक कमेटी श्री भाम ेर सिंह सुरजेवाला जी की अध्यक्षता में बनाई है। रैवेन्यू मिनिस्टर, फाईनैंस मिनिस्टर तथा पंचायत और डिवैल्पमैंट मिनिस्टर भी उसमें हैं। हमने कहा है कि इस सारे मामले को सौर्ट आऊट करो कि एक परिवार के एक सदस्य को हम कैसे नौकरी दे सकते हैं तथा कितनी ऐसी फैमलीज हैं। हम चाहेंगे कि प्रदे ा में जो लोग गरीब परिवार के हैं उनके लिए कोई ऐसा साधन बने जिससे कि कम से कम परिवार के एक सदस्य को रोजगार मिल जाए। रोजगार मिल जाने से उस व्यक्ति के परिवार का कम से कम रोटी का साधन तो हो जाएगा। हमने ऐसा फैसला किया है और जल्दी ही इस फैसले को हम लागू भी करेंगे। एक बात यहां पर सिंचाई के बारे में और खासतौर पर एस0वाई0एल0 के बारे में कही गई। सिंचाई के बारे में चौधरी भाम ेर सिंह ने चूंकि बता दिया है इसलिए इस बारे ज्यादा बताने की जरूरत नहीं है।

श्री मोहन लाल पिपलः आन ए प्वाएंट आफ आर्डर सर। स्पीकर साहब, कल गवर्नर ऐड्रैस पर बोलते हुए मैंने मेवात

प्रोजैक्ट के बारे में एक सवाल किया था। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताएंगे कि उसकी मंजूरी कब तक देंगे ?

श्री निर्मल सिंहः स्पीकर साहब, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूं कि भजन लाल सरकार ने ब्याज माफ करने का बहुत ही अच्छा फैसला किया है। इससे हरियाणा के लोगों के अन्दर खु ी की लहर दौडेगी लेकिन मैं सदन का ध्यान इस बात की ओर दिलाना चाहता हूं कि कोआप्रेटिव बैंक का जो काला कानून है उसके तहत गिरफ्तारी की जा सकती है और प्रापर्टी भी ली जा सकती है। इसलिए आज की दुनिया में लैंड मार्गेज बैंक तथा कोआप्रेटिव बैंक के जो काले कानून हैं वे नहीं जंचते। इसलिए कोआप्रेटिव बैंक और लैंड मार्गेज बैंक उसी तरह से कर्जे की वसूली करें जिस तरह से कौमर् ियल बैंक करते हैं।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, जहां तक वसूली का ताल्लुक है, मैं समझता हूं कि चाहे ने ानेलाइज्ड बैंक हैं और चाहे कोआप्रेटिव बैंक हैं उनकी वसूली के तरीके में बहुत ज्यादा फर्क नहीं है। अगर इसमें कोई अन्तर या फर्क है तो इसको दूर करेंगे।

स्पीकर साहब, जहां तक मसानी बैराज का ताल्लुक है यह बैराज चौधरी देवी लाल की देन है। 1977 में इसका प्रोजैक्ट बनाकर इन्होंने तैयार किया था। स्पीकर साहब, इसका बडा भारी नुक्सान हुआ है कोई फायदा नहीं हुआ। 1977 में इस प्रोजैक्ट को

बनाकर तैयार किया गया और जनवरी 1979 में इसको चालू किया गया लेकिन अभी तक यह कम्पलीट नहीं हुआ है। स्पीकर साहब, पहले जो पानी आता था, जो बाढ आती थी और लोगों को पानी का फायदा होता था उससे लोग अब वंचित हो गए।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, यह प्रोजैक्ट 1977–78 में तैयार हुआ था। दिल्ली में उस समय बडा भारी फल्ड आया था। उस समय मोरार जी देसाई प्रधान मंत्री थे। सैंट्रल गवर्नमैंट के कहने से उनके दबाव से यह प्रोजैक्ट तैयार किया गया था।

श्री अध्यक्षः लेकिन उस समय बात यह थी कि दिल्ली को सेव करने के लिए यह बनाया गया था। दिल्ली से पैसा लेना चाहिए था लेकिन आपने नहीं लिया।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, दिल्ली को बचाने के लिए जब यह बैराज बनाया गया तो पैसा दिल्ली से वसूल किया जाए। सैंट्रल गवर्नमैंट से यह पैसा वसूल करना चाहिए था। (विघ्न) अगर दिल्ली को बचाने के लिए बैराज बनाया गया तो रूपया दिल्ली से लो। उनसे रूपया वसूल करो।

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, यह इनके वक्त का बना हुआ है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, उस वक्त मोरार जी देसाई ने कहा था कि पैसा हम देंगे लेकिन बाद में नहीं दिया।

श्री अध्यक्षः आपको बाद में पैसा लेना चाहिए था वह आपने नहीं लिया।

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, कल्लर भूमि को सुधारने के लिए हमने प्रोग्राम बनाया है कि उसको हम ठीक करेंगे। स्पीकर साहब, ड्रिकिंग वाटर के बारे में मैंने पहले ही बता दिया है। इसके बारे में जब एक ध्यानाकर्शण प्रस्ताव आया था, उस वक्त मैंने डिटेल से बताया था अब दुबारा बताने की आव यकता नहीं है लेकिन इतना बता देता हूं कि आने वाले 31 मार्च तक इस प्रदे ा के हर गांव को पानी दे दिया जाएगा। पानी के मामले में कोई तकलीफ इस प्रदे ा में नहीं रहेगी।

स्पीकर साहब, जहां तक जोहडों का सवाल है उसके बारे में सुबह मैंने 1311 जोहडों में पानी भरने की बात कही थी लेकिन अब वह फिगर दो सौ और बढ कर 1511 हो गई है। अब हमने 1511 जोहडों में प ाुओं के लिए पानी भरवा दिया है।

स्पीकर साहब, जहां तक सडकों की मुरम्मत का सवाल है, सरकार ने इस बारे में फैसला किया है कि किसी भी महानुभाव का हल्का क्यों न हो सारे प्रदे ा की सडकों को ठीक किया जाएगा। पिछले चार साल में एक भी सडक नहीं बनी बल्कि जो बनी थीं वे भी टूट गई। नई सडक बनाने का तो सवाल ही क्या जो बनी थीं उन पर भी कोई काम नहीं हुआ और उनकी कोई मरम्मत नहीं हुई। स्पीकर साहब, आने वाले छः महीनों में सारी की

सारी सडक कम्पलीट कर देंगे। जैसी नई सडकें होती हैं उसी तरह की सडकें बना देंगे। जहां तक जी0टी0 रोड का सवाल है उसके साथ साथ जो भी सडकें हैं उनको पूरी बनाकर, मुरम्मत करके तैयार कर देंगे।

स्पीकर साहब, एक सवाल चौधरी बंसी लाल ने कौलोनाइजे ान के बारे में कहा। यह बडा अहम सवाल है। अध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल मुख्य मंत्री भी रहे हैं, मैं भी मुख्य मंत्री रहा हूं और चौधरी देवी लाल भी मुख्य मंत्री रहे हैं। कौलोनाइजे ान का जहां तक ताल्लुक है, हुडडा को प्लाटों का और मकानों का काम दिया गया है लेकिन कितनी भी कोि ाश हम करें आज आबादी जितनी तेजी से बढ रही है, हुडडा अकेले इस काम को नहीं कर सकता। बहुत भारी काम है। स्पीकर साहब, इन्होंने यह भी कहा और वह ठीक बात है कि सोसाइटीज हों, नौजवान जो पढे लिखे हों उनको यह काम दिया जाए। स्पीकर साहब, हम तो चाहते हैं कि कोई भी सामने आए। किसी पर कोई पाबन्दी या बैन नहीं है। स्पीकर साहब, आज राजीव जी तो हमारे बीच में नहीं हैं लेकिन अरूरण नेहरू जी हैं, अरूण सिंह हैं और गवर्नमैंट आफ इंडिया के कुछ सीनियर सेक्रेटरीज हैं जिन सबने बैठकर हरियाणा का ऐक्ट बनाया था। इस ऐक्ट को बनाने के लिए 1980 में छः मीटिंग्ज हुई थीं। स्पीकर साहब, इतना भाानदार हरियाणा का ऐक्ट बना है कि उस ऐक्ट की नकल उत्तर प्रदे ा, बिहार, केरल, कर्नाटक और आन्ध्र प्रदे ा लेकर गए और हमारे

ऐक्ट के मुताबिक उन्होंने प्राईवेट लोगों को इजाजत दी। प्राईवेट लोगों से हमने क्या कंडी ान रखी, उस बारे में मैं आपको बताना चाहूंगा, सारे साहेबान ध्यान से सुनें। समाज में जो कमजोर वर्ग के लोग हैं, मिसाल के तौर पर सौ मकान या प्लौटस काटे जाएं तो उनमें से 20 प्लौट 100 रूपये गज के हिसाब से जिनकी माली हालत अच्छी नहीं है उनको देंगे। आज मैं आपको बताना चाहता हूं कि आज दिल्ली के पास गुडगांव में 2000 रूपये गज के हिसाब से प्लौट बिक रहे हैं और हम कितने सस्ते दे रहे हैं। 100 में से 25 प्लौटस नो प्रौफिट नो लौस के हिसाब से और बाकी के 55 पर भी कोलोनाइजर केवल 15 परसैंट मुनाफा ले सकेगा, इससे फालतू नहीं ले सकेगा। अगर कहीं किसी ने ऐसा किया है, कानून की अवहेलना की है तो मैम्बर साहेबान हमारे नोटिस में लाएं हम उनके खिलाफ कार्यवाही अव य करेंगे। लेकिन चौधरी बंसी लाल जी कहते हैं कि प्राईवेट कौलोनाइजर को लाइसैंस नहीं देने चाहिये। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आपके राज में कोई लाइसैंस नहीं दिये गये थे ? मैं ब्यौरे वाइज बताता हूं कि 18.3.87 को चार, 9.4.87 को पांच, 15.6.87 को फिर पांच और आठ लाईसैंस आपने 14.6.87 को दिये। एक लाईसैंस आपने 18.5.87 को दिया, यह सारी रिकार्ड की बात है।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, मेरे नोटिस में यह नहीं आया। चीफ मिनिस्टर को यह फाइल आती भी नहीं। अगर पीछे कोई गलती हुई भी है तो आप इसे ठीक करो। फिर मुख्य मंत्री

जी आप यह कहते हैं कि श्री राजीव गांधी, अरूण सिंह, अरूण नेहरू, सबने बैठकर यह ऐक्ट तैयार किया था। मैं उनकी सेवा में यह बात कहता हूं कि पंडित नेहरू, डा0 राजेन्द्र प्रसाद, डाक्टर अम्बेदकर साहब ने सबने मिल बैठ कर भारत का संविधान बनाया था और उस संविधान में अब तक 60 से ज्यादा अमैंडमैंटस हो चुकी हैं। इसलिए अब आप भी इस ऐक्ट को हालात के मुताबिक अमैंड कर दो।

श्री भजन लालः चौधरी साहब, जो ऐक्ट बना है, वह इतना भाानदार ऐक्ट है जिसकी नकल कई प्रदे ाों ने की है। अतः इसको बदलने की जरूरत नहीं है।

श्री बंसी लालः अगर हमारी बातें सारी ही गलत लगती हैं तो आप उनको ठीक कर दो।

श्री भजन लालः मैं आपके खिलाफ कोई बात नहीं करता। यह तो रिकार्ड की बात है। आदमी जब खुद कुर्सी पर नहीं होता तो दूसरों को जो चाहे कह दे। लेकिन होता है और न करे तो अच्छी बात नहीं। औरों को कहना आसान है लेकिन अगर ऐसी बात थी तो आप भी कर सकते थे। दूसरी बात आपने मनोरंजन पार्क के बारे में कही। डिजनी लैंड आपने कहा कि मैंने नहीं बनाई। मैं आपकी यादा त ताजा करने के लिए कह रहा हूं कि एक चिटठी 16 अप्रैल, 1990 को भारत सरकार की लिखी हुई हमारे पास आई। उसमें लिखा था कि कोरिया और जापान के

कुछ लोग बडखल लेक के क्षेत्र में दो या तीन करोड रूपये की लागत से पर्यटन केन्द्र स्थापित करने के इच्छुक हैं। मैंने 17.6.90 को ही भारत सरकार को उत्तर दिया कि बडखल लेक के विकास के लिए हरियाणा पर्यटन विभाग की अपनी कई योजनाएं हैं तथा हरियाणा सरकार को किसी भी ऐसी योजना के लिए जमीन देने में कठिनाई होगी, इसलिये हमें आपकी यह योजना मन्जूर नहीं है। अब रह गई अगली बात हरियाणा में मनोरंजन पार्क, डिजनी लैंड के प्रस्ताव की। इसकी असली भुरूआत 1986 में हुई। आप नोट कर लें कि 16 अगस्त 1986 को तत्कालीन मुख्य मंत्री श्री बंसी लाल के नाम श्री भीखू राम जैन जो एम0पी0 थे का पत्र प्राप्त हुआ। उस पत्र में निम्नलिखित बातों का उल्लेख था :–

एक नम्बर पर कहा गया कि हरियाणा में श्री जैन द्वारा प्रस्तावित मनोरंजन पार्क की लागत लगभग 100–150 करोड रूपए की होगी। यह पार्क वि व विख्यात डिजनी लैंउ अमरीका की तरह का होगा। (विघ्न) आप एक मिनट सुनने की कृपा करें आपकी पार्टी भी इसमें आएगी। मैं रिकार्ड की बात बता रहा हूं आप सुनने की कृपा करें। यह सीरियस मैटर है, चौधरी बंसी लाल जी ने डिनाई किया है। फिर सी में कहते हैं कि इस तरह के प्रोजेक्ट के लिए 500 एकड जमीन देने के लिए यू0पी0 सरकार से अनुरोध किया गया था और यू0पी0 सरकार ने उन्हें इतनी जमीन दिल्ली यू0पी0 बौर्डर के पास रिजर्व भी कर दी है। फिर आगे डी में क्या कहते हैं ? श्री जैन ने इस विशय में भारत सरकार से भी विचार

विम र्ा किया है तथा भारत सरकार के पर्यटन सचिव ने इस प्रोजैक्ट को लगाने के लिए सभी सम्भव सहायता देने की इच्छा व्यक्त की है। वहां सचिव कौन थे ? एस0 के0 मिश्रा जी। उन्होंने यह भी स्पश्ट किया कि इस प्रोजैक्ट के लिए विदे ाी सेवा प्राप्त करने के लिए विचार विम र्ा चल रहा है जिसको सम्भवतः भीघ्र ही अन्तिम रूप दे दिया जाएगा। आगे श्री जैन ने यह भी अनुरोध किया कि वे इस प्रोजैक्ट को हरियाणा में फरीदाबाद के निकट लगाना चाहेंगे जिसके लिए उनके पुत्र नरेन्द्र जैन ने एक प्रस्ताव औपचारिक तौर से सचिव पर्यटन को पहले ही भेज दिया है। उपरोक्त पत्र पर 26.8.86 को मुख्य मंत्री जी ने आदे ा दिए कि इस मामले का तुरन्त निरीक्षण किया जाए। ये चौधरी बंसी लाल जी के आदे ा हैं। इस आ य का पत्र श्री भीखू राम जैन ने 16. 8.86 को तत्कालीन पर्यटन सचिव भारत सरकार को लिखा। 16.8. 86 को ही श्री नरेन्द्र जैन सुपुत्र श्री भीखू राम जैन ने मनोरंजन पार्क लगाने का एक औपचारिक प्रस्ताव सचिव, पर्यटन, हरियाणा सरकार को दिया। इस पत्र में मूल रूप से निम्नलिखित बातों का उल्लेख था। वे बातें क्या हैं ? ए मनोरंजन पार्क वि व विख्यात डिजनी लैंउ की तरह का होगा। बी यह प्रोजैक्ट कई चरणों में यानी कई फेजिज में वि ब की बडी विदे ाी कम्पनियों के सहयोग से लगाया जाएगा। सी इस प्रोजैक्ट के लिए लगभग दो सौ हैक्टेयर या पांच सौ एकड जमीन की जरूरत होगी जो दिल्ली हरियाणा बौर्डर पर या सुरजकुंड बडखल क्षेत्र में स्थित हो। उपरोक्त प्रस्ताव का उत्तर 25.8.86 को सचिव पर्यटन द्वारा दिया

गया। इस पत्र में सरकार की सहमति देते हुए कहा गया कि सरकार अव य इस प्रकार के अम्यूजमैंट पार्क बनाने में रूचि लेगी जिसका आपने जिक्र किया है। साथ में यह भी इच्छा व्यक्त की गई कि मनोरंजन पार्क की प्रोजैक्ट रिपोर्ट भीघ्र भेजी जाए। श्री नरेन्द्र जैन के प्रस्ताव के बारे में मुख्य मंत्री जी ने 31.8.86 को अनुमोदन किया। उस समय अ ाोक पाहवा आपके पर्यटन सचिव थे। मनोरंजन पार्क के प्रस्ताव को कार्यान्वित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाने का प्रस्ताव तत्कालीन पर्यटन सचिव, हरियाणा ने मुख्य मंत्री के अनुमोदन के लिए 31.12.86 को दिया। इस नोट में दिए गए सुझाव निम्नलिखित थे :–

(ए) हरियाणा सरकार इस प्रोजैक्ट के लिए जमीन उपलब्ध कराएगी जिसका एरिया प्रोजैक्ट के साईज पर निर्भर करेगा। चाहे कितना ही बडा प्रोजैक्ट हो। (बी) हरियाणा सरकार इस प्रोजैक्ट को बनाने के लिए विज्ञापन रिलीज करे। मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने इस प्रस्ताव का 3.2.1987 को अनुमोदन किया। मुख्य मंत्री के अनुमोदन के बाद 1987 में भारत के प्रमुख अखबारों में विज्ञापन दिया गया जिसमें अन्तर्राश्ट्रीय स्तर का मनोरंजन पार्क बनाने के लिए प्रोजैक्ट प्रो फाईल मांगी गई और उसकी अन्तिम तिथि 15 मार्च 1987 निर्धारित की गई।

स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल जी के मुख्य मंत्री काल में जिस मनोरंजन पार्क को बनाने की स्वीकृति दी गई थी

वह श्री भीखू राम जैन और श्री नरेन्द्र जैन के प्रस्तावों पर आधारित थी। इस प्रस्ताव में स्पश्ट रूप से लिखा गया है कि 500 एकड जमीन इस प्रोजैक्ट के लिए आव यक होगी। मुख्य मंत्री चौधरी बंसी लाल जी ने 3.2.87 को जिस प्रस्ताव का अनुमोदन किया था उसमें 2 फरवरी 1987 के दिए गए अखबारों के विज्ञापन में कहीं भी 100–200 एकड जमीन का जिक्र नहीं किया गया। उपर्युक्त तथ्यों से स्पश्ट है कि 4 जुलाई 1991 के समाचार पत्रों में छपा चौधरी बंसी लाल जी का डिनायल और 8 जुलाई 1991 के समाचार पत्रों की भेंट में यह कहना कि डिजनीलैंड का प्रस्ताव उनका निजी था, वास्तविक तथ्यों के अनुकूल नहीं है। फरवरी 1987 के विज्ञापन के उत्तर में 47 उद्धमियों ने अपने प्रस्ताव भेजे।

इन प्रस्तावों पर निर्णय लेने के लिए 9.4.87 को सचिव पर्यटन विभाग की अध्यक्षता में एक स्क्रूटनी कमेटी बनी और पर्यटन मंत्री के अंडर एक सिलैक ान कमेटी बनाई गई। इन कमेटीज के कई वरिश्ठ अधिकारी सदस्य थे। स्क्रूटनी कमेटी की मीटिंग्ज जो आपके वक्त में हुई वे 24.4.87, 9.5.87, 10.5.87, 27. 5.87 तथा 26.4.87 को हुई। स्क्रूटनी कमेटी में यह बात भी आई कि जिन लोगों ने डिजनीलैंड के लिए जमीन की डिमांड की वह 200 एकड से लेकर 1200 एकड तक है। ये सारी बातें जो मैंने आपको बताई हैं ये सारी रिकार्ड पर आधारित हैं। अब आप सुन लीजिए चौधरी देवी लाल ने क्या किया।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, चौधरी भजन लाल जी ने बात को बहुत टविस्ट करने की कोि ा ा की। अध्यक्ष महोदय, इन्होंने कहीं पर यह नहीं बताया कि मेरी सरकार ने किसी वक्त यह निर्णय लिया हो जिससे यह मालूम हो कि किसी ऐग्रीकल्चर लायक जमीन को इस्तेमाल करने की कोि ाश की गई हो। मेरे समय में जो अखबारों में ऐडवर्टाइजमैंट दी गई उसमें क्लीयरकट यह लिखा हुआ है–

"Haryana Tourism has established an extensive Tourist Complex at Suraj Kund' District Faridabad. Haryana (8 Km from Delhi) where tourist facilities like Raj Hans, Motel, Golf Course, Swimming Pool, Restaurant etc. have been provided."

It is not 64 kilometers from Delhi. It was only 8 kilometers.

और यह डिजनीलैंड 64 किलोमीटर है। अगर चौधरी भजन लाल जी यह कहते हें कि इस डिजनीलैंड को बनाने की प्रोपोजल मैंने चलाई थी तो यह हाउस को गुमराह कर रहे हैं। अगर कल को यह कहें कि करनाल में चक्रवर्ती लेक मैंने बना दी उसकी वजह से दमदमा साहब की डिजनीलैंड बन गई तो मेरा क्या कसूर है ? मैंने किसी भीखू राम जैन या किसी दूसरे आदमी के प्रस्ताव पर कोई फैसला नहीं लिया। यदि मैंने किसी पहाडी एरिया में या रौकी एरिया में कोई टूरिस्ट कम्पलैक्स बनाने की कोि ा ा की थी तो यह मेरी बहुत अच्छी कनसैप् ान थी कोई गलत बात नहीं थी और कोई गलत काम नहीं था। हमने ऐडवर्टाइजमैंट में कहीं

भी यह नहीं कहा कि इतनी धरती चाहिए। आपने यह तो कह दिया कि उसमें 100–200 एकड जमीन का जिक्र कहीं भी नहीं है लेकिन आपने यह तो नहीं कहा कि एडवर्टाइजमैंट में 500 या 1200 एकड जमीन का कहीं जिक्र है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, मैं आपके जरिए मुख्य मंत्री जी से प्रार्थना करूंगा कि आप फाईल की पूरी कापी हाउस की टेबल पर रख दें ताकि सारी बातें सामने आ जाएं। आपने एक नोट बना लिया और उस नोट में टविस्ट करके अपनी बात कहने की कोि ाश कर दी। यह बिल्कुल निराधार बात है और मैं समझता हूं तथ्यों से दूर है।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इसी बात पर फैसला हो जाए जो बात मैंने सदन में कही है। यह मामला आप प्रिविलेजिज कमेटी को दे दें। मैंने जो आंकडे बताएं हैं वह कागज मैं आपको दे दूंगा। अगर मैंने हाउस को गुमराह किया है तो मेरे खिलाफ ऐक ान हो जाए और यदि चौधरी बंसी लाल जी हाउस को गुमराह करते हैं तो इनके खिलाफ ऐक ान हो जाए।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, चीफ मिनिस्टर साहब उस फाईल को हाउस की टेबल पर रख दें उससे पता लग जाएगा। अगर मैं दोशी हूंगा तो मैं अपना दोश मान लूंगा। फाईल से मुख्य मंत्री जी पढ रहे हैं कि बडखल लेक और सूरजकुण्ड के बीच में यह कम्पलैक्स बनना था। कहां बडखल लेक और कहां सूरजकुण्ड ? बडखल लेक और सूरजकुण्ड तो फरीदाबाद

डिस्ट्रिक्ट में है जबकि डिजनीलैंड की चर्चा दिल्ली से 64 कि0मी0 दूर दमदमा के पास बनने की है।

श्री भजन लालः आप आगे सुनो, यह स्कीम दमदमा में क्यों गई ? आपने डिजनीलैंड बनाने की एक बात को तो मान लिया। जो टैक्नीकल लोग थे यानी भीखू राम जैन के लडके ने पूरी जानकारी आपको डिजनीलैंड के बारे में दी कि अमेरिका जैसा बहुत भाानदार डिजनीलैंड बनेगा। यह तो रिकार्ड की बात है।

श्री बंसी लालः आप यह बता दें कि कमेटी ने क्या फैसला किया था ? मेरा कहना यह है कि मेरे अफसरों की कमेटी ने जो फैसला किया था, वह आप बता दें।

श्री भजन लालः अभी बता देता हूं।

श्रीमती चन्द्रावतीः औन ए प्वायंट आफ आर्डर। स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर यह है कि जब इनके पास फाईल में तथ्य हैं तो वे फाईल को ही हाउस के सामने रख दें। हम सब ऐग्जामिन कर लेंगे। यह तो सब जानते हैं कि प्रिविलेज कमेटी में तो फैसले बहुमत के आधार पर होते हैं। यह हमें पता है। (विघ्न) नहीं तो हम उनको स्पीकर साहब के कमरे में देख लेंगे। उन तथ्यों का पता ही पड जाएगा कि उनमें क्या हैं। मेरा फिर कहना है कि जो यह फाईल है इसको हाउस की मेज पर रख दिया जायें इसको हम सब देख लेंगे।

श्री भजन लालः बहन जी, यह सदन है। गांव का कोई दंगल नहीं है और मैं मुख्य मंत्री की हैसियत से बोल रहा हूं। मेरी बाकायदा आफर है कि यह मामला प्रिविलेज कमेटी को सौंप दें, जिसका दोश होगा उसको सजा हो जाएगी। इसमें किसी को कोई तकलीफ की बात नहीं होनी चाहिए।

श्रीमती चन्द्रावतीः जो इस केस से संबंधित तथ्य हैं वे आप हाउस की टेबल पर रख दें, हम सभी उनको देख लेंगे।

श्री भजन लालः बहन जी, आप तो बहुत पुरानी मैम्बर हैं। आप तथ्य देखना चाहती हैं तो आप हमारे पास आइए, हम आपको सारे तथ्य दिखा देंगे। आप स्पीकर साहब के चैम्बर में आइए वहां हम आपको दिखा देंगे। फिर आपको पता लग जाएगा कि उनमें क्या है।

श्रीमती चन्द्रावतीः जो तथ्य हैं वे मुझे ही नहीं सभी को दिखाने चाहिए और उस फाईल को हाउस की टेबल पर रखना चाहिए ताकि सभी उन तथ्यों को देख सकें।

श्री भजन लालः यह कोई टेबल पर रखने की बात नहीं है। यह एक स्टेटमैंट है। इन्होंने एक बात कही उसका मैंने जवाब दिया। यदि मैं झूठा हूं तो मुझे इसकी सजा मिलनी चाहिए। तथ्य देखने हों तो स्पीकर के चैम्बर में आइए। हम आपको ये तथ्य दिखाएंगे।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, मैंने यह नहीं कहा कि ये झूठ बोल रहे हैं। मैंने यह कहा है कि हमारी जो प्रोपोजल थी वह बडखल और सूरजकुण्ड लेक के बीच की थी। उस वक्त डिजनीलैंड की कोई बात नहीं थी। भीखू राम जैन की जो प्रोपोजल है उसको हमने एज सच कहीं माना नहीं होगा।

श्री भजन लालः आपने तो यही कहा है कि यह किसी और के दिमाग की नहीं मेरे दिमाग की उपज थी। भीखू राम जैन के प्रस्ताव पर ही आपने सब कुछ किया यह एक बात है।

श्री बंसी लालः यह क्या जरूरी है और भी बहुत से दुनिया के काम होते हैं लेकिन टूरिस्ट कम्पलैक्स बनाना तो मेरी हौबी थी। इसमें कोई दो राय नहीं है कि मैं वहां पर टूरिस्ट कम्पलैक्स बनाना चाहता था। मैं यह भी बता देना चाहता हूं कि उस समय मैं कोई भी जमीन खेती के योग्य वाली इस्तेमाल करने वाला नहीं था।

श्री भजन लालः चौधरी बंसी लाल जी हम आप पर कोई इलजाम तो लगाते नहीं लेकिन यह कहना कि यह मेरे वक्त की प्रोपोजल नहीं थी, ठीक बात नहीं है। यह भी ठीक बात है कि आपने वहां के लिए किया था लेकिन फिर डिजनीलैंड के लिए टैक्नीकल और इन्जीनियर लोगों ने कहा कि डिजनीलैंड वहां पर बन नहीं सकता क्योंकि यह जमीन इतना भार औट नहीं सकती। जो मैं कह रहा हूं, यह रिकार्ड की बात है। (विघ्न) दूसरी जगह

पर आप नहीं ले गए ये लोग ले गए। इन्होंने सक्रूटनी कमेटी का अध्यक्ष पर्यटन सचिव भी तबदील हो गया और उनकी जगह श्री एस0के0 मिश्रा सैक्रेटरी आ गए। दिनांक 25.7.1987 को नये पर्यटन सचिव की अध्यक्षता में सक्रूटनी कमेटी ने 15 प्रार्थियों को बुलाया जिनमें से 6 आए और उन्होंने कहा कि 30 अक्तूबर 1987 तक वे विस्तृत प्रोजैक्ट रिपोर्ट देंगे। दिनांक 20.11.1987 को कमेटी की मीटिंग हुई जिसमें ये निर्णय लिये गये। चीफ आर्किटैक्ट हरियाणा द्वारा बडखल सूरजकुण्ड का जियोलोजिकल सर्वे करवाया जाए, पानी की उपलब्धता के बारे में जमीन को टैस्ट करवाया जाए, मनोरंजन पार्क अथौरिटी स्थापित की जाए, एक हजार एकड रकबा इसके लिए निर्धारित किया जाए, इसमें से 500 एकड की जरूरत तत्काल होगी और 500 एकड बाद के लिए रखा जाए जो कि पर्यटन को बढावा देने के लिए चाहिए। दिनांक 22.11.1987 को चौधरी देवी लाल की अध्यक्षता में इस प्रोजैक्ट की प्रगति जांचने के लिए एक मीटिंग हुई जिसमें उस समय के उद्योग मंत्री, अध्यक्ष, हरियाणा पर्यटन निगम, तत्कालीन पर्यटन सचिव, मुख्य मंत्री के प्रधान सचिव आदि अधिकारियों ने भाग लिया।

श्री बंसी लालः मेहरबानी करके यह भी बताइये कि इस प्रोजैक्ट को स्टडी करने के लिए फोरेन कन्ट्रीज कौन कौन गए। चौधरी देवी लाल जी ने जो मीटिंग प्रिजाईड की उसमें कौन कौन अधिकारी उपस्थित थे। उन अधिकारियों के भी नाम लीजिए। श्री एस0के0 मिश्रा का नाम तो आपने ले दिया लेकिन बाकी के

अधिकारियों के सिर्फ डैजिगने ान ही बताए हैं। (विघ्न) बाकी के अधिकारियों का नाम भी बताते जाएं तो ठीक रहेगा।

श्री भजन लालः वह भी मैं बता रहा हूं। मुझे कोई ऐतराज नहीं।

श्री बंसी लालः यह भी बताईये कि किसने मीटिंग अटैंड की और कौन कौन फोरेन कन्ट्रीज में सर करके आए।

श्री भजन लालः यह भी मैं अभी बताए देता हूं। अध्यक्ष महोदय, उसके बाद में जो निर्णय लिये गये वे इस प्रकार हैं कि हुडडा की तरह मनोरंजन पार्क अथौरिटी बनाई जाए। पर्यटन सचिव के सुझाव पर निर्णय लिया गया कि दमदमा में उपलब्ध झील को देखते हुए कितने भाग की जरूरत हो सकती है और इसके अन्तर्राश्ट्रीय ऐयर पोर्ट के नजदीक होने के कारण दमदमा क्षेत्र में मनोरंजन पार्क बनाने के लिए सर्वे करवाया जाए। प्रौपर टैंडर जारी करके प्रोजैक्ट रिपोर्ट मांगी जाए, पर्यटन विभाग, पब्लिक हैल्थ डिपार्टमैंट, एम0आई0टी0सी0, उद्योग विभाग और उपायुक्त, गुडगांव की कमेटी बना कर इस क्षेत्र का सर्वे करवाया जाए। दिनांक 5.1.89 को उपरोक्त कमेटी की बैठक हुई जिसमें सम्बधिंत विभागों को कहा गया कि वे इस क्षेत्र में पानी की उपलब्धि के लिए जियोलोजीकल हिस्टरी, रौकस्ट्रक्चर, तथा भूमि की लोड कैरिंग कैपेसिटी के बारे में सभी मूलभूत आंकडे उपलब्ध करवाएं। क्योंकि फरवरी 1987 में जारी किए गए विज्ञापन के

जवाब में कोई उपयुक्त पार्टी उपलब्ध नहीं हुई इसलिए तत्कालीन पर्यटन मंत्री, पर्यटन सचिव ने दिनांक 5.4.1989 को प्रौपर टैण्डर जारी करने का फैसला किया और टैण्डर मंगवाने की तिथि 31.5. 1989 रखी गई। दिनांक 5.6.1989 को तत्कालीन पर्यटन सचिव की अध्यक्षता में सिंचाई विभाग, पी0डब्ल्यू0डी0 (बी0 एण्ड आर0) के मुख्य अभियन्ता, एम0डी0, एच0एस0एम0आई0टी0सी डायरैक्टर, टाउन एण्ड कण्ट्री प्लानिंग की मीटिंग हुई। (विघ्न)

श्री बंसी लालः मुख्य मंत्री जी ने भाायद ऐसा पढा मुझे ठीक सुनाई न दिया हो कि हमारा फरवरी 1987 को जो ऐडवर्टाईजमैंट था उसके रिस्पौन्स में कोई प्रौपोजल नहीं आया। इन्होंने ऐसा तो नहीं कहा, जरा ये इसे दोबारा पढ दें।

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, मैंने अभी यह कहा है कि फरवरी 1987 को जारी किये गए विज्ञापन के जवाब में लोग तो आए लेकिन उपयुक्त पार्टी नहीं उपलब्ध हुई। इसका क्या मतलब है, ये खुद समझ लें।

श्री बंसी लालः जब हमने उसको उपयुक्त ही नहीं माना तो फिर हमने उनकी बात कहां मानी ?

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इन सारे पहलुओं को देखिये कि किस प्रकार से कमेटी ने रिपोर्ट दी कि दमदमा के पास सारी चीजें उपलब्ध हैं और उसको ि ाफ्ट करके चौधरी देवी

लाल की सरकार ने ऐसा गदर मचाया जिसकी कोई हद नहीं। स्पीकर साहब, वह गदर क्या है ?

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, मैं आपके जरिए फिर मुख्यमंत्री से प्रार्थना करूंगा कि इस प्रोजैक्ट को दमदमा में तैयार करने में कौन कौन आदमी थे, कौन कौन अधिकारी थे, कौन कौन अधिकारी या पौलीटिि ायन दूसरे कन्ट्रीज में इसको स्टडी करने गए और किस अधिकारी ने इस मीटिंग को प्रिजाइड किया और कौन कौन इसमें हाजिर थे, सब के नाम बताए जाएं ? आपने अकेले एस0के0 मिश्रा को प्वायंट आउट कर दिया। बाकी औफिसर्ज के भी तो नाम बताओ। उनके नाम छिपाने की कोि ा ा क्यों कर रहे हैं ?

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, मैं एस0के0 मिश्रा को कोई बेईमान नहीं बता रहा हूं।

श्री बंसी लालः आप दूसरों के नाम भी बताओ। एस0के0 मिश्रा के नाम का तो पता लग गया। दूसरों के नाम का भी तो पता लग जाए बाबा।

श्री भजन लालः न ही मैंने आपके बारे में कोई बात कही है और न ही मिश्रा जी के बारे में।

श्री बंसी लालः आपने कोई खिलाफ बात तो नहीं कही लेकिन उनके नाम तो बता दो कि विलायत कौन कौन गए, सैर करने कौन कौन गए ?

श्री भजन लालः वह भी बता दूंगा। आप सुनने की कृपा करें। आप सुनिए कि कौन कौन इसमें थे। आर0एस0 वर्मा, आपके प्रिंसीपल सेक्रेटरी ठीक है। अ ाोक पाहवा, एस0के0 मिश्रा, बी0एस0 ओझा, एस0के0 भार्मा, आर0एल0 सुधीर और आर0एस0 वर्मा मीटिंग में आर0एल0 सुधीर फिर हैं। आर0एल0 सुधीर तो दो बार मीटिंग में रहे। मेरे कहने का मतलब यह है कि जिस महानुभाव का नाम आप चाहते थे उसका नाम इसमें है।

श्री बंसी लालः आप यह बताइए कि कब कब कोई गया, किन किन तारीखों में गया। वह सब आप दें चाहें मेरा प्रिंसीपल सैक्रेटरी आर0एस0 वर्मा गया या कोई और गया। आप यह भी बताएं कि क्या मेरे मुख्य मंत्री होते हुए कोई अधिकारी स्टडी करने फौरन कंट्री गया या मेरे बाद गया ? ये सारी चीजें आप बाकायदा दो। अगर आपके पास यह सब चीजें तैयार नहीं हैं तो लिख कर भेज दो।

श्री भजन लालः चौधरी साहब, आपका मामला तो वहीं खत्म हो गया। आपको मामला वहीं तक था जब आप इसकी भाुरूआत करके, आग लगा कर चले गए। (हंसी) आपका चैपटर तो वहीं खत्म हो गया। अब आगे तो इनकी मेहरबानी है। आगे आपका दोश नहीं है।

श्री बंसी लालः आप इसको सरकुलेट कर दो कि किन किन तारीखों में कौन कौन गए। किन तारीखों मैं किसके मुख्य

मंत्रीत्व काल में कौन कौन किन किन तारीखों में गए और किसके काल में नहीं गए।

श्री भजन लालः जब कमेटी बाहर गई तो उस समय मुख्य मंत्री चौधरी देवी लाल थे आप नहीं थे। जाने वालों में एक बी0एस0 ओझा हैं तो जरूर यह मैं कह सकता हूं। कोई गुनाह की बात नहीं है। दो औफिसर्ज और भी गए और उन्होंने अपनी रिपोर्ट में यह कहा है कि इस प्रोजैक्ट को मानने की आव यकता नहीं है। (व्यवधान) इस रिपोर्ट के बावजूद आपने इस काम को किया। (व्यवधान) मुझे पता है कि आपने कैसे रिपोर्ट बनाई ? उसमैं क्या था और आपने कैसे बनाई और क्यों बनाई ? उसका इतिहास जरा आप सुनो। (व्यवधान) आप पांच मिनट सुन तो लो वरना यह सारी खबर रह जाएगी। प्रैस में कुछ नहीं आएगा और आपके लिए मु कल हो जाएगी क्योंकि आपका नाम आना चाहिए। (व्यवधान) स्पीकर साहब, ये लोग बडखल से दमदमा उठाकर क्यों ले गए ? कुछ कारण इसका यह भी हो सकता है कि वहां इन्होंने जमीन ....

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, जो प्रोपोजल बडखल लेक और सूरजकुण्ड के बीच वाली जगह के लिए थी वह ऐन्टायरली डिफरैन्ट थी। अगर अब ये चक्रवर्ती लेक को भी डिजनी लैंड और दमदमा के साथ लिंक कर दें तो हम क्या कर सकते हैं ? ये यूं कैसे कहते हैं कि दमदमा ले गए ? स्पीकर साहब, ये ले नहीं गए इन्होंने नई प्रोपोजल बना ली ?

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, प्रोजैक्ट तो यही था। जगह दूसरी थी। यह ठीक बात थी। यह दूसरी जगह ले गए, क्यों ले गए ? इन्होंने अपने चहेतों से पंचायतों की जमीन इस आ ाा में ले ली कि इसको सरकार तौर पर ऐक्वायर करवा देंगे। इन्होंने उनसे पन्द्रह बीस हजार एकड में वह जमीन ली और सरकार से पांच लाख एकड वसूल कर लेना चाहते थे। स्पीकर साहब, दस हजार एकड जमीन लोगों की थी। इतना बुरा हाल प्रदे ा में हुआ कि सारे दे ा के किसान इस मामले में इकटठे हो गए। किसानों ने सोचा कि यह बडी भारी गलत बात है। स्पीकर साहब, यह जमीन 28341 एकड थी। कहां 200, 400 या एक हजार एकड की बात थी और कहां 28341 एकड। प्रदे ा के अन्दर बडा भारी ऐजीटे ान हो गया और एक लाख से ज्यादा किसान वोट क्लब पर आए। स्पीकर साहब, यह सरकार बडी भारी ऐन्टी फारमर थी। स्पीकर साहब, यह किसानों को झांसा देती थी और किसान को गुमराह करके वोट हथियाती थी।

17.00 बजे।

चौटाला साहब, 28 हजार एकड से घट कर 4 हजार एकड पर आ गये। उन्होंने सोचा कि पहले चार हजार एकड पर बन जाए और बाद में अगर मौका लगेगा तो इसको और बढा देंगे यह इनकी प्रोपोजल थी। स्पीकर साहब, दफा चार और छः के नोटिसीज हो गये कब्जा लेने की नौबत आ गई इत्तफाक से कहो या कुछ कांग्रेस की नीतियों और प्रोग्राम्ज की वजह से कह लो या

फिर इनकी मेहरबानी के कारण कह लो क्योंकि अगर ये ऐसे काले कारनामे न करते तो भाायद हमें आज बहुमत न मिलता। इतना बहुमत हमें कभी मिला ही नहीं जितना कि अब मिला है। ये कहते थे कि भजन लाल जी सब जगह पर नहीं गये। क्यों नहीं गया, क्योंकि मुझे वहां पर जाने की जरूरत ही नहीं पडती थी जहां चौटाला साहब चले जाते थे।

श्री लहरी सिंहः स्पीकर साहब, ऐक्सपोज तो इन्हें चौधरी बंसी लाल जी ने किया और फायदा ये लोग उठा ले गए। इसके साथ साथ मैं मुख्य मंत्री महोदय से यह कहूंगा कि जी0टी0 रोड पर फोर लेनिंग का काम बडा बढिया तरीके से चल रहा था लेकिन उसका काम रूक गया क्योंकि एक कमी ान का चक्कर था। करनाल से मुरथल तक रोजाना बहुत से ऐक्सीडैंटस होते हैं। इस फोर लेनिंग की ओर मुख्य मंत्री महोदय ध्यान दें ताकि ऐक्सीडैन्टस की संख्या घटाई जा सके।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, चौधरी लहरी सिंह अभी कह रहे थे कि ऐक्सपोज तो इन्होंने किया और फायदा ये उठा रहे हैं। लेकिन मैं यह समझता हूं और तीन दिनों से देख भी रहा हूं कि फायदा तो इन्होंने मिल मिला कर ले लिया कोई खास फर्क नहीं है।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, भाई सम्पत सिंह तीसरी बार भाायद एम0एल0ए0 बन कर आये हैं, कुछ तो थोडी सी

अक्ल इनको आ जानी चाहिये। वैसे इनका कसूर नहीं है क्योंकि ये चौधरी देवी लाल जी के साथ रहे। उनका और अक्ल का मेल कुछ कम ही है। जो मर्जी है कह लो। अध्यक्ष महोदय, एक मिसाल ये कहें तो सुना दूं। किसी ने कहा कि मुझे अक्ल चाहिये। अक्ल लेने के लिये बाजार में निकल पडा। सबसे पहले वह एक डाक्टर के पास गया। किसी से सुना कि बडा समझदार डाक्टर है, भारीर में जान डाल देता है। उसने डाक्टर साहब से कहा कि मुझे अकल चाहिये, कितने पैसे लोगे। उसने कहा कि एक लाख रूपया। वहां से चला गया। फिर एक इंजीनियर के पास गया। उससे पूछा कि मुझे अकल चाहिये कितने पैसे लोगे। उसने कहा कि सवा लाख रूपया क्योंकि मेरी पढाई तो डाक्टर से ज्यादा है। बडे बडे डैम बनाते हैं हम। फिर उसके बाद वकील के पास गया क्योंकि ये तो फांसी चढे इन्सान को भी नीचे उतार देते हैं। कहा कि भाई अकल चाहिये। उसने कहा कि डेढ लाख रूपया लगेगा। अन्त में चौधरी देवी लाल जी के पास गया। कहने लगा कि चौधरी साहब, अकल चाहिये क्या लोगे ? उन्होंने कहा कि 2 लाख से कम नहीं लूंगा। जब उसने पूछा कि क्यों, तो चौधरी साहब ने कहा इसलिये दो लाख मांग रहा हूं क्योंकि मेरी अकल तो बिल्कुल कोरी है, यूज की हुई नहीं है। (हंसी)

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, ये तो आप बीती ताजा कर रहे हैं। आदमी को आप बीती याद आती हैं।

श्री भजन लालः मेरे में तो अकल है ही नहीं। मेरे में अकल न होती तो देवी लाल को कैसे हिला देता।

श्री सम्पत सिंहः 1977 में रोज पैर पकडा करते थे उनके।

श्री भजन लालः सुनो मेरी बात श्रीमान जी। मैं उस खून का नहीं बना जो किसी के पैर पकडूं। हम तो परमात्मा के पैर पकडते हैं। परमात्मा से डरकर कहता हूं कि हमने तो बडों बडों को चैलेन्ज कर रखा है। कहीं ऐसी बात मन में हो फिर कहीं आ जाना।

अध्यक्ष महोदय, मेरे कहने का तात्पर्य यह है कि हमने सरकार बनते ही जो किसानों से वायदे किए थे डिजनीलैंड प्रोजैक्अ के बारे में वे पूरे किए हैं। हमने सारी की सारी जमीन डिजनीलैंड की रदद करके और जो उनहोंने आर्डिनैंस जारी किया था और जमीन ऐक्वायर करने की जो कार्यवाही की थी वह सारी की सारी दफा 6 की कार्यवाही हमने रदद जमीन किसानों के हवाले कर दी है। यह फैसला हमने कर दिया है।

स्पीकर साहब, एक बात यहां पर एडल्ट एजुके ान के बारे में कही गई। आप जानते हैं वह मामला सुप्रीम कोर्ट में है। उसको हम देखेंगे कि उसमें क्या हो सकता है। एक घोशणा मैं यहां और करना चाहता हूं कि लडकियों की ि ाक्षा बी0ए0 तक

की सारे प्रदे ा में फ्री होगी, कोई पैसा चार्ज नहीं किया जाएगा। (तालियां)

श्री अध्यक्षः साथ में प्राईवेट कालेजों की भी तो फ्री करें।

श्री भजन लालः प्राइवेट और सरकारी कालेज दोनों की कर देंगे। (तालियां)

श्री राम बिलास भार्माः आन ए प्वायंट आफ आर्डर। अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी ने प्राइवेट कालोनाइजे ान और डिजनीलैंड के बारे में तो अपनी बात कह दी लेकिन दिल्ली के आस पास फार्म हाउसिज के नाम से जो स्कैंडल चल रहे हैं उनके बारे में भी अपनी बात कह दें।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, सारी बात को देखेंगे, मैं फौरी तौर पर ऐसी बात नहीं कह सकता। लेकिन अगर कोई भी ऐसी बात होगी जो कायदे कानून के बाहर होगी तो आप हमारे नोटिस में लाएं उस पर हम जरूर कार्यवाही करेंगे। किसी को भी कोई रियायत या माफ करने का सवाल नहीं है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, वैसे तो दफा चार और छः का नोटिस कायदे कानून में हुआ था। वह तो कायदे कानून के भीतर ही था बाहर की बात नहीं है। राम बिलास जी जो कह रहे हैं कि लोगों ने फार्म हाउसिज बना लिए हैं इधर बादली तक और उधर सोहना तक और उधर राजस्थान बोर्डर तक यह निरा

ही फ्रौड है। (विघ्न) उसके बारे में ये कह रहे हैं। वह कानूनी तौर पर तो सही मिलेगा जैसे डिजनीलैंड भी सही थी।

श्री भजन लालः चौधरी वीरेन्द्र सिंह आपने उस सरकार के पांच पार्ट बना दिए। अब यह कौन से पार्ट में आता है यह देखना पडेगा।

श्री वीरेन्द्र सिंहः फार्म हाउस जो हैं ये किसी पार्ट में नहीं आते। वे तो प्राइवेट लोगों ने बना रखे हैं। उसमें कोई पार्ट वार्ट का चक्कर नहीं है। आप यूं बात मत टालो।

श्री भजन लालः मैं टालता नहीं। मैं आपको बताता हूं कि यह पिछली सरकार ने फ्री कर दिया फार्म हाउस वाला मामला। इस पर भी कोई लिमिट होनी चाहिए। पहले लिमिट थी।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, ग्रेजुए ान तक इन्होंने लडकियों की फ्री ि ाक्षा की उसके लिए इनका धन्यवाद लेकिन यह जो स्टेट ऐजुके ान कमी ान की बात थी इसके बारे में मैंने सुझाव दिया था कि इसका खर्चा बढाने की जरूरत नहीं है। या तो आप चीफ सैक्रेटरी की चेयरमैनि ाप में कमेटी बना दो या फाइनैंस मिनिस्टर की चेयरमैनि ाप में बना दो, नया हाथी न बांधो।

श्री भजन लालः इस बात को मैं मान लेता हूं कि हम ऐजुके ान कमी ान नहीं बनाएंगे। ठीक है, राजी हो। अगर आपकी बात नहीं मानेंगे तो अच्छी बात न होगी।

श्री राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ और्डर है। मेरी सबमि ान यह है कि मुख्य मंत्री जी ने भी कहा था कि दिल्ली के आस पास फार्म हाउसिज के नाम से स्कैंडल है। दिल्ली के चार तरफ उत्तर प्रदे ा भी है लेकिन उसमें फार्म हाउस इस तरह से नहीं है। मैं मुख्य मंत्री जी से गुजारि ा करना चाहता हूं कि हरियाणा में जिस रफ्तार से छोटा किसान फार्म हाउस के नाम से उजड रहा है उस पर रोक लगाएं। जो गलत फार्म हाउस बने हैं उनकी कोई जांच कराएं और कोई कंक्रीट स्टैप लें। डिजनीलैंड भी एक फार्म हाउस की भाकल थी।

श्री भजन लाल: इस वक्त तो मुझे पता नहीं कि ये फार्म हाउस किस भाकल में बने हुए हैं कैसे हैं और क्या हैं। अगले सै ान में जब आप आएंगे तो उस वक्त तफसील से आपको बताएंगे या उससे पहले भी आप कभी मेहरबानी करके औफिस में आएं मैं सारी बात का तब तक पता कर लूंगा कि इनकी क्या पोजी ान है और जो भी ठीक बात होगी वह हम करेंगे, गलत नहीं करेंगे।

श्री तेजिन्द्र पाल सिंह मान: स्पीकर साहब, मैं मुख्य मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि जो जमीन ओम प्रका ा चौटाला या उनके हैचमैन ने डिजनीलैंड के चारों तरफ जबरदस्ती पंचायती लोगों से कोअ ार्न से खरीदी थी या ऐक्वायर की थी उसके बारे में क्या विचार करेंगे ताकि उन पंचायतों/गरीब आदमियों के पास ही वह जमीन दोबारा पहुंच जाए ?

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इसके बारे में देखना पडेगा। इसमें बहुत कानूनी पहलू हैं। मु तरका मालिकान की जमीन पंचायत के नाम से ट्रांसफर करवा दी और वह जमीन पंचायत से आगे बिक गई। क्या हुआ क्या नहीं हुआ इस बात की तह में जाएंगे।

स्पीकर साहब, सदन में इस बात का भी जिक्र आया कि स्कूलों में अध्यापक नहीं हैं। अध्यापकों के पांच हजार पद खाली पडे हैं। मैं हाउस को वि वास दिलाता हूं कि हम अध्यापकों के खाली पडे पदों को बहुत जल्दी भरेंगे। जिस स्कूल में भी टीचर्ज की कमी है उस कमी को पूरा कर देंगे। एक बात स्कूलों को अपग्रेड करने के बारे में कही गई। अध्यक्ष महोदय, पिछली सरकार जाते जाते एक बडी भारी गलत बात कर गई। बजट में पैसा नहीं है। बहुत मामूली पैसा है। उस सरकार ने वोट लेने के लिए स्कूल अपग्रेड कर दिए। पिछली सरकार ने जाते जाते 350 स्कूल अपग्रेड करने के आर्डर कर दिए। वह आर्डर हमें आकर रदद करने पडे। उस सरकार ने यह नहीं देखा कि बिल्डिंग है या नहीं है। जब कोई स्कूल अपग्रेड किया जाता है तो वह नौर्म्ज के मुताबिक अपग्रेड किया जाता है।

श्री बंसी लालः आप भी स्कूलौं को अपग्रेड करने के लिए जो नौर्म्ज बने हुए हैं उनके अनुसार अपग्रेड कर देना।

श्री भजन लालः स्कूलौं को अपग्रेड करने के लिए जो नौर्म्ज बने हुए हैं उनके मुताबिक ही अपग्रेड करेंगे।

श्री सतबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, मेरा प्वायंट आफ आर्डर है। मैं कहना चाहता हूं कि पिछली सरकार ने भी नौर्म्ज के मुताबिक ही स्कूल अपग्रेड किए थे और वह आर्डर लागू भी हो गए थे। मैं इस सरकार से कहता हूं कि पिछली सरकार ने जो कोई स्कीम बनाई उसको मिटाओ नहीं। आपने तो आते ही मलियामेट कर दिया। आपने पिछली सरकार की स्कीमों के बारे में यह फैसला कर लिया है कि उन सभी स्कीमों को मिटा दो। (ाोर)

श्री अध्यक्षः आप कृपया बैठिए।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मेवात एरिया से चुन कर आए विधायक यहां सदन मैं बैठे हैं उन्होंने पोलिटैकनिक के बारे में एक बात कही और यह भी कहा कि उस पोलिटैकनिक में उस इलाके के विद्यार्थियों को दाखिला मिलना चाहिए। उनकी यह बात बडी रिजनेबल है। इसके अलावा उन्होंने मेवात कैनाल का भी जिक्र किया। उसके बारे में मैं इनको बताना चाहूंगा कि उसका सारा प्रोजैक्ट बना हुआ है लेकिन देखना यह है कि उसके लिए पानी की उपलब्धता कहां से हो सकती है। उस कैनाल के लिए पानी की मेन समस्या बनी हुई है। (विघ्न) स्पीकर साहब, मेवात में जो पोलिटैकनिक बनाया गया था वह इसी बात को ध्यान में रख

कर बनाया गया था कि मेवात का इलाका चूंकि बहुत पिछडा हुआ है इसलिए उस एरिया के विद्यार्थियों को उसमें दाखिला मिलना चाहिए। अध्यक्ष महोदय, जो कायदे कानून बने हुए हैं उनमें बहुत दिक्कत है। बैकवर्ड एरिया को थोडी बहुत रिजर्वे ान दी जा सकती है। अब देखना यह है कि किस तरह से हम उस इलाके के लोगों को फायदा पहुंचाने की बात कर सकते हैं ताकि उस इलाके के लोगों को उसका फायदा पहुंच सके। मेवात के इलाके में बहुत बेरोजगारी है, बहुत गुरबत है। उन लोगों की हालत सुधारने के लिए ऐसा कोई रास्ता निकाला जाए कि 50 परसैंट सीटें जरूर मेवात के इलाके के लोगों को मिल जाएं और बाकी 50 परसैंट सीटें दूसरे लोगों को मिल जाएं। यदि इसका कोई रास्ता निकल सका तो हम जरूर निकाल देंगे ताकि मेवात के इलाके के लोगों को उसका फायदा मिल सके।

इसके अलावा चौधरी बंसी लाल जी और दूसरे साथियों ने मैडिकल कालेज के बारे में बात कही कि वहां पर एक तो ि ाकायतें बहुत ज्यादा हैं और दूसरे उसको पी0जी0आई की तरह बनाया जाना चाहिए। वहां पर जो ि ाकायतें हैं उनको हम देखेंगे। जो बात उसको पी0जी0आई की तरह बनाए जाने की कही, उसके बारे में मैं बताना चाहूंगा कि यह सारा मामला भारत सरकार के सामने विचाराधीन है। उसके बारे में हमने अपना प्रस्ताव भारत सरकार के पास भेजा हुआ है। हम भारत सरकार से

बात करेंगे कि हमारा मैडिकल कालेज रोहतक एक बहुत भाानदार मैडीकल कालेज बने। रोहतक, प्रदे ा के बीच में भी पडता है।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री महोदय को एक बात कहना चाहूंगा कि भारत सरकार के साथ बात करते करते तो कई साल लग जाएंगे।

श्री भजन लालः चौधरी साहब, आप जानते हैं आप भारत सरकार में रहे हैं और मैं भी भारत सरकार में रहा हूं कि जब तक भारत सरकार उसकी मंजूरी नहीं देती और पैसा नहीं देती तब तक वह नहीं बन सकेगा।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, स्वर्गीय राजीव गांधी के पलवल के अन्दर एक पब्लिक मीटिंग में यह वायदा किया था कि मैडीकल कालेज रोहतक के लिए 30 करोड रूपए के इक्विपमैंट दे देंगे।

श्री भजन लालः हो सकता है आपकी बात सही हो।

श्री बंसी लालः उन्होंने पलवल में एक पब्लिक मीटिंग में इस बारे में ऐलान किया था।

श्री भजन लालः हो सकता है। अध्यक्ष महोदय, हम इस बारे में पूरी कोि ा ा करेंगे कि हमारा मैडीकल कालेज एक भाानदार मैडीकल कालेज बने। श्री राजीव गांधी जी तो दुनिया में नहीं रहे लेकिन सरकार उन्हीं की है। जो बात श्री राजीव गांधी ने

कही वह बात मैं प्रधान मंत्री से मिल कर उनके नोटिस में लाऊंगा। मैं चाहूंगा कि बहुत भाानदार हमारी यह संस्था बने।

स्पीकर साहब, इसके साथ साथ यहां पर महंगाई का जिकर किया गया। यह ठीक बात है कि महंगाई बढी है। हमारी कांग्रेस पार्टी का जो चुनाव मैनीफैस्टो है उसमें हमने दे ा के लोगों ने वायदा किया है कि 3 महीने के अन्दर अन्दर पिछले नवम्बर 90 में जो चीजों के भाव थे उनके मुताबिक हम भाव कर देंगे। हमें उम्मीद है कि ऐसा भारत सरकार करेगी और उसका असर हरियाणा पर भी पडेगा।

स्पीकर साहब, चौधरी बंसी लाल जी ने एक बात यह कही कि रोडवेज में राजस्व की बहुत अधिक चोरी होती है और दूसरी बात यह कही कि इस समय घटिया किस्म की बसें हैं, अच्छी नहीं हैं। (विघ्न) पीरचन्द जी आप बैठिए। आपका नाम मैंने अपनी इस काली डायरी में लिखा हुआ है। (हंसी) आपकी बातों का भी जवाब देंगे। फिर चौधरी साहब ने एक बात यह भी कही कि ड्राईवर्ज ऐसे भर्ती किए हुए हैं जो ठीक नहीं हैं। आप जानते हैं कि यह लोगों की लाईफ का सवाल है। इस बात की हम पूरी तरह से चैकिंग करवाएंगे और उनका टैस्ट लेंगे आया उनकी नजर ठीक है या नहीं या वह गाडी ठीक तरही से चलाना जानता है या नहीं। हम इसकी पूरी चैकिंग करवाएंगे।

श्री बंसी लालः मैं यह कहना चाहता हूं कि 2–3–4 या कुछ ऐक्सीडैंटस किसी ड्राईवर द्वारा होने पर उसे नौकरी से निकाल दिया जाये।

श्री भजन लालः इसमें ऐसा है कि बहुत से ऐक्सीडैंटस दूसरे की गलती से भी हो सकते हैं। आप कई दफा गाडी खुद चलाते हैं। अचानक सामने कोई चीज आ जाती है या अचानक कोई साईकिल वाला आ जाता है और वह अपनी साईकिल अचानक मोड देता है तो उस सूरत में दूसरे की गलती से भी ऐक्सीडैंट हो सकता है। हां अगर ड्राईवर का तीन दफा खुद का कसूर होगा तो चौथी दफा उसको माफ नहीं करेंगे। आपने एक बात बसों में महिलाओं के लिए सीटों की रिजर्वे ान की कही है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि ऐसे आदे ा पहले से ही दिए हुए हैं लेकिन फिर भी हम नए सिरे से हिदायतें दे देंगे कि उस पर पूरा ध्यान दिया जाये। साथ ही साथ आपने एक बात यह कही कि कुछ 7–8 लोग पीछे किसी मैटाडोर के साथ ऐक्सीडैंट में मारे गए थे उनकी मदद की जाये। इसके बारे में मैं आपको बताना चाहता हूं कि उनके लिए जो भी मदद हम कर सकते हैं करेंगे। आपने एक बात यह भी कही कि लिंक रोडज पर जो बसें चलती थीं वे खाडी युद्ध के समय पैट्रोल या डीजल की कमी की वजह से बन्द कर दी गई हैं, उनके बारे में भी मैं आपको जानकारी देना चाहूंगा कि हम उनको फिर से चालू कर देंगे। (विघ्न) अब मैं मिनरल्ज की ही बात पर आ रहा हूं। मैं आपको बताना चाहूंगा कि हमारे

हरियाणा में 7 किस्म के मिनरल्ज होते हैं। ये हैं लाईम, स्लेट, सिल्का सैंड, बिल्डिंग स्टोन, आर्डनरी सैंड, मार्बल और ग्रे नाईट। ग्रे नाईट, मार्बल, स्लेट और लाईम स्टोन तो पहले ही हरियाणा मिनरल्ज के पास आए हुए हैं। (विघ्न) बाकी मिनरल्ज के बारे में सोच रहे हैं।

श्री बंसी लालः आप टोटल मिनरल्ज को ने ानेलाईज कर दें ताकि सरकार को भी फायदा हो और मजदूरों को भी मजदूरी मिल सके।

श्री भजन लालः इस काम के लिए प्राईवेट लोगों से जो आमदनी हो रही है वह 9 करोड 15 लाख एक साल की है।

श्री बंसी लालः अगर आप टोटल मिनरल्ज को ने ानेलाईज कर देंगे तो वह आमदनी 30 करोड रूपये हो जाएगी।

श्री भजन लालः हरियाणा मिनरल्ज सरकार को साल में 2 करोड 10 लाख रूपये दे रही है।

श्री बंसी लालः हरियाणा मिनरल्ज के पास सारी मिनरल्ज हैं ही नहीं तो वह आपको पैसा कहां से देगी ? अगर उसके पास कुछ होगा तभी तो वह आपको पैसे देगी।

श्री भजन लालः चौधरी साहब, मैं आपकी जानकारी के लिए बताना चाहता हूं कि आप भी इन मिनरल्ज को हरियाणा

मिनरल्ज कारपोरे ान को देना चाहते थे। लेकिन मैं आपकी जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि बहुत से ऐग्रीमैंटस 20–20 साल के हुए हैं और दूसरे कुछ लोगों ने हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से स्टे ले रखा है।

श्री बंसी लालः आप गवर्नमैंट आफ इण्डिया से सैंक ान लेकर इनको ने ानेलाईज कर सकते हैं।

श्री भजन लालः आप जानते हैं कि जो मेजर माईन्ज हैं उनका कन्ट्रोल भारत सरकार के पास है। बहुत से 20–20 साल के कन्ट्रैक्ट हुए हैं और बहुत से कन्ट्रैक्ट पिछली सरकार ने भी किए हैं। अब हम यह देखेंगे कि जिसकी मियाद पूरी हो जाएगी या हम हाई कोर्ट से केस जीत जाएंगे तो हम उसे लेने की कोि ा ा करेंगे।

श्री बंसी लालः स्पीकर सर, मैं इन्हें आपके माध्यम से बताना चाहूंगा कि सुप्रीम कोर्ट की लेटेस्ट रूलिंग है कि आप नोटिस देकर भारत सरकार की परमि ान से सभी माईन्ज को ने ानेलाईज कर सकते हैं।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, हम इस बात को ऐग्जामिन करवा लेंगे और जो भी कायदे कानून के मुताबिक ठीक होगा वह करेंगे। इसके साथ ही साथ हम यह भी देखेंगे कि मिनरल्ज कारपोरे ान इन सब को चला भी सकती है या नहीं। इन सब को चलाने की कैपेसिटी मिनरल्ज कारपोरे ान की है या

नहीं और यह प्रोफिटस को बढा सकती है या नहीं। अगर प्रोफिट पहले से कम होगा तो फिर इस बात को करने का कोई फायदा ही नहीं है। इसलिए जो ठीक बात होगी वह हम करेंगे। जहां तक मिनिमम वेजिज ऐक्ट का सवाल है, हम इस ऐक्ट को जरूर लागू करेंगे। चाहे कोई खानों में काम करने वाला मजदूर है या किसी फैक्टरी में काम करने वाला मजदूर है उन सब को इसका लाभ मिले यह हमारी कोि ा ा होगी। (विघ्न)

एक आवाजः मेवात प्रोजैक्ट के बारे में आपने जिक्र नहीं किया है।

श्री भजन लालः मेवात कैनाल प्रोजैक्ट आलरेडी हमारे पास है और इसमें इतना ही देखना है कि एस0वाई0एल0 का पानी कब आएगा। कई भाईयों ने यहां पर कहा है कि एस0वाई0एल0 का पानी आने से मेवात एरिया को कोई फायदा नहीं होगा। मेरे विचार से उनकी समझ में थोडी कमी की वजह से उन्हें ऐसा लगता है हमारे पास जब एस0वाई0एल0 का पानी आएगा तो जिस एरिया में वह पानी जा सकता है उस एरिया को पानी दिया जाएगा। जिस एरिया को पानी आज आ रहा है उस एरिया का पानी उधर से लेकर हम मेवात एरिया को देंगे। (विघ्न)

एक आवाजः आप इसको बनवाने की अनुमति तो दीजिए।

श्री भजन लालः नहर बनवाने की अनुमति देने में तो कोई देर नहीं लगती सवाल तो एस0वाई0एल0 नहर बनने का है।

एक आवाजः इसको बनने में भी तो 2–4 साल लगेंगे ही।

श्री भजन लालः 2–4 साल क्यों लगेंगे वह नहर तो एक साल में भी बन सकती है।

एक आवाजः पिछले 5–7 साल से तो वह ठण्डे बस्ते में पडी है फिर एक साल में कैसे बन जाएगी। सबसे पहले तो इसको मन्जूरी देने की बात है। (विघ्न)

श्री भजन लालः पहले आप एक मिनट मेरी बात तो सुनिये। ज्यों ही हमें दिखाई देगा कि हमारा एस0वाई0एल0 प्रोजैक्ट बनने के निकट आ गया है हम इसको बनाने का काम भ्रुरू कर देंगे। अगर हमने पहले ही यह नहर बना दी तो इससे कोई मतलब सिद्ध नहीं होगा। आज जवाहर लाल कैनाल पूरी बनी हुई है लेकिन क्या इसका पूरा यूज हो रहा है ? इसी तरह से इसके अब बनने का कोई फायदा नहीं होगा। इसे हम तभी बनाएंगे जब एस0वाई0एल0 में पानी आए ताकि इस नहर में भी पानी साथ ही आ जाए। (विघ्न)

एक आवाजः दादुपुर नलवी नहर कब तक बन जाएगी ?

श्री भजन लालः दादुपुर नलवी स्कीम को हम देखेंगे और जो बात होने वाली होगी वह हम करेंगे।

भिवानी से विधायक श्री राम भजन जी ने कहा है कि भिवानी के मिल्क प्लांट को वहां से उठा कर कहीं ले जा रहे हैं। मैं उन्हें बताना चाहूंगा कि भिवानी मिल्क प्लांट भिवानी से बाहर जाने का तो कोई सवाल ही पैदा नहीं होता है। इस समय इस प्लांट बन्द जरूर पडा है। हम इसको देख लेंगे कि यह चालू कैसे हो सकता है। (विघ्न)

श्री राम भजनः एक जुलाई से यह मिल्क प्लांट बन्द पडा है और गवर्नमैंट ने वहां से स्टाफ भी भेज दिया है। इसका मतलब तो यही निकलता है कि इसको वहां से खत्म कर दिया गया है।

श्री भजन लालः ऐसी कोई बात नहीं है। इस समय यह बन्द जरूर पडा है। जैसे कि मैंने पहले ही कहा है हम इसको देखेंगे कि यह कैसे चालू हो सकता है।

स्पीकर साहब, हरिजनों और पिछडे वर्ग के लोगों को रिहाई ी प्लौट देने के बारे में यहां पर जिक्र किया गया है। ऐसे पात्र व्यक्ति जिन्हें प्लौटस नहीं मिले हैं उन्हें हम जरूर प्लौटस देंगे। (विघ्न)

अध्यक्ष महोदय, पलवल चीनी मिल में बगास की बिक्री का जिक्र भी यहां किया गया है कहां गया कि पहले यह 30 रूपये

से बेचना तय हुआ था लेकिन बाद में 21 रूप्ये में वह दे दिया गया। इस बारे में वहां से हमारे पास पूरी रिपोर्ट आई है। इस रिपोर्ट में यह कहा गया है कि 30 रूपये में इसको दिया गया था लेकिन जिसको दिया गया था उसने वहां से इसे पूरा नहीं उठाया। बाकी की चीनी मिलों में इसका भाव 20 रूपये था। इसलिए पिछली सरकार ने इस बात का फैसला किया कि चूंकि वह इस बगास को वहां से उठा नहीं रहा है इसलिए इसका भाव 21 रूपये कर दिया। लेकिन जिसने 21 रूपये में इसको लिया, कहते हैं उसने भी सारा नहीं उठाया। हम इसकी जांच करवा लेंगे और अगर कोई दोशी अधिकारी हुआ या किसी और का कोई दोश हुआ तो उसके खिलाफ हम कार्यवाही करेंगे।

स्पीकर साहब, एक और बहुत ही जरूरी बात का मैं जिक्र करना चाहूंगा। प्रदे ा में स्टेट का एक हवाई जहाज है जिसका कि बडा भारी मिस्यूज हुआ। पिछले 4 साल में इस हवाई जहाज को रेहडू से बददतर टूटी हुई साईकिल बना दिया गया और उसका इतना नाजायज इस्तेमाल किया गया जिसका कोई अन्त नहीं। अध्यक्ष महोदय, मैं बताना चाहता हूं कि वह जहाज 1425 घंटे चला जिसमें से 1250 घंटे इनकी सरकार के राज में चला है। स्पीकर साहब, उस जहाज का एक घंटे का खर्चा दस हजार रूपया आता है। इस तरह से सवा करोड या डेढ करोड रूपया खर्च हो गया, मैंटीनैंस और दूसरे खर्चे अलग। अगर इसको बाकायदा किराए पर चलाया जाए तो पांच छः गुणा रूपया बनता

है। मतलब यह है कि पांच छः करोड रूपया बनता है। इसके बारे में देखना पडेगा कि यह पैसा किससे वसूल किया जाए। स्पीकर साहब, सरकारी काम हो तो हरियाणा में जा सकते हैं लेकिन इस हवाई जहाज का तो मिसयूज किया गया। गुजरात क्या, बिहार क्या, आसाम क्या और बंगाल क्या सारे दे ा में अपनी पार्टी के परपज के लिए इसका इस्तेमाल किया गया। स्पीकर साहब, अगर जरा भी इन लोगों में गैरत है और जरा भी मर्यादा है तो मैं इनसे निवेदन करना चाहता हूं कि मेहरबानी करके इसका पैसा धर दें नहीं तो इनके खिलाफ कार्यवाही करनी पडेगी।

श्री सतबीर सिंह कादियानः स्पीकर साहब, King can do not wrong. जो कर दिया सो कर दिया।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, मेरी एक बात का फैसला कर दो। एक तो दुकानदारों पर से इंस्पैक्टरी राज खत्म कर दो। कोई इंस्पैक्टर किसी दुकान पर न जाए और सेल्ज टैक्स की जो रिटर्न व्यापारी फार्म पर भर कर दे दे वही ऐक्सैप्ट कर ली जाए ताकि यह रि वत बन्द हो। इससे पैसा ज्यादा आएगा क्योंकि व्यापारी ईमानदार हैं।

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, जब चौधरी देवी लाल मुख्य मंत्री नहीं बने थे तो कहते थे कि दुकानदार बहुत ईमानदार हैं। उनको चांदी से तोला गया। मुख्य मंत्री बनते ही कहने लगे कि व्यापारी बडा चोर है और इनको वोट का अधिकार नहीं होना

चाहिए। चौधरी साहब, जितनी तकलीफ इंस्पैक्टरी राज की आपके समय में दुकानदारनों को हुई थी उतनी कभी नहीं हुई। मुझे यह बात समझ में नहीं आती कि व्यापारियों की याद आज आकपो कैसे आने लगील ? लेकिन फिर भी इस बात पर विचार कर लेंगे।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, 1975 से तीन साल पहले व्यापारियों की दुकानों पर मैंने इंस्पैक्टर जाने बन्द करा दिए थे और यह कर दिया था कि व्यापारी सेल्ज टैक्स की जो रिटर्न भर कर दे देंगे इ0टी0ओज0 उसको क्वे चन नहीं कर सकेंगे। (विघ्न) आप 1975 से पहले वाली पोजी ान कर दें, ठीक है।

श्री भजन लालः सुझाव अच्छा है लेकिन इस पर विचार करना पडेगा। जो कुछ हो सकता है वह करने की कोि ा ा करेंगे।

वित्त मंत्री (श्री मांगे राम गुप्ता): स्पीकर साहब, इस बारे में यह फैसला हुआ है कि हरियाणा के ट्रेडर्ज की मीटिंग बुलाएंगे। उनकी जो भी तकलीफ होगी उनसे डिस्कस करके इसे दूर करेंगे और आपकी बात पर भी गौर किया जाएगा।

श्री धर्मपाल सिंहः स्पीकर साहब, दादरी में नया बस डिपो खुला है। कल मैंने वहां बसें मुहैया करने की बात कही थी। मेरी चीफ मिनिस्टरि साहब से प्रार्थना है कि वहां पर नई बसें मुहैया करने की कृपा करें।

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, मैंने पहले भी कहा है और मैं फिर कहना चाहूंगा कि जो लोकल रूटस हैं उन पर तो पुरानी बसिज चलाएंगे लेकिन जो लम्बे रूटस हैं जैसे दादरी से दिल्ली या दादरी से हिसार साइड उन पर जो बसें जाती हैं, हम कोि ा ा करेंगे कि वहां पर सारी बसिज अच्छी हों। लेकिन आप जानते हैं हमारे पास साधन कितने हैं और कितना पैसा उपलब्ध है ? इनकी मेहरबानी से कितना नुकसान बसिज का हो गया। कितनी बसिज चलाई गई। स्पीकर साहब, इनके कारनामों से प्रदे ा को बहुत अधिक नुकसान हुआ है।

स्पीकर साहब, यहां पर कहा गया कि आदमपुर में कत्ल हो गया। स्पीकर साहब, आप जानते हैं कि लडाई झगडे होते रहते हैं लेकिन मैंने अपने जीवन में कभी भी पार्टीबाजी में हिस्सा नहीं लिया। अगर मैं पार्टीबाजी में हिस्सा लेता तो इतनी वोट से नहीं जीत सकता था। मैंने रिकार्ड कायम किया है। आज तक जनरल इलैक ांज में कभी कोई इतनी परसैन्ट वोट से नहीं जीता। स्पीकर साहब, जहां भी ऐक ान की जरूरत होगी वहां ऐक ान लिया जाएगा। जिसका भी कसूर होगा उसके खिलाफ पूरी कार्यवाही होगी। ऐसा नहीं हो सकता कि इनकी तरह से मुकदमा ही दर्ज न हो।

स्पीकर साहब, चौधरी लहरी सिंह ने किसी अफसर द्वारा एक लडकी के साथ बलात्कार करने की कोि ा ा करने के बारे

में कहा। स्पीकर साहब, इसको हम देख लेंगे कि किसका कसूर है।

श्री लहरी सिंहः स्पीकर साहब, वह आई0जी0 लैवल का औफिसर है। वह 'की' पोस्ट पर लगा हुआ था।

श्री भजन लालः मैं आपसे अलग से नाम ले लूंगा। मैं आपसे बात कर लूंगा।

श्री लहरी सिंहः वह तो 'की' पोस्ट पर लगा हुआ था और उसने यह काम किया था।

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, 'की' पोस्ट का कोई सवाल नहीं है। 'की' पोस्ट वाला भी गलत काम कर सकता है। हम आपसे अलग से नाम पूछ लेंगे और आपसे तब बात कर लेंगे।

अध्यक्ष महोदय, सर्विस कोटा के बारे में रोस्टर वगैरह का जिकर भी यहां पर आया कि रोस्टर होना चाहिये जैसा कि मैंने लागू किया था। यह ठीक है कि रोस्टर सिस्टम अव य होना चाहिये। अगर कोटा 20 परसैंट है तो उसमें पांच या चार के बाद एक और अगर 10 परसैंट है तो 9 के बाद एक बैकवर्ड या भाडयूल्ड कास्टस आना चाहिये ताकि इन लोगों को भी अपने हक के मुताबिक पूरा हिस्सा मिल सके। जहां तक बैक लौग का संबंध है इसके लिये हमने डिपार्टमैंटवाइज रिपोर्ट मांगी है कि कितनी ऐसी पोस्टें हैं और कितना बैकलोग है और हम कोि ा ा करेंगे कि अगर कोई हरिजन या बैकवर्ड न मिले तो दूसरे भाईयों से

पोस्टें भरी जाएं। अगर आदमी अवेलेबल होंगे तो पहले बैकवर्ड व हरिजनों द्वारा पोस्टे भरी जाएंगी।

अध्यक्ष महोदय, एस0वाई0एल0 के बारे में भी भाई वीरेन्द्र सिंह जी ने और दूसरे महानुभावों ने यहां पर कहा। हमने बनते ही एस0वाई0एल0 के बारे में प्रधानमंत्री जी से बात की है। अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि एस0वाई0एल0 का 75–80 परसैन्ट काम हमारे वक्त में हुआ था। बाद में जहां पर हम काम छोड कर गये थे, वहीं पर ही रह गया। (विघ्न) वीरेन्द्र सिंह जी कोि ा ा तो आपने भी की होगी जब आप आई0पी0एम0 थे लेकिन काम वहीं का वहीं रह गया जहां पर हम छोड कर गये थे।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, मैंने फिगर्ज कोट किये थे। पंजाब सरकार के मन्थली फिग्गर्ज हैं। चीफ मिनिस्टर साहब अगले सै ान में यह बता देंवें। मैं यह कहता हूं कि सबसे ज्यादा काम मेरे वक्त में हुआ है। सबसे ज्यादा पैसा मेरे वक्त में खर्च हुआ था।

श्री भजन लालः बंसीलाल जी, आपने कहा कि मेरे वक्त में इतना पैसा खर्च हुआ था। वह पैसा म ाीनरी पर खर्च हुआ होगा न कि खुदाई पर खर्च हुआ होगा।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, म ाीनरी के अलावा किस महीने में कितना अर्थ वर्क हुआ कितनी लाइनिंग हुई। ये

मन्थवाइज बता दें। मैं तो कहता हूं कि मेरे वक्त में सबसे ज्यादा काम हुआ है।

श्री भजन लालः बता देंगे। अध्यक्ष महोदय, छतर पाल सिंह व दूसरे महानुभावों ने यहां पर कहा कि सडकों व वाटर सप्लाई की हालत ठीक नहीं है। बसों की हालत ठीक नहीं है।

श्री सम्पत सिंहः अध्यक्ष महोदय, मेरा प्वायंट आफ और्डर है कि एस0वाई0एल0 नहर से हर आदमी का संबंध है। इसमें कोई दो राय नहीं कि चाहे गवर्नमैंट हो, चाहे अपोजी ान हो, हर आदमी हर नागरिक की यह इच्छा है कि यह नहर बन कर तैयार हो लेकिन जैसा कि हाउस के लीडर कह रहे हैं कि 75–80 परसैन्ट काम उनके वक्त में हुआ। मैं उनको बताना चाहता हूं कि 1986 में जब ये मुख्य मंत्री पद छोड कर गये थे तो उस वक्त अर्थ वर्क केवल 45 परसैन्ट, लाइनिंग 4 परसैन्ट तक पूरा हुआ था और मेजर क्रौस ड्रेनेज, मीडियम व माइनर क्रौस ड्रेनेज, रेलवे, हाईवेज, ने ानल हाईवेज के एक भी पुल का काम पूरा नहीं हुआ था और आप कह रहे हैं कि आपके वक्त में 75–80 परसैन्ट काम पूरा हो चुका था। (ाोर एवं व्यवधान)

श्री भजन लालः 87 परसैन्ट काम मेरे और चौधरी बंसी लाल जी के वक्त में पूरा हुआ था।

श्री बंसी लालः स्पीकर साहब, किसी ने चपरासी से पूछा कि तुम्हारी तनख्वाह कितनी है भाई तो उसने कहा कि मेरी व

सै ान जज साहब की मिलाकर अढाई हजार बनती है। तो यह बात आप क्यों कह रहे हैं कि मेरे और चौधरी बंसीलाल के वक्त में इतना काम हुआ था। आप अलग अलग बताओ।

श्री भजन लालः मेरे कहने का मतलब चौधरी साहब यह था कि 75 परसैन्ट मेरे समय में और 12 परसैन्ट आपके समय में हुआ था। इसलिये मैंने आपको भाामिल किया था कि आपको अच्छी तरह से रात को नींद आ जाए। (हंसी) अध्यक्ष महोदय, डांगी साहब ने कहा कि जिन लोगों के खिलाफ मेहम कांड से संबंधित एफ0आई0आर0 में नाम दर्ज हैं उनके खिलाफ कार्यवाही होनी चाहिये। मैंने पहले ही कहा है कि हम कार्यवाही करेंगे। दूसरा इन्होंने कहा कि मेहम में जो लोग मरे हैं उनके परिवार वालों को एक एक लाख रूपया देना अनाऊंस किया गया था लेकिन उन्हें 51–51 हजार रूपये इकटठे करके दिये गये हैं। बचे हुए 50–50 हजार रूपये देने के लिये इन्होंने सरकार से प्रार्थना की है। मैं यह कहना चाहूंगा कि मेहम के अन्दर जो मरे हैं, उनको मरा नहीं कहना चाहिये बल्कि उनको तो भाहीद कहना चाहिये क्योंकि वे प्रजातन्त्र की रक्षा करते हुए भाहीद हुए हैं। इसलिये उनके परिवार वालों को 50–50 हजार रूपया सरकार देगी। (तालियां)

स्पीकर साहब, एस0वाई0एल0 का जहां तक ताल्लुक है उसके बारे में ये अभी बोल रहे थे। चौधरी देवी लाल दे ा का डिप्टी प्राईम मिनिस्टर था और यहां भी सरकार उनकी थी। कभी

हुकम सिंह और कभी चौधरी देवी लाल का बेटा चीफ मिनिस्टर रहा। उनका बेटा तो तीन दफा बन गया लेकिन अगले ही तकदीर में लिखा ही नहीं। तकदीर में लिखा हो तो मिले क्योंकि उसने कुकर्म ऐसे कर रखे हैं, चीफ मिनिस्टर कैसे बने। जो आदमी परमात्मा को भी न माने वह चीफ मिनिस्टर कैसे रहेगा ? तो मेरा कहने का तात्पर्य यह है कि एस0वाई0ए0ल के बारे में कितने मगरमच्छ के आंसू बहाते थे। कहते थे लोगों मुझे बनाओ मैं एस0वाई0एल0 नहर बना कर तुम्हारे खेतों तक पानी पहुंचाऊंगा। बिल्कुल ठीक क्या कर दी वह नहर पूरी स्पीकर साहब, कितनी बुरी हालत हो गई इस नहर की। भाुरू में 176 करोड रूपए लगने थे। उस नहर का इस वक्त जो एस्टीमेट बन कर आया है वह 507 करोड रूपये का बन कर आया है यह इन लोगों की मेहरबानी से हुआ है। ये क्या बात करते हैं।

श्री सम्पत सिंहः स्पीकर साहब, ऐस्टीमेट तो पहले ही बढ गया था ?

श्री भजन लालः कितना बढ गया था। मेरे वक्त में जितना काम हुआ था; उसके बाद अगर दो साल में नहर बन जाती तो सौ करोड रूपए फालतू लगने थे।

श्री सम्पत सिंहः आपके वक्त में चार परसैन्ट काम हुआ है।

श्री भजन लालः स्पीकर साहब, राम बिलास भार्मा जी ने जिला महेन्द्रगढ और रिवाडी का जिक्र किया और चारे के बारे में उन्हौंने कहा। उन्होंने इस बारे में एक ध्यानाकर्शण प्रस्ताव भी दिया था लेकिन वे उस समय हाउस में थे नहीं इसलिये वह बात बीच में रह गई। सरकार की तरफ से पूरी तैयारी थी। हमारे रैवेन्यू मिनिस्टर बीरेन्द्र सिंह जी ने जवाब भी देना था। मैं इनको इतना ही वि वास दिलाना चाहता हूं कि चारे की कोई भयंकर समस्या अभी तक हुई नहीं है। क्यों नहीं हुई है ? क्योंकि अभी फसल निकले दो महीने भी नहीं हुए हैं और मौनसून अभी आने वाली है। चारे की कठिनाई या अकाल की बात सितम्बर अक्तूबर में तो हो सकती है अगर बरसात न हो लेकिन जुलाई के महीने में यह बात नहीं हो सकती क्योंकि जब बरसात होगी तो घास भी हो जाएगी। कोई दिक्कत अगर खास आ गई तो हम इनकी सहायता करेंगे।

श्री सम्पत सिंहः मैं मुख्य मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि क्या फरवरी महीने में प्रधान मंत्री ने बौर्डर रोड और्गेनाइजे ान को यह काम नहीं सौंपा था ? क्या ये बताएंगे कि अब वह किस स्टेज पर हैं ?

श्री भजन लालः कौन से प्रधान मंत्री ने ?

श्री सम्पत सिंहः चन्द्र ोखर जी ने फरवरी 1991 में

श्री भजन लालः बिल्कुल नहीं।

श्री सम्पत सिंहः आप औफिसर्ज से पूछ लेना।

श्री भजन लालः हमने पूछा है। अभी हमने भारत सरकार को लिखा है।

श्री सम्पत सिंहः उधर बैठे आपके सेक्रेटरी कह रहे हैं कि हुआ है।

श्री भजन लालः जब मैं बताता हूं कि क्या हुआ है तो आप सुनने की कृपा करें। मैं जानता हूं।

श्री सम्पत सिंहः आप चीफ सैक्रेटरी जी से चिट ले लें।

श्री भजन लालः मुझे पता है आप सुनने की कृपा करें। हमने प्रधान मंत्री को चिटठी लिख है कि मिल्ट्री की देख रेख में इस नहर को बनवाया जाए क्योंकि आप जानते हैं कि तीन बार चीफ इंजीनियर से लेकर एस0ई0 और ऐक्सीयन तक मार दिए जाएं और साथ में जो वहां पर मजदूर हैं तीन दफा मौत के घाट उतार दिए जाएं तो वहां कौन काम करेगा ? इसलिये हमने लिखा है कि आर्मी की देख रेख में बनाएं और उस नहर पर वार फुटिंग पर रात दिन काम चले। हरियाणा की जीवन रेखा इसके साथ जुडी हुई है। हमारी कोि ा ा होगी कि एक साल के अन्दर उस नहर को हम बना कर तैयार करें और किसान के खेत तक उस नहर का पानी पहुंचाएं।

श्री बंसी लालः अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से मुख्य मंत्री जी से आ वासन चाहूंगा कि भविश्य में हरियाणा प्रदे ा में जितनी भी ऐजैन्सीज दी जाएंगी चाहे प्राईवेट फैक्टरीज की हों चाहे गवर्नमैंट की फैक्टरी की हों, वे सभी पढ लिखे बेरोजगार नौजवानों की को आप्रेटिव सोसाइटीज को दी जाएं। यदि इसमें कोई कानूनी पहलू है तो उसके बारे में अगले सै ान में बिल पे ा कर दें।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, इस बारे में विचार करेंगे।

श्री पीर चन्दः अध्यक्ष महोदय, मुख्य मंत्री जी मेरी बात को तो भूल ही गए हैं। मैंने अपने हलके की सारी बातें अभी थोडी देर पहले बोलते हुए मुख्य मंत्री जी को नोट करवा दी थी। जब मैं बोल रहा था तो मैंने रंगोई नाले का भी जिक्र किया था लेकिन इन्होंने मेरी किसी भी बात का जवाब नहीं दिया।

श्री भजन लालः अध्यक्ष महोदय, वह रंगोई नाला मेरे ही वक्त में बना था। मैं ही उसको पूरा करूंगा, मेरे सिवाय उसको कोई और पूरा नहीं कर सकता। इन भाब्दों के साथ साथ मैं सभी माननीय सदस्यों का बडा आभारी हूं कि सभी ने बडे अच्छे अच्छे सुझाव दिए हैं और अपने अपने विचार हाउस के सामने रखे हैं। जिन जिन महानुभावों ने बहुत अच्छे सुझाव दिये हैं हम उनके सुझावों पर पूरी तरह से अमल करने की कोि ा ा करेंगे। मैं एक

बार फिर सभी सदस्यों का आभार प्रकट करता हूं क्योंकि केवल एक दो माननीय सदस्यों को छोड कर सभी ने बडे को–आप्रे ान तथा बडे अच्छे वातावरण में हाउस की कार्यवाही को चलने दिया। एक दो महानुभाव ऐसे हैं जो आदत से लाचार हैं। सभी ने अपने बडे अच्छे सुझाव दिए हैं और बडे अच्छे वातावरण में हाउस को चलने दिया है। इन भाब्दों के साथ मैं सदन के सभी माननीय सदस्यों को अपील करता हूं कि राज्यपाल महोदय के अभिभाशण पर जो धन्यवाद प्रस्ताव है उसको सर्व सम्मति से पास करें ताकि अच्छी प्रथा हाउस में आए।

श्री लहरी सिंहः स्पीकर साहब, हमारे माननीय सदस्य श्री खैराती लाल जी फादर की डैथ हो गई है उनके लिए सदन में भाोक प्रस्ताव आना चाहिए।

Mr. Speaker: Ch. Lehri Singh Ji, this is not the proper time for this. Please take your seat.

Hon. Members, now I put the amendment of Sarvshri Bansi Lal and Sampat Singh, Smt. Chandravati, and Sarvshri Ram Bilas Sharma, Amar Singh Dhanak and Sh. Verender Singh, to this motion, to the vote of the house.

Question is-

That in the motion, the following be added at the end, namely :-

“but regret that no mention has been made of –

1. Lowering of age for grant of old pension to 55 years in view of the fact that even middle classes families are finding it difficult to properly feed the eleders, as a conseq-uence of alarming rise in prices made worse by devaluation of the rupees twice in the last week.

2. Fixing a time-frame for clearing the back-log in filling up the posts reserved for S.Cs and B.Cs by time-bound recruitment/promotions.

3. Providing free education to the girls upto graduation level.

4. Concrete steps which the Government proposes to take to arrest price rise and bring back the price line to January, 1990 level.

5. Concrete steps proposed to be taken up by the Govt. to streamline the deteriorating Public Distribution system.

6. Declaration of Govt.'s intention to nationalise all the mines in the State to prevent looting of precious resources of the State by vested interests.

7. Declaration of Govt.'s intention to ban colonisation by private parties and to have it done only through HUDA and Housing Board to put a stop to exploitation of the public by private colonisers.

8. Intention of the Govt. to allow Police Personnel to form Association.

9. Scheme for giving employment to one member of each family in the State; even though he or she may be unfortunate to have remained uneducated.

The motion was lost.

Mr. Speaker: Hon. Members, now I put the amendment of Shri Bansi Lal, Smt. Chandravati and Sarvshri Pir Chand and Amar Singh Dhanak, to this motion, to the vote of the House.

Question is-

That in the motion, the following be added at the end, namely :-

"but regret that no mention has been made of :–

To facilitate the formation of co-operative Societies of the unemployed educated youth which be preferred for the allotment of Govt. and private agencies like gas, tractors, four wheelers, cement, Petrol Pumps, Automobiles etc. and contracts for developmental works like digging/desilting canals, construction of Govt. buildings and roads."

The motion was lost.

Mr. Speaker: I will put the main motion to the vote of the House.

Question is –

"That an Address be presented to the Governor in the following terms :-

'That the members of the Haryana Vidhan Sabha assembled in this Session are deeply grateful to the Governor for the Address which he has been pleased to deliver to the House on the 10th July, 1991."

The motion was carried.

***17.47 p.m.**

MR. Speaker: Now the House stands adjourned sine-die. (The Sabha then *adjourned sine-die)